॥ श्रीः ॥

श्रीमान् दैवज्ञकेशवाचार्यकृत-

# केशवीजातक।

(ज्योतिषग्रन्थ.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

किया और मिथिलादेशस्थकानिगामग्राम-
निवासी ज्योतिर्विद् श्रीबच्चूझा
द्वारा शुद्ध कराय

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,

अध्यक्ष " लक्ष्मीवेंकटेश्वर " छापेखानेमें
मैनेजर पं० शिवदुलारे वाजपेयीने मालिकके लिये
छापकर प्रकाशित किया.

संवत् १९८१, शके १८४६.

कल्याण-मुंबई.

# केशवीजातक।

## सटीक सोदाहरण भाषाटीका.

जिसमें

ग्रहलाघवकी रीतिसे ग्रहस्पष्ट करनेकी सारणी और चतुर्विंशद्दलोंकी सारणी तथा क्रांतिसारणी और आयुर्दाय सुगम रीतिसे करनेका प्रकार और विदशा उपदशा करनेकी रीति तथा विंशोत्तरी दशा अंतर्दशा तथा प्रत्यंतर, योगिनी-दशा, अष्टोत्तरीदशा वर्गमूल निकालनेकी रीति, अष्टकवर्ग, सूर्यकालानलचक्र तथा चन्द्रकालानलचक्र, सर्वतोभद्रचक्र और सूर्यलग्नसे इष्टकाल बनानेकी रीति, दशमसारणी, लग्नसारणी, तथा चरसारणी श्रीयुत सेठ खेमराजजीकी प्रार्थनासे श्रीजगदीश मथुरादत्त शंभुदयाल रामनाथ त्रिपाठी इन्होंने "केशवी-जातक" का भाषा उदाहरण बनाया सो बहुत शोधके छापा गया है।

 मिति श्रावण शुक्ला १५, रविवार संवत् १९५३, शके १८१८, ईसवी सन् १८९६, हिजरी सन् १३१३.

पं० जगदीशप्रसाद.

दोहा—श्रीगणपति मन्दाकिनी, शारद दश दिक ईश ।
हरिहर ब्रह्मा शेष गुरु, तिनको नावौं शीश ॥ १ ॥

सोरठा—श्रीराजेन्द्र नरेश, ताके सुंदर राजमें ।
नारनौल शुभ देश, इन्द्रप्रस्थमें परदिशा ॥ १ ॥
पंडित रामविलास, तिनके शिष्य जगदीशने ।
भाषा करी प्रकाश, केशवीजातक ग्रंथकी ॥ २ ॥
मोहिं दासानुजदास, जान आप किरपा करी ।
क्षमा करो द्विज तास, मैं मूरख मतिमंद हूँ ॥ ३ ॥

चौपाई—मोर नाम हैगा जगदीशा । गुरुचरणनमें नावौं शीशा ॥ १ ॥
रामविलास गुरूजी मेरा । उनके चरणनका हूं चेरा ॥ २ ॥
मथुरामें मेरी मित्राई । जिन या भाषा साथ बनाई ॥ ३ ॥
ग्रंथ देख मैं अति कठिनाई । संस्कृतमें निज भाषा गाई ॥ ४ ॥
देख चपलता द्विजसमुदाई । क्षमा करो निजपुत्रकी नाई ॥ ५ ॥

श्लोक—शास्त्रकर्ता भवेद्व्यासो लेखको गणनायकः ।
तयोर्विचलिता बुद्धिर्मनुष्याणां तु का कथा ॥ १ ॥

# भूमिका।

## ज्योतिषं नयनं स्मृतम्।

प्रिय पाठकगण! आप सब महाशयोंको विदितही होगा कि, चारों वर्णोंको शिक्षाप्रणाली बतलानेवाला दिव्यपुस्तक वेद है और उसके शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छंद और ज्योतिष यह छः अंग हैं और षडंग वेद पढना ब्राह्मणोंसे लेकर वैश्यों पर्यंत तीनों वर्णोंका धर्म है। उसही हमारे शिरोधार्य वेदका एक अंग ज्योतिष है उसके दो भाग हैं एक व्यक्त कहिये प्रत्यक्ष दृष्टफल ग्रहण अस्तोदयादि दूसरा अव्यक्त कहिये अदृष्ट भविष्यफल जातक और वर्षफलादिक, अब यहां अपनेको जातकके विषे विचार कर्तव्य है कि, प्राणीके यावज्जन्ममें जो शुभ किंवा अशुभ फल होता है कहिये कौन से समयमें किसको लाभ किंवा हानि जय किंवा पराजय किससे सुखोत्पत्ति किंवा पीडा और कौन समयमें रोगादिकोंसे मरणप्राय संकट और शरीरसुख, कुटुम्बसुख, भ्रातृसुख, मित्रसुख, पुत्रसुख, कलत्रसुख, पितृमातृसुख इत्यादि बातोंका ज्ञान जिस ग्रंथसे होताहै कहिये ज्योतिषीलोग जिस ग्रंथके आधारसे जन्मपत्रिका लिखते हैं उसको जातक ऐसा कहते हैं। संस्कृतमें जातकपर बहुत ग्रंथ हैं परंतु सबमें प्रसिद्ध और विद्वन्मान्य ऐसा ग्रंथ केशवाचार्यकृत जातकपद्धति जिसको "केशवीजातक" कहते हैं सो यह ग्रंथ संस्कृतभाषामें है इस वास्ते उसका उपयोग मनुष्योंको बहुत होता नहीं इसवास्ते उसका सान्वय भाषाटीका निर्माण किया कारण इसकी सहायतासे केशवीजातकका यथार्थ ज्ञान होके पत्रिकाका गणित कैसे करना सो खुलासे मालूम होगा, इसमें केशवीजातकके मूल श्लोक लिखके वह सब श्लोकोंका अन्वय और खडी भाषामें अर्थ लिखाहै तथा ग्रह और षड्बल इत्यादि गणित अल्पायाससे करनेमें आवें इस वास्ते सारणीका योजना करके उस सारणीका कैसा उपयोग करना यह स्पष्ट रीतिसे लिखके उनके पृथक् पृथक् उदाहरण लिखे हैं और

जन्मपत्रिकाका गणित कैसे करना यह समझनेके वास्ते उत्तम उदाहरण लिखाहै इसमें वर्षमूल निकालनेकी रीति और उच्चबल तीन प्रकारसे करनेकी रीति लिखीहै और ग्रहोपरि तथा भावोपरि दृष्टि करनेकी तीन प्रकारसे लिखा है और अष्टोत्तरीदशा और विंशोत्तरीदशा और योगिनी यह तीनों दशाओंकी नक्षत्रोंसे उत्पत्ति और उनके पति और वर्षादि दशा अन्तर्दशा कोष्ठक प्रत्यंतर दशा लिखके जन्मपत्रिका लिखनेका क्रम बताया है।

यह ग्रंथ लोकमें उपयुक्त होनेके वास्ते जो परिश्रम किया है सो देखनेसे मालूम होगा अब आशा है कि गुणग्राहक सज्जन पुरुष इसको अवलोकन कर मेरे परिश्रमको सफल करेंगे। आशा है कि सज्जन पुरुष मत्सरताको छोडकर मुझसे मनुष्यधर्मानुसार जो भूल हुई है उसको क्षमा करें और मुझको सूचना दें कि जिससे वह भूल पुनरावृत्तिमें दुरुस्त की जायगी।

श्लोक-विद्वानेव हि जानाति विद्वज्जनपरिश्रमम् ॥ न हि वंध्या विजानाति गुर्वीं प्रसववेदनाम् ॥१॥ करोमि केशवीग्रंथोदाहृतिं लोककाम्यया ॥ बालानां सुखबोधाय न तु पांडित्यगर्विनः ॥ २ ॥ इत्यलम् ॥

पं० जगदीशप्रसाद.

विशेष द्रष्टव्य-भ्रमवश ११३ से १२८ तक पत्रांक भूलसे नहीं लगाये गये, किन्तु विषय सब बराबर है.

# अथ केशवीजातकस्य विषयानुक्रमणिका ।

इति केशवीजातकस्य विषयानुक्रमणिका समाप्ता ।

॥ श्रीः ॥

अथ ज्योतिर्वित्केशवाचार्यविरचितं

# केशवीजातकम् ।

भाषोदाहरणसहितम् ।

अथ मङ्गलाचरणपूर्वकस्पष्टाध्यायः १.

नत्वा विघ्नपशारदाच्युतशिवब्रह्मार्कमुख्यग्रहान्
कुर्वे जातकपद्धतिं स्फुटतरां ज्योतिर्विदां प्रीतये ॥
यंत्रैः स्पष्टतरोऽत्र जन्मसमयो वेद्योऽत्र खेटाः स्फुटा
यत्पक्षे हि घटंत उद्गम इहास्तर्क्षं सपङ्गः स च ॥ १ ॥

हेरम्बोऽम्बाथ वेधोहरिपशुपतयो भास्कराद्या ग्रहा ये
पंचैते लोकपाला अथ दश गदिता दिक्पा ये महान्तः ॥
मेषाद्या राशयश्चाश्विमुखमुखवरा याश्च नक्षत्रतारा
योगा विष्कंभकाद्याः सकलसुखवराः पांतु मामत्र कृत्ये ॥ १ ॥
नृगिरा केशवं नत्वा केशवीजातकं स्फुटम् ॥
जगदीशः प्रकुरुते जगदीशानुकम्पया ॥ २ ॥

अन्वयः—अहं केशवाचार्यः जातकपद्धतिं कुर्वे करोमीत्यर्थः। किं कृत्वा विघ्नपशारदाच्युतशिवब्रह्मार्कमुख्यग्रहान्नत्वा किंविशिष्टां जातकपद्धतिं, स्फुटतराम्, अतिशयेन स्फुटेति स्फुटतरा तां स्फुटतराम्। किमर्थं ज्योतिर्विदां प्रीतये ज्योतिषं विदंति जानंति ये ते ज्योतिर्विदस्तेषां प्रीतये। अत्र ज्योतिश्शब्देन त्रिस्कन्धो ज्ञेयः गणितसंहिताजातकरूपमित्यर्थः। होराविदामित्यर्थं ये ज्योतिर्विदस्ते एतद्धोराशास्त्रविदो भवंत्येवेति शम्। स्रग्धरावृत्तम् ॥ १ ॥

भाषाः—गणपति, सरस्वती, विष्णु, शिव, ब्रह्मा और सूर्यादि नव ग्रह इनको नमस्कार करके ज्योतिर्विद्के संतोषार्थ यह स्पष्ट जातकपद्धति नामक ग्रंथ करते हैं। इसमें जन्मकालघटी शंकु, चक्र, फलक इत्यादि यंत्रोंसे सूक्ष्म रीतिसे जानना और स्पष्टग्रह जिस पक्षके प्रत्यक्ष होंय उसे पक्षके ग्रहलाघवरीत्या लेना। जन्मकालीन लग्न स्वदेशीय उदयसे बनाना, अनंतर जो लग्न आवे उसमें ६ राशि जोड देना तो सप्तमभाव होता है ॥ १ ॥

उदाहरणः—संवत् १९४३ शालिवाहनशक १८०८ इस वर्षमें वैशाखकृष्ण ७ रविवारको ४०। १५ उत्तराषाढा नक्षत्र ५३। ३३ साध्यनाम योग ५२। ४८ इस दिन सूर्योदयके अनंतर ३२ घटी १ पच्चार पंडितजी श्रीबालीरामजीके पौत्र तत्पुत्र पंडितजी श्री चि० गंगाविष्णुजीके पुत्र उत्पन्न भये। उस वक्त दिनमान ३२। ४२ रात्रिमान २७। १८ अक्षभा ७। १० अयनांश २२। ४४। ३ चरखण्ड ७०। ५६। २३ चर ८१ ऋण।

तात्कालिक मध्यमग्रहसाधनके वास्ते अहर्गणादिसाधन।

" द्व्यब्ध्यिन्द्रो १४४२ नितशक ईशहृत्फलं स्या-
च्चक्राख्यं रवि १२ हतशेषकं तु युक्तम् ॥
चैत्राद्यैः पृथगमुतः सदृग्घ्नचक्रा-
दिग्युक्तादमरफलाधिमासयुक्तम् ॥ "

भाषाः—१४४२ वर्त्तमानशकमें कम करना जो शेष रहे उसको ११ से भाग देना जो लब्धि आवे वह चक्र जानना और शेष जो रहा उसको १२ से गुण देना उसमें चैत्रादि मास इष्टमासतक युक्त करना वह मध्यम मासगण भया उसको दो स्थानमें रखना एकमें चक्र दूना और दश१० मिलाकर ३३ का भाग देना जो लब्धि आवे सो अधिमास जानना उसको दूसरेमें युक्त करना तो मासगण होता है।

" खत्रिघ्नं गततिथियुङ्निरग्रचक्रां-
गांशाढ्यं पृथगमुतोऽब्धिषट्कलब्धैः ॥
ऊनाहैर्वियुतमहर्गणो भवेद्वै
वारः स्याच्छरहतचक्रयुग्गणोऽब्जात् ॥ "

भाषाः—जो मासगण आवे उसको ३० से गुण देना और शुद्ध प्रतिपदादिसे इष्ट तिथितक जोडके चक्रका जो षष्ठांश सो युक्त करके दो स्थानमें रखना एकमें ६४ से भाग देके जो लब्धि आवे सो ऊनाह जानना उसको दूसरेमें कम करना तब जो अंक आवे सो अहर्गण जानना जो अहर्गण आया सो शुद्ध [१]किंवा

---

१ सुधियाऽहर्गण.कार्यो यदि वारो न लभ्यते। खरामयुक्तो हीनो वा सैको वापि निरेकतः ॥

मध्यमग्रहसारणीप्रवेश.

अहर्गणको ६०से भाग देना तो लब्धि और शेष ऐसे २ अंक आते हैं सो आगे मध्यम ग्रहसारणीमें सूर्यादि ग्रहोंका १ से ६७ तक शेषलब्धिकोष्ठक है, उसके नीचे वह कोष्ठकके राश्यादिक अंक लिखे हैं वह शेषकोष्ठकही लब्धिकोष्ठक है परंतु उसका फल लेनेकी रीति जुदी है वह प्रकार ऐसा है जो लब्धिका अंक हो सो शेषकोष्ठकमें देखना अनंतर वह कोष्ठकके नीचे राशिसहित जो अंक है तिसमें राशिका त्याग करके अंक लेना. अनंतर पहिला अंक जो हो उसको ६ से भाग देके जो शेष रहे तिसको दूना करना तो लब्धिकोष्ठकका राशि अंक होता है। अनंतर उसके नीचेका अंक अंशस्थानमें आता है इसवास्ते ३० से अधिक होतो ३० से भाग देके जो अंक आवे उसको राशिस्थानमें जोड देना तो लब्धिकोष्ठक फल तैयार होता है ।

सारणीका अभीष्ट शेषकोष्ठकके नीचेका अंक हो सो और अभीष्टलब्धिकोष्ठकका जो अंक हो सो दोनोंका योग करना अनंतर उस अंकको चक्रनिग्रध्रुवोनक्षेपक तैयार सारणीमें ऊपरके बाजूके नीचे अंक है सो अभीष्टचक्रके नीचेके अंकमें युक्त करना तो प्रातःकालका मध्यमग्रह होता है।

इष्टकालका मध्य करना हो तो सूर्योदयके अनंतर जो इष्ट घटी और पल हो उसका कोष्ठक ग्रहसारणीके पीछे राश्यादि लिखा है. उसमेंसे अपना जो इष्ट घटी, पल हो उसके नीचेके अंकको प्रातःकालका जो ग्रह उसमें युक्त करना तो इष्टकालका मध्यम ग्रह होता है।

मध्यमराहु बनानेकी रीति कुछ भिन्न है. सो ऐसी है कि शेषलब्धिकोष्ठकके योगको १२ में कम करके जो बचे उसको चक्रनिग्रध्रुवोनक्षेपकमें मिलाना तो प्रातःकालका राहु होता है. इष्टकालका राहु बनाना हो तो जो अभीष्टघटीकोष्ठकके और पलकोष्ठकके नीचेके अंकको लब्धिशेषकोष्ठकका जो फल सो युक्त करके जो अंक आवे उसको १२ में कम करना अनंतर चक्रनिग्रध्रुवोनक्षेपक मिलाना तो इष्ट कालका राहु होता है। इस प्रकार मध्यमग्रह बनाना ।

## रविचक्रनिम्नध्रुवोनक्षेपक.

| २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १० | १० | १० | १० | १० | ०९ | ०९ | ०९ | ०९ | ०९ | ०९ | ०९ | ०९ | ०९ | ०९ | ०९ | ०९ | ०९ | ०९ |
| ७ | ०६ | ०४ | ०२ | ०० | २८ | २६ | २५ | २३ | २१ | १९ | १७ | १५ | १४ | १२ | १० | ०८ | ०६ | ०५ |
| ४९ | ०० | ११ | २२ | ३३ | ४३ | ५४ | ०५ | १६ | २७ | ३७ | ४८ | ५९ | १० | २१ | ३२ | ४२ | ५३ | ०४ |
| ४७ | ३६ | २५ | १४ | ०३ | ५२ | ४१ | ३० | १९ | ०८ | ५७ | ४६ | ३५ | २४ | १३ | ०२ | ५१ | ४० | २९ |

## रविक्षेपलब्धिकोष्ठक.

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ |
| ० | ५९ | ५८ | ५७ | ५६ | ५५ | ५४ | ५३ | ५३ | ५२ | ५१ | ५० | ४९ | ४८ | ४७ | ४७ | ४६ | ४५ | ४४ | ४३ | ४२ | ४१ | ४० |
| ० | ८ | १६ | २४ | ३२ | ४० | ४९ | ५७ | ५ | १३ | २१ | २९ | ३८ | ४६ | ५४ | २ | १० | १८ | २७ | ३५ | ४३ | ५१ | ५९ |
| ० | १० | २० | ३० | ४१ | ५१ | १ | १२ | २२ | ३२ | ४२ | ५३ | ३ | १३ | २४ | ३४ | ४४ | ५४ | ५ | १५ | २५ | ३६ | ४६ |
| ० | १७ | ३४ | ५१ | ८ | २५ | ४२ | ० | १७ | ३४ | ५१ | ८ | २५ | ४२ | ०० | १७ | ३४ | ५१ | ८ | २५ | ४३ | ०० | १७ |
| ० | ९ | १८ | २७ | ३६ | ४५ | ५४ | ३ | १२ | २१ | ३० | ३९ | ४८ | ५७ | ६ | १५ | २४ | ३३ | ४२ | ५१ | ०० | ९ | १८ |

| २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
| ४० | ३९ | ३८ | ३७ | ३६ | ३५ | ३४ | ३४ | ३३ | ३२ | ३१ | ३० | २९ | २८ | २८ | २७ | २६ | २५ | २४ | २३ | २२ | २१ | २१ |
| ७ | १६ | २४ | ३२ | ४० | ४८ | ५६ | ५ | १३ | २१ | २९ | ३७ | ४६ | ५४ | २ | १० | १८ | २६ | ३५ | ४३ | ५१ | ५९ | ७ |
| ५६ | ६ | १७ | २७ | ३७ | ४८ | ५८ | ८ | १८ | २९ | ३९ | ४९ | ० | १० | २० | ३० | ४१ | ५१ | १ | ११ | २२ | ३२ | ४२ |
| ३४ | ५१ | ८ | २५ | ४३ | ० | १७ | ३४ | ५१ | ८ | २५ | ४२ | ० | १७ | ३४ | ५१ | ८ | २६ | ४३ | ० | १७ | ३४ | ५१ |
| २७ | ३६ | ४५ | ५४ | ३ | १२ | २१ | ३० | ३९ | ४८ | ५७ | ६ | ३ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

| ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ० |
| २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १४ | १३ | १२ | ११ | १० | ९ | ९ | ८ | ७ | ६ | ५ | ४ | ३ | २ | १ | ० |
| १५ | २४ | ३२ | ४० | ४८ | ५६ | ४ | १३ | २१ | २९ | ३७ | ४५ | ५३ | १ | १० | १८ | २६ | ३४ | ४२ | ५१ | ५९ | ७ | ० |
| १२ | २ | १३ | २४ | ३४ | ४४ | ५४ | ५ | १५ | २५ | ३६ | ४६ | ५६ | ६ | १७ | २७ | ३७ | ४८ | ५८ | ८ | १८ | २९ | ० |
| ८ | २६ | ४३ | ० | १७ | ३४ | ५१ | ८ | २६ | ४३ | ० | १७ | ३४ | ५१ | ८ | २६ | ४३ | ० | १७ | ३४ | ५१ | ९ | ० |
| २४ | ३ | १२ | २१ | ३० | ३९ | ४८ | ५७ | ६ | १५ | २४ | ३३ | ४२ | ५१ | ० | ९ | १८ | २७ | ३६ | ४५ | ५४ | ३ | ० |

## रविवर्गकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
| ५९ | ५८ | ५७ | ५६ | ५५ | ५४ | ५३ | ५३ | ५२ | ५१ | ५० | ५० | ४९ | ४८ | ४७ | ४६ | ४५ | ४५ | ४४ | ४३ | ४२ |

## रविघटीकोष्टक ।

| २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

## रविपलकोष्टक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ |
| २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ० | ० | ० |

## चंद्रचक्रानिग्रहुवोनक्षेपक.

| १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९ | ९ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

## चंद्रशेपलब्धिकोष्टक.

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| • | ० | ० | १ | १ | [illegible] | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ |
| • | १३ | २६ | ९ | २२ | ५ | १९ | २ | १५ | २८ | ११ | २४ | ८ | २१ | ४ | १५ | ० | १३ | २७ | १० | २३ | ६ | १९ |
| • | १० | २१ | ३१ | ४२ | ५२ | ३ | १४ | २४ | ३५ | ४५ | ५६ | ६ | १७ | २८ | ३८ | ४९ | ५९ | १० | २५ | ३१ | ४२ | ५२ |
| • | ३४ | ९ | ४४ | १९ | ५४ | २९ | ४ | ३८ | १३ | ४८ | २३ | ५८ | ३३ | ८ | ४२ | १७ | ५२ | २७ | २ | ३७ | १२ | ४७ |
| • | ५१ | ४३ | ३५ | २८ | १९ | ११ | ३ | ५५ | ४७ | ३९ | ३१ | २३ | १५ | ७ | ५९ | ५० | ४२ | ३४ | २६ | १८ | १० | २ |
| • | ५६ | ५२ | ४८ | ४४ | ४० | ३६ | ३२ | २८ | २४ | २० | १६ | १२ | ८ | ४ | ० | ५६ | ५२ | ४८ | ४४ | ४० | ३६ | ३२ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ३ | १६ | २९ | १२ | २५ | ८ | २७ | ५ | १८ | १ | १४ | २७ | ११ | २४ | ७ | २० | ३ | १७ | ० | १३ | २६ | ९ | २२ |
| ३ | १२ | २४ | ३५ | ४५ | ५६ | ६ | १७ | २८ | ३८ | ४९ | ५९ | १० | २० | ३१ | ४२ | ५२ | ३ | १३ | २४ | ३४ | ४५ | ५६ |
| २१ | १९ | ३१ | ६ | ४१ | १६ | ५१ | २५ | ० | ३५ | १० | ४५ | २० | ५५ | ३० | ४ | ३९ | १४ | ४९ | २४ | ५९ | ३४ | ८ |
| ५४ | ४६ | ३८ | ३० | २२ | १४ | ६ | ५८ | ४९ | ४१ | ३३ | २५ | १७ | ९ | १ | ५३ | ४५ | ३७ | २९ | २१ | १३ | ५ | ५७ |
| २८ | २४ | २० | १६ | १२ | ८ | ४ | ० | ५६ | ५२ | ४८ | ४४ | ४० | ३६ | ३२ | २८ | २४ | २० | १६ | १२ | ८ | ४ | ० |
| ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ |
| ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ | • |
| ६ | १९ | २ | १५ | २८ | ११ | २५ | ८ | २१ | ४ | १७ | १ | १४ | २७ | १० | २३ | ६ | २० | ३ | १६ | २९ | १२ | • |
| ६ | ५७ | २७ | ३८ | ४९ | ५९ | १० | २० | ३१ | ४१ | ५२ | ३ | १३ | २४ | २४ | ४५ | ५६ | ६ | १७ | २७ | ३८ | ४८ | • |
| ४३ | १८ | ५३ | २८ | ३ | ३८ | १३ | ४७ | २२ | ५७ | ३२ | ७ | ४२ | १७ | ५१ | २६ | १ | ३६ | ११ | ४५ | २१ | ५५ | • |
| ४८ | ४० | ३२ | २४ | १६ | ८ | ० | ५२ | ४४ | ३६ | २८ | २० | १२ | ४ | ५६ | ४७ | ३९ | ३१ | २३ | १५ | ७ | ५९ | • |
| ५६ | ५२ | ४८ | ४४ | ४० | ३६ | ३२ | २८ | २४ | २० | १६ | १२ | ८ | ४ | ० | ५६ | ५२ | ४८ | ४४ | ४० | ३६ | ३२ | • |

चंद्रपलकाष्टक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ |
| १३ | २६ | ३९ | ५२ | ५ | १९ | ३२ | ४५ | ५८ | ११ | २४ | ३८ | ५१ | ४ | १७ | ३० | ४३ | ५७ | १० | २३ | ३६ |
| २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ९ | ९ | ९ | १० | १० | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ | १३ | ० | ० | ० |
| २६ | ३९ | ५२ | ६ | १९ | ३२ | ४५ | ५८ | ११ | २५ | ३८ | ५१ | ४ | १७ | ३१ | ४४ | ५७ | १० | ० | ० | ० |

चन्द्रोच्चचक्रनिम्नध्रुवोनक्षेपक.

| १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ३ | ६ | ९ | ० | ३ | ६ | ९ | ० | ३ | ५ | ८ | ११ | २ | ५ | ८ | ११ | २ | ५ | ८ | ११ | १ | ४ |
| २५ | २२ | १९ | १७ | १४ | ११ | ८ | ६ | ३ | ० | २७ | २५ | २२ | १९ | १ | १४ | ११ | ८ | ५ | ३ | ० | २७ | २४ |
| १८ | ३३ | ४८ | ३ | १८ | ३३ | ४८ | ३ | १८ | ३३ | ४८ | ३ | १८ | ३३ | ४ | ३ | १८ | ३३ | ४८ | ३ | १८ | ३३ | ४८ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

चन्द्रोच्चशेपलब्धिकोष्ठक.

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ |
| ० | ६ | १३ | २० | २६ | ३३ | ४० | ४६ | ५३ | ० | ६ | १३ | २० | २६ | ३३ | ४० | ४५ | ५३ | ० | ६ | १३ | २० | २६ |
| ० | ४० | २१ | २ | ४३ | २४ | ५ | ४६ | २६ | ७ | ४८ | २९ | १० | ५१ | ३२ | १२ | ५३ | ३४ | १५ | ५६ | ३७ | १८ | १८ |
| ० | ११ | ४२ | ३४ | २५ | १७ | ८ | ० | ५१ | ४२ | ३४ | २५ | १७ | ८ | ० | ५१ | ४२ | ३४ | २५ | १७ | ८ | ० | ५१ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ४२ | ३४ | २५ | १७ | ८ | ० | ५१ | ४२ | ३४ | २५ | १७ | ८ | ० | ५१ | ४२ | ३४ | २५ | १७ | ८ | ० | ५१ | ४२ | ३४ |
| ५१ | १७ | ४३ | ८ | ३४ | ० | २६ | ५१ | १७ | ४३ | ८ | ३४ | ० | २६ | ५१ | १७ | ४३ | ८ | ३४ | ० | २६ | ५१ | १७ |

## चन्द्रोच्चशेषफलब्धिकोष्ठक.

| ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ० |
| ७ | १४ | २० | २७ | ३४ | ४० | ४७ | ५४ | ० | ७ | १४ | २० | २७ | ३४ | ४० | ४७ | ५४ | ० | ७ | १४ | २० | २७ | ० |
| ११ | ० | ४१ | २२ | २ | ४३ | २४ | ५ | ४६ | २७ | ८ | ४८ | २९ | १० | ५१ | ३२ | १३ | ५४ | ३४ | १५ | ५६ | ३७ | ० |
| २५ | १७ | ८ | ० | ५१ | ४२ | ३४ | २५ | १७ | ८ | ० | ५१ | ४२ | ३४ | २५ | १७ | ८ | ० | ५१ | ४२ | ३४ | २५ | ० |
| ४३ | ९ | ३५ | ० | २६ | ५१ | १७ | ४३ | ९ | ३४ | ० | २६ | ५१ | १७ | ४३ | ९ | ३४ | ० | २६ | ५१ | १७ | ४३ | ० |

## चन्द्रोच्चघटीकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ |
| ६ | १३ | २० | २६ | ३३ | ४० | ४६ | ५३ | ० | ६ | १३ | २० | २६ | ३३ | ४० | ४६ | ५३ | ० | ६ | १३ | २० |
| २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| [illegible] | ३३ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ६ | १३ | [illegible] | २६ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | १३ | [illegible] | [illegible] | ३३ | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ० | ० | ० |
| ४७ | ५३ | ० | ७ | १३ | २० | २७ | ३४ | ४० | ४७ | ५४ | ० | ७ | १३ | २० | २७ | ३४ | ४१ | ० | ० | ० |

## चन्द्रोच्चपलकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | ३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ |
| २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २८ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |

## चन्द्रोच्चपलकोष्टक ।

| ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ० | ० | ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ० | ० | ० |

## राहुचक्रनिघ्नध्रुवोनक्षेपक.

| [illegible] | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | २८ | २५ | २२ | १९ | १६ | १३ | ११ | ८ | ५ | २ | २९ | २६ | २४ | २१ | १८ | १५ | १२ | ९ | ७ | ४ | १ |
| २८ | ८ | १८ | २८ | ३८ | ४८ | ५८ | ८ | १८ | २८ | ३८ | ४८ | ५८ | ८ | १८ | २८ | ३८ | ४८ | ५८ | ८ | १८ | २८ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

## राहुशेपलब्धिकोष्ठक.

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ |
| ० | ३ | ६ | ९ | १२ | १५ | १९ | २२ | २५ | २८ | ३१ | ३४ | ३८ | ४१ | ४४ | ४७ | ५० | ५४ | ५७ | ० | ३ | ६ | ९ |

| [illegible] | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| [illegible] | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ० |
| [illegible] | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

राहुघटीकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ |
| १० | १४ | १७ | २० | २३ | २६ | २९ | ३३ | ३६ | ३९ | ४२ | ४५ | ४८ | ५२ | ५५ | ५८ | १ | ४ | ७ | ११ |

राहुपलकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |  | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ |
| २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ |
| ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | ० |  | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० |  | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ |

## मंगलचक्रनिम्नध्रुवोनक्षेपक.

| २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९ | ७ | ५ | ३ | १ | ११ | १० | ८ | ६ | ४ | २ | ० | ११ | ९ | ७ | ५ | ३ | १ | ११ | १० | ८ | ६ |
| ६ | १० | १५ | १९ | २४ | २८ | ३ | ७ | १२ | १६ | २१ | २५ | ० | ४ | ९ | १३ | १७ | २२ | २६ | १ | ५ | ११ |
| २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ | ४४ | १२ | ४० | ८ | ३६ | ४ | ३२ | ० | २८ | ५६ | २४ | ५२ | २० | ४८ | १६ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

## मंगलशेषलब्धिकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | ११ | ११ | १२ |
| ३१ | २ | ३४ | ५ | ३७ | ८ | ४० | ११ | ४२ | १४ | ४५ | १७ | ४८ | २० | ५१ | २३ | ५४ | २५ | ५७ | २८ | ० | ३१ | ३ |
| २६ | ५२ | १९ | ४६ | १२ | ३९ | ५ | ३२ | ५८ | २५ | ५१ | १८ | ४४ | ११ | ३७ | ४ | ३० | ५७ | २३ | ५० | १६ | ४३ | ९ |
| ३१ | २ | ३३ | ४ | ३५ | ६ | ३७ | ८ | ३९ | १० | ४१ | १२ | ४३ | १४ | ४५ | १६ | ४८ | १९ | ५० | २१ | ५२ | २३ | ५४ |
| ३ | ७ | ११ | १४ | १८ | २१ | २५ | २९ | ३२ | ३६ | ३९ | ४३ | ४७ | ५० | ५४ | ५७ | १ | ५ | ८ | १२ | १५ | १९ | २३ |

| २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २४ | २५ | २५ | २६ | २६ | २७ | २७ | २८ | २८ | २९ | २९ | ० | ० | १ | १ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ० | ० |
| ३७ | ९ | ४० | १२ | ४३ | १४ | ४६ | १७ | ४९ | २० | ५१ | २३ | ५५ | २६ | ५७ | २९ | ० | ३२ | ३ | ३५ | ६ | ० | ० |
| ४६ | १२ | ३९ | ५ | ३२ | ५८ | २५ | ५१ | १८ | ४४ | ११ | ३८ | ४ | ३१ | ५७ | २४ | ५० | १७ | ४३ | १० | ३६ | ० | ० |
| १९ | ५० | २१ | ५२ | २४ | ५५ | २६ | ५७ | २८ | ५९ | ३० | १ | ३२ | ३ | ३४ | ५ | ३६ | ७ | ३० | ९ | ४१ | ० | ० |
| ४९ | ५२ | ५६ | ० | ३ | ७ | १० | १४ | १७ | २१ | २५ | २८ | ३२ | ३६ | ३९ | ४३ | ४७ | ५० | ५४ | ५७ | १ | ० | ० |

## मंगलघटीकोष्ठक

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | [illegible] | |
| ० | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | ० | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १६ | २१ | ३३ | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३१ | ४२ | ५३ | ४ | ० |
| ११ | ११ | १२ | १२ | १३ | १३ | १४ | १४ | १५ | १५ | १६ | १६ | १७ | १७ | १८ | ५० | ३८ | २७ | १५ | ४ | ० |
| ० | ३१ | २ | ३४ | ५ | ३६ | ८ | ३९ | १० | ४३ | १४ | ४५ | १७ | ४८ | १९ | ३२ | ५७ | २२ | ४७ | १३ | ० |

### मंगलचर्टीकोष्ठक ।

| ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

### मंगलघ्रैर्टीकोष्ठक ।

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० |
| २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २१ | २२ | २२ | २३ | २३ | २४ | २४ | २५ | २५ | २६ | २६ | २७ | २७ | २८ | २८ | २९ | २९ | ३० | ३० | ३१ |

### बुधकेन्द्रचक्रानिम्नध्रुवोनक्षेपक.

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २० | १७ | ११ | १० | ६ | ३ | २९ | २६ | २७ | १९ | १६ | १२ | ९ | ५ | २ | २८ | २० | २१ | १८ | १५ | ११ | ८ |
| ३३ | ६ | २१ | १२ | ४५ | १८ | ५१ | २६ | ५७ | ३० | ३ | ३६ | ९ | ४२ | १५ | ४८ | २१ | २४ | २७ | ० | ३३ | ६ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

## गुरुशेषलब्धिकोष्ठक.

| ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | 13 | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ० |
| ४९ | ५४ | ५९ | ४ | ९ | १४ | १९ | २४ | २१ | ३४ | ३९ | ४४ | ४९ | ५४ | ५९ | ४ | ९ | १४ | १९ | २४ | २१ | ३४ | ० |
| २० | १९ | १८ | १८ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | १२ | ११ | १० | ९ | ८ | ७ | ६ | ६ | ५ | ४ | ३ | २ | ० |
| ३४ | ४२ | ५१ | ० | ८ | १७ | २५ | ३४ | ४२ | ५१ | ० | ८ | १७ | २५ | ३४ | ४२ | ५१ | ० | ८ | १७ | २५ | ३४ | ० |
| १७ | ५१ | २५ | ० | ३४ | ८ | ४३ | १७ | ५१ | २५ | ० | ३४ | ८ | ४३ | १७ | ५१ | २५ | ० | ३४ | ८ | ४३ | १७ | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

## गुरुघटीकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| ५ | १० | १५ | २० | २५ | ३० | ३५ | ४० | ४५ | ५० | ५५ | ० | ५ | १० | १५ | २० | २५ | ३० | ३५ | ४० |
| २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ |
| २५ | ३० | ३५ | ४० | ४५ | ५० | ५५ | ० | ५ | १० | १५ | २० | २५ | ३० | ३५ | ४० | ४५ | ५० | ५५ | ० |

## गुरुपलकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ |

गुरुपलकोष्ठक.

| ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ |

शुक्रकेन्द्रचक्रानिघ्नध्रुवोनक्षेपक.

| २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ९ | ० | ११ | ९ | ८ | ६ | ५ | ४ | २ | १ | ११ | १० | ८ | ७ | ५ | ४ | २ | १ | ११ | १० | ८ | ७ |
| १ | २५ | ११ | २७ | १३ | २९ | १५ | १ | १७ | ३ | १९ | ५ | २१ | ७ | २३ | ८ | २४ | १० | २६ | १२ | २८ | १० |
| २९ | २७ | २५ | २३ | २१ | १९ | १७ | १५ | १३ | ११ | ९ | ७ | ५ | ३ | १ | ५९ | ५७ | ५५ | ५३ | ५१ | ४९ | ४७ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

शुक्रकेन्द्रशेषलब्धिकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | १ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ६ | ६ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १३ | १४ |
| ३६ | १३ | ५० | २७ | ४ | ४१ | १८ | ५५ | ३२ | ९ | ४६ | २३ | ० | ३७ | १४ | ५१ | २८ | ५ | ४२ | १९ | ५६ | ३३ | १० |
| ५९ | ५९ | ५९ | ५८ | ५८ | ५८ | ५७ | ५७ | ५७ | ५६ | ५६ | ५६ | ५५ | ५५ | ५५ | ५४ | ५४ | ५४ | ५३ | ५३ | ५३ | ५२ | ५२ |
| ४० | २० | ० | ४० | २० | ० | ४० | २० | १ | ४१ | २१ | १ | ४१ | २१ | १ | ४१ | २१ | १ | ४२ | २२ | २ | ४२ | २२ |
| ६ | १३ | २० | २१ | ३३ | ४० | ४६ | ५३ | ० | ६ | १३ | १९ | २६ | ३३ | ३९ | ४६ | ५२ | ५९ | ६ | १३ | १९ | २६ | ३२ |
| १८ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १४ | १५ | १६ | १६ | १७ | १७ | १८ | १९ | १९ | २० | २० | २१ | २२ | २२ | २३ | २४ | २४ | २५ | २५ | २६ | २७ | २७ | २८ |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २८ | २९ | ० | ० | १ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ७ | ८ | ८ | ९ | १० | १० | ११ | ० | ० |
| ५८ | ३५ | १२ | ४९ | २६ | ३ | ४० | १७ | ५४ | ३१ | ८ | ४५ | २२ | ५९ | ३६ | १३ | ५० | २७ | ४ | ४१ | १८ | ० | ० |
| ४४ | ४४ | ४३ | ४३ | ४३ | ४२ | ४२ | ४२ | ४१ | ४१ | ४१ | ४० | ४० | ४० | ३९ | ३९ | ३९ | ३८ | ३८ | ३८ | ३७ | ० | ० |
| २५ | ५ | ४५ | २५ | ५ | ४५ | २५ | ५ | ४६ | २६ | ६ | ४६ | २६ | ६ | ४६ | २६ | ६ | ४७ | २७ | ७ | ४७ | ० | ० |
| ११ | १८ | २५ | ३२ | ३८ | ४५ | ५१ | ५८ | ५ | ११ | १८ | २५ | ३१ | ३६ | ४४ | ५१ | ५८ | ४ | ११ | १८ | २४ | ० | ० |

## शुक्रकेन्द्रघटीकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | १ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ६ | ६ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | ११ | ११ | १२ |
| ३७ | १४ | ५१ | २८ | ५ | ४२ | १९ | ५६ | ३३ | १० | ४७ | २४ | १ | ३८ | १५ | ५२ | २९ | ६ | ४३ | २० |
| २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १२ | १३ | १४ | १४ | १५ | १६ | १६ | १७ | १७ | १८ | १९ | १९ | २० | २० | २१ | २२ | २२ | २३ | २४ | २४ |
| ५७ | ३४ | ११ | ४८ | २५ | २ | ३९ | १६ | ५३ | ३० | ७ | ४४ | २१ | ५८ | ३५ | १२ | ४९ | २६ | ३ | ४० |
| ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २५ | २५ | २६ | २७ | २७ | २८ | २८ | २९ | ३० | ३० | ३१ | ३२ | ३२ | ३३ | ३३ | ३४ | ३५ | ३५ | ३६ | ३७ |
| १७ | ५४ | ३१ | ८ | ४५ | २२ | ५९ | ३६ | १३ | ५० | २७ | ४ | ४१ | १८ | ५५ | ३२ | ९ | ४६ | २३ | ० |

## शुक्रकेन्द्रपलकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ६ | ६ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | १२ |
| २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २५ | २५ | २६ | २७ | २७ | २८ | २८ | २९ | ३० | ३० | ३१ | ३२ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३५ | ३६ | ३६ | ३७ |

## शनिचक्रनिघ्नध्रुवोनक्षेपक.

| २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३ | ७ | ११ | ४ | ८ | १ | ५ | १० | २ | ७ | ११ | ४ | ८ | १ | ५ | १० | २ | ७ | ११ | ४ | ८ | १ |
| १ | १५ | २९ | १४ | २८ | १२ | २७ | ११ | २५ | १० | २४ | ८ | २३ | ७ | २१ | ५ | २० | ४ | १८ | ३ | १७ | १ |
| २१ | ३९ | ५७ | १५ | ३३ | ५१ | ९ | २७ | ४५ | ३ | २१ | ३९ | ५७ | १५ | ३३ | ५१ | ९ | २७ | ४५ | ३ | २१ | ३९ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

## शनिशेषलब्धिकोष्ठक

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | ४ | ६ | ८ | १० | १२ | १४ | १६ | १८ | २० | २२ | २४ | २६ | २८ | ३० | ३२ | ३४ | ३६ | ३८ | ४० | ४२ | ४४ | ४६ |
| ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ |
| २३ | ४६ | ९ | ३२ | ५५ | १८ | ४१ | ४ | २७ | ५० | १३ | ३६ | ५९ | २३ | ४६ | ९ | ३२ | ५५ | १८ | ४१ | ४ | २७ | ५० |
| ४ | ९ | १४ | १८ | २३ | २७ | ३२ | ३७ | ४१ | ४६ | ५१ | ५५ | १९ | ४ | ९ | १४ | १८ | २२ | २८ | ३२ | ३७ | ४१ | ४६ |
| ३७ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| ४८ | ५० | ५२ | ५४ | ५६ | ५८ | ० | २ | ४ | ६ | ८ | १० | १२ | १४ | १६ | १८ | २० | २२ | २४ | २६ | २८ | ३० | ३२ |
| ९ | ९ | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १४ | १४ | १५ | ०९ | १५ | १६ | १६ | १६ | १७ | १८ |
| १३ | ३६ | ० | २३ | ४६ | ९ | ३२ | ५५ | १८ | ४५ | ४ | २७ | ५० | १३ | ३६ | ० | २३ | ४६ | ९ | ३२ | ५५ | १८ | ४१ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ० | ० |
| ३४ | ३६ | ३८ | ४० | ४२ | ४४ | ४६ | ४८ | ५० | ५२ | ५४ | ५६ | ५८ | ० | २ | ४ | ६ | ८ | १० | १२ | १४ | ० | ० |

[illegible]

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | ४ | ६ | ८ | १० | १२ | १४ | १६ | १८ | २० | २२ | २४ | २६ | २८ | ३० | ३२ | ३४ | ३६ | ३८ | ४० |

| २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| ४२ | ४४ | ४६ | ४८ | ५० | ५२ | ५४ | ५६ | ५८ | ० | २ | ४ | ६ | ८ | १० | १२ | १४ | १६ | १८ | २० |

शुक्रकेन्द्रघटीकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | १ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ६ | ६ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | ११ | ११ | १२ |
| ३७ | १४ | ५१ | २८ | ५ | ४२ | १९ | ५६ | ३३ | १० | ४७ | २४ | १ | ३८ | १५ | ५२ | २९ | ६ | ४३ | २० |
| २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १२ | १३ | १४ | १४ | १५ | १६ | १६ | १७ | १७ | १८ | १९ | १९ | २० | २० | २१ | २२ | २२ | २३ | २४ | २४ |
| ५७ | ३४ | ११ | ४८ | २५ | २ | ३९ | १६ | ५३ | ३० | ७ | ४४ | २१ | ५८ | ३५ | १२ | ४९ | २६ | ३ | ४० |
| ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २५ | २५ | २६ | २७ | २७ | २८ | २८ | २९ | ३० | ३० | ३१ | ३२ | ३२ | ३३ | ३३ | ३४ | ३५ | ३५ | ३६ | ३७ |
| १७ | ५४ | ३१ | ८ | ४५ | २२ | ५९ | ३६ | १३ | ५० | २७ | ४ | ४१ | १८ | ५५ | ३२ | ९ | ४६ | २३ | ० |

शुक्रकेन्द्रपलकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ६ | ६ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | १२ |
| २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २५ | २५ | २६ | २७ | २७ | २८ | २८ | २९ | ३० | ३० | ३१ | ३२ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३५ | ३६ | ३६ | ३७ |

शनिचक्रानिघ्नध्रुवोनक्षेपक.

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| १ | १५ | २९ | १४ | २८ | १२ | २७ | ११ | २५ | १० | २४ | ८ | २२ | ७ | २१ | ५ | २० | ४ | १८ | ३ | १७ | १ |
| २१ | ३९ | ५७ | १५ | ३३ | ५१ | ९ | २७ | ४५ | ३ | २१ | ३९ | ५७ | १५ | ३३ | ५१ | ९ | २७ | ४५ | ३ | २१ | ३९ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

शनिशेषलब्धिकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | ४ | ६ | ८ | १० | १२ | १४ | १६ | १८ | २० | २२ | २४ | २६ | २८ | ३० | ३२ | ३४ | ३६ | ३८ | ४० | ४२ | ४४ | ४६ |
| ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ |
| २३ | ४६ | ९ | ३२ | ५५ | १८ | ४१ | ४ | २७ | ५० | १३ | ३६ | ५९ | २३ | ४६ | ९ | ३२ | ५५ | १८ | ४१ | ४ | २७ | ५० |
| ४ ३७ | ९ | १४ | १८ | २३ | २७ | ३२ | ३७ | ४१ | ४६ | ५१ | ५५ | ५९ | ४ | ९ | १४ | १८ | २२ | २८ | ३२ | ३७ | ४१ | ४६ |

| २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| ४८ | ५० | ५२ | ५४ | ५६ | ५८ | ० | २ | ४ | ६ | ८ | १० | १२ | १४ | १६ | १८ | २० | २२ | २४ | २६ | २८ | ३० | ३२ |
| ९ | ९ | १० | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १४ | १४ | १५ | १५ | १५ | १६ | १६ | १६ | १७ | १८ |
| १३ | ३६ | ० | २३ | ४६ | ९ | ३२ | ५५ | १८ | ४१ | ४ | २७ | ५० | १३ | ३६ | ० | २३ | ४६ | ९ | ३२ | ५५ | १८ | ४१ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ० | ० |
| ३४ | ३६ | ३८ | ४० | ४२ | ४४ | ४६ | ४८ | ५० | ५२ | ५४ | ५६ | ५८ | ० | २ | ४ | ६ | ८ | १० | १२ | १४ | ० | ० |
| १८ | १८ | १८ | १९ | १९ | २० | २० | २० | २१ | २१ | २१ | २२ | २२ | २३ | २३ | २३ | २४ | २४ | २५ | २५ | २५ | ० | ० |
| ४ | २७ | ५० | १३ | ३६ | ० | २३ | ४६ | ९ | ३२ | ५५ | १८ | ४१ | ४ | २७ | ५० | १३ | ३६ | ० | २३ | ४६ | ० | ० |
| ३७ | ४१ | ४६ | ५१ | ५५ | ० | ५ | ९ | १४ | १८ | २३ | २८ | ३२ | ३७ | ४१ | ४६ | ५१ | ५५ | ० | ५ | ९ | ० | ० |

शनिघटीकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| ४२ | ४४ | ४६ | ४८ | ५० | ५२ | ५४ | ५६ | ५८ | ० | २ | ४ | ६ | ८ | १० | १२ | १४ | १६ | १८ | २० |

शनिघटीकोष्ठक.

| ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ |
| २२ | २४ | २६ | २८ | ३० | ३२ | ३४ | ३६ | ३८ | ४० | ४२ | ४४ | ४६ | ४८ | ५० | ५२ | ५४ | ५६ | ५८ | ० |

शनिपलकोष्ठक.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ८ | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | ० | १ |
| ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ |

मध्य रवि साधनका उदाहरण.

यहां अहर्गण ११७८ आया है. इसको ६० से भाग देनेसे लब्धि १९ शेष ३८ रहा अब शेष कोष्ठकमें अठतीसके नीचेके अंक ९।७।२७।१०।३० को लब्धि अंक १९ के नीचे राश्यंक छोडके यह १८।४३।३५।१५।२५ अंक है. इसके ऊपरका अंक १८ में ६ से भाग दिया तो शेष० शून्य रहा दूना किया तो० शून्य रहा यह राश्यंक भया. अब भागस्थानमें ४३ आया ये ३० से अधिक हैं इसवास्ते इसमें ३० का भाग दिया तो लब्धि १ यह राशिमें युक्त किया तो १।१३।३५।१५।२५ यह अंक भया इसमें शेष ३८ कोष्ठकका फल युक्त किया तो २।२१।२।२५।५५ यह अंक ।। इसको चक्र सारणीमें ३३ के नीचेका अंक ९।१९।३७।५७ यह

युक्त किया तो ०।१०।४०।२३ यह प्रातःकालका मध्यम सूर्य्य, बुध, शुक्र भया. अब इसको इष्टकालका मध्यम करना है. इसवास्ते इष्टघटी ३२ है इसके नीचे घटी सारणीमेंका फल ०।०।३१।३३ और पल ०१ है, इसका फल पलसारणीका ०।०।०।०।१ यह है दोनों फल प्रातःकालके मध्यम ग्रहमें युक्त किया तो ०।११।११।५६ यह सूर्य्य इष्टकालका मध्यम ग्रह भया । इसी रीतिसे प्रातःकालका इष्टकालका मध्यम सब ग्रह करना.

प्रातःकालिकसूर्यादिमध्यमग्रहाः ।

| सू | च | च उ. | रा | म | बु के | बृ | शुक्रे | श |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ९ | ४ | ५ | १४ | ५ | ७ | २ |
| १० | २६ | १७ | २१ | २१ | ५ | १२ | १३ | १६ |
| ४० | २६ | ५८ | ४१ | ५० | २३ | १५ | १९ | ३८ |
| २३ | २९ | १० | ५० | ३८ | ५१ | ११ | २९ | ३३ |

तात्कालिकमध्यमग्रहाः ।

| सू | च | च उ | रा | म | बु के | बृ | शुक्र | श |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ९ | ९ | ४ | ५ | ७ | ५ | ७ | २ |
| ११ | ३ | २८ | २१ | २० | ७ | १२ | १३ | १६ |
| ११ | २८ | १ | ४० | ७ | ३ | १७ | ४२ | ३९ |
| ५६ | २१ | ४४ | ८ | २४ | ११ | ५१ | १३ | ३७ |
| ९८ | ७९० | ६ | ३ | ३१ | १८६ | ५ | ३७ | २ |
| १०८ | ३५ | ४१ | ११ | २६ | २५ | ० | ० | ० |

श्लोकः—जगदीशेन रचिते केशवीग्रन्थटिप्पणे ।
मध्याधिकारः पूर्णोऽयं तद्भाषार्थप्रकाशकः ॥

स्पष्टाधिकारः ।

"मंदोच्चं ग्रहवर्जितं निगदितं केन्द्रं तदाख्यं बुधैः ।
केन्द्रे स्यात्स्वमृणं फलं क्रियतुलाद्ये " इति ॥
"दोस्त्रिभोनं त्रिभोर्द्ध्वं विशेष्यं रसैश्चक्रतोऽकाधिकः स्याद्भु-
जोनं त्रिभं कोटिरेकैकं त्रित्रिभैः स्यात्पदं सूर्य्यमंदो-
च्चमष्टाद्रयोंश। भवेत् ॥ "

## सूर्य्यकी स्पष्टगति ।

केन्द्रभुजभागकोष्ठकके नीचे गतिफल लिखा है. वह केन्द्र कर्कादि ६ राशि तक होय तो धन इसवास्ते रविकी जो मध्यमगति उसमें युक्त करना और केन्द्र मकरादिक ६ राशितक हो तो ऋण जानना इस वास्ते मध्यमगतिमें कम करना तो सूर्य्यकी स्पष्टगति होती है.

## दिनमान-रात्रिमान साधन ।

जब सायनग्रह मेषादि ६ राशिमें होय तब उत्तर गोलमें जानना और सायनग्रह तुलादि ६ राशिमें होय तब दक्षिण गोलमें जानना. जो चर आया होय उसको पल जानके उत्तर गोलमें होय तो १५ घडीमें युक्त करना और दक्षिण गोलमें कम करना तो दिनार्द्ध होता है. उस दिनार्द्धको ३० में कम करना तो रात्र्यर्द्ध होता है अनंतर दिनार्द्ध और रात्र्यर्द्धको दूना करना तो दिनमान और रात्रिमान होता है.

सूर्य्यस्पष्टसारणी:

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | भु भा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | भ |
| ० ५० ४५ | ० ५२ ५४ | ० ५५ ३ | ० ५७ ११ | ० ५९ १७ | ० ५१ २३ | ० ५३ २८ | ० ५५ ३२ | ० ५७ ३५ | ० ५९ ३६ | १ १ ३७ | १ ३ ३६ | १ ५ ३५ | १ ७ ३२ | १ ९ २८ | १ ११ २२ | १ १३ १५ | १ १५ ७ | फ० |
| १३ | ३२ | ३२ | २१ | २१ | ३१ | ३१ | ४१ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | १९ | २८ | ११ | ग. |
| ६ | १५ | १५ | १० | १० | १५ | १५ | २० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १० | १५ | ६ | ह. |
| २ ३ | २ २ | २ १ | २ ० | १ ५९ | १ ५८ | १ ५७ | १ ५६ | १ ५५ | १ ५४ | १ ५३ | १ ५२ | १ ५१ | १ ५० | १ ४८ | १ ४७ | १ ४६ | १ ४५ | ग. फ. |

सूर्यस्पष्टसारणी.

| ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | मु.भा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १<br>१६<br>५८ | १<br>१८<br>४७ | १<br>२०<br>३५ | १<br>२२<br>२१ | १<br>२४<br>६ | १<br>२५<br>५२ | १<br>२७<br>३१ | १<br>२९<br>१२ | १<br>३०<br>५१ | १<br>३२<br>२८ | १<br>३४<br>३ | १<br>३५<br>३७ | १<br>३७<br>९ | १<br>३८<br>३९ | १<br>४०<br>८ | १<br>४१<br>३४ | १<br>४२<br>५९ | १<br>४४<br>२२ | फ. |
| ११ | ९ | ९ | ७ | ७ | ५ | ५ | ५ | ८ | ८ | ८ | ३ | ३ | ३ | ७ | ७ | ७ | ७ | गु. |
| ६ | ५ | ५ | ४ | ४ | ३ | ३ | ३ | ५ | ५ | ५ | २ | २ | २ | ५ | ५ | ५ | ५ | ह |
| १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | ग. |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| १<br>४५<br>४९ | १<br>४७<br>२ | १<br>४८<br>२१ | १<br>४९<br>३६ | १<br>५०<br>४९ | १<br>५२<br>१ | १<br>५३<br>१० | १<br>५४<br>१८ | १<br>५५<br>२२ | १<br>५६<br>२६ | १<br>५७<br>३१ | १<br>५८<br>२७ | १<br>५९<br>२३ | २<br>०<br>१८ | २<br>१<br>११ | २<br>२<br>१ | २<br>२<br>४९ | २<br>३<br>३५ | फ० |
| १३ | ४ | ५ | ५ | ६ | ७ | ७ | ११ | ११ | १ | १ | ११ | ११ | ९ | ५ | ४ | ३ | ३ | गु. |
| १० | ३ | ४ | ४ | ५ | ६ | ६ | १० | १० | १ | १ | १२ | १२ | १० | ६ | ५ | ४ | ४ | ह. |
| १<br>१६ | १<br>१५ | १<br>१३ | १<br>११ | १<br>९ | १<br>७ | १<br>६ | १<br>४ | १<br>२ | १<br>० | ०<br>५८ | ०<br>५६ | ०<br>५४ | ०<br>५२ | ०<br>५० | ०<br>४८ | ०<br>४६ | ०<br>४४ | ग.<br>फ. |
| ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | मु.भा. |
| २<br>४<br>१९ | २<br>५<br>० | २<br>५<br>४० | २<br>६<br>१६ | २<br>६<br>५० | २<br>७<br>२२ | २<br>७<br>५२ | २<br>८<br>२० | २<br>८<br>४५ | २<br>९<br>८ | २<br>९<br>२८ | २<br>९<br>४६ | २<br>१०<br>१ | २<br>१०<br>१५ | २<br>१०<br>२५ | २<br>१०<br>३४ | २<br>१०<br>४० | २<br>१०<br>४३ | २<br>१० फ<br>४५ |
| २ | २ | ३ | ७ | ८ | १ | १ | ५ | ५ | १ | ३ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | ०गु. |
| ३ | ३ | ५ | ५ | १५ | ० | २ | १० | १० | ३ | १० | ४ | ४ | ६ | ६ | १० | १० | ३० | १ह० |
| ०<br>४२ | ०<br>४० | ०<br>३८ | ०<br>३५ | ०<br>३३ | ०<br>३१ | ०<br>२८ | ०<br>२६ | ०<br>२४ | ०<br>२२ | ०<br>१९ | ०<br>१७ | ०<br>१५ | ०<br>१३ | ०<br>१० | ०<br>७ | ०<br>५ | ०<br>२ | ०ग<br>०फ० |

स्पष्ट सूर्य्य साधनका उदाहरण ।

यह सूर्य्यका मंदोच्च २।१८।०।० इसमें मध्यम सूर्य्य ०।११।११।५६ कम किया तो २।६।४८।४ यह शेष रहा इसका नाम केन्द्र है अब इसका भुज २।६।४८।४ तो यही रहा अंश किया तो ६६।४८।४ यह भया इस वास्ते यहां सूर्यस्पष्टसारणी कोष्ठक ६६ के नीचेका अंक १।५९।२३ और इसका गुण ११ से ४८ को गुणा तो ५२८ पल ४ को गुणा तो ४४ इसमें ६० का भाग दिया तो० लब्धि हुई अब गुणके नीचे हर १२ से ५२८ में

नीचे जो गुण लिखा है उससे गुण करके ६० से भाग दे जो फल आवे सो विकलात्मक वह लिया जो गति फल उसमें कम करके वह गति फल सूर्य्यके ऐसा केन्द्र परसे चंद्रके मध्यम गतिमें धन होय तो धन करना, किंवा ऋण होय तो ऋण करना तो चंद्रकी स्पष्टगति होती है.

## चन्द्रस्पष्टसारणी.

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | मु.भा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | |
| ० | ५ | १० | १५ | २१ | २६ | ३१ | ३७ | ४२ | ४७ | १२ | १८ | ३ | ८ | १३ | १८ | २३ | २८ | ३३ | ३८ | ४३ | ४८ | ५३ | फ. |
| ० | २१ | ४२ | १ | ११ | २७ | १४ | ८ | २४ | २८ | ४९ | १ | ९ | १७ | २४ | २८ | ३१ | ३३ | ३३ | ३१ | २७ | २३ | १२ | |
| १६ | १६ | १६ | १६ | २१ | २१ | २१ | २१ | २१ | २६ | २६ | ३१ | ३१ | ४१ | ४१ | ५ | ५ | ५ | ५ | ४९ | ४९ | २९ | २९ | गु. |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ३६ | ४० | ४३ | ४७ | ५० | ५३ | ५७ | ० | ३ | ६ | ९ | १२ | १५ | १८ | २० | २३ | २६ | २८ | ३० | ३३ | ३५ | ३७ | ३९ | फ. |
| ३३ | ११ | ४४ | १४ | ३८ | ५० | १६ | २८ | ३६ | ४० | ४० | ३५ | २५ | ११ | ५२ | २४ | ० | २७ | १३ | ६ | १८ | २५ | २७ | |

चन्द्रस्पष्टसारणी-

| ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | मु.भा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | ० | ० | १ | १ | १ | १ | ० | फ० |
| | | | | | | | | | | | | | | | | ३० | ५५ | १५ | २९ | ३७ | ४० | ० | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | ५ | १ | १ | २ | २१ | ० | ० | गु. |
| ६ | ४ | ३ | ५ | २ | ५ | ३ | ४ | ६ | १ | १ | १० | ५ | १० | ५ | २ | १२ | ३ | ४ | १५ | १ | ० | ० | ह. |
| २४ | २३ | २२ | २१ | २० | १९ | १७ | १६ | १५ | १४ | १३ | १२ | ११ | [illegible] | ८ | ७ | ६ | ५ | ३ | २ | १ | १ | ० | ग. |
| २३ | २० | १७ | ११ | ६ | १ | १५ | ४४ | ४ | ३२ | २५ | १५ | ५ | ५२ | ४७ | २८ | २५ | १ | ४६ | ३१ | १७ | ० | ० | फ. |
| ६३ | ६३ | ६३ | ६६ | ६६ | ६७ | ६७ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७० | ७० | ७२ | ७३ | ७३ | ७४ | ७५ | ७५ | ७६ | ७७ | ० | ० | गु |

स्पष्टचंद्र साधनेका उदाहरण.

चंद्रोच ९।२८।१।४४ इसमें त्रिफलचंद्र ९।३।१५।३८ कम करके बाकी ००।२४।४६।०६ यह केन्द्र इसका भुजभाग किया तो २४। ५६।०६ इसवास्ते यहां सारणीकोष्टक २४ इसके नीचे अंशादिफल २।२। ५० इसको गुण हरफल २१९ विकला युक्त किया तो २।६।२९ यह चंद्रफल भया, यह केन्द्र मेषका है इसवास्ते फल धन भया त्रिफलचंद्र ९ ३।१५।३८ में युक्तःकिया तो ९।५।२२।७ यह स्पष्टचंद्र भया अब यहां केन्द्रभुजभाग कोष्ठक २४ का गतिफलकलादि ५९।१६ है इसमें गतिफलके नीचेका गुण ३१ इससे भुजभागके नीचेकी कला ४६।०६ विकलाको गुणके यह १४२६।१८६ भया इसको ६० से भाग दिया तो फल २४ यह विकलामें कम किया बाकी ५८।५२ यह केन्द्र मेषका है इसवास्ते मध्यमगति ७९०।३५ में कम किया तो ७३१।४३ यह स्पष्ट चन्द्रगति भई।

मंगल बुध गुरु शुक्र शनि स्पष्टसारिणी प्रवेश.

मध्यमसूर्य्यमें मध्यम ग्रह भौम, गुरु शनि कम करना तो भौम गुरु शनि इसका प्रथम शीघ्रकेन्द्र होता है मध्य बुध और शुक्र इन दोनोंका शीघ्रोच्च पूर्वमें मध्यम ग्रहके साथही बनाना लिखा है उसी शीघ्रोचमें घटानेसे शीघ्र-केन्द्र होता है अब अभीष्ट ग्रहका केन्द्र ६ राशिसे अधिक होय तो १२ में कम करना, अनंतर ६ से अल्प जो केन्द्र उसका करना, जो अंश आवे सो आगे लिखा शीघ्र फलग्रहसारिणीका अंशकोष्टक तैयार होना

है. अनंतर अभीष्टकोष्ठकके नीचेका अंशादि फल लेना, अनंतर अंशफलके नीचे ६० कला विकलाकोष्ठक लिखा है उसमेंसे अंशके नीचे जो कला विकला होय तत्परिमित कोष्ठकके नीचेका कलाका फल कलादि वैसा विकलासे विकलादि एकत्र करके धन किंवा ऋण सारिणीमें लिखा है उसके प्रमाण लिया जो अंशफल युक्त करना किंवा कम करना तो ग्रहोंका प्रथम शीघ्रफल होता है. शीघ्रफलका अर्थ करके केन्द्रके प्रमाण मध्यमग्रहमें युक्त करना किंवा कम करना तो दल संस्कृत ग्रह होता है. भौमादिग्रहोंका राश्यादि मंदोच्च भौमका ४ बुधका ७ गुरुका ६ शुक्रका ३ शनिका ८ अब अभीष्ट ग्रहका मंदोच्च लेकरके दल संस्कृत ग्रहमें कम करना तो मन्दकेन्द्र होता है. वह केन्द्रका पूर्वोक्त रीति करके भुज करना. भुजका भाग करना जो अंश आवे सो आगे लिखा मंदफलसारिणीका अंशकोष्ठक तयार है अनंतर अभीष्ट कोष्ठकके नीचेका अंशादि फल लेना. अनंतर फलके नीचे ६० कला विकला कोष्ठक लिखे हैं उसमेंसे अंशके नीचे जो कलाविकला होय तत्प्रमित कलाका कलादि और विकलाका विकलादि फलको एकत्र करिके उसको पूर्वफलमें युक्त करना तो उन ग्रहोंका मन्दफल होता है ऋण धन मन्दकेन्द्रपरसे जानिके उस फलको मध्यम ग्रहोंमें धन वा ऋण करना तो मंदस्पष्ट ग्रह होगा और उसी मन्दफलको प्रथम-शीघ्रफलकेन्द्रमें विलोम अर्थात् धन होय तो ऋण और ऋण होय तो धन करना तो द्वितीय शीघ्रकेन्द्र होता है उस शीघ्रकेन्द्रपरसे प्रथमशीघ्र-फलके रीतिसे फल आनिकर मन्दस्पष्टमें ऋण धन करना तो वह स्पष्ट होता है । यही रीति भौमादिकोंकी है ॥

मंगल शुक्रका विशेष ।

" शुक्रारयोश्चलभवोन्त्यगतोयदाङ्का० इति ॥ "

टीका—जब भौम और शुक्रका अंतिम शीघ्रकेन्द्रको षड्भाल्पकरिके

अंश करते हैं तो वह अंश यदि १६५ से १८० तक होय तो संस्कार करनेकी पृथक् पृथक् सारिणी लिखी है उसका नाम अन्त्यांकफलसारिणी है. उसमेंसे शीघ्र फलके सदृश फल ले आना और उस फलको केन्द्रके वश करिके ऋण धन करना तो स्पष्ट शुक्र और भौम ठीक होते हैं ॥

भौमादिग्रहोंकी गति स्पष्ट करनेका प्रकार ।

मन्दफलसारिणीमें दहनी तरफ गतिफल लिखा है पन्द्रह २ कोष्ठका, उसको कर्कादि मकरादि केन्द्र वश कर धन ऋण जानना और शीघ्रसारिणीमें दहिनी तरफ १५ कोष्ठका गतिफल धन वा ऋण लिखा है उन दोनों गतिफलोंको एकत्र करना अर्थात् दोनों धन होय वा ऋण होय तो योग करना और एक धन एक ऋण होय तो अन्तर करना तो उस फलके सदृश ग्रहगति स्पष्ट होती है । जब योग वा अन्तर ऋण बचै तो वक्रगति जानना यह स्पष्टगतिको मध्यमगतिका कारण लगता नहीं ।

भौमबुधशुक्रकी गतिमें विशेष ।

भौम बुध शुक्रका पड्गाल्प अंतिम शीघ्रकेन्द्रका अंश १६५ से १८० तक अंश आवे तो यह संस्कार करनेके वास्ते वह ग्रहोंका शीघ्रफलसारणीके अंत्यमें पृथक् अंत्यांक गतिफलसारणी लिखी है अनंतर इस सारणीमें जो अभीष्ट अंश आवे तत्परिमित कोष्ठकके नीचेका कलादि ऋणफल लिखा है वह लेकरके अंशफलके नीचे ६० कोष्ठक लिखा है उसमेंसे अंशके नीचे जो कला विकला होय तत्तत्परिमित कोष्ठकके नीचेका कलाका वही कलादि फल विकलाका विकलादि फल एकत्र करके वह सर्वकाल ऋण है इसवास्ते लिया जो अंशफल उसमें युक्त करना तो शीघ्रगति फल तैयार होता है. अनंतर यह फलका पाहिले प्रमाण मंदस्पष्ट गति फलको संस्कार करना तो भौम बुध भृगु इनकी स्पष्टगति होती है.

प्रथमशीघ्रकेन्द्रम् । आशुफलमौमादीनाम् ।

| म. | बु. | बृ. | शु. | श. | ग्र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | ग्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | ७ | ६ | ७ | ९ | | २८ | १७ | ६ | ४५ | ५ | |
| ११ | ७ | २८ | १३ | २४ | | ८ | २२ | २२ | ५६ | १ | फ. |
| ४ | ३ | ५४ | ४२ | ३२ | फ | ० | ५३ | ४२ | ४० | ७ | |
| ३२ | १९ | ५ | १३ | १९ | | | | | | | |

आशुफलार्द्धम् । आशुफलार्द्धसंस्कृता भौमादयः ।

| मं. | बु. | बृ. | शु. | श. | ग्र. | म. | बु. | बृ | शु. | श. | ग्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १४ | ८ | ३ | २२ | ०२ | | ५ | ० | ५ | ११ | २ | |
| ४ | ४१ | ११ | २८ | ३० | | ८ | २ | ९ | १८ | १४ | |
| ९ | २६ | २४ | २० | ३३ | | ३ | ३० | ६ | १३ | ९ | |
| | | | | | | २४ | ३० | २७ | ३६ | ४ | |

मन्दकेन्द्रम् । मन्दफलम् ।

| मं. | बु. | बृ | शु | श. | ग्र. | म | बु. | बृ. | शु. | श. | ग्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १० | ६ | ० | ३ | ५ | | ७ | १ | १ | १ | | |
| २१ | २७ | २० | ११ | १५ | | | ५६ | ५४ | ३० | ४७ | |
| ५६ | २९ | ५३ | ४६ | ५० | | १४ | ५८ | ३९ | ० | ३२ | |
| ३६ | ३० | ३३ | २४ | ५६ | | ५ | ३ | ० | ० | ० | |
| | | | | | | ३६ | ३६ | २६ | ० | १५ | |

मन्दस्पष्टमौमादि । द्वि०शीघ्रकेन्द्रम् । द्वि० शीघ्रफलम् ।

| म. | बु. | न. | शु. | श. | ग्र. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | ग्र. | . | बु. | बृ. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५ | ० | ५ | ० | २ | | ६ | ७ | ६ | ७ | ९ | | ३३ | १७ | ५ | ४५ | ५ |
| १४ | ९ | १४ | १२ | १८ | | २६ | ९ | २६ | १२ | २२ | | ५० | ५४ | ५१ | ४५ | ५ |
| ५७ | १२ | १२ | ४१ | २७ | | २६ | ० | ५९ | १२ | ४४ | | ५४ | ५ | ५३ | ५२ | २४ |
| १० | ५८ | ३० | ५६ | ९ | | ४६ | १७ | २६ | १३ | ४७ | | ७ | ११ | ५ | ५४ | ४ |
| | | | | | | | | | | | | ३८ | ८ | ० | ३८ | २४ |
| | | | | | | | | | | | | प. | प. | | प | प. |

## स्पष्टग्रह भौमशीघ्रफलसारिणी.

| अंका॰ | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ग.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ०<br>०<br>० | ०<br>२३<br>१२ | ०<br>४६<br>२४ | १<br>२<br>३६ | १<br>३२<br>४८ | १<br>५६<br>० | २<br>१९<br>१२ | २<br>४२<br>२४ | ३<br>५<br>३६ | ३<br>२८<br>४८ | ३<br>५२<br>० | ४<br>१५<br>१२ | ४<br>३८<br>२४ | ५<br>१<br>३६ | ५<br>२४<br>४८ | ०<br>४३<br>२ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| घ० | ०<br>० | ०<br>२३ | ०<br>४६ | १<br>९ | १<br>३३ | १<br>५६ | २<br>१८ | २<br>४२ | ३<br>५ | ३<br>२९ | ३<br>५२ | ४<br>१५ | ४<br>३८ | ५<br>१ | ५<br>२४ | ५<br>४८ |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ |
| ६<br>११ | ६<br>३४ | ६<br>५७ | ७<br>२१ | ७<br>४४ | ८<br>७ | ८<br>३० | ८<br>५३ | ९<br>१७ | ९<br>४० | १०<br>३ | १०<br>२६ | १०<br>४९ | ११<br>१३ | ११<br>३६ | ११<br>५९ | १२<br>२२ |
| ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| १९<br>२० | १९<br>४३ | २०<br>६ | २०<br>२८ | २०<br>५३ | २१<br>१६ | २१<br>३० | २२<br>२ | २२<br>२५ | २२<br>४९ | २३<br>१२ | | | | | | |
| अंको॰ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ग.घ. |
| फ० | ५<br>४८<br>० | ६<br>११<br>३६ | ६<br>३५<br>१२ | ६<br>५८<br>४८ | ७<br>२२<br>२४ | ७<br>४६<br>० | ८<br>९<br>३६ | ८<br>३३<br>१२ | ८<br>५६<br>४८ | ९<br>२०<br>२४ | ९<br>४४<br>० | १०<br>७<br>३६ | १०<br>३१<br>१२ | १०<br>५४<br>४८ | ११<br>१८<br>२४ | १<br>४३<br>१४ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| घ० | ०<br>० | ०<br>२३ | ०<br>४७ | १<br>११ | १<br>३४ | १<br>५८ | २<br>२१ | २<br>४५ | ३<br>८ | ३<br>३२ | ३<br>५६ | ४<br>१९ | ४<br>४३ | ५<br>७ | ५<br>३० | ५<br>५४ |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ |
| ६<br>१७ | ६<br>४१ | ७<br>५ | ७<br>२८ | ७<br>५१ | ८<br>१५ | ८<br>३८ | ९<br>२ | ९<br>२६ | ९<br>५० | १०<br>१३ | १०<br>३७ | ११<br>१ | ११<br>२४ | ११<br>४८ | १२<br>११ | १२<br>३५ |
| ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ |
| १२<br>५८ | १३<br>२२ | १३<br>४६ | १४<br>९ | १४<br>३३ | १४<br>५७ | १५<br>२० | १५<br>४४ | १६<br>७ | १६<br>३१ | १६<br>५५ | १७<br>१८ | १७<br>४२ | १८<br>५ | १८<br>२९ | १८<br>५३ | १९<br>१६ |
| ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | | | | | | |
| १९<br>४० | २०<br>२ | २०<br>२७ | २०<br>५१ | २१<br>१५ | २१<br>३० | २२<br>४ | २२<br>२२ | २२<br>४२ | २३<br>१७ | २३<br>३६ | | | | | | |

## क्रोमशीघ्रफलसारिणी.

| अङ्का० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ग.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ११<br>४२<br>० | १२<br>४<br>४८ | १२<br>२७<br>३६ | १२<br>५०<br>२४ | १३<br>१३<br>१२ | १३<br>३६<br>० | १३<br>५८<br>४८ | १४<br>२१<br>३६ | १४<br>४४<br>२४ | १५<br>७<br>१२ | १५<br>३०<br>० | १५<br>५२<br>४८ | १६<br>१५<br>३६ | १६<br>३८<br>२४ | १७<br>१<br>१२ | [illegible] |
| ध० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| घ० | ०<br>० | ०<br>२३ | ०<br>४६ | १<br>८ | १<br>३२ | १<br>५४ | २<br>१७ | २<br>४० | ३<br>२ | ३<br>२५ | ३<br>४८ | ४<br>१० | ४<br>३४ | ४<br>५६ | ५<br>१९ | ५<br>४२ |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ |
| ६<br>५ | ६<br>२८ | ६<br>५० | ७<br>१३ | ७<br>३६ | ७<br>५९ | ८<br>२२ | ८<br>४४ | ९<br>७ | ९<br>३० | ९<br>५३ | १०<br>१६ | १०<br>३८ | ११<br>१ | ११<br>२४ | ११<br>४७ | १२<br>१० |
| ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ |
| १२<br>३२ | १२<br>५० | १३<br>१८ | १३<br>४१ | १४<br>४ | १४<br>२६ | १४<br>४९ | १५<br>१२ | १५<br>३५ | १५<br>५८ | १६<br>२० | १६<br>४३ | १७<br>६ | १७<br>२९ | १७<br>५२ | १८<br>१४ | १८<br>३६ |
| ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | | | | | | |
| १९<br>० | १९<br>२३ | १९<br>४६ | २०<br>८ | २०<br>३१ | २०<br>५४ | २१<br>१७ | २१<br>४० | २२<br>२ | २२<br>२५ | २२<br>४८ | | | | | | |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ६० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ४१<br>१४ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | १५ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ५<br>२४ |
| १६ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ३२ |
| ५<br>४६ | [illegible]<br>७ | [illegible]<br>२१ | [illegible]<br>५० | [illegible]<br>१२ | [illegible]<br>३४ | [illegible]<br>५५ | [illegible]<br>१७ | [illegible]<br>३८ | [illegible]<br>० | [illegible]<br>२१ | [illegible]<br>४३ | [illegible]<br>५ | [illegible]<br>२९ | [illegible]<br>४८ | [illegible]<br>१० | ११<br>३१ |
| ३३ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ४९ |
| ११<br>५३ | [illegible]<br>१४ | [illegible]<br>३६ | [illegible]<br>५८ | [illegible]<br>२१ | [illegible]<br>४२ | [illegible]<br>२ | [illegible]<br>२४ | [illegible]<br>४६ | [illegible]<br>७ | [illegible]<br>२९ | [illegible]<br>५० | [illegible]<br>१२ | [illegible]<br>३४ | [illegible]<br>५५ | [illegible]<br>१७ | १७<br>३८ |
| ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | | | | | | |
| १८<br>० | १८<br>२३ | १८<br>४३ | १९<br>५ | १९<br>२६ | १९<br>४८ | २०<br>१० | २०<br>३१ | २०<br>५२ | २१<br>१४ | २१<br>३६ | | | | | | |

## भौमशीघ्रफलसारिणी.

| फ० | ४८<br>० | ८<br>२४ | २८<br>४८ | ४९<br>१२ | ९<br>३६ | ३०<br>० | ५०<br>२४ | १०<br>४८ | ३१<br>१२ | ५१<br>३६ | १२<br>० | ३२<br>२४ | ५२<br>४८ | १३<br>१८ | ३३<br>३६ | ४१<br>३८ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| घ० | ०<br>० | ०<br>२० | ०<br>४१ | १<br>१ | १<br>२२ | १<br>४२ | २<br>२ | २<br>२३ | २<br>४३ | ३<br>४ | ३<br>२४ | ३<br>४४ | ४<br>५ | ४<br>२५ | ४<br>४६ | ५<br>६ |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ |
| ५<br>२६ | ५<br>४७ | ६<br>७ | ६<br>२८ | ६<br>४८ | ७<br>८ | ७<br>२९ | ७<br>४९ | ८<br>१० | ८<br>३० | ८<br>५० | ९<br>११ | ९<br>३१ | ९<br>५२ | १०<br>१२ | १०<br>३२ | १०<br>१२ |
| ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ |
| ११<br>१३ | ११<br>३४ | ११<br>५४ | १२<br>१४ | १२<br>३५ | १२<br>५५ | १३<br>१६ | १३<br>३६ | १३<br>५६ | १४<br>१७ | १४<br>३७ | १४<br>५८ | १५<br>१८ | १५<br>३८ | १५<br>५९ | १६<br>१० | १६<br>४० |
| ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | | | | | | |
| १७<br>० | १७<br>२० | १७<br>४१ | १८<br>१ | १८<br>२२ | १८<br>४२ | १९<br>२ | १९<br>२३ | १९<br>४३ | २०<br>४ | २०<br>२४ | | | | | | |
| अंको | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ग घ |
| । | २७<br>४<br>० | २८<br>१२<br>२४ | २८<br>३०<br>४८ | २८<br>४९<br>१२ | २९<br>७<br>३६ | २९<br>२६<br>० | २९<br>४४<br>२४ | ३०<br>२<br>४८ | ३०<br>२१<br>१२ | ३०<br>३९<br>३६ | ३०<br>५८<br>० | ३१<br>[illegible]<br>२४ | ३१<br>३४<br>४८ | ३१<br>५३<br>१२ | ३२<br>११<br>३६ | <br>५०<br>३८ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| घ० | ०<br>० | ०<br>१८ | ०<br>३७ | ०<br>५५ | १<br>१४ | १<br>३२ | १<br>५० | २<br>९ | २<br>२७ | २<br>४६ | ३<br>४ | ३<br>२२ | ३<br>४१ | ३<br>५९ | ४<br>१८ | ४<br>३६ |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ |
| ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ |
| ७ | २६ | ४४ | २ | २१ | ३९ | ५८ | १६ | ३५ | ५३ | ११ | ३० | ४८ | ७ | २५ | ४३ | २ |
| १९<br>२० | ३९ | ५७ | १५ | ३४ | ५२ | ११ | २९ | ४७ | ६ | २४ | | | | | | |

## भौमशीघ्रफलसारणी ।

| अको० | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | ग घ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फल | ३२<br>३०<br>० | ३२<br>४६<br>० | ३३<br>२<br>० | ३३<br>१८<br>० | ३३<br>३४<br>० | ३३<br>५०<br>० | ३४<br>६<br>० | ३४<br>२२<br>० | ३४<br>३८<br>० | ३४<br>५४<br>० | ३५<br>१०<br>० | ३५<br>२६<br>० | ३५<br>४२<br>० | ३५<br>५८<br>० | ३६<br>१४<br>० | ३[illegible]<br>२६<br>८ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| घ० | ०<br>० | ०<br>१६ | ०<br>३२ | ०<br>४८ | १<br>४ | १<br>२० | १<br>३६ | १<br>५२ | २<br>८ | २<br>२४ | २<br>४० | २<br>५६ | ३<br>१२ | ३<br>२८ | ३<br>४४ | ४<br>० |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ |
| ४८ | ४ | २० | ३६ | ५२ | ८ | २४ | ४० | ५६ | १२ | २८ | ४४ | ० | १६ | ३२ | ४८ | ४ |
| ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | | | | | | |
| १३ | | | | | | | | | | | | | | | | |
| २० | | | | | | | | | | | | | | | | |

| अको० | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | ग.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ३६<br>३०<br>० | ३६<br>४६<br>१२ | ३६<br>[illegible]<br>२४ | ३७<br>३<br>३६ | ३७<br>१९<br>४८ | ३७<br>२६<br>० | ३७<br>३७<br>१२ | ३७<br>४८<br>२४ | ३७<br>[illegible]<br>३६ | ३८<br>१०<br>४८ | ३८<br>२२<br>० | ३८<br>३३<br>१२ | ३८<br>४४<br>२४ | ३८<br>५५<br>३६ | ३९<br>६<br>४८ | ३७<br>२ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| घ० | ०<br>० | ०<br>११ | ०<br>२२ | ०<br>३४ | ०<br>४५ | ०<br>५६ | १<br>७ | १<br>१८ | १<br>३० | १<br>४१ | १<br>५२ | २<br>३ | २<br>१४ | २<br>२६ | २<br>३७ | २<br>४८ |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ |
| २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| ५९ | १० | २१ | ३३ | ४४ | ५५ | ६ | १८ | २९ | ४० | ५१ | २ | १४ | २५ | ३६ | ४७ | ५८ |
| ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ |
| ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ९ |
| २० | ३१ | ४२ | ५४ | ५ | १६ | २७ | ३८ | ५० | १ | १२ | | | | | | |

## भौमशीघ्रफलसारिणी.

| अं० | १५० | १५१ | १५२ | १५३ | १५४ | १५५ | १५६ | १५७ | १५८ | १५९ | १६० | १६१ | १६२ | १६३ | १६४ | ग.ध. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ़० | ३६<br>४८<br>० | ३६<br>०<br>२४ | ३५<br>१२<br>४८ | ३४<br>२५<br>१२ | ३३<br>३७<br>३६ | ३२<br>५०<br>० | ३२<br>२<br>२४ | ३१<br>१४<br>४८ | ३०<br>२७<br>१२ | २९<br>३९<br>३६ | २८<br>५२<br>० | २८<br>४<br>२४ | २७<br>१६<br>४८ | २६<br>२९<br>१२ | २५<br>४१<br>३६ | ७<br>३८ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>४८ | १<br>३५ | २<br>२३ | ३<br>१० | ३<br>५८ | ४<br>४६ | ५<br>३३ | ६<br>२१ | ७<br>८ | ७<br>५६ | ८<br>४४ | ९<br>३१ | १०<br>१९ | ११<br>६ | ११<br>५४ |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ |
| १२<br>४२ | १३<br>२१ | १४<br>१७ | १५<br>४ | १५<br>५२ | १६<br>४० | १७<br>२७ | १८<br>१५ | १९<br>२ | १९<br>५० | २०<br>३८ | २१<br>२५ | २२<br>१३ | २३<br>० | २३<br>४८ | २४<br>३६ | २५<br>०३ |
| ४० | २८ | २५ | ३ | ५० | ३८ | २६ | १३ | १ | ४८ | ३६ | | | | | | |
| ऋ० | ०<br>० | १<br>४० | ३<br>१९ | ४<br>५९ | ६<br>३८ | ८<br>१८ | ९<br>५८ | ११<br>३७ | १३<br>१७ | १४<br>५६ | १६<br>३६ | १८<br>१६ | १९<br>५५ | २१<br>३५ | २३<br>१४ | २४<br>५४ |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ |
| ४७ | २६ | ६ | ४६ | २५ | ५ | ४४ | २४ | ४ | ४३ | २६ | २ | ४२ | २२ | १ | ४१ | २० |
| ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | | | | | | ० |
| ८३<br>० | ८४<br>४० | ८६<br>११ | ८७<br>५१ | ८९<br>३८ | ९१<br>१८ | ९२<br>५४ | ९४<br>३७ | ९६<br>१७ | ९७<br>५६ | ९९<br>३६ | | | | | | ०<br>० |

## अंत्यांकफलसारिणी.

| अ.का | १६५ | १६६ | १६७ | १६८ | १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ | १७८ | १७९ | १८० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ. | ० ० ०घ | ० १२ घ | ० २४ घ | ० ३६ घ | ० ४८ घ | १ ० घ | १ १२ घ | १ २४ घ | १ २४ ऋ | १ १२ ऋ | १ ० ऋ | ० ४८ ऋ | ० ३६ ऋ | ० २४ ऋ | ० १२ ऋ | ० ० ऋ. |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
| फ० | ० ० | ० १२ | ० २४ | ० ३६ | ० ४८ | १ ० | १ १२ | १ २४ | १ ३६ | १ ४८ | २ ० | २ १२ | २ २४ | २ ३६ | २ ४८ | ३ ० |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ |
| ३ १२ | ३ २४ | ३ ३६ | ३ ४८ | ४ ० | ४ १२ | ४ २४ | ४ ३६ | ४ ४८ | ५ ० | ५ १२ | ५ २४ | ५ ३६ | ५ ४८ | ६ ० | ६ १२ | ६ २४ |
| ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ |
| ६ ३६ | ६ ४८ | ७ ० | ७ १२ | ७ २४ | ७ ३६ | ७ ४८ | ८ ० | ८ १२ | ८ २४ | ८ ३६ | ८ ४८ | ९ ० | ९ १२ | ९ २४ | ९ ३६ | ९ ४८ |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | | | | | | |
| ० | १२ | २४ | ३६ | ४८ | ० | १२ | २४ | ३६ | ४८ | ० | [illegible] | | | | | |

| अ.को | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ | १७८ | १७९ | १८० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ऋ | ३ ३४ ऋ | ५ ० ऋ | ६ २५ ऋ | ७ ५१ ऋ | ९ १७ ऋ | १० ४३ ऋ | १२ ८ ऋ | १३ ३४ ऋ | १५ ० ऋ | १६ २५ ऋ | १७ ५१ ऋ | १९ १७ ऋ | २० ४३ ऋ | २२ ८ ऋ | २३ ३४ ऋ | ० ० ऋ |
| क० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ |
| ऋ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| [illegible] | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| [illegible] | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ० ४९ | ० ५० | ० ५१ | ० ५३ | ० ५४ | ० ५५ | ० ५७ | ० ५८ | १ ० | १ १ | १ ३ | १ ५ | १ ६ | १ ७ | १ ९ | १ १० | १ ११ |
| ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | | | | | | | |
| १ १३ | १ १४ | १ १५ | १ १७ | १ १९ | १ २० | १ २२ | १ २३ | १ २४ | १ २५ | | | | | | | |

## भौमनरफलसारिणी।

| अं को | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | अं.क्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १० ५४ ० | ११ ० ० | ११ ६ ० | ११ १२ ० | ११ १८ ० | ११ २४ ० | ११ ३० ० | ११ ३६ ० | ११ ४२ ० | ११ ४८ ० | ११ ५४ ० | १२ ० ० | १२ ६ ० | १२ १२ ० | १२ १८ ० | ३ ० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| फ० | ० | ० | ० | ० | ० | ५ | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| क० | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | |
| फ० | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ० |
| ३० | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | |
| ३ ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ० |
| | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६० |

| अं को | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| फ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | [illegible] |
| क० | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| फ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ |
| फ० | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| फ० | [illegible] ५३ | [illegible] ५५ | [illegible] ५८ | [illegible] ० | [illegible] २ | [illegible] ५ | [illegible] ७ | [illegible] १० | [illegible] १२ | [illegible] १४ | [illegible] १७ | [illegible] १९ | [illegible] २२ | [illegible] २४ | ० ० | ० ० |

# बुधशीघ्रफलसारिणी.

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ६<br>० | २०<br>२४ | ३४<br>४८ | ४९<br>१२ | ३<br>३६ | १८<br>० | ३२<br>२४ | ४६<br>४८ | १<br>१२ | १५<br>३६ | ३०<br>० | ४४<br>२४ | ५८<br>४८ | १३<br>१२ | २७<br>३६ | १०२<br>६० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>१४ | ०<br>२९ | ०<br>४३ | ०<br>५८ | १<br>१२ | १<br>२६ | १<br>४१ | १<br>५५ | २<br>१० | २<br>२४ | २<br>३८ | २<br>५३ | ३<br>७ | ३<br>२१ | ० |
| क० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ● |
| घ० | ३<br>३६ | ३<br>५० | ४<br>५ | ४<br>१९ | ४<br>३४ | ४<br>४८ | ५<br>२ | ५<br>१७ | ५<br>३१ | ५<br>४५ | ६<br>० | ६<br>१४ | ६<br>२९ | ६<br>४३ | ६<br>५८ | ० |
| क० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| घ० | ७<br>१२ | ७<br>२६ | ७<br>४१ | ७<br>५५ | ८<br>१० | ८<br>२४ | ८<br>३८ | ८<br>५३ | ९<br>७ | ९<br>२२ | ९<br>३६ | ९<br>५० | १०<br>५ | १०<br>१९ | १०<br>३४ | ९ |
| क० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| घ० | १०<br>४८ | ११<br>३ | ११<br>१७ | ११<br>३१ | ११<br>४६ | १२<br>० | १२<br>१५ | १२<br>२९ | १२<br>४३ | १२<br>५८ | १३<br>१२ | १३<br>२६ | १३<br>४१ | १३<br>५५ | १४<br>१० | १४<br>२४ |
| अ वा | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ग० |
| फ०<br>घ० | ११<br>४२<br>० | ११<br>५५<br>१२ | १२<br>८<br>२४ | १२<br>२१<br>३६ | १२<br>३४<br>४८ | १२<br>४८<br>० | १३<br>१<br>१२ | १३<br>१४<br>२४ | १३<br>२७<br>३६ | १३<br>४०<br>४८ | १३<br>५४<br>० | १४<br>७<br>१२ | १४<br>२०<br>२४ | १४<br>३३<br>३६ | १४<br>४६<br>४८ | १८<br>४४ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>१३ | ०<br>२६ | ०<br>४० | ०<br>५३ | १<br>६ | १<br>१९ | १<br>३३ | १<br>४६ | १<br>५९ | २<br>१२ | २<br>२६ | २<br>३९ | २<br>५२ | ३<br>७ | ० |
| क० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | ३<br>१८ | ३<br>३१ | ३<br>४४ | ३<br>५८ | ४<br>११ | ४<br>२४ | ४<br>३७ | ४<br>५ | ५<br>३ | ५<br>१७ | ५<br>३० | ५<br>४३ | ५<br>५६ | ६<br>१० | ६<br>२३ | |
| क० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | ६<br>३६ | ६<br>४९ | ७<br>२ | ७<br>१६ | ७<br>२९ | ७<br>४२ | ७<br>५५ | ८<br>८ | ८<br>२२ | ८<br>३५ | ८<br>४८ | ९<br>१ | ९<br>१४ | ९<br>२८ | ९<br>४१ | ० |
| क० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| घ० | ९<br>५४ | १०<br>७ | १०<br>२० | १०<br>३४ | १०<br>४७ | ११<br>० | ११<br>१३ | ११<br>२६ | ११<br>४० | ११<br>५३ | १२<br>६ | १२<br>१९ | १२<br>३२ | १२<br>४६ | १२<br>५८ | १३<br>१२ |

## स्पष्टग्रहबुधशीघ्रफलसारिणी.

| ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ० | ग.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १५<br>फ.<br>० | १५<br>११<br>१२ | १५<br>२२<br>२४ | १५<br>३३<br>३६ | १५<br>४४<br>४८ | १५<br>५५<br>० | १५<br>७<br>१२ | १६<br>१८<br>२४ | १६<br>२९<br>३६ | १६<br>४०<br>४८ | १६<br>५२<br>० | १६<br>३<br>१२ | १७<br>१४<br>२४ | १७<br>२५<br>३६ | १७<br>३६<br>४८ | १७<br>फ. | १२<br>४४ |
| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | क. | ० |
| ०<br>० | ०<br>११ | ०<br>२२ | ०<br>३४ | ०<br>४५ | ०<br>५६ | १<br>७ | १<br>१८ | १<br>३० | १<br>४१ | १<br>५२ | २<br>३ | २<br>१४ | २<br>२६ | २<br>३७ | घ. | ० |
| १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | क. | ० |
| २<br>४८ | २<br>५९ | ३<br>१० | ३<br>२२ | ३<br>३३ | ३<br>४४ | ३<br>५५ | ४<br>६ | ४<br>१८ | ४<br>२९ | ४<br>४० | ४<br>५१ | ५<br>२ | ५<br>१४ | ५<br>२५ | घ. | ० |
| ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | क. | ० |
| ५<br>३६ | ५<br>४७ | ५<br>५८ | ६<br>१० | ६<br>२१ | ६<br>३२ | ६<br>४३ | ६<br>५४ | ७<br>६ | ७<br>१७ | ७<br>२८ | ७<br>३९ | ७<br>५० | ८<br>२ | ८<br>१३ | घ. | ० |
| ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ० |
| ८<br>२४ | ८<br>३५ | ८<br>४६ | ८<br>५८ | ९<br>९ | ९<br>२० | ९<br>३१ | ९<br>४२ | ९<br>५४ | १०<br>५ | १०<br>१२ | १०<br>२७ | १०<br>३८ | १०<br>५० | ११<br>२ | ११<br>१२ | ० |
| ७५ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | शी.<br>घ. | न:अ |
| १७<br>४५<br>० | [illegible]<br>५६<br>२४ | [illegible]<br>४<br>४८ | [illegible]<br>१३<br>१२ | [illegible]<br>२१<br>३६ | [illegible]<br>३०<br>० | [illegible]<br>३८<br>२४ | [illegible]<br>४६<br>४८ | [illegible]<br>५५<br>१२ | [illegible]<br>३<br>३६ | [illegible]<br>[illegible]<br>० | [illegible]<br>[illegible]<br>२४ | [illegible]<br>[illegible]<br>४८ | [illegible]<br>[illegible]<br>१२ | १<br>३५<br>३६ | फ. | ८४<br>२० |
| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | क. | ० |
| ०<br>० | ०<br>८ | ०<br>१७ | ०<br>२५ | ०<br>३४ | ०<br>४२ | ०<br>५० | ०<br>५९ | १<br>७ | १<br>१६ | १<br>२४ | १<br>३२ | १<br>४१ | १<br>४९ | १<br>५८ | घ. | ० |
| १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | क. | ० |
| २<br>६ | २<br>१४ | २<br>२३ | २<br>३१ | २<br>४० | २<br>४८ | २<br>५६ | ३<br>५ | ३<br>१३ | ३<br>२२ | ३<br>३० | ३<br>३८ | ३<br>४७ | ३<br>५५ | ४<br>४ | घ. | ० |
| ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | क. | ० |
| ४<br>१२ | ४<br>२० | ४<br>२९ | ४<br>३७ | ४<br>४६ | ४<br>५४ | ५<br>२ | ५<br>११ | ५<br>१९ | ५<br>२८ | ५<br>३६ | ५<br>४४ | ५<br>५३ | ६<br>१ | ६<br>९ | घ. | ० |
| ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ० |
| ६<br>१८ | ६<br>२६ | ६<br>३५ | ६<br>४३ | ६<br>५२ | ७<br>० | ७<br>८ | ७<br>१७ | ७<br>२५ | ७<br>३४ | ७<br>४२ | ७<br>५० | ७<br>५९ | ७<br>८ | १५<br>१५ | ८<br>२४ | ० |

## स्पष्टग्रहस्पष्टशीघ्रफलसारिणी.

| अ.को | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | ग ध. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ध० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | ० |
| ध० | १<br>१८ | १<br>२३ | १<br>२८ | १<br>३४ | १<br>३९ | १<br>४४ | १<br>४९ | १<br>५४ | २<br>० | २<br>१५ | २<br>१० | २<br>५ | २<br>२० | २<br>२६ | २<br>३१ | ० |
| क० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ध० | २<br>३६ | २<br>४१ | २<br>४६ | २<br>५२ | ५७ | ३<br>२ | ३<br>७ | ३<br>१२ | ३<br>१८ | ३<br>२३ | ३<br>२८ | ३<br>३३ | ३<br>३८ | ३<br>४४ | ३<br>४९ | • |
| क० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ध० | ३<br>५४ | ३<br>५९ | ४<br>४ | ४<br>१० | ४<br>१५ | ४<br>२० | ४<br>२५ | ४<br>३० | ४<br>३६ | ४<br>४१ | ४<br>४६ | ४<br>५१ | ४<br>५६ | ५<br>२ | ५<br>७ | ५<br>१२ |

| स.को | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | ग ध. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | २१<br>१२<br>० | ५९<br>८ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० |
| क० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० |
| क० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ० |
| क० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० |

## बुधशीघ्रफलसारिणी.

| १२० | १२१ | १२२ | १२३ | १२४ | १२५ | १२६ | १२७ | १२८ | १२९ | १३० | १३१ | १३२ | १३३ | १३४ | ग. | अ.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २१<br>१२<br>[illegible] | २१<br>५<br>१२ | २०<br>५८<br>२४ | २०<br>५१<br>३६ | २०<br>४४<br>४८ | २०<br>३८<br>० | २०<br>३१<br>१२ | २०<br>२४<br>२४ | २०<br>१७<br>३६ | २०<br>१०<br>४८ | २०<br>४<br>० | १९<br>५७<br>१२ | १९<br>५०<br>२४ | १९<br>४३<br>३६ | १९<br>३६<br>४८ | ३८<br>४४ | फ० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>७ | ०<br>१४ | ०<br>२० | ०<br>२७ | ०<br>३४ | ०<br>४१ | ०<br>४८ | ०<br>५४ | १<br>१ | १<br>८ | १<br>१५ | १<br>२२ | १<br>२८ | १<br>३५ | ० |
| क० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ऋ० | १<br>४१ | १<br>४५ | १<br>५६ | २<br>२ | २<br>९ | २<br>१६ | २<br>२३ | २<br>३० | २<br>३६ | २<br>४३ | २<br>५० | २<br>५७ | ३<br>४ | ३<br>१० | ३<br>१७ | ० |
| क० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ऋ० | ३<br>२४ | ३<br>३१ | ३<br>३८ | ३<br>४४ | ३<br>५१ | ३<br>५८ | ४<br>५ | ४<br>१२ | ४<br>१८ | ४<br>२५ | ४<br>३२ | ४<br>३९ | ४<br>४६ | ४<br>५२ | ४<br>५९ | ० |
| क० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ऋ० | ५<br>६ | ५<br>१३ | ५<br>२० | ५<br>२६ | ५<br>३३ | ५<br>४० | ५<br>४७ | ५<br>५४ | ६<br>० | ६<br>७ | ६<br>१४ | ६<br>२१ | ६<br>२८ | ६<br>३४ | ६<br>४१ | ६<br>४८ |

| अ० | १३५ | १३६ | १३७ | १३८ | १३९ | १४० | १४१ | १४२ | १४३ | १४४ | १४५ | १४६ | १४७ | [illegible] | [illegible] | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ११<br>३०<br>० | [illegible]<br>० | [illegible]<br>० | [illegible]<br>० | [illegible]<br>० | [illegible]<br>० | [illegible]<br>० | [illegible]<br>० | [illegible]<br>० | [illegible]<br>० | [illegible]<br>० | ४६<br>३४<br>० | ४६<br>[illegible]<br>० | ४६<br>२<br>० | २५<br>४६<br>० | ११<br>८<br>० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>१६ | ०<br>३२ | ०<br>४८ | १<br>४ | १<br>२० | १<br>३६ | १<br>५२ | २<br>८ | २<br>२४ | २<br>४० | २<br>५६ | ३<br>१२ | ३<br>२८ | ३<br>४४ | ० |
| १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ० |
| ४<br>० | ४<br>१६ | ४<br>३२ | ४<br>४८ | ५<br>४ | ५<br>२० | ५<br>३६ | ५<br>५२ | ६<br>८ | ६<br>२४ | ६<br>४० | ६<br>५६ | ७<br>१२ | ७<br>२८ | ७<br>४४ | ०<br>० | ० |
| ८<br>० | ८<br>१६ | ३२ | ८<br>४८ | ४ | २० | ३६ | ५२ | ८ | २४ | ४० | ५६ | १२ | २८ | ४४ | ० | ० |
| ४५<br>१२<br>० | | | | | | | | | | | | | | | | |

## बुधशीघ्रफलसारिणी.

| अं.को | १५० | १५१ | १५२ | १५३ | १५४ | १५५ | १५६ | १५७ | १५८ | १५९ | १६० | १६१ | १६२ | १६३ | १६४ | ग.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १५<br>३०<br>० | १५<br>३<br>३६ | १४<br>३७<br>१२ | १४<br>१०<br>४८ | १३<br>४४<br>२४ | १३<br>१८<br>० | १२<br>५१<br>३६ | १२<br>२५<br>१२ | ११<br>५८<br>४८ | ११<br>३२<br>२४ | ११<br>६<br>० | १०<br>३९<br>३६ | १०<br>१३<br>१२ | ९<br>४६<br>४८ | ९<br>२०<br>२४ | २०<br>४ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>२६ | ०<br>५३ | १<br>१९ | १<br>४६ | २<br>१२ | २<br>३८ | ३<br>५ | ३<br>३१ | ३<br>५८ | ४<br>२४ | ४<br>५० | ५<br>१७ | ५<br>४३ | ६<br>९ | ० |
| क० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ऋ० | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | |
| क० | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ऋ० | १२ | ३८ | १५ | ४१ | ८ | ३४ | ५० | १७ | ४३ | १० | ३६ | २ | २९ | ५५ | २२ | |
| क० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ऋ० | १९<br>४८ | २०<br>१४ | २०<br>४१ | २१<br>७ | २१<br>३४ | २२<br>० | २२<br>२६ | २२<br>५३ | २३<br>१९ | २३<br>४६ | २४<br>१२ | २४<br>३८ | २५<br>५ | २५<br>३१ | २५<br>५८ | २६<br>२४ |

| अं.को | १६५ | १६६ | १६७ | १६८ | १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ | १७८ | १७९ | ग.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ८<br>५४<br>० | ८<br>१८<br>२४ | ७<br>४२<br>४८ | ७<br>७<br>१२ | ६<br>३१<br>३६ | ५<br>५६<br>० | ५<br>२०<br>२४ | ४<br>४४<br>४८ | ४<br>९<br>१२ | ३<br>३३<br>३६ | २<br>५८<br>० | २<br>२२<br>२४ | १<br>४६<br>४८ | १<br>११<br>१२ | ०<br>३५<br>३६ | ०<br>०<br>० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>३६ | १<br>११ | १<br>४७ | २<br>२२ | २<br>५८ | ३<br>३४ | ४<br>९ | ४<br>४५ | ५<br>२० | ५<br>५६ | ६<br>३२ | ७<br>७ | ७<br>४३ | ८<br>१८ | ० |
| क० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ऋ० | ८<br>२४ | ९<br>३० | १०<br>५ | १०<br>४१ | ११<br>१६ | ११<br>५२ | १२<br>२८ | १३<br>३ | १३<br>३९ | १४<br>१४ | १४<br>५० | १५<br>२६ | १६<br>१ | १६<br>३७ | १७<br>२२ | ० |
| क० | ३० | ३१ | ३२ | | | | | | | | | | | | | |
| ऋ० | १७<br>४८ | १८<br>२४ | १८<br>५९ | | | | | | | | | | | | | |
| क० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ऋ० | २६<br>४२ | २७<br>१८ | २७<br>५३ | २८<br>२९ | २९<br>४ | २९<br>४० | ३०<br>१६ | ३०<br>५१ | ३१<br>२७ | ३२<br>२ | ३२<br>३८ | ३३<br>१४ | ३३<br>४९ | ३४<br>२५ | ३५<br>० | ३५<br>३६ |

## बुधमंदफलसारिणी।

| अंका | १५ | ६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | गप |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १<br>१२<br>० | १<br>१५<br>२८ | १<br>१२<br>१२ | १<br>२२<br>२८ | १<br>२६<br>२४ | १<br>३ | १<br>३३<br>३६ | १<br>३७<br>१२ | १<br>४<br>४८ | १<br>४४<br>२४ | १<br>४८<br>० | १<br>५१<br>२६ | १<br>५५<br>१२ | १<br>५८<br>२८ | २<br>२<br>२४ | ३<br>३६ |
| ध० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ० | <br>२ | ०<br>७ | ०<br>११ | <br>१५ | ०<br>१९ | ०<br>२२ | ०<br>२६ | ०<br>२९ | ०<br>२ | ०<br>२ | <br>२ | <br>२ | <br>२ | ०<br>२ | ० |
| ० | १५ | १० | १५ | ८ | १२ | २२ | २ | २२ | २ | २८ | २२ | २६ | ३८ | ३२ | २२ | ० |
| ० | <br>५८ | <br>२२ | १<br>१ | १<br>५ | १<br>८ | १<br>१२ | १<br>१६ | १<br>१९ | १<br>२२ | १<br>२६ | १<br>२ | १<br>३२ | १<br>३७ | १<br>४१ | १<br>४४ | ० |
| ० | ३ | ३१ | ३२ | ३३ | २८ | २५ | ३६ | ३८ | ३२ | ३९ | २ | ४१ | ४२ | २३ | २८ | ० |
| ० | १<br>२८ | १<br>२२ | १<br>२५ | १<br>५१ | २<br>२ | २<br>६ | २<br>१ | २<br>१३ | २<br>१७ | २<br>२ | २<br>२८ | २<br>२२ | २<br>२१ | २<br>२२ | २<br>३८ | ० |
| ० | ४० | ३६ | ४७ | २८ | २२ | २ | ५१ | २२ | ५२ | ५२ | ५२ | २२ | २८ | ५१ | २१ | ६० |
| ० | २<br>२२ | २<br>४६ | २<br>४१ | २<br>५३ | २<br>२५ | ३<br>० | ३<br>४ | २<br>७ | ३<br>११ | ३<br>१४ | ३<br>१८ | ३<br>२२ | २<br>२५ | ३<br>२८ | २<br>३२ | ३<br>३६ |
| अंका | ३ | २ | ३२ | ३३ | २२ | २२ | ३६ | ३८ | ३८ | ३९ | ४ | ४१ | ४२ | ४ | २२ | गफ |
| फ० | २<br>६<br>० | २<br>१<br>४८ | २<br>११<br>३६ | २<br>१४<br>२४ | २<br>१७<br>२ | २<br>२<br>० | २<br>२२<br>४८ | २<br>२५<br>३६ | २<br>२८<br>२२ | २<br>३<br>१२ | २<br>३२ | २<br>३६<br>४८ | २<br>३<br>२ | २<br>२२<br>२२ | २<br>२२<br>२ | २<br>४८ |
| ध० | ० | १ | २ | २ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १ | ११ | १२ | १ | | ० |
| घ० | ० | ०<br>३ | ६ | ८ | ११ | ०<br>१४ | ०<br>१७ | ०<br>२ | २२ | २५ | ०<br>२८ | ३१ | | २६ | ३० | ० |
| | १५ | १६ | १५ | १२ | १९ | २ | २१ | २२ | २२ | २४ | २६ | २५ | २५ | २८ | २० | ० |
| ० | ०<br>४२ | <br>६ | ०<br>२८ | <br>५ | ०<br>२२ | ०<br>२२ | <br>२१ | १<br>२ | १<br>४ | १<br>७ | १<br>१० | १<br>१२ | १<br>१६ | १<br>१८ | १<br>२१ | ० |
| ० | ३ | ३१ | ३२ | ३२ | ३४ | २५ | ३६ | २५ | २२ | ३९ | ४ | ४१ | ४२ | २ | ४४ | ० |
| ० | १<br>२१ | १ | १<br>२ | १<br>३२ | १<br>३५ | १<br>३८ | १<br>४१ | १<br>२२ | १<br>६ | १<br>४० | १<br>२२ | १<br>२२ | १<br>२८ | २<br>० | २ | ० |
| ० | ४२ | २२ | ४७ | ४८ | ४२ | २ | २१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | २<br>६ | २<br>९ | २<br>१२ | २<br>१२ | २<br>१७ | २<br>२० | २<br>२३ | २<br>२६ | २<br>२८ | २<br>३१ | २<br>३२ | २<br>३ | २<br>२० | २<br>४२ | २<br>४ | २<br>४८ |

## बुधमंदफलसारिणी.

| अं.का. | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ३<br>३० | ३<br>३० | ३<br>३० | ३<br>३१ | ३<br>३१ | ३<br>३२ | ३<br>३२ | ३<br>३२ | ३<br>३३ | ३<br>३३ | ३<br>३४ | ३<br>३४ | ३<br>३४ | ३<br>३५ | ३<br>३५ | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>१ | ०<br>१ | ०<br>२ | ०<br>२ | ०<br>२ | ०<br>३ | ०<br>३ | ०<br>४ | ०<br>४ | ०<br>४ | ०<br>५ | ०<br>५ | ०<br>६ | ०<br>० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | ०<br>६ | ०<br>६ | ०<br>७ | ०<br>८ | ०<br>८ | ०<br>८ | ०<br>८ | ०<br>९ | ०<br>[illegible] | ०<br>१० | ०<br>१० | ०<br>१० | ०<br>११ | ०<br>११ | ०<br>१२ | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ०<br>१८ | ०<br>१८ | ०<br>१९ | ०<br>१९ | ०<br>२० | ०<br>२० | ०<br>२० | ०<br>२१ | ०<br>२१ | ०<br>२२ | ०<br>२२ | ०<br>२२ | ०<br>२३ | ०<br>२३ | ०<br>२४ | ०<br>२४ |

## अथ शुक्रशीघ्रफलसारिणी.

| अ.को. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ग.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ०<br>०<br>० | ०<br>१०<br>० | ०<br>२०<br>० | ०<br>३०<br>० | ०<br>४०<br>० | ०<br>५०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>१०<br>० | १<br>२०<br>० | १<br>३०<br>० | १<br>४०<br>० | १<br>५०<br>० | २<br>०<br>० | २<br>१०<br>० | २<br>२०<br>० | १३<br>२०<br>० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>१० | ०<br>२० | ०<br>३० | ०<br>४० | ०<br>५० | १<br>० | १<br>१० | १<br>२० | १<br>३० | १<br>४० | १<br>५० | २<br>० | २<br>१० | २<br>२० | ० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | २<br>३० | २<br>४० | २<br>५० | ३<br>० | ३<br>१० | ३<br>२० | ३<br>३० | ३<br>४० | ३<br>५० | ४<br>० | ४<br>१० | ४<br>२० | ४<br>३० | ४<br>४० | ४<br>५० | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | ५<br>० | ५<br>१० | ५<br>२० | ५<br>३० | ५<br>४० | ५<br>५० | ६<br>० | ६<br>१० | ६<br>२० | ६<br>३० | ६<br>४० | ६<br>५० | ७<br>० | ७<br>१० | ७<br>२० | ० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | ७<br>३० | ७<br>४० | ७<br>५० | ८<br>० | ८<br>१० | ८<br>२० | ८<br>३० | ८<br>४० | ८<br>५० | ९<br>० | ९<br>१० | ९<br>२० | ९<br>३० | ९<br>४० | ९<br>५० | १०<br>० |

## गुरुशीघ्रफलसारिणी.

| अ.को. | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ६<br>४८<br>० | ६<br>५५<br>४८ | ७<br>१<br>३६ | ७<br>८<br>२४ | ७<br>१५<br>१२ | ७<br>२२<br>० | ७<br>२८<br>४८ | ७<br>३५<br>३६ | ७<br>४२<br>२४ | ७<br>४२<br>१२ | ७<br>५६<br>० | ८<br>२<br>४८ | ८<br>१<br>३६ | ८<br>१६<br>२४ | ८<br>२३<br>१२ | १०<br>४० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>७ | ०<br>१४ | ०<br>२० | ०<br>२७ | ०<br>३४ | ०<br>४१ | ०<br>४८ | ०<br>५४ | १<br>१ | १<br>८ | १<br>१५ | १<br>२२ | १<br>२८ | १<br>३५ | ० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | १<br>४३ | १<br>४९ | १<br>५६ | २<br>२ | २<br>९ | २<br>१६ | २<br>२३ | २<br>३० | २<br>३६ | २<br>४३ | २<br>५० | २<br>५४ | ३<br>४ | ३<br>१० | ३<br>१७ | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ३०<br>३ | ३५<br>१२ | ४०<br>२४ | ४५<br>३६ | ५०<br>४८ | ५६<br>० | १<br>१२ | ६<br>२४ | ११<br>३६ | १६<br>४८ | २२<br>० | २७<br>१२ | ३२<br>२४ | ३७<br>३६ | ४३<br>४८ | १२<br>२० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>५ | ०<br>१० | ०<br>१६ | ०<br>२१ | ०<br>२६ | ०<br>३१ | ०<br>३७ | ०<br>४२ | ०<br>४७ | ०<br>५३ | ०<br>५८ | १<br>२ | १<br>८ | १<br>१३ | ० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | २<br>३६ | २<br>४१ | २<br>४७ | २<br>५२ | २<br>५७ | ३<br>२ | ३<br>७ | ३<br>१२ | ३<br>१८ | ३<br>२३ | ३<br>२८ | ३<br>३३ | ३<br>३८ | ३<br>४४ | ३<br>४९ | ० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | ३<br>५५ | ३<br>५९ | ४<br>५ | ४<br>१० | ४<br>१५ | ४<br>२० | ४<br>२५ | ४<br>३० | ४<br>३६ | ४<br>४१ | ४<br>४६ | ४<br>५१ | ४<br>५६ | ५<br>२ | ५<br>७ | ५<br>१२ |

## गुरुशीघ्रफलसारिणी.

| | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | १९ | ग.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १<br>४८<br>० | १<br>५१<br>१२ | १<br>५४<br>२४ | १<br>५७<br>३६ | ०<br>४८ | ४<br>० | ७<br>१२ | १०<br>२४ | १३<br>३६ | १६<br>४८ | २०<br>० | २३<br>१२ | २६<br>२४ | २९<br>३६ | ३२<br>४८ | ७<br>४० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>३ | ०<br>६ | ०<br>१० | ०<br>१३ | ०<br>१६ | ०<br>१९ | ०<br>२२ | ०<br>२६ | ०<br>२९ | ०<br>३२ | ०<br>३५ | ०<br>३८ | ०<br>४२ | ०<br>४५ | ०<br>० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | ०<br>४८ | ०<br>५१ | ०<br>५४ | ०<br>५८ | १<br>१ | १<br>४ | १<br>७ | १<br>१० | १<br>१४ | १<br>१७ | १<br>२० | १<br>२३ | १<br>२७ | १<br>३० | १<br>३३ | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | १<br>३६ | १<br>३९ | १<br>४२ | १<br>४६ | १<br>४९ | १<br>५२ | १<br>५५ | १<br>५८ | २<br>२ | २<br>५ | २<br>८ | २<br>११ | २<br>१४ | २<br>१८ | २<br>२२ | ० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६ |
| | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>५० | २<br>५३ | २<br>५६ | २<br>५९ | ३<br>२ | ३<br>६ | ३<br>९ | ३<br>१२ |

| | | | | | | | | | ९८ | ९९ | १०० | १०१ | १०२ | १०३ | १०४ | ग.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ३६<br>० | ३६<br>४८ | ३७<br>३६ | ३८<br>२४ | ३९<br>१२ | ४०<br>० | ४०<br>४८ | ४१<br>३६ | १०<br>४२<br>२४ | १०<br>४३<br>१२ | १०<br>४४<br>० | १०<br>४४<br>४८ | १०<br>४५<br>३६ | १०<br>४६<br>२४ | १०<br>४७<br>१२ | ५<br>४० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>१ | ०<br>२ | ०<br>२ | ०<br>३ | ०<br>४ | ०<br>५ | ०<br>६ | ०<br>६ | ०<br>७ | ०<br>८ | ०<br>९ | ०<br>१० | ०<br>१० | ०<br>११ | ० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | ०<br>१२ | ०<br>१३ | ०<br>१४ | ०<br>१४ | ०<br>१५ | ०<br>१६ | ०<br>१७ | ०<br>१८ | ०<br>१८ | ०<br>१९ | ०<br>२० | ०<br>२१ | ०<br>२२ | ०<br>२२ | ०<br>२३ | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | ०<br>२४ | ०<br>२५ | ०<br>२६ | ०<br>२६ | ०<br>२७ | ०<br>२८ | ०<br>२९ | ०<br>३० | ०<br>३० | ०<br>३१ | ०<br>३२ | ०<br>३३ | ०<br>३४ | ०<br>३४ | ०<br>३५ | ० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | ०<br>३६ | ०<br>३७ | ०<br>३८ | ०<br>३८ | ०<br>३९ | ०<br>४० | ०<br>४१ | ०<br>४२ | ०<br>४२ | ०<br>४३ | ०<br>४४ | ०<br>४५ | ०<br>४६ | ०<br>४६ | ०<br>४७ | ०<br>५८ |

# गुरुशीघ्रफलसारिणी.

| अ का | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११ | ११ | ११ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | ग घ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १०<br>४८ | १०<br>४२<br>३६ | १०<br>४३<br>१२ | १०<br>४<br>४८ | १०<br>३८<br>२४ | १०<br>३६ | ०<br>३३<br>३६ | १०<br>३१<br>१० | १०<br>२८<br>४८ | १०<br>२६<br>२४ | १०<br>२४<br>० | १०<br>२१<br>३६ | १०<br>१९<br>१२ | १०<br>१६<br>४८ | १०<br>१४<br>२४ | ३<br>० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>३ | ०<br>५ | ०<br>७ | ०<br>९ | ०<br>१२ | ०<br>१४ | ०<br>१७ | १९ | ०<br>२२ | ०<br>२४ | ०<br>२६ | ०<br>२९ | ०<br>३१ | ०<br>३४ | ० * |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | ०<br>३६ | ०<br>३८ | ०<br>४ | ०<br>४३ | ०<br>४५ | ०<br>४८ | ०<br>५० | ०<br>५३ | ०<br>५५ | ०<br>५८ | १<br>० | १<br>३ | १<br>५ | १<br>७ | १<br>१० | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | १<br>१२ | १<br>१४ | १<br>१७ | १<br>१९ | १<br>२१ | १<br>२४ | १<br>२६ | १<br>२९ | १<br>३१ | १<br>३४ | १<br>३६ | १<br>३८ | १<br>४१ | १<br>४३ | १<br>४६ | ० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | २<br>० | २<br>३ | २<br>५ | २<br>७ | २<br>१० | २<br>१२ | २<br>१४ | २<br>१७ | २<br>१९ | २<br>२२ | २<br>२४ |

| अं | | २ | | १२१ | ४ | ३ | २६ | | २ | ११ | १० | १ | १३२ | १३ | १३४ | ग घ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १०<br>१२<br>० | १०<br>F<br>४८ | १०<br>१<br>३६ | ९<br>५६<br>२४ | ९<br>५१<br>१२ | ९<br>४० | ९<br>४०<br>४८ | ९<br>३५<br>३६ | ९<br>३०<br>२४ | ९<br>२५<br>१२ | ९<br>२<br>० | ९<br>१४<br>४८ | ९<br>९<br>३६ | ९<br>४<br>२४ | ८<br>५९<br>१२ | ०<br>४० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>५ | ०<br>१० | ०<br>१६ | ०<br>२१ | ०<br>२६ | ०<br>३१ | ०<br>३६ | ०<br>४० | ०<br>४७ | ०<br>५२ | ०<br>५७ | १<br>२ | १<br>८ | १<br>१३ | ० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | १<br>१८ | १<br>२३ | १<br>२८ | १<br>३४ | १<br>३ | १<br>४४ | १<br>४९ | १<br>५४ | २<br>० | २<br>५ | २<br>१० | २<br>१५ | २<br>२ | २<br>२६ | २<br>३१ | ० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | २<br>३६ | २<br>४१ | २<br>४६ | २<br>५१ | २<br>५७ | ३<br>२ | ३<br>७ | ३<br>१२ | ३<br>१८ | ३<br>२३ | ३<br>२८ | ३<br>३३ | ३<br>३८ | ३<br>४४ | ३<br>४९ | ० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ०<br>० | ३<br>५४ | ३<br>५९ | ४<br>४ | ४<br>१० | ४<br>१५ | ४<br>२० | ४<br>२५ | ४<br>३० | ४<br>३६ | ४<br>४१ | ४<br>४६ | ४<br>५१ | ४<br>५६ | ५<br>२ | ५<br>७ | ५<br>१२ |

## स्पष्टग्रहगुरुशीघ्रफलसारिणी.

| अं.को. | १३५ | १३६ | १३७ | १३८ | १३९ | १४० | १४१ | १४२ | १४३ | १४४ | १४५ | १४६ | १४७ | १४८ | १४९ | ग.ऋ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ८<br>५४<br>० | ८<br>४८<br>४८ | ८<br>३५<br>३६ | ८<br>२६<br>२४ | ८<br>१७<br>१२ | ८<br>८<br>० | ७<br>५८<br>४८ | ७<br>४९<br>३६ | ७<br>४०<br>२४ | ७<br>३१<br>१२ | ७<br>२२<br>० | ७<br>१२<br>४८ | ७<br>३<br>३६ | ६<br>५४<br>२४ | ६<br>४५<br>१२ | २<br>५० |
| फ० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>९ | ०<br>१८ | ०<br>२८ | ०<br>३७ | ०<br>४६ | ०<br>५५ | १<br>४ | १<br>१४ | १<br>२३ | १<br>३२ | १<br>४१ | १<br>५० | २<br>० | २<br>९ | ० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | २<br>१८ | २<br>२७ | २<br>३६ | २<br>४६ | २<br>५५ | ३<br>४ | ३<br>१३ | ३<br>२२ | ३<br>३२ | ३<br>४१ | ३<br>५० | ३<br>५९ | ४<br>८ | ४<br>१८ | ४<br>२७ | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | ४<br>३६ | ४<br>४५ | ४<br>५४ | ५<br>४ | ५<br>१३ | ५<br>२२ | ५<br>३१ | ५<br>४० | ५<br>५० | ५<br>५९ | ६<br>८ | ६<br>१७ | ६<br>२६ | ६<br>३६ | ६<br>४५ | ० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | ६<br>५४ | ७<br>३ | ७<br>१२ | ७<br>२२ | ७<br>३१ | ७<br>४० | ७<br>४९ | ७<br>५८ | ८<br>८ | ८<br>१७ | ८<br>२६ | ८<br>३५ | ८<br>४४ | ८<br>५४ | ९<br>३ | ९<br>१२ |

| अं.को. | १५० | १५१ | १५२ | [illegible] | [illegible] | १५५ | १५६ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ग.ऋ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ६<br>३६<br>० | ६<br>२४<br>० | ६<br>१२<br>० | ६<br>०<br>० | ५<br>४८<br>० | ५<br>३६<br>० | ५<br>२४<br>० | ५<br>१२<br>० | ५<br>०<br>० | ४<br>४८<br>० | ४<br>३६<br>० | ४<br>२४<br>० | ४<br>१२<br>० | ४<br>०<br>० | ३<br>४८<br>० | ५<br>० |
| फ० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>१२ | ०<br>२४ | ०<br>३६ | ०<br>४८ | १<br>० | १<br>१२ | १<br>२४ | १<br>३६ | १<br>४८ | २<br>० | २<br>१२ | २<br>२४ | २<br>३६ | २<br>४८ | ० |
| क० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ऋ० | ३<br>० | ३<br>१२ | ३<br>२४ | ३<br>३६ | ३<br>४८ | ४<br>० | ४<br>१२ | ४<br>२४ | ४<br>३६ | ४<br>४८ | ५<br>० | ५<br>१२ | ५<br>२४ | ५<br>३६ | ५<br>४८ | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | ६<br>० | ६<br>१२ | ६<br>२४ | ६<br>३६ | ६<br>४८ | ७<br>० | ७<br>१२ | ७<br>२४ | ७<br>३६ | ७<br>४८ | ८<br>० | ८<br>१२ | ८<br>२४ | ८<br>३६ | ८<br>४८ | ०<br>० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | |
| | ० | १२ | २४ | ३६ | ४८ | ० | १२ | २४ | ३६ | ४८ | ० | १२ | २४ | ३६ | ४८ | ० |

## गुरुशीघ्रफलसारिणीचक्रम्.

| अं का | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ग फ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ३<br>३६<br>० | ३<br>२१<br>३६ | ३<br>७<br>१२ | २<br>५२<br>४८ | २<br>३८<br>२४ | २<br>२४<br>० | २<br>९<br>३६ | १<br>५५<br>१२ | १<br>४०<br>४८ | १<br>२६<br>२४ | १<br>१२<br>० | ०<br>५७<br>३६ | ०<br>४३<br>१२ | ०<br>२८<br>४८ | ०<br>१४<br>२४ | ७<br>० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>१४ | ०<br>२९ | ०<br>४३ | ०<br>५८ | १<br>१२ | १<br>२६ | १<br>४१ | १<br>५५ | २<br>१० | २<br>२४ | २<br>३८ | २<br>५३ | ३<br>७ | ३<br>[illegible] | ० |
| क० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ऋ० | ३<br>३६ | ३<br>५० | ४<br>५ | ४<br>१९ | ४<br>३४ | ४<br>४८ | ५<br>२ | ५<br>१७ | ५<br>३१ | ५<br>४६ | ६<br>० | ६<br>१४ | ६<br>२९ | ६<br>४३ | ६<br>५८ | ० |
| क० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ऋ० | ७<br>१२ | ७<br>२६ | ७<br>४१ | ७<br>५५ | ८<br>१० | ८<br>२३ | ८<br>३७ | ८<br>५२ | ९<br>६ | ९<br>२० | ९<br>२९ | ९<br>५० | १०<br>५ | १०<br>१९ | १०<br>३४ | ० |
| क० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ऋ० | १०<br>४८ | ११<br>२ | ११<br>१७ | ११<br>३१ | ११<br>४६ | १२<br>० | १२<br>१४ | १२<br>२९ | १२<br>४३ | १२<br>५८ | १३<br>१२ | १३<br>२६ | १३<br>४१ | १३<br>५५ | १४<br>१० | १४<br>२४ |

## गुरुमंदफलसारिणी.

| अ गा | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ग. फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ०<br>०<br>० | ०<br>५<br>३६ | ०<br>११<br>१२ | ०<br>१६<br>४८ | ०<br>२२<br>२४ | ०<br>२८<br>० | ०<br>३३<br>३६ | ०<br>३९<br>१२ | ०<br>४४<br>४८ | ०<br>५०<br>२४ | ०<br>५६<br>० | १<br>१<br>३६ | १<br>७<br>१२ | १<br>१२<br>४८ | १<br>१८<br>२४ | ०<br>२८ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>६ | ०<br>११ | ०<br>१७ | ०<br>२२ | ०<br>२८ | ०<br>३४ | ०<br>३९ | ०<br>४५ | ०<br>५० | ०<br>५६ | १<br>२ | १<br>७ | १<br>१३ | १<br>१८ | ० |
| क० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| घ० | १<br>२४ | १<br>३० | १<br>३५ | १<br>४१ | १<br>४६ | १<br>५२ | १<br>५८ | २<br>३ | २<br>९ | २<br>१४ | २<br>२० | २<br>२६ | २<br>३१ | २<br>३७ | २<br>४२ | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | २<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ४<br>१२ | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>२१ | ४<br>३४ | ४<br>४० | ४<br>४६ | ४<br>५१ | ४<br>५७ | ५<br>२ | ५<br>[illegible] | ५<br>१४ | ५<br>१९ | ५<br>२५ | ५<br>३० | ५<br>३६ |

## गुरुमंदफलसारिणी।

| अ.को | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ३<br>५४<br>० | ३<br>५७<br>३६ | ४<br>१<br>१२ | ४<br>४<br>४८ | ४<br>८<br>२४ | ४<br>१२<br>० | ४<br>१५<br>३६ | ४<br>१९<br>१२ | ४<br>२२<br>४८ | ४<br>२६<br>२४ | ४<br>३०<br>० | ४<br>३३<br>३६ | ४<br>३७<br>१२ | ४<br>४०<br>४८ | ४<br>४४<br>२४ | ०<br>१८ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>४ | ०<br>७ | ०<br>११ | ०<br>१४ | ०<br>१८ | -<br>२२ | ०<br>२५ | ०<br>२९ | ०<br>३२ | ०<br>३६ | ०<br>४० | ०<br>४३ | ०<br>४७ | ०<br>५० | ० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | ०<br>५४ | ०<br>५८ | १<br>१ | १<br>५ | १<br>८ | १<br>१२ | १<br>१६ | १<br>१९ | १<br>२३ | १<br>२६ | १<br>३० | १<br>३४ | १<br>३७ | १<br>४१ | १<br>४४ | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | १<br>४८ | १<br>५२ | १<br>५५ | १<br>५९ | २<br>२ | २<br>६ | २<br>१० | २<br>१३ | २<br>१७ | २<br>२० | २<br>२४ | २<br>२८ | २<br>३१ | २<br>३५ | २<br>३८ | ० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | २<br>४२ | २<br>४६ | २<br>४९ | २<br>५३ | २<br>५६ | ३<br>० | ३<br>४ | ३<br>७ | ३<br>११ | ३<br>१४ | ३<br>१८ | ३<br>२२ | ३<br>२५ | ३<br>२९ | ३<br>३२ | ३<br>३६ |

## गुरुमंदफलसारिणी.

| अं | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ग फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ०<br>१४<br>० |
| म० | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ४२ | ४५ | ४८ | ५० | ५३ | ५६ | ५९ | २ | ४ | ७ | १० | १३ | १६ | १८ | २१ | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | १<br>२४ | १<br>२७ | १<br>३० | १<br>३२ | १<br>३५ | १<br>३८ | १<br>४० | १<br>४३ | १<br>४६ | १<br>४९ | १<br>५२ | १<br>५५ | १<br>५८ | २<br>० | २<br>३ | ० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | २<br>६ | २<br>९ | २<br>१२ | २<br>१४ | २<br>१७ | २<br>२० | २<br>२३ | २<br>२६ | २<br>२८ | २<br>३१ | २<br>३४ | २<br>३७ | २<br>४० | २<br>४२ | २<br>४५ | २<br>४८ |

## शुक्रशीघ्रफलसारिणी.

| न.को | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | गध. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ३०<br>१२<br>० | ३०<br>३२<br>४८ | ३०<br>५३<br>३६ | ३१<br>१४<br>२४ | ३१<br>३६<br>१२ | ३२<br>०<br>० | ३२<br>१६<br>४८ | ३२<br>३७<br>३६ | ३२<br>५८<br>२४ | ३३<br>१९<br>१२ | ३३<br>४०<br>० | ३४<br>०<br>४८ | ३४<br>३१<br>३६ | ३४<br>४२<br>२४ | ३५<br>[illegible]<br>१२ | ७२<br>/ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>२१ | ०<br>४२ | १<br>२ | १<br>२३ | १<br>४४ | २<br>५ | २<br>२६ | २<br>४६ | ३<br>७ | ३<br>२८ | ३<br>४९ | ४<br>१० | ४<br>३० | ४<br>५१ | ० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | ५<br>३३ | ५<br>१२ | ५<br>५५ | ६<br>१४ | ६<br>३० | ६<br>५६ | ७<br>१७ | ७<br>३८ | ७<br>५८ | ८<br>१९ | ८<br>४० | ९<br>१ | ९<br>२० | ९<br>४२ | १०<br>३ | ०<br>० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | १०<br>२४ | १०<br>४५ | ११<br>६ | ११<br>२६ | ११<br>४७ | १२<br>[illegible] | १२<br>२९ | १२<br>५० | १३<br>१० | १३<br>३१ | १३<br>५२ | १४<br>१३ | १४<br>३४ | १४<br>५४ | १५<br>१८ | ०<br>० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | ३६ | २७ | १८ | ३८ | २९ | २० | ४२ | २ | २१ | ४३ | ४ | २४ | ४६ | ६ | २७ | ४८ |

## शुक्रशीघ्रफलसारिणी.

| अ.को. | ९० | ९१ | ९२ | ९[illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ३५<br>२४<br>० | ३५<br>४३<br>१२ | ३६<br>४<br>२४ | ३<br>२<br>३६ | ४८ | ० | १२ | २४ | ३६ | ४८ | ० | १२ | २४ | ३६ | ४८ | ८ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>२२ | ०<br>३८ | ०<br>५८ | १<br>१७ | १<br>३६ | १<br>५५ | २<br>१४ | २<br>३३ | २<br>५२ | ३<br>१२ | ३<br>३१ | ३<br>५० | ४<br>१० | ४<br>२९ | ० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | ४<br>४८ | ५<br>७ | ५<br>२३ | ५<br>४५ | ६<br>४ | ६<br>२२ | ६<br>४३ | ७<br>२ | ७<br>२१ | ७<br>४० | ८<br>० | ८<br>१९ | ८<br>३८ | ८<br>५७ | ९<br>१७ | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | २४ | ४३ | २ | २१ | ४१ | ० | १९ | ३४ | ५८ | १७ | ३६ | ५५ | १४ | ३४ | ५३ | १२ |

## शुक्रशीघ्रफलसारिणी.

| अं.का. | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | ग.ध. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ४०<br>१२<br>० | ४०<br>२७<br>१२ | ३०<br>४२<br>२४ | ४०<br>५७<br>३६ | ४१<br>१२<br>४८ | ४१<br>२८<br>० | ४१<br>४३<br>१२ | ४१<br>५८<br>२४ | ४२<br>१३<br>३६ | ४२<br>२८<br>४८ | ४२<br>४४<br>० | ४२<br>५९<br>१२ | ४३<br>१४<br>२४ | ४३<br>२९<br>३६ | ४३<br>४४<br>४८ | ६८<br>३८ |
| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | ० |
| घ० | ०<br>१५ | ०<br>३० | ०<br>४५ | १<br>१ | १<br>१६ | १<br>३१ | १<br>४६ | २<br>२ | २<br>१७ | २<br>३२ | २<br>४७ | ३<br>२ | ३<br>१८ | ३<br>३३ | ३<br>४८ | ० |
| ० | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ० |
|  | ४<br>३ | ४<br>२८ | ४<br>३४ | ४<br>४९ | ५<br>४ | ५<br>१९ | ५<br>३४ | ५<br>५० | ६<br>५ | ६<br>२० | ६<br>३५ | ६<br>५० | ७<br>६ | ७<br>२१ | ७<br>३६ | ० |
| ० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ० |
|  | ७<br>५१ | ८<br>६ | ८<br>२२ | ८<br>३७ | ८<br>५२ | ९<br>७ | ९<br>२२ | ९<br>३८ | ९<br>५३ | १०<br>८ | १०<br>२३ | १०<br>३८ | १०<br>५४ | ११<br>९ | ११<br>२४ | ० |
|  | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ० |

## शुक्रशीघ्रफलसारिणी.

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ०<br>० | ८<br>२४ | १६<br>४८ | २५<br>१२ | ३३<br>३६ | ४२<br>० | ५०<br>२४ | ५८<br>४८ | ७<br>१२ | १५<br>३६ | २४<br>० | ३२<br>२४ | ४०<br>४८ | ४९<br>१२ | ५७<br>३६ | ६४<br>२३ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>८ | ०<br>१७ | ०<br>२५ | ०<br>३४ | ०<br>४२ | ०<br>५० | ०<br>५९ | १<br>७ | १<br>१६ | १<br>२४ | १<br>३२ | १<br>४१ | १<br>४९ | १<br>५८ | ० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | २<br>६ | २<br>१४ | २<br>२३ | २<br>३१ | २<br>४० | २<br>४८ | २<br>५६ | ३<br>५ | ३<br>१३ | ३<br>२२ | ३<br>३० | ३<br>३८ | ३<br>४७ | ३<br>५५ | ४<br>४ | ० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | ४<br>१२ | ४<br>२० | ४<br>२९ | ४<br>३७ | ४<br>४६ | ४<br>५४ | ५<br>२ | ५<br>११ | ५<br>१९ | ५<br>२८ | ५<br>३६ | ५<br>४४ | ५<br>५३ | ६<br>१ | ६<br>० | ० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
|  | ६<br>१८ | ६<br>२६ | ६<br>३५ | ६<br>४३ | ६<br>५२ | ७<br>० | ७<br>८ | ७<br>१७ | ७<br>२५ | ७<br>३४ | ७<br>४२ | ७<br>५० | ७<br>५९ | ८<br>७ | ८<br>१५ | ८<br>२४ |

## शुक्रशीघ्रफलसारिणी ।

| अ को | १३५ | १३६ | १३७ | १३८ | १३९ | १४० | १४१ | १४२ | १४३ | १४४ | १४५ | १४६ | १४७ | १४८ | १४९ | ग घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ४६<br>६<br>० | ४५<br>५८<br>४८ | ४५<br>५१<br>३६ | ४५<br>४४<br>२४ | ४५<br>३७<br>१२ | ४५<br>३०<br>० | ४५<br>२२<br>४८ | ४५<br>१५<br>३६ | ४५<br>८<br>२४ | ४५<br>१<br>१२ | ४४<br>५४<br>० | ४४<br>४६<br>४८ | ४४<br>३९<br>३६ | ४४<br>३२<br>२४ | ४४<br>२५<br>१२ | ५४<br>३८ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>७ | ०<br>१४ | ०<br>२२ | ०<br>२९ | ०<br>३६ | ०<br>४३ | ०<br>५० | ०<br>५८ | १<br>५ | १<br>१२ | १<br>१९ | १<br>२६ | १<br>३४ | १<br>४२ | ० |
|  | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
|  | १<br>४८ | १<br>५५ | २<br>२ | २<br>१० | २<br>१७ | २<br>२४ | २<br>३१ | २<br>३८ | २<br>४६ | २<br>५३ | ३<br>० | ३<br>७ | ३<br>१४ | ३<br>२२ | ३<br>२९ | ० |
|  | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
|  | ३<br>३६ | ३<br>४३ | ३<br>५० | ३<br>५८ | ४<br>५ | ४<br>१२ | ४<br>१९ | ४<br>२६ | ४<br>३४ | ४<br>४१ | ४<br>४८ | ४<br>५५ | ५<br>२ | ५<br>१० | ५<br>१७ | ० |
|  | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
|  | ५<br>२४ | ५<br>३१ | ५<br>३८ | ५<br>४६ | ५<br>५३ | ६<br>० | ६<br>७ | ६<br>१४ | ६<br>२२ | ६<br>२९ | ६<br>३६ | ६<br>४३ | ६<br>५० | ६<br>५८ | ७<br>५ | ७<br>१२ |

## शुक्रशीघ्रफलसारिणी.

| अ को | १५० | १५१ | १५२ | १५३ | १५४ | १५५ | १५६ | १५७ | १५८ | १५९ | १६० | १६१ | १६२ | १६३ | १६४ | ग घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
|  | ४४<br>१८<br>० | ४३<br>३१<br>१२ | ४२<br>४४<br>२४ | ४१<br>५७<br>३६ | ४१<br>१०<br>४८ | ४०<br>२४<br>० | ३९<br>३७<br>१२ | ३८<br>५०<br>२४ | ३८<br>३<br>३६ | ३७<br>१६<br>४८ | ३६<br>३०<br>० | ३५<br>४३<br>१२ | ३४<br>५६<br>२४ | ३४<br>९<br>३६ | ३३<br>२२<br>४८ | २९<br>५३ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>४७ | १<br>३४ | २<br>२० | ३<br>७ | ३<br>५४ | ४<br>४१ | ५<br>२८ | ६<br>१४ | ७<br>१ | ७<br>४८ | ८<br>३५ | ९<br>२२ | १०<br>८ | १०<br>५५ | ० |
|  | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
|  | ११<br>४२ | १२<br>२९ | १३<br>१६ | १४<br>२ | १४<br>४९ | १५<br>३६ | १६<br>२३ | १७<br>१० | १७<br>५६ | १८<br>४३ | १९<br>३० | २०<br>१७ | २१<br>४ | २१<br>५० | २२<br>३७ | ० |
|  | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
|  | २३<br>२४ | २४<br>११ | २४<br>५८ | २५<br>४४ | २६<br>३१ | २७<br>१८ | २८<br>५ | २८<br>५२ | २९<br>३८ | ३०<br>२५ | ३१<br>१२ | ३१<br>५९ | ३२<br>४६ | ३३<br>३२ | ३४<br>१९ | ० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
|  | ३५<br>६ | ३५<br>५३ | ३६<br>४० | ३७<br>२६ | ३८<br>१३ | ३९<br>० | ३९<br>४७ | ४०<br>३४ | ४१<br>२० | ४२<br>७ | ४२<br>५४ | ४३<br>४१ | ४४<br>२८ | ४५<br>१४ | ४६<br>१ | ४६<br>४८ |

## शुक्रशीघ्रफलसारिणी.

| अं.को. | [illegible] | १६६ | १६७ | १६८ | १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ | १७८ | १७९ | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ०<br>३२६ | ३२<br>३६<br>० | ३०<br>२९<br>३६ | २८<br>१९<br>१२ | २६<br>४<br>४८ | २३<br>५९<br>२४ | २१<br>४४<br>० | १९<br>३३<br>३६ | १७<br>२३<br>१२ | १५<br>१२<br>४८ | १३<br>२<br>२४ | १०<br>५२<br>० | ८<br>४१<br>३६ | ६<br>३१<br>१२ | ४<br>२०<br>४८ | २<br>१०<br>२४ | ० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | २<br>१० | ४<br>२१ | ६<br>३१ | ८<br>४२ | १०<br>५२ | १३<br>२ | १५<br>१३ | १७<br>२३ | १९<br>३४ | २१<br>४४ | २३<br>५४ | २६<br>५ | २८<br>१५ | ३०<br>२६ | ० |
| . | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | ३२<br>३६ | ३४<br>४६ | ३६<br>५७ | ३९<br>७ | ४१<br>१८ | ४३<br>२८ | ४५<br>३८ | ४७<br>४९ | ४९<br>५९ | ५२<br>१० | ५४<br>२० | ५६<br>३० | ५८<br>४० | ६०<br>५१ | ६३<br>२ | ० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | ६५<br>१२ | ६७<br>२२ | ६९<br>३३ | ७१<br>४३ | ७३<br>५४ | ७६<br>४ | ७८<br>१४ | ८०<br>२५ | ८२<br>३५ | ८४<br>३५ | ८६<br>५६ | ८९<br>६ | ९१<br>१७ | ९३<br>२७ | ९५<br>३८ | ० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| | ९७<br>४८ | ९९<br>५८ | १०२<br>९ | १०४<br>१९ | १०६<br>३० | १०८<br>४० | ११०<br>५० | ११३<br>१ | ११५<br>११ | ११७<br>२२ | ११९<br>३२ | १२१<br>४२ | १२३<br>५३ | १२६<br>३ | १२८<br>१४ | १३०<br>२४ |

## अंत्यांकफलसारिणी.

| अं.को. | १६५ | १६६ | १६७ | १६८ | १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ | १७८ | १७९ | ग. फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ०<br>०<br>ध. | ०<br>२०<br>ध. | ०<br>४०<br>ध. | १<br>०<br>ध. | १<br>२०<br>ध. | १<br>४०<br>ध. | २<br>०<br>ध. | २<br>२०<br>ध. | २<br>२०<br>ऋ | २<br>०<br>ऋ | १<br>४०<br>ऋ | १<br>२०<br>ऋ. | १<br>०<br>ऋ. | [illegible]<br>४०<br>ऋ. | [illegible]<br>२०<br>ऋ. | ० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>२० | ०<br>४० | १<br>० | १<br>२० | १<br>४० | २<br>० | २<br>२० | २<br>४० | ३<br>० | ३<br>२० | ३<br>४० | ४<br>० | ४<br>२० | ४<br>४० | ० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | ५<br>० | ५<br>२० | ५<br>४० | ६<br>० | ६<br>२० | ६<br>४० | ७<br>० | ७<br>२० | ७<br>४० | ८<br>० | ८<br>२० | ८<br>४० | ९<br>० | ९<br>२० | ९<br>४० | ० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | १०<br>० | १०<br>२० | १०<br>४० | ११<br>० | ११<br>२० | ११<br>४० | १२<br>० | १२<br>२० | १२<br>४० | १३<br>० | १३<br>२० | १३<br>४० | १४<br>० | १४<br>२० | १४<br>४० | ० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| | १५<br>० | १५<br>२० | १५<br>४० | १६<br>० | १६<br>२० | १६<br>४० | १७<br>० | १७<br>२० | १७<br>४० | १८<br>० | १८<br>२० | १८<br>४० | १९<br>० | १९<br>२० | १९<br>४० | २०<br>० |

## अंत्यांकगतिफलसारिणी.

| अ.को. | १६५ | १६६ | १६७ | १६८ | १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ | १७८ | १७९ | १८० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ६ | ० | ० | ३ | ७ | १० | १३ | १७ | २० | २३ | २७ | ३० | ३३ | ३७ | ४० | ४३ |
| | ८ | ४८ | ३२ | ५२ | १२ | ३२ | ५२ | १२ | ३२ | ५२ | १२ | ३२ | ५२ | १२ | ३२ | ५२ |
| | घ. | घ | ऋ | ऋ | ऋ | ऋ | ऋ | ऋ | ऋ | ऋ | ऋ | ऋ | ऋ | ऋ | ऋ | ऋ. |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | ० | ३ | ७ | १० | १३ | १७ | २० | २३ | २७ | ३० | ३३ | ३७ | ४० | ४३ | ४७ | |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | ० |
| | ५० | ५३ | ५७ | ० | ३ | ७ | १० | १३ | १७ | २० | २३ | २७ | ३० | ३३ | ३७ | |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ० |
| | ४० | ४३ | ४७ | ५० | ५३ | ५७ | ० | ३ | ७ | १० | १३ | १७ | २० | २३ | २७ | |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| | २ | २ | २ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ |
| | ३० | ३३ | ३७ | ४० | ४३ | ४७ | ५० | ५३ | ५७ | ० | ३ | ७ | १० | १३ | १७ | २० |

## शुक्रमंदफलसारिणी.

| अं.को | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ग.ऋ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ० | ० | २ | ४ | ७ | ९ | १२ | १४ | १६ | १९ | २१ | २४ | २६ | २८ | ३१ | ३३ | २ |
| | ० | २४ | ४८ | १२ | ३६ | ० | २४ | ४८ | १२ | ३६ | ० | २४ | ४८ | १२ | ३६ | २४ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | ० | २ | ५ | ७ | १० | १२ | १४ | १७ | १९ | २२ | २४ | २६ | २९ | ३१ | ३४ | |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | ० |
| | ३६ | ३८ | ४१ | ४३ | ४५ | ४८ | ५० | ५३ | ५५ | ५८ | ० | २ | ५ | ७ | १० | |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | ० |
| | १२ | १४ | १७ | १९ | २२ | २४ | २६ | २९ | ३१ | ३४ | ३६ | ३८ | ४१ | ४३ | ४५ | ० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| | ४८ | ५० | ५३ | ५५ | ५८ | ० | २ | ५ | ७ | १० | १२ | १४ | १७ | १९ | २२ | २४ |

## शुक्रमंदफलसारिणी.

| अं.को. | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३८<br>० | ०<br>४०<br>० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४४<br>० | ०<br>४६<br>० | ०<br>४८<br>० | ०<br>५०<br>० | ०<br>५२<br>० | ०<br>५४<br>० | ०<br>५६<br>० | ०<br>५८<br>० | १<br>०<br>० | १<br>२<br>० | १<br>४<br>० | २<br>० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>२ | ०<br>४ | ०<br>६ | ०<br>८ | ०<br>१० | ०<br>१२ | ०<br>१४ | ०<br>१६ | ०<br>१८ | ०<br>२० | ०<br>२२ | ०<br>२४ | ०<br>२६ | ०<br>२८ | ० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | ०<br>३० | ०<br>३२ | ०<br>३४ | ०<br>३६ | ०<br>३८ | ०<br>४० | ०<br>४२ | ०<br>४४ | ०<br>४६ | ०<br>४८ | ०<br>५० | ०<br>५२ | ०<br>५४ | ०<br>५६ | ०<br>५८ | ०<br>० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | १<br>० | १<br>२ | १<br>४ | १<br>६ | १<br>८ | १<br>१० | १<br>१२ | १<br>१४ | १<br>१६ | १<br>१८ | १<br>२० | १<br>२२ | १<br>२४ | १<br>२६ | १<br>२८ | ०<br>० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| | १<br>३० | १<br>३२ | १<br>३४ | १<br>३६ | १<br>३८ | १<br>४० | १<br>४२ | १<br>४४ | १<br>४६ | १<br>४८ | १<br>५० | १<br>५२ | १<br>५४ | १<br>५६ | १<br>५८ | २<br>० |

## शुक्रमंदफलसारिणी.

| अं.को. | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १<br>६<br>० | १<br>६<br>४८ | १<br>७<br>३६ | १<br>८<br>२४ | १<br>९<br>१२ | १<br>१०<br>० | १<br>१०<br>४८ | १<br>११<br>३६ | १<br>१२<br>२४ | १<br>१३<br>१२ | १<br>१४<br>० | १<br>१४<br>४८ | १<br>१५<br>३६ | १<br>१६<br>२४ | १<br>१७<br>१२ | ०<br>४८ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>१ | ०<br>२ | ०<br>२ | ०<br>३ | ०<br>४ | ०<br>५ | ०<br>६ | ०<br>६ | ०<br>७ | ०<br>८ | ०<br>९ | ०<br>१० | ०<br>१० | ०<br>११ | ०<br>० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | [illegible] | ०<br>० |
| | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ० |
| | ०<br>२४ | ०<br>२५ | ०<br>२६ | ०<br>२६ | ०<br>२७ | ०<br>२८ | ०<br>२९ | ०<br>३० | ०<br>३० | ०<br>३१ | ०<br>३२ | ०<br>३३ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ०<br>० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ६० |
| | ०<br>३६ | ०<br>३७ | ०<br>३८ | ०<br>३८ | ०<br>३९ | ०<br>४० | ०<br>४१ | ०<br>४२ | ०<br>४२ | ०<br>४३ | ०<br>४४ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ०<br>४८ |

## शुक्रमंदफलसारिणी.

| अ.को. | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १<br>१८<br>० | १<br>१८<br>२४ | १<br>१८<br>४८ | १<br>१९<br>१२ | १<br>१९<br>३६ | १<br>२०<br>० | १<br>२०<br>२४ | १<br>२०<br>४८ | १<br>२१<br>१२ | १<br>२१<br>३६ | १<br>२२<br>० | १<br>२२<br>२४ | १<br>२२<br>४८ | १<br>२३<br>१२ | १<br>२३<br>३६ | ०<br>२४ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>१ | ०<br>१ | ०<br>२ | ०<br>२ | ०<br>२ | ०<br>३ | ०<br>३ | ०<br>४ | ०<br>४ | ०<br>४ | ०<br>५ | ०<br>५ | ०<br>६ | ०<br>० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | ०<br>६ | ०<br>६ | ०<br>७ | ०<br>७ | ०<br>८ | ०<br>८ | ०<br>८ | ०<br>९ | ०<br>९ | ०<br>१० | ०<br>१० | ०<br>१० | ०<br>११ | ०<br>११ | ०<br>१२ | ०<br>० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | ०<br>१२ | ०<br>१२ | ०<br>१३ | ०<br>१३ | ०<br>१४ | ०<br>१४ | ०<br>१५ | ०<br>१५ | ०<br>१५ | ०<br>१६ | ०<br>१६ | ०<br>१६ | ०<br>१७ | ०<br>१७ | ०<br>१८ | ०<br>० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | ०<br>१८ | ०<br>१८ | ०<br>१९ | ०<br>१९ | ०<br>२० | ०<br>२० | ०<br>२० | ०<br>२१ | ०<br>२१ | ०<br>२२ | ०<br>२२ | ०<br>२२ | ०<br>२३ | ०<br>२३ | ०<br>२४ | ०<br>२४ |

## शुक्रमंदफलसारिणी.

| अ.को. | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १<br>२४<br>० | १<br>२४<br>२४ | १<br>२४<br>४८ | १<br>२५<br>१२ | १<br>२५<br>३६ | १<br>२६<br>० | १<br>२६<br>२४ | १<br>२६<br>४८ | १<br>२७<br>१२ | १<br>२७<br>३६ | १<br>२८<br>० | १<br>२८<br>२४ | १<br>२८<br>४८ | १<br>२९<br>१२ | १<br>२९<br>३६ | ०<br>२४ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>१ | ०<br>१ | ०<br>२ | ०<br>२ | ०<br>२ | ०<br>३ | ०<br>३ | ०<br>४ | ०<br>४ | ०<br>४ | ०<br>५ | ०<br>५ | ०<br>६ | ०<br>० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | ०<br>६ | ०<br>६ | ०<br>७ | ०<br>७ | ०<br>८ | ०<br>८ | ०<br>८ | ०<br>९ | ०<br>९ | ०<br>१० | ०<br>१० | ०<br>१० | ०<br>११ | ०<br>११ | ०<br>१२ | ०<br>० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | ०<br>१२ | ०<br>१२ | ०<br>१३ | ०<br>१३ | ०<br>१४ | ०<br>१४ | ०<br>१४ | ०<br>१५ | ०<br>१५ | ०<br>१६ | ०<br>१६ | ०<br>१६ | ०<br>१७ | ०<br>१७ | ०<br>१८ | ०<br>० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | ०<br>१८ | ०<br>१८ | ०<br>१९ | ०<br>१९ | ०<br>२० | ०<br>२० | ०<br>२० | ०<br>२१ | ०<br>२१ | ०<br>२२ | ०<br>२२ | ०<br>२२ | ०<br>२३ | ०<br>२३ | ०<br>२४ | ०<br>२४ |

## शुक्रमंदफलसारिणी.

| अं.को. | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | गं. घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | |
| ० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | ० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

## शनिशीघ्रफलसारणी.

| अं.को. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | गं.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | - |
| | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ८ |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | ० |
| | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | |
| | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | |
| | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० | ६ | १२ | १८ | २४ | ३० | ३६ | ४२ | ४८ | ५४ | ० |

## शनिशीघ्रफलसारिणी.

| अंशो | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ग घ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १<br>३०<br>० | १<br>३५<br>१२ | १<br>४०<br>२४ | १<br>४५<br>३६ | १<br>५०<br>४८ | १<br>५६<br>० | २<br>१<br>१२ | २<br>६<br>२४ | २<br>११<br>३६ | २<br>१६<br>४८ | २<br>२२<br>० | २<br>२७<br>१२ | २<br>३२<br>२४ | २<br>३७<br>३६ | २<br>४२<br>४८ | ०<br>७<br>१२ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>५ | ०<br>१० | ०<br>१६ | ०<br>२१ | ०<br>२६ | ०<br>३१ | ०<br>३६ | ०<br>४२ | ०<br>४७ | ०<br>५२ | ०<br>५७ | १<br>२ | १<br>८ | १<br>१३ | ०<br>० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ०<br>०<br>४५ |
| | २ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ |
| | | | | | | | | | | | | | | | | |
| [illegible] | ४ | १० | १५ | २० | २५ | ३० | ३६ | ४१ | ४६ | ५१ | ५४ | २ | ७ | १२ | | ० |

## शनिशीघ्रफलसारिणी.

| अंशा | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ग.घ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | २<br>४८<br>० | २<br>५२<br>२४ | २<br>५६<br>४८ | ३<br>१<br>१२ | ३<br>५<br>३६ | ३<br>१०<br>० | ३<br>१४<br>२४ | ३<br>१८<br>४८ | ३<br>२३<br>१२ | ३<br>२७<br>३६ | ३<br>३२<br>० | ३<br>३६<br>२४ | ३<br>४०<br>४८ | ३<br>४५<br>१२ | ३<br>४९<br>३६ | ०<br>६<br>२४ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>४ | ०<br>९ | ०<br>१३ | ०<br>१८ | ०<br>२२ | ०<br>२६ | ०<br>३० | ०<br>३५ | ०<br>४० | ०<br>४४ | ०<br>४८ | ०<br>५३ | ०<br>५७ | १<br>२ | ०<br>० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | १<br>६ | १<br>१० | १<br>१५ | १<br>१९ | १<br>२४ | १<br>२८ | १<br>३२ | १<br>३७ | १<br>४१ | १<br>४६ | १<br>५० | १<br>५४ | १<br>५९ | २<br>३ | २<br>८ | ०<br>० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३२ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ३ | ० |
| | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | १८ | २२ | २७ | ३१ | ३६ | ४० | ४४ | ४९ | ५३ | ५८ | २ | ६ | ११ | १५ | २० | ४२ |

## शनिशीघ्रफलसारिणी.

| अं.को. | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ग.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ३<br>५४<br>० | ३<br>५७<br>३६ | ४<br>१<br>१२ | ४<br>४<br>४८ | ४<br>८<br>२४ | ४<br>१२<br>० | ४<br>१५<br>३६ | ४<br>१८<br>१२ | ४<br>२२<br>४८ | ४<br>२६<br>२४ | ४<br>३०<br>० | ४<br>३३<br>३६ | ४<br>३७<br>१२ | ४<br>४०<br>४८ | ४<br>४४<br>२४ | ५<br>३६ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>४ | ०<br>७ | ०<br>११ | ०<br>१४ | ०<br>१८ | ०<br>२२ | ०<br>२५ | ०<br>२९ | ०<br>३२ | ०<br>३६ | ०<br>४० | ०<br>४३ | ०<br>४७ | ०<br>५० | ०<br>० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ० | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | १<br>[illegible] | ०<br>[illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible]<br>४८ | [illegible]<br>५२ | [illegible]<br>५५ | [illegible]<br>५९ | [illegible]<br>२ | [illegible]<br>६ | [illegible]<br>१० | [illegible]<br>१३ | [illegible]<br>१७ | [illegible]<br>२० | [illegible]<br>२४ | [illegible]<br>२८ | [illegible]<br>३१ | [illegible]<br>३५ | [illegible]<br>३८ | [illegible]<br>० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ० | २<br>४२ | २<br>४६ | २<br>४९ | २<br>५३ | २<br>५६ | ३<br>० | ३<br>४ | ३<br>७ | ३<br>११ | ३<br>१५ | ३<br>१८ | ३<br>२२ | ३<br>२५ | ३<br>२९ | ३<br>[illegible] | ३<br>३३ |

## शनिशीघ्रफलसारिणी.

| अं.को. | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ग.घ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ४<br>४८<br>० | ४<br>५०<br>२४ | ४<br>५२<br>४८ | ४<br>५५<br>१२ | ४<br>५७<br>३६ | ५<br>०<br>० | ५<br>२<br>२४ | ५<br>४<br>४८ | ५<br>७<br>१२ | ५<br>९<br>३६ | ५<br>१२<br>० | ५<br>१४<br>[illegible] | ५<br>१६<br>[illegible] | ५<br>१९<br>[illegible] | ५<br>२१<br>३६ | ८<br>२४ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>२ | ०<br>५ | ०<br>७ | ०<br>१० | ०<br>१२ | ०<br>१४ | ०<br>१७ | ०<br>१९ | ०<br>२२ | ०<br>२४ | ०<br>२६ | ०<br>२८ | ०<br>३० | ०<br>३४ | ०<br>० |
| ० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | - |
| ० | ०<br>३६ | ०<br>३८ | ०<br>४१ | ०<br>४३ | ०<br>४६ | ०<br>४८ | ०<br>५० | ०<br>५३ | ०<br>५५ | ०<br>५८ | १<br>० | १<br>२ | १<br>५ | १<br>७ | १<br>१० | ०<br>० |
| ० | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| ० | १<br>१२ | १<br>१४ | १<br>१७ | १<br>१९ | १<br>२२ | १<br>२४ | १<br>२६ | १<br>२९ | १<br>३१ | १<br>३४ | १<br>३६ | १<br>३८ | १<br>४१ | १<br>४३ | १<br>[illegible] | ०<br>० |
| ० | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| ०. | १<br>४८ | १<br>५० | १<br>५३ | १<br>५५ | १<br>५८ | २<br>० | २<br>२ | २<br>५ | २<br>७ | २<br>१० | २<br>१२ | २<br>१४ | २<br>१७ | २<br>१९ | २<br>२१ | २<br>२४ |

## शनिशीघ्रफलसारिणी.

| अंको. | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ग व. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ५<br>२४<br>० | ५<br>२५<br>१२ | ५<br>२६<br>२४ | ५<br>२७<br>३६ | ५<br>२८<br>४८ | ५<br>३०<br>० | ५<br>३१<br>१२ | ५<br>३२<br>२४ | ५<br>३३<br>३६ | ५<br>३४<br>४८ | ५<br>३६<br>० | ५<br>३७<br>१२ | ५<br>३८<br>२४ | ५<br>३९<br>३६ | ५<br>४०<br>४८ | ०<br>३<br>१२ |
| कं० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>१ | ०<br>२ | ०<br>४ | ०<br>५ | ०<br>६ | ०<br>७ | ०<br>८ | ०<br>१० | ०<br>११ | ०<br>१२ | ०<br>१३ | ०<br>१४ | ०<br>१६ | ०<br>१७ | ०<br>० |
|  | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
|  | ०<br>१८ | ०<br>१९ | ०<br>२० | ०<br>२२ | ०<br>२३ | ०<br>२४ | ०<br>२५ | ०<br>२६ | ०<br>२८ | ०<br>२९ | ०<br>३० | ०<br>३१ | ०<br>३२ | ०<br>३४ | ०<br>३५ | ०<br>० |
|  | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ |  |
|  | ०<br>३६ | ०<br>३७ | ०<br>३८ | ०<br>४० | ०<br>४१ | ०<br>४२ | ०<br>४३ | ०<br>४४ | ०<br>४६ | ०<br>४७ | ०<br>४८ | ०<br>४९ | ०<br>५० | ०<br>५२ | ०<br>५३ |  |
|  | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
|  | ०<br>५४ | ०<br>५५ | ०<br>५६ | ०<br>५८ | ०<br>५९ | १<br>० | १<br>१ | १<br>२ | १<br>४ | १<br>५ | १<br>६ | १<br>७ | १<br>८ | १<br>१० | १<br>११ | १<br>१२ |

## शनिशीघ्रफलसारिणी.

| अंको. | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० | [illegible] | १०२ | [illegible] | १०४ | ग.व. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
|  | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | ५<br>४२<br>० | २<br>० |
| कं० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० |
|  | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
|  | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० |
|  | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
|  | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० |
|  | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
|  | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ०<br>० | ० |

## शनिशीघ्रफलसारणी.

| अं.को. | १०५ | १०६ | १०७ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | गफ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ. | ५<br>४२<br>० | ५<br>४०<br>२४ | ५<br>३८<br>४८ | ५<br>३७<br>१२ | ५<br>३५<br>३६ | ५<br>३४<br>० | ५<br>३२<br>२४ | ५<br>३०<br>४८ | ५<br>२९<br>१२ | ५<br>२७<br>३६ | ५<br>२६<br>० | ५<br>२४<br>२४ | ५<br>२२<br>४८ | ५<br>२१<br>१२ | ५<br>१९<br>३६ | ०<br>२४ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ. | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] |
| | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| | ०<br>२४ | ०<br>२६ | ०<br>२७ | ०<br>२९ | ०<br>३० | ०<br>३२ | ०<br>३४ | ०<br>३५ | ०<br>३७ | ०<br>३८ | ०<br>४० | ०<br>४२ | ०<br>४३ | ०<br>४५ | ०<br>४६ | ०<br>० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | ०<br>४८ | ०<br>५० | ०<br>५१ | ०<br>५३ | ०<br>५४ | ०<br>५६ | ०<br>५८ | ०<br>५९ | १<br>१ | १<br>२ | १<br>४ | १<br>६ | १<br>७ | १<br>९ | १<br>१० | ०<br>० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| | १<br>१२ | १<br>१४ | ०<br>१५ | १<br>१७ | १<br>१८ | १<br>२० | १<br>२२ | १<br>२३ | १<br>२५ | १<br>२६ | १<br>२८ | १<br>३० | १<br>३१ | १<br>३३ | १<br>३४ | १<br>३६ |

## शनिशीघ्रफलसारणी.

| अ.को. | १२० | १२१ | १२२ | १२३ | १२४ | १२५ | १२६ | १२७ | १२८ | १२९ | १३० | १३१ | १३२ | १३३ | १३४ | ग ऋ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ. | ५<br>१८<br>० | ५<br>१४<br>४८ | ५<br>११<br>३६ | ५<br>८<br>२४ | ५<br>५<br>१२ | ५<br>२<br>० | ४<br>५८<br>४८ | ४<br>५५<br>३६ | ४<br>५२<br>२४ | ४<br>४९<br>१२ | ४<br>४६<br>० | ४<br>४२<br>४८ | ४<br>३९<br>३६ | ४<br>३६<br>२४ | ४<br>३३<br>१२ | १<br>१२ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>३ | ०<br>६ | ०<br>१० | ०<br>१३ | ०<br>१६ | ०<br>१९ | ०<br>२२ | ०<br>२६ | ०<br>२९ | ०<br>३२ | ०<br>३५ | ०<br>३८ | ०<br>४२ | ०<br>४५ | ०<br>० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | ०<br>४८ | ०<br>५१ | ०<br>५४ | ०<br>५८ | १<br>१ | १<br>४ | १<br>७ | १<br>१० | १<br>१४ | १<br>१७ | १<br>२० | १<br>२३ | १<br>२७ | १<br>३० | १<br>३३ | ० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | १<br>३६ | १<br>३९ | १<br>४२ | १<br>४६ | १<br>४९ | १<br>५२ | १<br>५५ | १<br>५९ | २<br>२ | २<br>५ | २<br>८ | २<br>११ | २<br>१४ | २<br>१८ | २<br>२१ | ० |
| | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| | [illegible]<br>२४ | [illegible]<br>२७ | [illegible]<br>३० | [illegible]<br>३४ | [illegible]<br>३७ | [illegible]<br>४० | [illegible]<br>४३ | [illegible]<br>४६ | [illegible]<br>५० | [illegible]<br>५३ | [illegible]<br>५६ | [illegible]<br>५९ | [illegible]<br>२ | [illegible]<br>६ | [illegible]<br>९ | [illegible]<br>१२ |

## शनिशीघ्रफलसारिणी ।

| अ.को. | १३५ | १३६ | १३७ | १३८ | १३९ | १४० | १४१ | १४२ | १४३ | १४४ | १४५ | १४६ | १४७ | १४८ | १४९ | ग.ऋ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ४ ३० ० | ४ २५ १२ | ४ २० २४ | ४ १५ ३६ | ४ १० ४८ | ४ ६ ० | ४ १ १२ | ३ ५६ २४ | ३ ५१ ३६ | ३ ४६ ४८ | ३ ४२ ० | ३ ३७ १२ | ३ ३२ २४ | ३ २७ ३६ | ३ २२ ४८ | २ ४८ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ० ० | ० ५ | ० १० | ० १४ | ० १९ | ० २४ | ० २९ | ० ३४ | ० ३८ | ० ४३ | ० ४८ | • ५३ | ० ५८ | १ २ | १ ७ | ० ० |
|  | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
|  | १ १२ | १ १७ | १ २२ | १ २६ | १ ३१ | १ ३६ | १ ४१ | १ ४६ | १ ५० | १ ५५ | २ ० | २ ५ | २ ९ | २ १४ | २ १९ | ० ० |
|  | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
|  | २ २४ | २ २९ | २ ३३ | २ ३८ | २ ४२ | २ ४८ | २ ५३ | २ ५८ | ३ २ | ३ ७ | ३ १२ | ३ १७ | ३ २२ | ३ २६ | ३ ३१ | • |
|  | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
|  | ३ ३६ | ३ ४१ | ३ ४६ | ३ ५० | ३ ५५ | ४ ० | ४ ५ | ४ १० | ४ १४ | ४ १९ | ४ २४ | ४ २९ | ४ ३४ | ४ ३८ | ४ ४३ | ५ ४८ |

## शनिशीघ्रफलसारिणी.

| अं को. | १५० | १५१ | १५२ | १५३ | १५४ | १५५ | १५६ | १५७ | १५८ | १५९ | १६० | १६१ | १६२ | १६ | १६४ | ग.ऋ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ३ १८ ० | ३ १२ ० | ३ ६ ० | ३ ० ० | २ ५४ ० | २ ४८ ० | २ ४२ ० | २ ३६ ० | २ ३० ० | २ २४ ० | २ १८ ० | २ १२ ० | २ ६ ० | २ ० ० | १ ५४ ० | ४ ० |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ० ० | ० ६ | ० १२ | ० १८ | ० २४ | ० ३० | ० ३६ | ० ४२ | ० ४८ | ० ५४ | १ ० | १ ६ | १ १२ | १ १८ | १ २४ | ० |
|  | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० |
|  | १ ३० | १ ३६ | १ ४२ | १ ४८ | १ ५४ | १ ० | २ ६ | २ १२ | २ १८ | २ २४ | २ ३० | २ ३६ | २ ४२ | २ ४८ | २ ५४ | ३ ० |
|  | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ० |
|  | ३ ६ | ३ १२ | ३ १८ | ३ २४ | ३ ३० | ३ ३६ | ३ ४२ | ३ ४८ | ३ ५४ | ४ ० | ४ ६ | ४ १२ | ४ १८ | ४ २४ | ४ ३० | • |
|  | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ० |
|  | ४ ३६ | ४ ४२ | ४ ४८ | ४ ५४ | ५ • | ५ ६ | ५ १२ | ५ १८ | ५ २४ | ५ ३० | ५ ३६ | ५ ४२ | ५ ४८ | ५ ५४ | ६ ० | ० • |

## शनिशीघ्रफलसारिणी.

| अं.को. | १६५ | १६६ | १६७ | १६८ | १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ | १७८ | [illegible] | गु.अं. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १<br>४८<br>० | १<br>४०<br>४८ | १<br>३२<br>३६ | १<br>२६<br>२४ | १<br>१९<br>१२ | १<br>१२<br>० | १<br>४<br>४८ | ०<br>५७<br>३६ | ०<br>५०<br>२४ | ०<br>४३<br>१२ | ०<br>३६<br>० | ०<br>२८<br>४८ | ०<br>२१<br>३६ | ०<br>१४<br>२४ | [illegible]<br>७<br>१२ | ५<br>१२ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ऋ० | ०<br>० | ०<br>७ | ०<br>१४ | ०<br>२२ | ०<br>२९ | ०<br>३६ | ०<br>४३ | ०<br>५० | ०<br>५८ | १<br>५ | १<br>१२ | १<br>१९ | १<br>२६ | १<br>३४ | १<br>४१ | [illegible] |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | [illegible] |
| | १<br>४८ | १<br>५५ | २<br>२ | २<br>१० | २<br>१७ | २<br>२४ | २<br>३१ | २<br>३८ | २<br>४६ | २<br>५३ | ३<br>० | ३<br>७ | ३<br>१४ | ३<br>२२ | ३<br>२९ | [illegible] |
| | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | |
| | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ० |
| | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | ६० |
| | ५<br>२४ | ५<br>३१ | ५<br>३८ | ५<br>४६ | ५<br>५३ | ६<br>० | ६<br>७ | ६<br>१४ | ६<br>२२ | ६<br>२९ | ६<br>३६ | ६<br>४३ | ६<br>५० | ६<br>५८ | ७<br>५ | ७<br>१२ |

## शनिमंदफलसारिणी.

| अं.को. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ०<br>०<br>० | ०<br>७<br>३६ | ०<br>१५<br>१२ | ०<br>२२<br>४८ | ०<br>३०<br>२४ | ०<br>३८<br>० | ०<br>४५<br>३६ | ०<br>५३<br>१२ | १<br>०<br>४८ | १<br>८<br>२४ | १<br>१६<br>० | १<br>२३<br>३६ | १<br>३१<br>१२ | १<br>३८<br>४८ | १<br>४६<br>२४ | ०<br>१९ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>८ | ०<br>१५ | ०<br>२३ | ०<br>३० | ०<br>३८ | ०<br>४६ | ०<br>५३ | १<br>१ | १<br>८ | १<br>१६ | १<br>२४ | १<br>३१ | १<br>३९ | १<br>४६ | ० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | १<br>५४ | २<br>२ | २<br>९ | २<br>१७ | २<br>२४ | २<br>३२ | २<br>४० | २<br>४७ | २<br>५५ | ३<br>२ | ३<br>१० | ३<br>१८ | ३<br>२५ | ३<br>३३ | ३<br>४० | ० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | ३<br>[illegible] | ३<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ४<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ५<br>[illegible] | ० |
| | ४२ | ५० | ५७ | ५ | १२ | २० | २७ | ३५ | ४३ | ५० | ५८ | ६ | १३ | २१ | २८ | ३६ |

## शनिमंदफलसारिणी.

| अं को | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | १<br>५४<br>० | २<br>२<br>२४ | २<br>१०<br>४८ | २<br>१८<br>१२ | २<br>२७<br>३६ | २<br>३६<br>० | २<br>४४<br>२४ | २<br>५२<br>४८ | ३<br>१<br>१२ | ३<br>९<br>३६ | ३<br>१८<br>० | ३<br>२६<br>२४ | ३<br>३४<br>४८ | ३<br>४३<br>१२ | ३<br>५१<br>३६ | ०<br>१७ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>८ | ०<br>१७ | ०<br>२५ | ०<br>३४ | ०<br>४२ | ०<br>५० | ०<br>५८ | १<br>७ | १<br>१६ | १<br>२४ | १<br>३२ | १<br>४१ | १<br>४९ | १<br>५८ | ० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | २<br>६ | २<br>१४ | २<br>२३ | २<br>३१ | २<br>४० | २<br>४८ | २<br>५५ | ३<br>५ | ३<br>१३ | ३<br>२२ | ३<br>३० | ३<br>३८ | ३<br>४७ | ३<br>५५ | ४<br>४ | ० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | ४<br>१२ | ४<br>२० | ४<br>२९ | ४<br>३७ | ४<br>४६ | ४<br>५४ | ५<br>२ | ५<br>११ | ५<br>१९ | ५<br>२८ | ५<br>३६ | ५<br>४४ | ५<br>५३ | ६<br>१ | ६<br>९ | ० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| | ६<br>१८ | ६<br>२६ | ६<br>३५ | ६<br>४३ | ६<br>५२ | ७<br>० | ७<br>८ | ७<br>१७ | ७<br>२५ | ७<br>३४ | ७<br>४२ | ७<br>५० | ७<br>५९ | ८<br>७ | ८<br>१५ | ८<br>२४ |

## शनिमंदफलसारिणी.

| अ.को | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ग. फ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ४<br>०<br>० | ४<br>८<br>० | ४<br>१६<br>० | ४<br>२४<br>० | ४<br>३२<br>० | ४<br>४०<br>० | ४<br>४८<br>० | ४<br>५६<br>० | ५<br>४<br>० | ५<br>१२<br>० | ५<br>२०<br>[illegible] | ५<br>२८<br>० | ५<br>३६<br>० | ५<br>४४<br>० | ५<br>५२<br>० | ०<br>१६ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>८ | ०<br>१६ | ०<br>२४ | ०<br>३२ | ०<br>४० | ०<br>४८ | ०<br>५६ | १<br>४ | १<br>१२ | १<br>२० | १<br>२८ | १<br>३६ | १<br>४४ | १<br>५२ | ० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | . ० |
| | २<br>० | २<br>८ | २<br>१६ | २<br>२४ | २<br>३२ | २<br>४० | २<br>४८ | २<br>५६ | ३<br>४ | ३<br>१२ | ३<br>२० | ३<br>२८ | ३<br>३६ | ३<br>४४ | ३<br>५२ | ० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | ४<br>० | ४<br>८ | ४<br>१६ | ४<br>२४ | ४<br>३२ | ४<br>४० | ४<br>४८ | ४<br>५६ | ५<br>४ | ५<br>१२ | ५<br>२० | ५<br>२८ | ५<br>३६ | ५<br>४४ | ५<br>५२ | ० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| | ६<br>० | ६<br>८ | ६<br>१६ | ६<br>२४ | ६<br>३२ | ६<br>४० | ६<br>४८ | ६<br>५६ | ७<br>४ | ७<br>१२ | ७<br>२० | ७<br>२८ | ७<br>३६ | ७<br>४४ | ७<br>५२ | ८<br>० |

## शनिमंदफलसारिणी.

| अं.को. | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ६<br>०<br>० | ६<br>६<br>४८ | ६<br>१३<br>३६ | ६<br>२०<br>२४ | ६<br>२७<br>१२ | ६<br>३४<br>० | ६<br>४०<br>४८ | ६<br>४७<br>३६ | ६<br>५४<br>२४ | ७<br>१<br>१२ | ७<br>८<br>० | ७<br>१४<br>४८ | ७<br>२१<br>३६ | ७<br>२८<br>२४ | ७<br>३५<br>१२ | ०<br>१३ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>७ | ०<br>१४ | ०<br>२० | ०<br>२७ | ०<br>३४ | ०<br>४१ | ०<br>४८ | ०<br>५४ | १<br>१ | १<br>८ | १<br>१५ | १<br>२२ | १<br>२८ | १<br>३५ | ० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | १<br>४२ | १<br>४९ | १<br>५६ | २<br>९ | २<br>९ | २<br>१६ | २<br>२३ | २<br>३० | २<br>३६ | २<br>४३ | २<br>५० | २<br>५७ | ३<br>४ | ३<br>१० | ३<br>१७ | ०<br>० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | ३<br>२४ | ३<br>३१ | ३<br>३८ | ३<br>४४ | ३<br>५१ | ५८<br>३ | ४<br>५ | ४<br>१२ | ४<br>१८ | ४<br>२५ | ४<br>३२ | ४<br>३९ | ४<br>४६ | ४<br>५२ | ४<br>५९ | ०<br>० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| | ५<br>६ | ५<br>१३ | ५<br>२० | ५<br>२६ | ५<br>३३ | ५<br>४० | ५<br>४७ | ५<br>५४ | ६<br>० | ६<br>७ | ६<br>१४ | ६<br>२१ | ६<br>२८ | ६<br>३४ | ६<br>४१ | ६<br>४८ |

## शनिमंदफलसारिणी.

| अं.को. | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ग.फ. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ७<br>४२<br>० | ७<br>४६<br>४८ | ७<br>५१<br>३६ | ७<br>५६<br>२४ | ८<br>१<br>१२ | ८<br>६<br>० | ८<br>१०<br>४८ | ८<br>१५<br>३६ | ८<br>२०<br>२४ | ८<br>२५<br>१२ | ८<br>३०<br>० | ८<br>३४<br>४८ | ८<br>३९<br>३६ | ८<br>४४<br>२४ | ८<br>४९<br>१२ | ०<br>९ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| ध० | ०<br>० | ०<br>५ | ०<br>१० | ०<br>१४ | ०<br>१९ | ०<br>२४ | ०<br>२९ | ०<br>३४ | ०<br>३८ | ०<br>४३ | ०<br>४८ | ०<br>५३ | ०<br>५८ | १<br>२ | १<br>७ | ०<br>० |
| | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| | १<br>१२ | १<br>१७ | १<br>२२ | १<br>२७ | १<br>३१ | १<br>३६ | १<br>४१ | १<br>४६ | १<br>५० | १<br>५५ | २<br>० | २<br>५ | २<br>९ | २<br>१४ | २<br>१८ | ०<br>० |
| | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
| | २<br>२४ | २<br>२९ | २<br>३३ | २<br>३८ | २<br>४३ | २<br>४८ | २<br>५४ | २<br>५८ | ३<br>२ | ३<br>७ | ३<br>१२ | ३<br>१७ | ३<br>२२ | ३<br>२६ | ३<br>३१ | ०<br>० |
| | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| | ३<br>३६ | ३<br>४१ | ३<br>४६ | ३<br>५० | ३<br>५५ | ४<br>० | ४<br>५ | ४<br>१० | ४<br>१४ | ४<br>१८ | ४<br>२४ | ४<br>२८ | ४<br>३४ | ४<br>[illegible] | ४<br>४३ | ४<br>४८ |

## शनिमंदफलसारिणी.

| अ. | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९०.ग.फ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ० | ८<br>५४<br>० | ८<br>५५<br>३६ | ८<br>५७<br>१२ | ८<br>५८<br>४८ | ९<br>०<br>२४ | ९<br>२<br>० | ९<br>३<br>३६ | ९<br>५<br>१२ | ९<br>७<br>४८ | ९<br>८<br>२४ | ९<br>१०<br>० | ९<br>११<br>३६ | ९<br>१३<br>१२ | ९<br>१४<br>४८ | ९<br>१६<br>२४ | ९<br>१८ ०<br>० ३ |
| क० | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | ० |
| घ० | ०<br>० | ०<br>२ | ०<br>३ | ०<br>५ | ०<br>६ | ०<br>८ | ०<br>१० | ०<br>११ | ०<br>१३ | ०<br>१४ | ०<br>१६ | ०<br>१८ | ०<br>१९ | ०<br>२१ | ०<br>२२ | ० |
| क० | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० |
| ध० | ०<br>२४ | ०<br>२६ | ०<br>२७ | ०<br>२९ | ०<br>३० | ०<br>३२ | ०<br>३४ | ०<br>३५ | ०<br>३७ | ०<br>३८ | ०<br>४० | ०<br>४२ | ०<br>४३ | ०<br>४५ | ०<br>४६ | ० |
|  | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ० |
|  | ०<br>४८ | ०<br>५० | ०<br>५१ | ०<br>५३ | ०<br>५४ | ०<br>५६ | ०<br>५८ | ०<br>५९ | १<br>१ | १<br>२ | १<br>४ | १<br>६ | १<br>७ | १<br>९ | १<br>१० | ०<br>० |
|  | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
|  | १<br>१२ | १<br>१४ | १<br>१५ | १<br>१७ | १<br>१८ | १<br>२० | १<br>२२ | १<br>२३ | १<br>२५ | १<br>२६ | १<br>२८ | १<br>३० | १<br>३१ | १<br>३३ | १<br>३४ | १<br>३६ |

इति पंचतारास्पष्टीकरणसारिणी संपूर्णा ।

# प्रथमशीघ्रफल.

यह मध्यम सूर्य्य ० । ११ । ११ । ५६ इसमेंसे मध्यम भौम ५।२२।७।२४ कम किया तो यह ० । ६ । १९ । ०४ । ३२ भौमका प्रथम शीघ्रकेन्द्र भया यह ६ राशिसे जादा है इसवास्ते १२ में पतित किया ५।१०।५५।२८ यह भया इसके अंश १६० । ५५ । २८ इसवास्ते इहां भौमशीघ्रफल-सारिणीकोष्टक १६० के नीचेका अंक २८।४२।०० इसको और अंशके नीचे कला ५५ हैं, इसवास्ते ५५ कला विकला कोष्ठकके नीचेका कलादिक फल ४३।३८ अब अंश कलाके नीचे विकला २८ है, इसवास्ते २८ कला विकलाकोष्ठकके नीचेका विकलादि फल २२।१३ यह ऋणसारिणीमें लिखाहै.

अर्थ किया तो १४ । ४ । ०० अब केन्द्र तुलाका है इस वास्ते ऋण यह्न मध्यमभौम ५ । २२ ।०७। २४ इसमें अर्द्ध कम किया तो ५।८।३।२४ यह दल संस्कृत भौम भया इसी रीतिसे अन्य ग्रहभी करना केन्द्रादिसहित ३२ के पत्रमें लिखदिये हैं.

| भौमादिमंदोच्चम् । | | | | |
|---|---|---|---|---|
| म. | बु | .. | शु | श. |
| ४ | ७ | ६ | ३ | ८ |
| ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० |

भौममंदफल.

भौममंदोच्च राशि ४।०।०।० इसमेंसे दलसंस्कृत भौम ५।८ । ३। २४ कम किया तो बाकी १०।२१।५६।३६ यह भौमका मंदकेन्द्र भया इसका भुज १।८।३।२४ इसके अंश ३८।३।२४ ह. इस वास्ते यहाँ भौमम-न्दफल सारिणी कोठक ३८ के नीचेका अंक ७।११।३६ है अब अंशके नीचे कला ३ है इस वास्ते कलाविकला कोठकके ३ के नीचेका फल कलादि ०।३४ अब अंश कलाके नीचे विकला २४ है इसवास्ते २४ कलाविकला कोठकके नीचेका फल विकलादि ४।२९ एकत्र करके पूर्वफलमें युक्त किया तो यह ७ । १२ । १४ भौमका मंदफल भया यह मंदकेन्द्र तुला-दिक है इसवास्ते ऋण, यह मध्यम भौम ५।२२।७।२४ में कम किया तो ५।१४।५५।१० यह मंदस्पष्ट भौम भया इसी रीतिसे बुधादिक ग्रह करना + अब यही मंदफल ७।१२।१४ विपरीत रहिये धन इसवास्ते प्रथम शीघ्रकेन्द्र ६।१९।४।३२ में युक्त किया तो ६।२६।१६।४६ यह भौमका अंतिम शीघ्रकेन्द्र भया ।

अंतिमशीघ्रफल.

यह केन्द्र षड्भिक है इसवास्ते १२ में शोधित किया ५।३। ४३। १४ यह हुआ अब इसके अंश १५३।४३।१४ इसका पूर्वोक्त शीघ्रफलसारिणी

कोष्ठक १५३ का नीचेका अंशादि फल ३४।२५।१२ यह अब अंशके नीचे कला ४३ है इसवास्ते ४३ कलाविकला कोष्ठकके नीचेका फल कलादि ३।४।७ यह अंश कलाके नीचे विकला १४ है इसवास्ते १४ कला विकला कोष्ठकमेंका विकलादि फल ११ । ६ यह सब फल ऋणसारिणीमें लिखा है इसवास्ते प्रथम जो फल ३४।२५।१२ इसमें कम किया तो ३३ ९०।५१।५४ यह अंतिम शीघ्रफल भया यह केन्द्र तुलाका है इसवास्ते ऋण, मंदस्पष्ट भौम ५।१४।५५।१० में कम किया तो ४।११।४।१६ यह स्पष्ट भौम भया जब भौमशुक्रके अंतिमशीघ्रकेन्द्रका अंश १६५ से १८० तक आवे तो उसका शीघ्रफल लेनेके खातिर और उदाहरण कहते हैं, मंगलका अंतिम शीघ्रकेन्द्रका अंश १७०।२०।२२ कल्पना करके अब मंगलशीघ्रकेन्द्रसारिणीमें अंत्यांक सारिणीमें १७० अंशके नीचे अंशादिफल १।०।० यह अब अंशके नीचे कला २० इसका फल ४।०।० और कलाके नीचे विकला २२ का ४।०।० फल एकत्र करके ४।४ भया इसको पूर्वमें आया जो फल है सो सारिणीमें धन लिखा है इसवास्ते कला विकला फल युक्त करके १।४।४ यह फल केन्द्रके वशसे ऋण धन ग्रहमें करना ।

गत्युदाहरणम्.

भौमका अंतिम शीघ्रकेन्द्रका अंश १५३ आया है इस वास्ते १५३ कोष्ठकका गतिफल ७ । ३८ कलादि धन यह और मंदफलसारिणी कोष्ठक ३८ का गतिफल ५।२६ कलादि यह मंदकेन्द्र मकरादिक है इसवास्ते ऋण तो पूर्व गति फलमें घटाया तो बाकी २।२ यह धन फल आया यही मंगलकी स्पष्टगति भई यह ऊपरके सारिणीपरसे स्पष्ट बुध, गुरु, शुक्र, शनि इनकी स्पष्टगति बनाना, राहु जो मध्यम है वही सर्वदा स्पष्ट समझना, उसमें ६ राशि युक्त करना तो केतु होता है ।

भौमादिकोंका द्वितीय शीघ्रकेन्द्रांशपरसे अस्तादि जाननेका प्रकार ।

"त्रिनृपैः शराजिष्णुभिः शरार्कैर्नगभूपैस्त्रिभवैः क्रमात्कुजाद्याः ।
चलकेन्द्रलवैः प्रयाति वक्रं भगणात्तैः पतितैर्व्रजंति मार्गम् ॥

क्षितिजोऽप्ययमेरुदेति पूर्वे गुरुरिन्द्रे रविजस्तु सप्तचन्द्रैः ।
स्वस्वोदयभागसंविहीनैर्भगणांशैरपरत्र यांति चास्तम् ॥
खशरैश्च जिनैः परे ज्ञभृग्वोरुदयोस्तोऽक्षदिनैर्नगाद्रिभूमिः ।
उदयोऽक्षनखैर्हयदीन्दुभिः प्रागस्तो दिग्दहनैश्च षट्सुरैः स्यात्॥

टीकाः–अंतिम शीघ्रकेन्द्रके अंश क्रमसे भौमका १६३, बुधका १४५, गुरुका १२५, शुक्रका १६७, शनिका ११३ इतने अंश होंय तो क्रमसे वक्री ग्रह होते हैं. और क्रमसे भौम १९७, बुध २१५, गुरु २३५, शुक्र १९३, शनि २४७ इतने अंतिम शीघ्रकेन्द्रके अंश होंय तो क्रमसे वह ग्रह मार्गी होते हैं। अंतिम शीघ्रकेन्द्रके अंश क्रमसे भौमका २८ गुरुका १४ और शनिका १७ होय तो क्रमसे इनका उदय पूर्वमें होता है. और अंतिम शीघ्रकेन्द्रके अंश अनुक्रमसे ३३२।३४६।३४३ इतने होंय तो भौम गुरु शनि इनका अस्त पश्चिममें होता है और अंतिम शीघ्रकेन्द्रके अंश बुधका ५० शुक्रका २४ यह होय तो बुधशुक्रका पश्चिममें उदय होता है और अंतिम शीघ्रकेन्द्रके अंश क्रमसे १५५।१७७ यह होय तो बुध शुक्रका अस्त पश्चिममें होताहै, और अंतिम शीघ्रकेन्द्रके अंश क्रमसे २०५। १८३ यह होय तो बुध शुक्रका पूर्वमें उदय होताहै+ और अंतिम शीघ्रकेन्द्रके अंश क्रमसे ३१०।३३६ यह होय तो बुध शुक्रका पूर्वमें अस्त होताहै.

"वक्रोदयादिगदितांशकतोऽधिकाल्पाः केन्द्रांशकाः क्षितिसुताद्द्वि-
गुणास्त्रिभक्ताः ॥ सांकांशका दशहतांगहृताः कुभक्ता वक्रायमा-
त्तदिवसैः क्रमतो गतैष्यम् ॥"

टीकाः–ग्रहोंका वक्र, उदय, अस्त मार्ग इन्होंके जो अंतिम शीघ्रकेंद्रांश हैं वह उक्त शीघ्रकेंद्रांश और अभीष्ट शीघ्रकेन्द्रांश इनका अंतर करके अंतरांश क्रमसे भौमका दूना करना बुधको ३ से भाग देना, गुरुको १० से गुणके ९ से भाग देना शुक्रको २० से गुरुके ६ से भागदेना और शनिको १ से भाग देना तो भागाकार जो आवै सो वह दिन भया, अनंतर उक्त शीघ्रकेन्द्र

अभीष्टशीघ्रकेन्द्रांश अधिक होय तो वक्र उदय अस्त और मार्ग यह होयके उतने दिन गये ऐसा जानना और जो उक्तशीघ्रकेन्द्रसे अभीष्ट केन्द्रांश कमती होय तो वक्र, उदय, अस्त और मार्ग यह होनेका इतने दिन आगे होगा ऐसा समझना.

खगाः स्पष्टाः सजवाः ।

| सू | च | म | बु | बृ | शु | श | रा | के |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ९ | ४ | ११ | ९ | १० | २ | ४ | १० |
| १३ | ८ | ११ | २१ | १ | २६ | १३ | २१ | २१ |
| १० | २२ | ४ | २० | १२ | ५६ | २१ | ४० | ४० |
| ४२ | ३९ | १६ | ५३ | ३७ | ४ | ४९ | ८ | ८ |
| ५८ | ७३१ | २ | १४ | ७ व | ५४ | ४ | ३ | ३ |
| १६ | ४३ | २ | ५५ | २६ | ३८ | ३९ | ११ | ११ |

| स्वोदयपल | | |
|---|---|---|
| मे | २७८ | मी |
| वृ | २९९ | कु |
| मि | ३२३ | म |
| क | ३२३ | ध |
| सिं | २९९ | वृ |
| क | २७८ | तु |

लग्न बनानेके लिये लंकोदयसे स्वदेशोदय लानेकी रीति ।

लङ्कोदया नागतुरङ्गदस्रा २७८ गोङ्काश्विनो २९९ रामरदा ३२३ विनाड्यः ॥ क्रमोत्क्रमस्थाश्चर. खण्डकैः स्वैः क्रमोत्क्रमस्थाश्च विहीनयुक्ताः ॥

लंकामें मेषराशिका उदय २७८ पल, वृषभराशिका उदय २९९ पल, मिथुनराशिका उदय ३२३ पल, कर्कराशिका उदय ३२३ पल, सिंहराशिका उदय २९९ पल, कन्याराशिका उदय २७८ पल रहताहै और लंकामें तुलाराशिसे मीनराशितक उदयके पल कन्याराशिसे उलटा मेषराशितक लिखा है सो जानना जिस देशका उदय करना होय उस देशका चरखंडा लेके क्रमसे मेष वृष मिथुनका पलात्मक जो उदय उसमें कम करना और वही चरखंडा उलटा कर्क सिंह कन्या इनका जो पलात्मक उदय उसमें युक्त करना तो स्वदेशका उदय मेषसे कन्यातक होता है. और वही उदय उलटा तुलासे मीनतक होता है ।

स्वदेशोदय बनानेका उदाहरण कहते हैं.

मेषका पलात्मक उदय २७८ इसमेंसे प्रथम चरखण्ड ७० यह कम किया

तो २०८ यह पलात्मक स्वदेशका मेषका उदय, वृषजका पलात्मक उदय २९९ इसमें द्वितीय चरखंड ५६ यह कम किया तो २४३ यह स्वदेशका वृषका उदय, मिथुनका उदय ३२३ इसमें तृतीय चरखंड २३ यह कम किया तो ३०० यह मिथुनका स्वदेशी उदय, कर्कका उदय ३२३ सिंहका उदय २९९ कन्याका उदय २७८ इन सबमें क्रमसे २३।५६।७० यह युक्त किया तो क्रमसे कर्कका २४६ सिंहका ३५५ कन्याका ३४८ यह पलात्मक स्वदेशका लग्न भया अब यह उलटी रीतिसे तुलाका ३४८ वृश्चिकका ३५५ धनका ३४६ मकरका ३०० कुंभका २४३ मीनका २०८ यह पलात्मक स्वदेशका उदय भया ।

| स्वदेशादय. | | |
|---|---|---|
| मे. | २०८ | मी. |
| वृ. | २४३ | कुं. |
| मि. | ३०० | म. |
| क. | ३४६ | ध. |
| सिं. | ३५५ | वृ. |
| कं. | ३४८ | तु. |

## लग्न बनानेका प्रकार ।

तात्कालार्कः सायनः स्वोदयघ्ना भोग्यांशाः खत्र्युद्धृता भोग्यकालः ॥ एवं यातांशैर्भवेद्यातकालो भोग्यः शोध्योऽभीष्टनाडीपलेभ्यः ॥

"तदनुजहीहि ग्रहोदयांश्च शेषं गगनगुणघ्नमशुद्धहल्लवाद्यम् ।
सहितमजादिगृहैरशुद्धपूर्वैर्भवति विलग्नमदोऽयनांशहीनम् ॥
भोग्यतोल्पेष्टकालात्खरामाहतात्स्वोदयाप्तांशयुग्भास्करः ।
स्यात्तनुः निशि तु सषड्भार्कात्स्भात्तनूरिष्टकाले ॥"

जिस कालका लग्न करना होय उस कालका स्पष्ट सूर्य करके उसमें अयनांश युक्त करना जो अंक आवे उसमेंसे राशिका त्याग करके जो अंशादिक फल रहे सो भुक्त होता है और जो भुक्त है सो ३० अंशमें कम करनेसे अंशादि भोग्यफल होताहै अनन्तर पूर्वमें जिस राशिका त्याग किया है उसमें १ युक्त करके तत्परिमित राशिके उदयसे भुक्त और भोग्य

गुण देना जो गुणाकार आवै उसको ३० से भाग देना जो भागाकार आ सो क्रमसे भुक्तकाल और भोग्यकालका पल होता है अब अभीष्ट घटि जो होय उसका पल करके उसमें भोग्यकालका पल कम करना जो शेष र उसमेंसे जिस उदयसे गुणन किया होय उसके आगेके जितने पलात्म उदय कम होय उतने कम करना और जो पलात्मक शेप रहै उसको ३० गुणके जो गुणाकार आवै उसको जो उदय कम न भया हो उदय भाग देके फल अंशादि आवेगा उसमें मेष राशिसे जितनी राशिका उदय क भया होय उतनी राशि युक्त करना जो फल आवे उसमें अयनांशा कम करना तो अभीष्टकालका राश्यादि लग्न होता है ।

भुक्तकालसे लग्न करना होय तो अभीष्टकाल रखते वक्त जो घडी पल होय उसको ६० में घटायकर जो शेप रहै उसको अभीष्ट रखना । भुक्त घटायकर जब लग्न घटावे उस वक्त उलटा लग्न घटावे जै मेषके उदयसे गुणै तो मीन कुंभादिक कमती करै और सब क्रिया भोग्य वत् करै ।

रात्रिका लग्न करना होय तो स्पष्ट सूर्यमें ६ राशि युक्त करना अन तर पूर्व रीति प्रमाण लग्न बनावना परंतु अभीष्टकाल रखते वक्त जो इ कालहो उसमें दिनमान कम करके जो शेप रहै सो अभीष्ट रखना ।

जन्मकाल सूर्योदयसे ३२ घटिका १ पल पर है उसी वक्तका ल साधन करते तात्कालिक स्पष्ट सूर्य ००।१३।१०।४२। इसमें अय नांशा २२।४४।०३ यह युक्त करके १।५।५४।४५ यह सायन सूर्य भय इसकी राशि त्याग करके ५।५४।४५। यह भुक्त भया । यह ३० अंश कम करके अंशादि २४।०५।१५। यह भोग्य भया यह वृषभराशिका भोग है जिसलिये पहिले राशिस्थानमें एक अंक था इसलिये वृषके उदय इस २४ से गुणके अंशादिफल ५८५३ कला १५ विकला ४५ भया इसको ३० भाग देके १९५।३।१५।४५ यह पलात्मक भोग्यकाल भया इसही प्रका

भुक्त पल साधन करना। अब सूर्योदयसे अभीष्ट घटी ३२ पल ०१ इसका पल किया तो १९२१ इसमें भोग्यकाल १९५।३।१५।४५ यह कम करके शेष १७२५।२६।४४।१५ -यह इसमें मिथुनोदय ३००, कर्कोदय ३४६, सिंहोदय ३५५, कन्योदय ३४८, तुलोदय ३४८ यह कम करके शेष२८ पल बचे इसमें वृश्चिकोदय कम होता नहीं इसवास्ते शेष पल २८ को ३० से गुणके नीचेका अंश २६ युक्त करके ८६६ यह भया इसको वृश्चिकोदय३५५ से भाग देके अंश २ लब्ध भया शेष १५६ को ६० से गुणा तो ९३६० भया इसमें कला ४४ युक्त किया तो यह ९४०४ भया इसमें ३५५ से भाग देनेसे कला २६ भयाशेष १७४ रहा इसको ६० से गुणा तो १०४४० इसमें विकला १५ युक्त किया तो १०४५५ यह भया इसको वृश्चिकोदय ३५५ से भाग देनेसे २९ विकला प्राप्त भई अब पूर्वमें प्राप्त भया अंशादि ०।२।२६।२९ यह है इसमें मेषादि शुद्ध पर्यंत राशि ७ युक्त किया तो ७।२।२६।२९ भया इसमें अयनांश २२।४४।३ कम किया तो राश्यादिक लग्नस्पष्ट भया. ६।९।४२।२६ इसमें ६ राशि युक्त किया तो यह ००।९।४२।२६ सप्तम भाव भया.

## अभीष्टकालमें भोग्यकाल कमती न होय तो लग्न बनानेकी रीति ।

पलात्मक अभीष्टकालको ३० से गुणके उसको सायन ग्रहकी जो राशि होय उस राशिके उदयसे भाग देके अंशादि फल जो आवेगा वह स्पष्टसूर्यमें युक्त करना तो इष्टकालका लग्न होता है ।

## लग्नसे अभीष्टकाल करनेकी रीति ।

"अर्कभोग्यस्तनोर्भुक्तकालान्वितो युक्तमध्योदयोऽभीष्टकालो भवेत् ॥ यदि तनुदिननाथावेकराशौ तदंशान्तरहत उदयः स्यात्खाग्निहात्विष्टकालः । इनत उदय ऊनश्चेत्स शोध्यो ग्रुरात्रात् ॥"

टीका–लग्नमें अयनांश युक्त करके जो अंक आवे उससे भुक्त काल करना और स्पष्ट सूर्यसे भोग्यकाल करना अनंतर सायन लग्न और सायन सूर्य इनके मध्यके जो उदय होय उनका अंक लेके उसमें भुक्तकाल और भोग्यकालका अंक युक्त करना तो पलात्मक अभीष्टकाल होता है ।

सायनलग्न और सायन सूर्य एक राशिमें होय तो लग्नसे अभीष्टकाल साधनका उपाय यह है कि, सायनलग्न और सायन सूर्य इनका अंतर करके उसको सायन सूर्यके उदयसे गुणके ३० से भाग देना जो भागाकार आवे सो पलात्मक अभीष्टकाल होता है. जो सायन सूर्यके अपेक्षा सायन लग्न कमती होय तो पूर्व प्रमाण साधन किया जो कला सो ६० मेंसे कम करना तो इष्टकाल होता है. ऊपर कहा वैसा प्रमाण जन्मकालका लग्न ६।१।४२।२६ यह इसमें ६ राशि युक्त किया तो यह सप्तम भाव हुआ ०।१।४२।२६॥ १॥

जगदीशेन रचिते केशवीग्रंथटिप्पणे ।
स्पष्टाधिकारः पूर्णोऽयं तद्भावार्थप्रकाशकः ॥ १ ॥

इति स्पष्टाधिकारः ॥ १ ॥

## अथ भावाध्यायः २.

नतोन्नतपूर्वकदशमचतुर्थभावसाधन ।

रात्रेः शेषमितं युतं दिनदले नाह्नो गतं शेषकं
विश्लेष्यं खलु पूर्वपश्चिमनतं त्रिंशच्युतं चोन्नतम् ॥
यत्पूर्वोन्नतपड्भयुक्तरवितः पश्चान्नतादित्यतो
यल्लंकोदयकैश्च लग्नमिव तन्माध्यं सषड्भं सुखम् ॥ २ ॥

अन्वयः–रात्रेः शेषं वा इतं ( गतं) दिनार्द्धेन युतम् अह्नो दिनस्य गतं वा शेषांक दिनदलेन विश्लेष्यं खल्विति निश्चयेन क्रमेण पूर्वपश्चिमनतं स्यात् तन्नतं ... युतं च पुनः उन्नतं स्यात् । पूर्वोन्नतषड्भयुक्तरवितः लंकोदयैर्लग्नमिव

भोग्यांश भया इसको लंकोदय वृषका मान २९९ से गुणा तो ७२०२ । १ ४५ इसको ३० से भाग दिया तो २४०।२।१।४५ यह भोग्यकाल पलात्मक भया इसको नत १५।४० इसकी पल ९४० में कम किया तो ६९९ २७।५०।१५ इसमें मिथुनोदय ३२३, कर्कोदय ३२३, यह कम करके, शेष ५३।२७।५०।१५ इसमें सिंहोदय २९९ कम नहीं होता इसवास्ते शेष ५३ को ३० से गुणा तो १५९० इसमें नीचेका अंश २७ युक्त किया तो १६१७ इसको सिंहोदय २९९ से भाग दिया तो अंशादि ५।५४।३८ इसमें मेषादि शुद्ध पर्यंत राशि ४ युक्त किया तो ४।५।२४।३८ इसमें अयनांश २२।४४।३ हीन किया तो यह ३।१२।४०।३४ दशम भया इसमें ६ राशि युक्त किया तो ९।१२।४०।३४ यह चतुर्थ भाव भया ॥ २ ॥

भावसन्धिसाधनं क्षयचयफलसाधनं च ।

त्र्यंशो व्यस्तखभस्य भूयमहतो योज्यस्तनौ द्विच्युतो
वंधौ तेपि च सांगभास्तदुमुखाः संधिर्द्वियोगोर्द्धितः ॥
शून्यं संधिषु भावगेऽखिलफलं स्याद्भावसंध्यंतरे-
णार्त संधिखगांतरं क्षयचयं भावाधिकेऽल्पे खगे ॥ ३ ॥

अन्वयः—व्यस्तखभस्य त्र्यंशो भूगमहतस्तनौ योज्यस्तदा द्वितीय-तृतीय-भावौ भवतः विगतभत्वं यस्मात्खभाद्व्यस्तखभं तस्येत्यर्थः स एव त्र्यंशो द्विच्युतो द्वाभ्यां च्युतो भूयमहतश्चतुर्थभावे योज्यस्तदा पंचपष्ठभावौ भवतः एकगुणितयुक्ते पंचमभावः, द्विगुणितयुक्ते षष्ठभावः स्यादित्यर्थः । तेऽनंतरानीताश्चत्वारो भावाः सांगभाः षड्राशिसहितास्तदाऽष्टमनवमैकादशभावाः स्युः अपिचशब्दावनुक्तबोधकौ चत्वारो भावाः प्रथमं साधितास्तद्बोधकमित्यर्थः । अथ संधि—संधिर्द्वियोगोऽर्द्वितः, द्वयोर्योगो द्वियोगोऽर्द्धितो द्व्यामः सन् संधिः यात्प्रथमभावस्य विरामसंधिर्द्वितीयस्यारामसंधिर्भवतीति । संधिसमे ग्रहे शून्यं फलं स्यात् भावगे भावांशादिसमे अखिलं संपूर्णं रूपफलमित्यर्थः । भावाधिके ग्रहे सति संधिखगयोरंतरं भावसंध्यंतरेण भक्तं क्षयाख्यं फलं स्यात् ।

होता है। वह ग्रह भावसे अधिक होय तो क्षय ( अवरोह ) फल, अथवा ग्रह भावसे कमती होय तो चय आरोहफल जानना।

उदाहरण-यह दशम भाव ३।१२।४०।३४ इसमेंसे सप्तम भाव ०।९ ४२।२६ कम करके ३।२।५८।८ यह भया इसका तृतीयांश १।०।५९ २२।४० इसमें लग्न ६।९।४२।२६।० युक्त करके ७।१०।४१।४८।४० यह द्वितीय भाव भया तृतीयांशको दूना २।१।५८।४५।२० में लग्न ६।९ ४२।२६।० युक्त करके ८।११।४१।११।२० यह तृतीय भाव भया यह तृतीयांश १।०।५९।२२।४० इसको २ राशिमें कम करके शेष ०।२९ ०।३७।२० यह इसमें चतुर्थ भाव ९।१२।४०।३४।० युक्त करके १०। ११।४१।११।२० यह पंचम भाव भया वही शेष दूना १।२८।११।१४।४० को चतुर्थ भाव ९।१२।४०।३४।० युक्त करके ११।१०।४१।४८।४० यह षष्ठभाव भया अब द्वितीय, तृतीय, पंचम, षष्ठ यह भावोंमें ६ राशि क्रमसे युक्त करें तो अष्टम, नवम, एकादश, द्वादश यह स्पष्ट भाव होते हैं।

लग्न ६।९।४२।२६।० द्वितीय भाव ७।१०।४१।४८।४० इनका योग १३।२०।२४।१४।४० इसका अर्द्ध ६।२५।१२।०७।२० यह प्रथम भावकी विरामसंधि और द्वितीय भावकी आरंभसंधि होती है इसी प्रमाण सर्वभावकी संधि करना अथवा चतुर्थभाव ९।१२।४०।३४।० में लग्न ६।९।४२।२६।० कम किया तो ३।२।५८।८ यह भया इसका षष्ठांश ०। १५।२९।४१।२० इससे लग्न ६।९।४२।२६।० युक्त किया तो ६।२५। १२।०७।२७ यही रीतिसे क्रमसे युक्त करना तो संधिसहित चार भाव होते हैं पुनः षष्ठांशको १ में हीन करना चतुर्थ भावसे युक्त करना तो सप्तम भावतक संधिसहित होता है। आगे पूर्वोक्तवत्।

---

होते हैं। अनंतर यही षष्ठांश १ में कम करके जो शेष रहे सो चतुर्थ भावमें युक्त करे तो चतुर्थ भावके विरामसंधितक भाव होते हैं अनंतर इन ६ भावोंमें और संधियोंमें ६+६ राशि क्रमसे युक्त करे तो आगेके सर्व भाव संधि सुगम रीतिसे होते हैं।

| १ | ० | २ | ० | ३ | ० | ४ | ० | ५ | ० | ६ | ० | भा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | |
| ९ | २५ | १० | २६ | ११ | २७ | १२ | २७ | ११ | २६ | १० | २५ | |
| ४२ | १२ | ४१ | ११ | ४१ | १० | ४० | १० | ४१ | ११ | ४१ | १२ | |
| २६ | ७ | ४८ | ३० | ११ | ५२ | ३४ | ५२ | ११ | ३० | ४८ | ७ | |
| ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | ४० | २० | ० | ४० | २० | |
| ७ | ० | ८ | ० | ९ | ० | १० | ० | ११ | ० | १२ | ० | भा. |
| ० | ० | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | |
| ९ | २५ | १० | २६ | ११ | २७ | १२ | १७ | ११ | २६ | १० | २५ | |
| ४२ | १२ | ४१ | ११ | ४१ | १० | ४० | १८ | ४१ | ११ | ४१ | १२ | |
| २६ | ७ | ४८ | ३० | ११ | ५२ | ३४ | ५२ | ११ | ३० | ४८ | ७ | |
| ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | ४० | २० | ० | ४० | २० | |

जन्मलग्नमिदम् !




क्षयचयोदाहरण—सूर्य०।१३।१०।४२ यह निकट भाव सप्तम ०।९।४२।२६ इससे अधिक है इसवास्ते सूर्य इस भावकी विरामसंधि ०।२५।१२।०७ में कम करके०।१२।०१।२५ इसकी विकला ४३२८५ यह अंतर इसको सप्तम भाव ०।९।४२।२६ और विराम संधि० । २५।१२।०७ इसका अंतर ०।१५।२९। ४१ इसकी विकला ५५७८१ इसे भाग देके ००। ४६।३३ यह सूर्यका भाव फल भया यह फल सूर्य निकट भावसे अधिक है इस वास्ते क्षय जानना इसी प्रमाण सर्व ग्रहोंका भाव फल करना इति ॥ २ ॥

भावोद्भवचक्रमिदम् ।




ग्रहभावफलचक्रम् ।

| सू. | चं. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | फ० |
| ४६ | ३१ | ५७ | १५ | ४९ | ३ | ५३ | |
| ३३ | ४४ | २७ | ५६ | ४२ | ४ | ३१ | |
| क्षय | चय | चय | क्षय | चय | चय | क्षय | |

जगदीशेन रचिते केशवीग्रंथटिप्पणे । भावाधिकारः पूर्णोऽयं तद्भाषार्थप्रकाशकः ॥ २ ॥

इति भावाध्यायः ॥ २ ॥

## अथ दृष्टिसाधनाध्यायः ३.

सैकाग्निद्विखवेदरामयमभूखाभ्राभ्रमेकादिभे
द्रष्ट्रा वर्जितदृश्यकस्य गुरुणा चेदष्टवेदे कृताः ।
मंदेनांकयमेऽसृजा नगगुणेंका भादिजाः संस्कृता-
भागघ्नक्षयवृद्धिखा नललवेनाभ्युद्धृता दृग्भवेत् ॥ १ ॥

अन्वयः—पश्यतीति द्रष्टा दर्शनयोग्यो दृश्यः द्रष्टा वर्जितदृश्यकस्यैकादिभे शेषे सति सैकाग्निद्विखवेदरामयमभूखाभ्राभ्रम् ०।१।३।२।०।४।३।२।१।०।०।० एते स्युः तत्रैकभे शेषे खं शून्यं द्विभे द्विशेषे एक इत्यादि, द्वादशभेऽर्थात् शून्यशेषेऽत्रं शून्यं किंभूता एते अंका भादिजा राश्यादिजाः गुरुशनिभौमानां विशेषः चेद्रिति चेद्गुरुणा द्रष्टा वर्जितदृश्यकस्याष्टवेदेभशेषे कृताश्चत्वारोंकाः स्युस्तदा पूर्वोक्तं नेत्यर्थः । मंदेनांकयमे कृताश्चत्वारोंकाः । असृजा भौमेन द्रष्टा वर्जितदृश्यकस्य नगगुणे भे चत्वारोऽकाः स्युः । पूर्वोक्ता नेति भावः। एवं राश्यादावंकानुक्त्वा राश्यधःस्थांशानां साधनमाह—भागघ्नेति । किंविशिष्टाअंकाः भागघ्नक्षयवृद्धिखानललवेन संस्कृता एतदुक्तं भवति भादिजो योंकः सोऽग्रिमांकाचेच्छुद्धस्तदा वृद्धिः यदाग्रिमांको राश्यादिजांकाचेच्छुद्धस्तदा क्षयः तेन गुणिता राश्याधःस्थांशाद्यो त्रिंशद्भाज्या लब्धेन भादिजाः संस्कृताः कार्याः क्षये हीना वृद्धौ युक्ता इत्यर्थः । ततोऽभ्युद्धृताश्चतुर्भका दृग्भवेत् दृष्टिः स्यादिति भावः ।

जिस ग्रहकी दृष्टि बनाना होय तो जिस द्रष्टा ग्रहकी दृष्टि जिस ग्रह पर अथवा भावपर देखना होय तो वह ग्रह किंवा भाव दृश्य होताहै द्रष्टा दृश्यमेंसे कम करके जो राश्यादिक शेष रहे उस स्थानमें ०।०।१।३।२। ०।०।४।३।२।१।०।०।० यह दृष्टिफलांक क्रमसे मेषादि द्वादशराशिके

---

१ भावोनकः खगः पूर्वसंधिना रहितस्तदा । अधिकश्चेद्विरामाख्यसंधेः शोध्यस्तदंतरम् ॥ भावसंध्यंतरेणाप्तं तद्भावफलमुच्यते ॥ क्षयं चैव तदा ज्ञेयमधिकेऽल्पे चयं भवेत् ॥ १ ॥

स्थानमें लेना परंतु जिस वक्त गुरु द्रष्टा होय उस वक्त ऊपरका बाकी राश्यंक ८ किंवा ४ आवे तो और शनि द्रष्टा होय तो बाकी राश्यंक ९ किंवा २ और मंगल द्रष्टा होय तो बाकी राश्यंक ७ किंवा ३ होय तो उसी ठिकाने ऊपर लिखा जो दृष्टिफलांक सो न लेना, ४ दृष्टिफलांक लेना अनंतर दृष्टिफलांकको, दृष्टिफलांकके आगेके अंककी क्षय किंवा वृद्धि जो आवे उससे ऊपरका जो शेष राश्यंकके नीचे भागादिक है उसको गुणके जो गुणाकार आवे उनको ३० भाग देके जो फल आवे उससे संस्कार करना आगेका अंक कमती होय तो यह दृष्टिफलांकमेंसे कम करना अथवा आगेका अंक ज्यादा होय तो यह दृष्टिफलांकमें युक्त करना अनंतर यह संस्कृत दृष्टिफलांकको ४ से भाग देना जो फल आवे वह ग्रहकी दृष्टि होती है ऊपरके श्लोकसे ग्रह तथा भावदृष्टि करनेमें बहुत परिश्रम पडता है इसवास्ते नीचे लिखी जो सारणी उसपरसे बहुत जल्दी दृष्टि फल आता है.

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | राशि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | १५ | ४५ | ३ | ० | ६० | ४५ | ३० | १५ | ० | ० | ० | कला |

श मं च म श
६० ६० ६० ६० ६० ६०

का नीचेका अंक लेके अंतर करै जो अंतर आवै उससे नीचे जो भागादिक होय तो गुण देना फिर ३ से भाग देना आवै सो फलांकमें संस्कार करना सो ऐसा कि आगेका अंक जादा होय तो युक्त करना पिछलेसे आगेका कमती होय तो पिछलेमें घटा देना तो दृष्टि होती है. यह दूसरा प्रकार होगा।

द्रष्टा दृश्यमें कम करके जो १ राशि रहै तो अंशादिकको आधा करै तो दृष्टि होय और २ राशि बचै तो अंशमें १५ युक्त करै तो दृष्टि होय और तीन राशि रहै तो अंशादिक आधा करै और उन अंशोंको ४५ में घटाय दे तो दृष्टि होय और चार राशि रहै तो अंशादिकको ३० में घटावै तो दृष्टि होय । और ५ राशि रहै तो अंशादिक दूना करै तो दृष्टि होय और ६।७। ८।९ राशि बचै तो राश्यादिक १० में शोधै अंश करै पीछे आधा करै तो दृष्टि होय और १०।११। ०० राशि बचै तो दृष्टि नहीं होय और मंगलकी करै तो ३।७ राशि बचै तो अंशको ६० में घटाय दे तो दृष्टि हो और २ राशि बचै तो अंशादिक आधा करै फेर उसीमें आधा जोडै और १५ जोडै तो दृष्टि हो और ६ राशि ऊपर होय तो १०० दृष्टि होय और गुरु दृष्टि करै जब तो राशि बचै तो अंशादिक आधा करै अंशमें ४५ जोड दे तो दृष्टि. होय और चार राशि ऊपर होय तो अंशादिक दूना करै पीछे ६० में घटावै तो दृष्टि होय और ८ राशि ऊपर होय तो अंशादिक आधा कर साहित करै फेर ६० में घटाय दे तो दृष्टि होय शनैश्चरकी दृष्टि करै तो १ राशि ऊपर होय तो अंशादिक दूना करै दृष्टि होय राशि ८ होय तो अंशोंमें ३० जोडै तो दृष्टि होय और २ राशि होय तो अंशादिक आधा करै ६० में घटाय दे, तो दृष्टि होय और ९ राशि ऊपर बचै तो अंशादिक दूना करै ६० में घटाय दे तो दृष्टि होय ॥ १ ॥

इति दृष्टि तीसरी रीति ।

## रविचंद्रबुधशुक्रदृष्टिसारिणी.

| राशि | अं | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | <br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |
| वृष | १ | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>३० | ०<br>१<br>० | ०<br>१<br>३० | ०<br>२<br>० | ०<br>२<br>३० | ०<br>३<br>० | ०<br>३<br>३० | ०<br>४<br>० | ०<br>४<br>३० | ०<br>५<br>० | ०<br>५<br>३० | ०<br>६<br>० | ०<br>६<br>३० | ०<br>७<br>० |
| मिथु | २ | ०<br>१५<br>० | ०<br>१६<br>० | ०<br>१७<br>० | ०<br>१८<br>० | ०<br>१९<br>० | ०<br>२०<br>० | ०<br>२१<br>० | ०<br>२२<br>० | ०<br>२३<br>० | ०<br>२४<br>० | ०<br>२५<br>० | ०<br>२६<br>० | ०<br>२७<br>० | ०<br>२८<br>० | ०<br>२९<br>० |
| कर्क | ३ | ०<br>४५<br>० | ०<br>४४<br>३० | ०<br>४४<br>० | ०<br>४३<br>३० | ०<br>४३<br>० | ०<br>४२<br>३० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४१<br>३० | ०<br>४१<br>० | ०<br>४०<br>३० | ०<br>४०<br>० | ०<br>३९<br>३० | ०<br>३९<br>० | ०<br>३८<br>३० | ०<br>३८<br>० |
| सिंह | ४ | ०<br>३०<br>० | ०<br>२९<br>० | ०<br>२८<br>० | ०<br>२७<br>० | ०<br>२६<br>० | ०<br>२५<br>० | ०<br>२४<br>० | ०<br>२३<br>० | ०<br>२२<br>० | ०<br>२१<br>० | ०<br>२०<br>० | ०<br>१९<br>० | ०<br>१८<br>० | ०<br>१७<br>० | ०<br>१६<br>० |
| कं | ५ | ०<br>०<br>० | ०<br>२<br>० | ०<br>४<br>० | ०<br>६<br>० | ०<br>८<br>० | ०<br>१०<br>० | ०<br>१२<br>० | ०<br>१४<br>० | ०<br>१६<br>० | ०<br>१८<br>० | ०<br>२०<br>० | ०<br>२२<br>० | ०<br>२४<br>० | ०<br>२६<br>० | ०<br>२८<br>० |
| तुल | ६ | १<br>०<br>० | ०<br>५९<br>३० | ०<br>५९<br>० | ०<br>५८<br>३० | ०<br>५८<br>० | ०<br>५७<br>३० | ०<br>५७<br>० | ०<br>५६<br>३० | ०<br>५६<br>० | ०<br>५५<br>३० | ०<br>५५<br>० | ०<br>५४<br>३० | ०<br>५४<br>० | ०<br>५३<br>३० | ०<br>५३<br>० |
| वृश्चि | ७ | ०<br>४५<br>० | ०<br>४४<br>३० | ०<br>४४<br>० | ०<br>४३<br>३० | ०<br>४३<br>० | ०<br>४२<br>३० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४१<br>३० | ०<br>४१<br>० | ०<br>४०<br>३० | ०<br>४०<br>० | ०<br>३९<br>३० | ०<br>३९<br>० | ०<br>३८<br>३० | ०<br>३८<br>० |
| धन | ८ | ०<br>३०<br>० | ०<br>२९<br>३० | ०<br>२९<br>० | ०<br>२८<br>३० | ०<br>२८<br>० | ०<br>२७<br>३० | ०<br>२७<br>० | ०<br>२६<br>३० | ०<br>२६<br>० | ०<br>२५<br>३० | ०<br>२५<br>० | ०<br>२४<br>३० | ०<br>२४<br>० | ०<br>२३<br>३० | ०<br>२३<br>० |
| मकर | ९ | ०<br>१५<br>० | ०<br>१४<br>३० | ०<br>१४<br>० | ०<br>१३<br>३० | ०<br>१३<br>० | ०<br>१२<br>३० | ०<br>१२<br>० | ०<br>११<br>३० | ०<br>११<br>० | ०<br>१०<br>३० | ०<br>१०<br>० | ०<br>९<br>३० | ०<br>९<br>० | ०<br>८<br>३० | ०<br>८<br>० |
| कुंभ | १० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |
| मीन | ११ | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |

## रविचंद्रबुधशुक्रदृष्टिसारिणी.

| १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |
| ०<br>७<br>३० | ०<br>८<br>० | ०<br>८<br>३० | ०<br>९<br>० | ०<br>९<br>३० | ०<br>१०<br>० | ०<br>१०<br>३० | ०<br>११<br>० | ०<br>११<br>३० | ०<br>१२<br>० | ०<br>१२<br>३० | ०<br>१३<br>० | ०<br>१३<br>३० | ०<br>१४<br>० | ०<br>१४<br>३० | १गु<br>२भा | ध |
| ०<br>३०<br>० | ०<br>३१<br>० | ०<br>३२<br>० | ०<br>३३<br>० | ०<br>३४<br>० | ०<br>३५<br>० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३७<br>० | ०<br>३८<br>० | ०<br>३९<br>० | ०<br>४०<br>० | ०<br>४१<br>० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४३<br>० | ०<br>४४<br>० | १गु<br>१भा | ध |
| ०<br>३७<br>३० | ०<br>३७<br>० | ०<br>३६<br>३० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३५<br>३० | ०<br>३५<br>० | ०<br>३४<br>३० | ०<br>३४<br>० | ०<br>३३<br>३० | ०<br>३३<br>० | ०<br>३२<br>३ | ०<br>३२<br>० | ०<br>३१<br>३० | ०<br>३१<br>० | ०<br>३०<br>३० | १गु<br>२भा | ऋ |
| ०<br>१५<br>० | ०<br>१४<br>० | ०<br>१३<br>० | ०<br>१२<br>० | ०<br>११<br>० | ०<br>१०<br>० | ०<br>९<br>० | ०<br>८<br>० | ०<br>७<br>० | ०<br>६<br>० | ०<br>५<br>० | ०<br>४<br>० | ०<br>३ | ०<br>२<br>० | ०<br>१<br>० | १गु<br>१भा | ऋ |
| ०<br>३०<br>० | ०<br>३२<br>० | ०<br>३४<br>० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३८<br>० | ०<br>४०<br>० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४४<br>० | ०<br>४६<br>० | ०<br>४८<br>० | ०<br>५०<br>० | ५२<br>० | ५४<br>० | ५६<br>० | ५८<br>० | १गु<br>१भा | ध |
| ०<br>५२<br>३० | ०<br>५२<br>० | ०<br>५१<br>३० | ०<br>५१<br>० | ०<br>५०<br>३० | ०<br>५०<br>० | ०<br>४९<br>३० | ०<br>४९<br>० | ०<br>४८<br>३० | ०<br>४८<br>० | ०<br>४७<br>३० | ०<br>४७<br>० | ०<br>४६<br>३० | ०<br>४६<br>० | ०<br>४५<br>३० | १गु<br>२भा | ऋ |
| ०<br>३७<br>३० | ०<br>३७<br>० | ०<br>३६<br>३० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३५<br>३० | ०<br>३५<br>० | ०<br>३४<br>३० | ०<br>३४<br>० | ०<br>३३<br>३० | ०<br>३३<br>० | ०<br>३२<br>३० | ०<br>३२<br>० | ०<br>३१<br>३० | ०<br>३१<br>० | ०<br>३०<br>३० | १गु<br>२भा | ऋ |
| ०<br>२२<br>३० | ०<br>२२<br>० | ०<br>२१<br>३० | ०<br>२१<br>० | ०<br>२०<br>३० | ०<br>२०<br>० | ०<br>१९<br>३० | ०<br>१९<br>० | ०<br>१८<br>३० | ०<br>१८<br>० | ०<br>१७<br>३० | ०<br>१७<br>० | ०<br>१६<br>३० | ०<br>१६<br>० | ०<br>१५<br>३० | १गु<br>२भा | ऋ |
| ०<br>७<br>३० | ०<br>७<br>० | ०<br>६<br>३० | ०<br>६<br>० | ०<br>५<br>३० | ०<br>५<br>० | ०<br>४<br>३० | ०<br>४<br>० | ०<br>३<br>३० | ०<br>३<br>० | ०<br>२<br>३० | ०<br>२<br>० | ०<br>१<br>३० | ०<br>१<br>० | ०<br>०<br>३० | १गु<br>२भा | ऋ |
| ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |
| ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |

## भौमदृष्टिः ।

| राशि | अं. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मेष | ० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |
| वृष. | १ | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>३० | ०<br>१<br>० | ०<br>१<br>३० | ०<br>२<br>० | ०<br>२<br>३० | ०<br>३<br>० | ०<br>३<br>३० | ०<br>४<br>० | ०<br>४<br>३० | ०<br>५<br>० | ०<br>५<br>३० | ०<br>६<br>० | ०<br>६<br>३० | ०<br>७<br>० |
| मि. | २ | ०<br>१५<br>० | ०<br>१६<br>३० | ०<br>१८<br>० | ०<br>१९<br>३० | ०<br>२१<br>० | ०<br>२२<br>३० | ०<br>२४<br>० | ०<br>२५<br>३० | ०<br>२७<br>० | ०<br>२८<br>३० | ०<br>३०<br>० | ०<br>३१<br>३० | ०<br>३३<br>० | ०<br>३४<br>३० | ०<br>३६<br>० |
| कर्क | ३ | ०<br>०<br>० | ०<br>५९<br>० | ०<br>५८<br>० | ०<br>५७<br>० | ०<br>५६<br>० | ०<br>५५<br>० | ०<br>५४<br>० | ०<br>५३<br>० | ०<br>५२<br>० | ०<br>५१<br>० | ०<br>५०<br>० | ०<br>४९<br>० | ०<br>४८<br>० | ०<br>४७<br>० | ०<br>४६<br>० |
| सिंह | ४ | ०<br>३०<br>० | ०<br>२९<br>० | ०<br>२८<br>० | ०<br>२७<br>० | ०<br>२६<br>० | ०<br>२५<br>० | ०<br>२४<br>० | ०<br>२३<br>० | ०<br>२२<br>० | ०<br>२१<br>० | ०<br>२०<br>० | ०<br>१९<br>० | ०<br>१८<br>० | ०<br>१७<br>० | ०<br>१६<br>० |
| क. | ५ | ०<br>०<br>० | ०<br>२<br>० | ०<br>४<br>० | ०<br>६<br>० | ०<br>८<br>० | ०<br>१०<br>० | ०<br>१२<br>० | ०<br>१४<br>० | ०<br>१६<br>० | ०<br>१८<br>० | ०<br>२०<br>० | ०<br>२२<br>० | ०<br>२४<br>० | ०<br>२६<br>० | ०<br>२८<br>० |
| तुल | ६ | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० |
| वृश्चि | ७ | १<br>०<br>० | ०<br>५९<br>० | ०<br>५८<br>० | ०<br>५७<br>० | ०<br>५६<br>० | ०<br>५५<br>० | ०<br>५४<br>० | ०<br>५३<br>० | ०<br>५२<br>० | ०<br>५१<br>० | ०<br>५०<br>० | ०<br>४९<br>० | ०<br>४८<br>० | ०<br>४७<br>० | ०<br>४६<br>० |
| [illegible] | [illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>[illegible]<br>[illegible] | ०<br>२३<br>० |
| मक. | ९ | ०<br>१५<br>० | ०<br>१४<br>३० | ०<br>१४<br>० | ०<br>१३<br>३० | ०<br>१३<br>० | ०<br>१२<br>३० | ०<br>१२<br>० | ०<br>११<br>३० | ०<br>११<br>० | ०<br>१०<br>३० | ०<br>१०<br>० | ०<br>९<br>३० | ०<br>९<br>० | ०<br>८<br>३० | ०<br>८<br>० |
| कुंभ | १० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |
| मीन | ११ | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |

## भौमदृष्टिः।

| १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ० | ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |
| ०<br>७<br>३० | ०<br>८<br>० | ०<br>८<br>३० | ०<br>९<br>० | ०<br>९<br>३० | ०<br>१०<br>० | ०<br>१०<br>३० | ०<br>११<br>० | ०<br>११<br>३० | ०<br>१२<br>० | ०<br>१२<br>३० | ०<br>१३<br>० | ०<br>१३<br>३० | ०<br>१४<br>० | ०<br>१४<br>३० | गु १<br>मा. २ | घ. |
| ०<br>३७<br>३० | ०<br>३९<br>० | ०<br>४०<br>३० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४३<br>३० | ०<br>४५<br>० | ०<br>४६<br>३० | ०<br>४८<br>० | ०<br>४९<br>३० | ०<br>५१<br>० | ०<br>५२<br>३० | ०<br>५४<br>० | ०<br>५५<br>३० | ०<br>५७<br>० | ०<br>५८<br>३० | गु. ३<br>मा. २ | घ. |
| ०<br>४५<br>० | ०<br>४४<br>० | ०<br>४३<br>० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४१<br>० | ०<br>४०<br>० | ०<br>३९<br>० | ०<br>३८<br>० | ०<br>३७<br>० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३५<br>० | ०<br>३४<br>० | ०<br>३३<br>० | ०<br>३२<br>० | ०<br>३१<br>० | गु १<br>३<br>मा. १ | ऋ. |
| ०<br>१५<br>० | ०<br>१४<br>० | ०<br>१३<br>० | ०<br>१२<br>० | ०<br>११<br>० | ०<br>१०<br>० | ०<br>९<br>० | ०<br>८<br>० | ०<br>७<br>० | ०<br>६<br>० | ०<br>५<br>० | ०<br>४<br>० | ०<br>३<br>० | ०<br>२<br>० | ०<br>१<br>० | गु १<br>मा. १ | ऋ. |
| ०<br>३०<br>० | ०<br>३२<br>० | ०<br>३४<br>० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३८<br>० | ०<br>४०<br>० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४४<br>० | ०<br>४६<br>० | ०<br>४८<br>० | ०<br>५०<br>० | ०<br>५२<br>० | ०<br>५४<br>० | ०<br>५६<br>० | ०<br>५८<br>० | गु २<br>मा. १ | घ. |
| १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | |
| ०<br>४५<br>० | ०<br>४४<br>० | ०<br>४३<br>० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४१<br>० | ०<br>४०<br>० | ०<br>३९<br>० | ०<br>३८<br>० | ०<br>३७<br>० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३५<br>० | ०<br>३४<br>० | ०<br>३३<br>० | ०<br>३२<br>० | ०<br>३१<br>० | गु. १<br>मा १ | ऋ |
| ०<br>२२<br>३० | ०<br>२२<br>० | ०<br>२१<br>३० | ०<br>२१<br>० | ०<br>२०<br>३० | ०<br>२०<br>० | ०<br>१९<br>३० | ०<br>१९<br>० | ०<br>१८<br>३० | ०<br>१८<br>० | ०<br>१७<br>३० | ०<br>१७<br>० | ०<br>१६<br>३० | ०<br>१६<br>० | ०<br>१५<br>३० | गु १<br>मा २ | ऋ. |
| ०<br>७<br>३० | ०<br>७<br>० | ०<br>६<br>३० | ०<br>६<br>० | ०<br>५<br>३० | ०<br>५<br>० | ०<br>४<br>३० | ०<br>४<br>० | ०<br>३<br>३० | ०<br>३<br>० | ०<br>२<br>३० | ०<br>२<br>० | ०<br>१<br>३० | ०<br>१<br>० | ०<br>०<br>३० | गु १<br>मा २ | ऋ. |
| ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |
| ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |

## शनिदृष्टिः ।

| १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |
| ०<br>३०<br>० | ०<br>३२<br>० | ०<br>३४<br>० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३८<br>० | ०<br>४०<br>० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४४<br>० | ०<br>४६<br>० | ०<br>४८<br>० | ०<br>५०<br>० | ०<br>५२<br>० | ०<br>५४<br>० | ०<br>५६<br>० | ०<br>५८<br>० | ०<br>गुर<br>मा१ | ०<br>घ. |
| ०<br>५२<br>३० | ०<br>५२<br>० | ०<br>५१<br>३० | ०<br>५१<br>० | ०<br>५०<br>३० | ०<br>५०<br>० | ०<br>४९<br>३० | ०<br>४९<br>० | ०<br>४८<br>३० | ०<br>४८<br>० | ०<br>४७<br>३० | ०<br>४७<br>० | ०<br>४६<br>३० | ०<br>४६<br>० | ०<br>४५<br>३० | गु१<br>मार | ऋ |
| ०<br>३७<br>३० | ०<br>३७<br>० | ०<br>३६<br>३० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३५<br>३० | ०<br>३५<br>० | ०<br>३४<br>३० | ०<br>३४<br>० | ०<br>३३<br>३० | ०<br>३३<br>० | ०<br>३२<br>३० | ०<br>३२<br>० | ०<br>३१<br>३० | ०<br>३१<br>० | ०<br>३०<br>३० | गु१<br>मार | ऋ |
| ०<br>१५<br>० | ०<br>१४<br>० | ०<br>१३<br>० | ०<br>१२<br>० | ०<br>११<br>० | ०<br>१०<br>० | ०<br>९<br>० | ०<br>८<br>० | ०<br>७<br>० | ०<br>६<br>० | ०<br>५<br>० | ०<br>४<br>० | ०<br>३<br>० | ०<br>२<br>० | ०<br>१<br>० | गु१<br>मा१ | ऋ |
| ०<br>३०<br>० | ०<br>३२<br>० | ०<br>३४<br>० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३८<br>० | ०<br>४०<br>० | ०<br>४२<br>० | ०<br>४४<br>० | ०<br>४६<br>० | ०<br>४८<br>० | ०<br>५०<br>० | ०<br>५२<br>० | ०<br>५४<br>० | ०<br>५६<br>० | ०<br>५८<br>० | गुरु<br>मा१ | घ |
| ०<br>५२<br>३० | ०<br>५२<br>० | ०<br>५१<br>३० | ०<br>५१<br>० | ०<br>५०<br>३० | ०<br>५०<br>० | ०<br>४९<br>३० | ०<br>४९<br>० | ०<br>४८<br>३० | ०<br>४८<br>० | ०<br>४७<br>३० | ०<br>४७<br>० | ०<br>४६<br>३० | ०<br>४६<br>० | ०<br>४५<br>३० | गु१<br>मार | ऋ. |
| ०<br>३७<br>३० | ०<br>३७<br>० | ०<br>३६<br>३० | ०<br>३६<br>० | ०<br>३५<br>३० | ०<br>३५<br>० | ०<br>३४<br>३० | ०<br>३४<br>० | ०<br>३३<br>३० | ०<br>३३<br>० | ०<br>३२<br>३० | ०<br>३२<br>० | ०<br>३१<br>३० | ०<br>३१<br>० | ०<br>३०<br>३० | गु१<br>मा१ | ऋ. |
| ०<br>४५<br>० | ०<br>४६<br>० | ०<br>४७<br>० | ०<br>४८<br>० | ०<br>४९<br>० | ०<br>५०<br>० | ०<br>५१<br>० | ०<br>५२<br>० | ०<br>५३<br>० | ०<br>५४<br>० | ०<br>५५<br>० | ०<br>५६<br>० | ०<br>५७<br>० | ०<br>५८<br>० | ०<br>५९<br>० | गु१<br>मा१ | घ. |
| ०<br>३०<br>० | ०<br>२८<br>० | ०<br>२६<br>० | ०<br>२४<br>० | ०<br>२२<br>० | ०<br>२०<br>० | ०<br>१८<br>० | ०<br>१६<br>० | ०<br>१४<br>० | ०<br>१२<br>० | ०<br>१०<br>० | ०<br>८<br>० | ०<br>६<br>० | ०<br>४<br>० | ०<br>२<br>० | गु१<br>मा१ | ऋ |
| ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |
| ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० |

## गुरुदृष्टिः ।

| १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | गु १ | |
| ७ | ८ | ८ | ९ | ९ | १० | १० | ११ | ११ | १२ | १२ | १३ | १३ | १४ | १४ | भा २ | घ. |
| ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | गु १ | |
| ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | भा १ | घ. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | गु १ | |
| ५२ | ५३ | ५३ | ५४ | ५४ | ५५ | ५५ | ५६ | ५६ | ५७ | ५७ | ५८ | ५८ | ५९ | ५९ | भा २ | घ. |
| ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | गु. २ | |
| ३० | २८ | २६ | २४ | २२ | २० | १८ | १६ | १४ | १२ | १० | ८ | ६ | ४ | २ | भा १ | ऋ. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | गु २ | |
| ३० | ३२ | ३४ | ३६ | ३८ | ४० | ४२ | ४४ | ४६ | ४८ | ५० | ५२ | ५४ | ५६ | ५८ | भा १ | घ. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | गु १ | |
| ५२ | ५२ | ५१ | ५१ | ५० | ५० | ४९ | ४९ | ४८ | ४८ | ४७ | ४७ | ४६ | ४६ | ४५ | भा २ | ऋ. |
| ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | गु १ | |
| ५२ | ५३ | ५३ | ५४ | ५४ | ५५ | ५५ | ५६ | ५६ | ५७ | ५७ | ५८ | ५८ | ५९ | ५९ | भा २ | घ. |
| ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | गु ३ | |
| ३७ | ३६ | ३४ | ३३ | ३१ | ३० | २८ | २७ | २५ | २४ | २२ | २१ | १९ | १८ | १६ | भा २ | ऋ. |
| ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | गु १ | |
| ७ | ७ | ६ | ६ | ५ | ५ | ४ | ४ | ३ | ३ | २ | २ | १ | १ | ० | भा २ | ऋ. |
| ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

## दृष्टि उदाहरण।

द्रष्टा चंद्र९।५।२२।३५यह दृश्य सूर्य ००।१३।१०।४२ से कम करके शेष ३।७।४८।७ यह है. इसवास्ते चंद्रदृष्टिफलसारिणीमें ३ तृतीयराशि कोष्ठकके सामने ७ अंशके नीचेका फल ०।४१।३० इसको इष्ट अंशके नीचे कला ४८ विकला ७ है. इसको राशि-कोष्ठक ३ के सामनेका गुण १ से गुणके कला ४८ विकला ७ इसको गुणके नीचेका हर २ से भाग देके २४।०३ यह विकलादि फलसारिणीमें ऋण लिखाहै इसवास्ते पूर्वमें लिया जो फल ०।४१।३० है इसमेंसे कम करके ० । ४१ । ०६ यह चन्द्रकी सूर्यके ऊपर दृष्टि भई। इसीप्रमाण सर्व ग्रहोंकी दृष्टि ग्रहोंपर और भाव पर सारिणी परसे करना। द्रष्टा दृश्यमेंसे कम करके ३।७।४८।७ इस-वास्ते ३ राशिके नीचेका अंक ४५ आगेकी राशि ४.इसके नीचेका अंक ३० इसका अंतर १५ इससे भागादिको गुणके ११७।१।४५ इसको ३० से भागदिया तो ३।५४ अब अगली राशिका अंक कमती है. इसवास्ते ४५ में ३ । ५४ कम किया तो ४१।६ यह चंद्रकी दृष्टि भई। ऊपर राशिके स्थानमें ०० धर देना तीसरी विधि दृष्टिकी अंशादिक ७ । ४८ । ७ अर्द्ध किया तो ३।५४।३ इसको ४५ में कम किया तो ००।४१।०६ पूर्व तुल्य चन्द्र दृष्टि भई॥ ४॥

### दूसरी रीति दृष्टि उदाहरण.

| सू | चं. | मं | बु | बृ. | भृ. | श. | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०।०।० | ०।१८।५४ | ०।३१।३ | ०।०।० | ०।४।५८ | ०।०।० | ०।१५।११ | सूर्यः |
| ०।४१।६ | ०।०।० | ०।४२।९ | ०।३०।५८ | ०।२८।३५ | ०।१०।४७ | ०।१५।२८ | चंद्रः |
| ०।२८।५७ | ०।५।५२ | ०।०।० | ०।४९।५३ | ०।०।० | १।०।० | ०।०।० | मगलः |
| ०।०।० | ०।७।५९ | ०।१०।१७ | ०।०।० | ०।३३।४३ | ०।०।० | ०।३७।१ | बुधः |
| ०।४७।२९ | ०।५८।३५ | ०।०।० | ०।५३।२६ | ०।०।० | ०।३७।२७ | ०।१२।२५ | बृह. |
| ०।८।७ | ०।०।० | ०।२८।१६ | ०।०।० | ०।५४।२२ | ०।०।० | ०।३६।४७ | शुक्रः |
| ०।०।२४ | ०।४८।५९ | ०।५५।२५ | ०।४४।२ | ०।४७।३४ | ०।४३।३४ | ०।०।० | शनिः |
| १।३६।४२ | १।६।३४ | १।२०।४२ | १।२४।२४ | १।५६।५० | ०।४८।१४ | १।४२।११ | शुभैक्यं |
| ०।२९।२१ | १।१३।३५ | १।२६।२८ | १।३३।४५ | ०।५२।३२ | १।४३।३४ | ०।१५।११ | पापैक्यं |

## भावापरिदृष्टिचक्रम् ।

| त | ध | स | सु | सु | रि | जा | मृ | ध | क | आ | व्य | भाव |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०<br>२३<br>३ | ०<br>४३<br>१४ | ०<br>३०<br>४४ | ०<br>१५<br>१६ | ०<br>०<br>४५ | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>१४<br>१५ | ०<br>४४<br>३० | ०<br>३०<br>४५ | ०<br>२<br>२१ | सूर्यः |
| ०<br>१२<br>५१ | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>३<br>९ | ०<br>२०<br>१९ | ०<br>४२<br>५० | ०<br>२५<br>४१ | ०<br>१०<br>३७ | ०<br>५६<br>२१ | ०<br>४१<br>५१ | ०<br>२७<br>२१ | चन्द्रः |
| ०<br>१४<br>११ | ०<br>५९<br>२६ | ०<br>२९<br>२३ | ०<br>३<br>१३ | १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | ०<br>३१<br>०० | ०<br>१५<br>१२ | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | भौमः |
| ०<br>५०<br>५० | ०<br>२४<br>५० | ०<br>१९<br>५० | ०<br>४<br>२० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>९<br>४० | ०<br>३५<br>२० | ०<br>३४<br>२० | ०<br>९<br>४० | ०<br>३८<br>४१ | बुधः |
| ०<br>०<br>४४ | ०<br>१७<br>२० | ०<br>४६<br>४४ | ०<br>५१<br>५ | ०<br>६<br>५७ | ०<br>५८<br>४९ | ०<br>४५<br>४५ | ०<br>५६<br>१६ | ०<br>१३<br>२४ | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | गुरुः |
| ०<br>३८<br>३५ | ०<br>२३<br>७ | ०<br>७<br>३८ | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>६<br>२३ | ०<br>२८<br>४५ | ०<br>३७<br>३७ | ०<br>१४<br>१६ | ०<br>२९<br>३० | ०<br>५२<br>३७ | शुक्रः |
| ०<br>३१<br>५० | ०<br>०<br>३० | ०<br>५६<br>३८ | ०<br>४५<br>० | ०<br>३०<br>५१ | ०<br>५७<br>२० | ०<br>७<br>१० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>५६<br>३९ | ०<br>४६<br>२० | शनिः |
| १<br>४३<br>२ | १<br>१५<br>१६ | १<br>१४<br>१२ | ०<br>५५<br>२५ | ०<br>१०<br>६ | १<br>१९<br>४ | १<br>३५<br>५ | १<br>५९<br>०० | १<br>३८<br>५८ | १<br>४४<br>५७ | १<br>२२<br>१ | १<br>५८<br>३२ | शुभैक्य |
| १<br>३१<br>१० | १<br>४८<br>१० | १<br>५६<br>४५ | १<br>३<br>२९ | १<br>३१<br>३६ | १<br>५७<br>२० | ०<br>३८<br>४१ | ०<br>१५<br>१२ | ०<br>१४<br>१५ | ०<br>४४<br>३० | १<br>२७<br>२४ | ०<br>४८<br>४९ | पापैक्य |

जगदीशेन रचिते केशवीग्रंथटिप्पणे ।
दृगाधिकारः पूर्णोऽयं तद्भापार्थप्रकाशकः ॥ ३ ॥

इति दृष्टिसाधनाऽध्यायः ॥ ३ ॥

## अथ बलसाधनाध्यायः ॥ ४ ॥

नीचोनो भगणाच्च्युतः षडधिकश्चेत्षड्हृदोच्चं बलं
स्वर्क्षेऽर्द्धं समभेऽष्टमस्त्रिचरणा मूलत्रिकोणे बलम् ॥
मित्रर्क्षेंघ्रिरधीष्टभे त्रय इभांशा वैरिभेष्टयंशको
दन्तांशोऽध्यरिभे गृहादिपवशात्खेटस्य सप्तैक्यजम् ॥ ५ ॥

### सप्तवर्गबलमिदम्.

| स्वक्षेत्रं | आधमित्र | मित्रं | समः | शत्रुः | अधिशत्रुः | मूलत्रि. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०<br>३०<br>० | ०<br>२२<br>३० | ०<br>१५<br>० | ०<br>७<br>३० | ०<br>३<br>४५ | ०<br>१<br>५२<br>३० | ०<br>४५<br>० | बल. |

अन्वयः--नीचोनो ग्रहश्चेत्षडधिको द्वादशराशिभ्यः शुद्धः षड्हृत् औच्चं बलं स्यात् उच्चसंबंधी बलमित्यर्थः । अत्रेदं ध्येयं उच्चोनग्रहे शेषं षड्राशिस्तदा षड्भागे रूपं बलं पूर्णबलमिति चेत्षड्राल्पस्तदा रूपस्थाने शून्यं स्थाप्यं पुनः शेषं राश्यादिकं षष्ट्या संगुण्योपरि षड्भाक्तः संलब्धं कलास्थाने स्थाप्यः पुनः शेषं षष्ट्या संगुण्य षड्भिर्भागे विकलास्थाने स्थाप्यः एवमंशाद्यमुच्चबलं स्यात् । स्वर्क्षेर्द्धमित्यस्यार्थः। स्वर्क्षे स्वगृहे ग्रहे सति अर्द्धरूपार्धं बलं लेख्यम्, समराशिस्थेऽष्टमांशो बलम्, मूलत्रिकोणे त्रयश्चरणाः, मित्रर्क्षे चतुर्थांशो बलम्, अधिमित्रर्क्षे त्रयोऽष्टमांशाः, शत्रुराशिस्थे षोडशांशबलम्, अधिशत्रुराशिस्थे द्वात्रिंशदंशो बलं स्यादिति सर्वत्र क्रियापदं, सर्वत्र रूपस्यैवार्द्धादिकं ग्राह्यम् । अत्र स्वर्क्षमित्युपलक्षणं किंतु स्वराश्यादिस्थितेऽप्यर्द्धं बलं ग्राह्यं कुतः इत्यतः आह ग्रहादिपवशादिति आदिशब्दाद्धोराद्रेष्काणादयो ग्राह्याः गृहादीन् पान्ति ये ते गृहादिपाः ग्रहादिसप्तवर्गस्वामिनो ये सन्ति तद्वशात्स्वर्क्षेऽर्द्धमित्यादीनि खेटस्य सप्तवर्गबलानि ग्राह्याणि सप्तानामैक्याज्जायत इति सप्तैक्यजम् ॥

अर्थः—अब बलाध्याय लिखते हैं तहाँ बल छः प्रकारके हैं जैसा कि स्थान १ दिक् २ काल ३ निसर्ग ४ चेष्टा ५ और दृष्टि ६ इन भेदों करके छः ६ प्रकारके बल हैं, इसके बीचमें १ स्थानबल उच्च, सप्तवर्ग, युग्मायुग्म, केन्द्रादि, द्रेष्काण इन भेदों करके ५ प्रकारके हैं । २ दिग्बल एक प्रकारका है । ३ कालबल नतोन्नत, पक्ष, दिनरात्रिभाग, वर्षमास द्यु होरेश इन भेदों करके ४ प्रकारके हैं। ४निसर्गबल एक प्रकारका है। ५ चेष्टाबल अयन और चेष्टाकेन्द्रज इन भेदों करके २ प्रकारका है । ६ दृष्टिबल एक प्रकारका है । जिस ग्रहका उच्चबल बनाना होय उस ग्रहमें उसी ग्रहका नीच घटाय देना शेषको ६ से भाग देना तो उच्चसंबंधी बल होता है. कदाचित् शेष ६ राशिसे अधिक होय तो १२ राशिमें घटायके शेषको ६ से भाग देना यदि शेष ठीक ६ बचे तो ६ से भाग देना पूर्णबल अर्थात् रूप १ बल होगा जब ६ राशिसे कम रहेगा तब राशिमें ६ से भाग देनेसे अंशस्थानमें शून्य फल आवेगा पुनः राशिको ६० से गुण देना अंश दूना करके युक्त करना फिर ६ से भाग देना, जो पावे सो कलास्थानमें रखना । शेपको ६० से गुण देना विकला दूना युक्त करना ६ से भाग देना लब्धि विकला होगी अथवा नीच ग्रहांतरका कला करना १८० से भाग देना तो कलादि सुगम रीतिसे उच्चबल होगा अथवा नीच ग्रहांतर जो होय उसकी राशिको १० से गुणना अंश कला विकलाको २० से गुणना तो उच्चबल होता है. जो ग्रह स्वगृहमें होय उसका अर्द्ध ० । ३० । ० बल, समके गृहमें होय तो अष्टमांश०।७।३०, मूलत्रिकोणका होय तो चतुर्थांश त्रिगुणित ० ।४५।०, मित्रगृहका होय तो चतुर्थांश ०।१५।०, अधिमित्रका होय तो अष्टमांश त्रिगुणित०।२२।३० शत्रुगृहमें होय तो षोडशांश०।३।४५अधिशत्रुका होय तो बत्तीसवां अंश०।१।५२ यह बल गृह होरादि सप्तवर्गके स्वामीके अनुरोधसे कहिये स्वामी अपने गृहमें होय तो अर्द्धबल और स्वामी समगृहमें

होय तो अष्टमांश-बल इत्यादि- जानना । यह सप्तवर्गजबल एकत्र करनेसे ग्रहोंका सप्त योगजबल होता है ॥

### ग्रहोंका उच्चादिकोष्ठक.

| ग्रहाः | | सू. | च | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उच्च | रा. | ० | १ | ९ | ५ | ३ | ११ | ६ |
| | अं. | १० | ३ | २८ | १५ | ५ | २७ | २० |
| नीच | रा. | ६ | ७ | ३ | ११ | ९ | ५ | ० |
| | अं. | १० | ३ | २८ | १५ | ५ | २७ | २० |
| मूलत्रि-कोण | रा. | ४ | १ नं. | ० | ५ न. | ८ | ६ | १० |
| | अं. | २० | ३ | २० | १५ ५ | २० | २० | २० |
| स्वगृह | | सिंह | कर्क | मे. वृ. | मि. क. | ध. मी. | वृ. तु. | म. कु. |
| नैसर्गिक मित्र | | र. मं. गु. | र. बु. | र. च. गु. | र. शु. | र. च. मं. | बु. श. | बु. शु. |
| नैसर्गिकसम | | बु. | मं. गु. शु. श. | शु. श. | मं. गु. श. | श. | मं. गु | गु |
| नैसर्गिक शत्रु | | श. शु. | ० | बु. | चं. | बु. शु. | र. चं. | र. च. मं. |
| लिंग | | पु | स्त्री. | पु. | नपुं. | पु. | स्त्री. | नपुं. |

### ग्रहोंकी तात्कालिकमैत्री ।

जिस ग्रहकी तात्काल मैत्री देखना होय तो वह ग्रह जिस स्थानमें होय उस स्थानसे २-३-४-१०-११ और १२ इन स्थानोंमें जो ग्रह होय सो अभीष्ट ग्रहके तत्काल मित्र होते हैं और १-५-७-८ और ९ इन स्थानोंमें जो ग्रह होय सो अभीष्ट ग्रहके शत्रु होते हैं ।

### ग्रहोंकी पंचधा अधिमैत्री ।

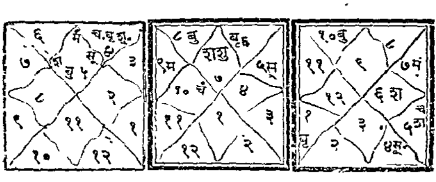
ग्रहोंको नैसर्गिक मैत्र्यादि और तात्कालिक मैत्र्यादि इससे ग्रहोंकी पंचधा अधिमैत्री उत्पन्न होती है सो इस प्रकार अभीष्टग्रहका जो ग्रह नैसर्गिक मित्र और तात्कालिक मित्र होय तो अभीष्टग्रहका अधिमित्र होताहै । अभीष्ट ग्रहका जो ग्रह नैसर्गिकमें सम और तात्कालिक मित्र होय तो अभीष्ट ग्रहका मित्र होताहै । अभीष्ट ग्रहका जो ग्रह नैसर्गिक मित्र और तात्कालिक

शत्रु होय तो अभीष्ट ग्रहका सम होता है। अभीष्ट ग्रहका जो ग्रह नैसर्गिक सम और तात्कालिक शत्रु होय तो अभीष्ट ग्रहका शत्रु होता है. और अभीष्ट ग्रहका नैसर्गिक शत्रु वा तात्कालिक शत्रु होय तो अभीष्ट ग्रहका अधिशत्रु जानना अत्रेदं ध्येयम् । सम-मित्र=मित्र, मित्र=मित्र अधिमित्र, मित्र-शत्रु=सम, सम-शत्रु=शत्रु, शत्रु-शत्रु=अधिशत्रु ॥ इति ॥

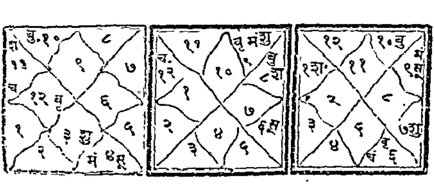
टीप-मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धन, मकर, कुंभ, मीन यह १२ राशि हैं इनमेंसे मेष, मिथुन, सिंह, तुला, धन, कुंभ यह विषम ६ राशि और वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, मीन यह ६ राशि सम होती हैं। यहाँ सप्तवर्ग, १ ग्रह, २ होरा, ३ द्रेष्काण, ४ सप्तमांश, ५ नवमांश, ६ द्वादशांश और त्रिंशांश होते हैं। १ गृह-(राशि कहिये ३० अंश इसके स्वामी पूर्वमें कहे हैं। २ होरा-(कहिये राश्यर्द्ध १५अंश) विषम राशिमें प्रथम होराका स्वामी सूर्य और द्वितीय होराका स्वामी चंद्र और समराशिमें प्रथम होराका स्वामी चन्द्र द्वितीय होराका स्वामी सूर्य। ३ द्रेष्काण-कहिये राशिका तृतीयांश १० अंश इसवास्ते यह तीन हैं। प्रथम द्रेष्काणका स्वामी गृहाधिप, द्वितीय द्रेष्काणका स्वामी गृहसे पंचम राश्यधिप, तृतीय द्रेष्काणका स्वगृहसें नवमराश्यधिप। ४ सप्तमांश-कहिये राशिका सप्तमांश ४ अंश १७ कला विषमराशिमें अपने गृहसे ७ राशिके स्वामी क्रमसे सप्तमांशपति होते हैं और समराशिमें अपने गृहके सप्तमराशिसे सात राशिके स्वामी क्रमसे सप्तमांशपति होते हैं। ५ नवमांश-कहिये राशिका नवमांश ३ अंश २० कला, मेष, सिंह, धन यह गृह होय तो मेषसे ९ राशिके स्वामी क्रमसे नवमांशाधिपति होते हैं। वृष, कन्या, मकर यह गृह होय तो मकर राशिसे ९ राशिका स्वामी क्रमसे नवमांशाधिपति होते हैं। मिथुन, तुला, कुंभ यह राशि होय तो तुलाराशिसे ९ राशिके स्वामी क्रमसे नवमांशाधिपति होते हैं । कर्क, वृश्चिक, मीन यह राशि होय तो कर्क राशिसे ९ राशिका स्वामी नवमांशाधिपति होते हैं । ६ द्वादशांश-कहिये राशिका

द्वादशी भाग २ अंश ३० कला सब राशिमें स्वस्व गृहसे १२ राशिके स्वामी क्रमसे द्वादशांशपति होते हैं. ७ त्रिंशांश कहिये राशिका त्रिंशद्भाग १ अंश विषम राशिमें प्रथम ५ अंशका स्वामी भौम आगे ५ अंशका स्वामी शनि आगे ८ अंशका स्वामी गुरु आगे ७ अंशका स्वामी बुध आगे ५ अंशका स्वामीशुक्र सम राशिमें उलटी रीतिसे ५ का शुक्र ७ का बुध ८ का गुरु आगे ५ का शनि आगे ५ का भौम इसी रीतिसे जानना ॥

होरालग्नम् द्रेष्काणलग्नम् सप्तमांशक



नवमांशकल. । द्वादशांशकल. । त्रिंशांशकल. ।



रचनीचे वराहः—अजवृषभमृगांगनाकुलीरा झषवणिजौ च दिवाकरादितुंगाः । दशशिखिमनुयुक्तिथींद्रियांशैस्त्रिनवकविंशतिभिश्च तेऽस्तनीचाः ॥

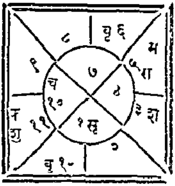
## निसर्गमैत्री चक्रम् ।

| सू | च | म | बु | बृ | शु | श | ग्रहा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| च म बृ | सू बु | च बृ सू | शु सू | सू च मं | बु श | शु बु | मित्र |
| बु | म बृ शु श | शु श | म बृ श | श | म बृ | बृ | सम |
| शु श | ० | बु | च | बु शु | सू च | सू च म | शत्रु |

## तात्कालमैत्रीचक्रम् ।

| सू | च | म | बु | बृ | शु | श | ग्रह |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु बु च श | सू बु शु | श बृ | सू च शु श | म श | सू बु च | म सू बु बृ | मित्र |
| म बृ | श म बृ | शु च बु सू | म बृ | सू च शु बु | म बृ श | शु च | शत्रु |

## जन्मलग्नम् ।




## पंचधामैत्रीचक्रम् ।

| सू | च | म | बु | बृ | शु | श | ग्रहा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु | शु | श | श | श | ० | न | मित्र |
| च | सू बु | बृ | सू च | म | बृ | बु | ऽधिमित्र |
| श म बृ शु | सू बु | सू च | च | सू च | सू च श | सू शु म | सम |
| ० | बृ म श | शु | म बृ | ० | म बृ | ० | शत्रु |
| ० | ० | बु | ० | बु शु | ० | च | ऽधिशत्रु |

## उच्चबलसारिणीप्रवेश ।

सूर्यादि ७ ग्रहोंका १२ राशिकोष्ठक लिखके प्रत्येक ग्रहके सामने राशिकोष्ठकके नीचे रूप कलादि बल लिखा है उसमेंसे ग्रहका जो इष्ट राशिकोष्ठक होय उसके नीचेका फल लेके राशिकोष्ठकके नीचे ३० अंशकोष्ठक औ

६० कलात्मक लिखा है उसमेंसे ग्रहोंके जो इष्टांश और कला होय उसके नीचेके अंशका कलादि और कलाका विकलादि फल एकत्र करके वह धन किंवा ऋण राशिफलमें लिखा है उसके प्रमाण लिया जो राशिफल उसमें युक्त करना किंवा कम करना तो उच्चबल होता है परंतु जब ग्रहोंकी उच्चनीचराशि आतीहै तब फल लेनेकी जुदी रीति है सो ऐसी कि पृथक् पृथक् ग्रहोंका उच्चरा

भुजफलमार्गीका राशीफल,

| रा. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू. | ० ५६ ४० ध. | ० ५३ २० ऋ | ० ४३ २० ऋ. | ० ३३ २० ऋ. | ० २३ २० ऋ. | ० १३ २० ऋ | ० १०३ २० ऋ. | ० ६ ४० ध. | ० १६ ४० ध. | ० २६ ४० ध | ० ३६ ४० ध. | ० ४६ ४० ध. | सू. |
| चं. | ० ४१ ० ध. | ० [illegible] ० ध. | ० ५१ ० ऋ. | ० ४१ ० ऋ. | ० ३१ ० ऋ | ० २१ ० ऋ. | ० ११ ० ऋ. | ० १ ० ऋ. | ० ९ ० ध. | ० १९ ० ध. | ० २९ ० ध. | ० ३९ ० ध. | चं. |
| मं. | ० ३२ २० ऋ. | ० २२ २० ऋ. | ० १२ २० ऋ. | ० २ २८ २० ऋ | ० ० ४० ध | ० १० ४० ध | ० २० ४० ध. | ० ३० ४० ध. | ० ४० ४० ध. | ० ५२ ४० ध | ० ५२ २० ऋ | ० ४२ २० ऋ. | मं. |
| बु. | ० ५ ० ध. | ० १५ ० ध. | ० २५ ० ध. | ० ३५ ० ध. | ० ४५ ० ध. | ० ५५ ० ध. | ० ५५ ० ऋ. | ० ४५ ० ऋ. | ० ३५ ० ऋ | ० २५ ० ऋ. | ० १५ ० ऋ | ० ५ १५ ० ऋ. | बु. |
| गु. | ० २८ २० ध. | ० ३८ २० ध. | ० ४८ २० ध. | ० ५८ २० ध. | ० ५१ ४० ऋ. | ० ४१ ४० ऋ. | ० ३१ ४० ऋ. | ० २१ ४० ऋ. | ० ११ ४० ऋ. | ० १५ ४० ऋ. | ० ८ २० ध. | ० १८ २० ध. | गु. |
| शु. | ० ५९ ० ऋ. | ० ४९ ० ऋ | ० ३९ ० ऋ. | ० २९ ० ऋ. | ० १९ ० ऋ. | ० ९ २७ ० ऋ. | ० १ ० ध. | ० ११ ० ध. | ० २१ ० ध. | ० ३१ ० ध. | ० ४१ ० ध. | ० ५१ ० ध. | शु. |
| श. | ० ६ २० ४० ऋ. | ० ३ २० ध. | ० १३ २० ध. | ० २३ २० ध. | ० ३३ २० ध | ० ४३ २० ध. | ० ५३ २० ध. | ० ५६ ४० ऋ. | ० ४६ ४० ऋ | ० ३६ ४० ऋ. | ० २६ ४० ऋ. | ० १६ ४० ऋ. | श. |

### अंशफल.

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ |
| ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ० |
| ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० | ० |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | ० |

### कलाफल.

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ |
| ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० |
| ५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
| ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ |
| ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० |
| ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० |
| ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ |
| १५ | १५ | १५ | [illegible] | १६ | १६ | १७ | १७ | १७ | १८ | १८ | १८ | १९ | १९ | १९ |
| ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० |

शिफलमें उक्कोचांश लिखे हैं उतने अंशतक्रमात्र वह फल अंशादि धर लगे जो अंशादि अधिक आवे उतना अंशादिकोंका सारिणीमेंका फल लेके वह ऊपर कहनेके प्रमाण उक्कराशिफलमें युक्त करके रूप ( १ ) बलमें कम करना जो उच्चबल होता है तैसेही नीचराशिफलमें उक्कनीचांश लिखे हैं उतने अंशतक्रमात्र वह फल लग आगे जो अंशादि अधिक आवे उतना अंशादिकोंका सारणीमेंका फल लेके वह ऊपर कहनेके प्रमाण नीचराशिफलमें कम न करके जो फल आवे वही उच्चबल जानना ।

उदाहरण—यहां सूर्य ० । १३ । १० । ४२ है इसवास्ते ०० राशिकोष्ठ के नीचेका सूर्यका फल ० । ५६ । ४० यह लेके अनंतर १३ अंशकोष्ठके नीचेका कलादि फल ४ । २० और कला १० कोष्ठकके नीचेका फल

३।१२० यह विकलामें युक्त करके यह राशिफलमें धन लिखा है इसवास्ते ०।५६। ४० यह राशिफलमें युक्त करके ०१।०१।३ अब यहां रवि उच्चराशिका है इसवास्ते ऊपर १ न युक्त करके ०१।३ यह इसको रूप १ में कम करके ०।५८।५७ यह सूर्यका उच्च बल भया इसी प्रमाण चंद्रादि द्वितीयतारिणी प्रवेश जिस ग्रहका उच्चबल बनाना होय उस ग्रहमें उसी ग्रहका नीचे कम करना जो ६ राशिसे ज्यादा होय तो १२ राशिमें कम करके जो शेष राश्यंक होय उसके नीचेका अंशादिफल लेके उसके नीचे जो अंश कला होय उसका फल लेकर एकत्र करके युक्त करना तो ग्रहोंका उच्चबल होता है. अंश कला विकलाका फल पूर्वोक्त सारिणीमेंसे लेना ।

उच्चराशिफल.

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | |
| | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० | फ. |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |

उदाहरण-सूर्य ०।१३।१०।४२। यह इसमें इसका नीच ६।१०।०० कम किया तो ६ । ३ । १० । ४२ यह ६ से अधिक है इसवास्ते १२ में कम करके ५।२६।४९।१८ है. इसवास्ते ५ राशिकोष्ठकके नीचेका फल ०।५०।० पहलेके अनंतर २६ अंश कोष्टक पूर्वोक्तके नीचेका कलादिफल ८।४० और कला ४८ के नीचे विकलादिफल १६।२० यह एकत्र करके ८।५६ यह राशिफल ०।५०।० इसमें युक्त किया तो ०।५८।५६ यह सूर्यका उच्चबल भया. इसी रीतिसे चंद्रादिकोंका करना तो स्पष्ट बल होता है। राशिफलमें अंश कला फल सदा युक्त करना ।

उच्चबलचक्रम्.

| सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ५८ | ३० | ४ | २ | ३८ | ४९ | १७ | फल |
| ५ | ४७ | २१ | ७ | ५५ | ५८ | ४७ | |

## मेषराशिस्थसर्वांशपतिचक्रम् ।

| अं | ० ३० | १ ० | १ ३० | २ ० | २ ३० | ३ ० | ३ ३० | ४ ० | ४ ३० | ५ ० | ५ ३० | ६ ० | ६ ३० | ७ ० | ७ ३० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृह | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ |
| होरा | सू ५ | सू ५ | म १ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्रेष्का | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ |
| सप्तम | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | ८ १७ ८ म १ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ |
| नवम | मं १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | ३ २० म १ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | ६ ४० शु २ | बु ३ |
| द्वादश | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ |
| त्रिंश | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ |

| अं | ८ ० | ८ ३० | ९ ० | ९ ३० | १० ० | १० ३० | ११ ० | ११ ३० | १२ ० | १२ ३० | १३ ० | १३ ३० | १४ ० | १४ ३० | १५ ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृह | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ |
| होरा | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्रेष्का | म १ | म १ | म १ | म १ | १० ० म १ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| सप्तम | शु २ | शु २ | ८ ३४ १७ शु २ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | १२ ५१ २५ बु ३ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| नवम | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | १० ० बु ३ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | १३ २० च ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्वादश | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |
| त्रिंश | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | बृ ९ | बृ ९ | बृ ९ | बृ ९ | बृ ९ | बृ ९ | बृ ९ | बृ ९ | बृ ९ | बृ ९ |

## मेषराशिसप्तवर्गपतिचक्रम् ।

| अं. | १५ ३० | १६ ० | १६ ३० | १७ ० | १७ ३० | १८ ० | १८ ३० | १९ ० | १९ ३० | २० ० | २० ३० | २१ ० | २१ ३० | २२ ० | २२ ३० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृह | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ |
| होरा | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ |
| द्रेष्काण | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |
| सप्तम | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | १७ ८ ३४ चं ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | २१ २५ ४२ ५६ | बु ६ | बु ६ |
| नवम | सू ५ | सू ५ | सू ५ | १६ ४० सू ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ |
| द्वादश | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |
| त्रिंशा. | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ |

| अं. | २३ ० | २३ ३० | २४ ० | २५ ३० | २५ ० | २५ ३० | २६ ० | २६ ३० | २७ ० | २७ ३० | २८ ० | २८ ३० | २९ ० | २९ ३० | ३० ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृह | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ |
| होरा | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ |
| द्रेष्काण | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |
| सप्तम | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | २५ ४२ ५१ बु ६ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | ३० ० शु ७ |
| नवम | शु ७ | २३ २० शु ७ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | २६ ४० मं ८ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |
| द्वादश | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |
| त्रिंशा. | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ |

विशेषः—नीचोनं तु ग्रहं भार्द्धाधिकं चक्राद्विशोधयेत् । भागीकृत्य त्रिभिर्भक्तं फलमुच्चबलं भवेत् ॥ १ ॥

# ध्रुवराशिसमवर्गपातिचक्रम् ।

| अंश | १ ० | १ ० | १ ३० | २ ० | २ ३० | ३ ० | ३ ३० | ४ ० | ४ ३० | ५ ० | ५ ३० | ६ ० | ६ ३० | ७ ० | ७ ३० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ |
| होरा | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| द्रेष्काण | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ |
| सप्तम | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | ४ १७ ८ म८ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |
| नवम | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | ३ २० श १० | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | ६ ४० श ११ | गु १२ |
| द्वादश | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| त्रिंशा | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |

| अंश | ८ ० | ८ ३० | ९ ० | ९ ३० | १० ० | १० ३० | ११ ० | ११ ३० | १२ ० | १२ ३० | १३ ० | १३ ३० | १४ ० | १४ ० | १५ ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ |
| होरा | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| द्रेष्काण | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |
| सप्तम | गु ९ | गु ९ | ८ ३४ १७ गु९ | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | १२ ५१ २५ श १० | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ |
| नवम | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | १३ २० म १ | शु २ | शु २ | शु २ |
| द्वादश | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ |
| त्रिंशा | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |

मिथुनराशिगतग्रहांशादि चक्रम् ।

| अंश | ० ३० | १ ० | १ ३० | २ ० | २ ३० | ३ ० | ३ ३ | ४ | ४ ३० | ५ ० | ५ ३० | ६ ० | ६ ३० | ७ ० | ७ ३० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ |
| होरा | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्रेष्क | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु • | ब • | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ |
| सप्तम | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | १५ ८ बु ३ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| नवम | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | ३ ४ शु ७ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | ६ ४० श ८ | गु ९ |
| द्वादश | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| त्रिंशा | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ |

| अंश | ८ ० | ८ ३० | ९ ० | ९ ३० | १० ० | १० ३० | ११ ० | ११ ३० | १२ ० | १२ ३० | १३ ० | १३ ३० | १४ ० | १४ ३० | १५ ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ |
| होरा | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्रेष्क | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ |
| सप्तम | च ४ | च ४ | ८ ३४ १७ च ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | १२ ५१ २५ सू ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |
| नवम | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | १३ २० श १० | श ११ | श ११ | श ११ |
| द्वादश | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ |
| त्रिंशा | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |

## मिथुनराशिसप्तवर्गपतिचक्रम्.

| अंश | १५ ३० | १६ ० | १६ ३० | १७ ० | १७ ३० | १८ ० | १८ ३० | १९ ० | १९ ३० | २० ० | २० ३० | २१ ० | २१ ३० | २२ ० | २२ ३० | २३ ० | २३ ३० | २४ ० | २४ ३० | २५ ० | २५ ३० | २६ ० | २६ ३० | २७ ० | २७ ३० | २८ ० | २८ ३० | २९ ० | २९ ३० | ३० ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृह | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ |
| होरा | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ |
| द्रेष्काः | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ |
| सप्तम | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | १७ ८ ३४ बु ६ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | २१ २५ ४३ शु ७ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | २५ ४२ ५१ मं ८ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |
| नवम | श ११ | श ११ | श ११ | १६ ४० श ११ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | १३ २० मं १ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | २६ ४० शु २ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ |
| द्वादश | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ |
| त्रिंशां | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ |

कर्कराशिसमवर्गपातिचक्रम्.

| अंश | ० ३० | १ ० | १ ३० | २ ० | २ ३० | ३ ० | ३ ३० | ४ ० | ४ ३० | ५ ० | ५ ३० | ६ ० | ६ ३० | ७ ० | ७ ३० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ८ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| होरा | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| द्रेष्का | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ८ | च ४ | च ४ | च ४ |
| सप्तम | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | ४ १७ ८ श १० | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ |
| नवम | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | ३ २० च ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | ६ ४० सू ५ | बु ६ |
| द्वादश | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |
| त्रिंशा | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |

| अंश | ८ ० | ८ ३० | ९ ० | ९ ३० | १० ० | १० ३० | ११ ० | ११ ३० | १२ ० | १२ ३० | १३ ० | १३ ३० | १४ ० | १४ ३० | १५ ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| होरा | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| द्रेष्का | च ८ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ |
| सप्तम | श ११ | श ११ | ८ ३४ १७ श ११ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | १२ ५१ २५ गु १२ | म १ | म १ | म १ | म १ |
| नवम | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ९ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | १३ २० ५ ७ | मं ८ | म ८ | म ८ |
| द्वादश | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |
| त्रिंशा | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |

# कर्कराशिसप्तवर्गपतिचक्रम्।

| अंश | १५ ३० | १६ ० | १६ ३० | १७ ० | १७ ३० | १८ ० | १८ ३० | १९ ० | १९ ३० | २० ० | २० ३० | २१ ० | २१ ३० | २२ ० | २२ ३० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ |
| होरा | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्रेष्का. | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |
| सप्तम | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | १७ ८ ३२ मं १ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | २१ २५ ४२ शु २ | बु ३ | बु ३ |
| नवम | मं ८ | मं ८ | मं ८ | १६ ४० मं ८ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० |
| द्वादश | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |
| त्रिंशा. | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० |

| अंश | २३ ० | २३ ३० | २४ ० | २४ ३० | २५ ० | २५ ३० | २६ ० | २६ ३० | २७ ० | २७ ३० | २८ ० | २८ ३० | २९ ० | २९ ३० | ३० ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ |
| होरा | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्रेष्का. | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |
| सप्तम | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | २५ ४२ ५१ बु ३ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ |
| नवम | श १० | २३ २० श १० | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | २६ ४० श ११ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |
| द्वादश | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ |
| त्रिंशा. | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ |

# सिंहराशिसप्तवर्गपतिचक्रम् ।

| अंश | ० ३० | १ ० | १ ३० | २ ० | २ ३० | ३ ० | ३ ३० | ४ ० | ४ ३० | ५ ० | ५ ३० | ६ ० | ६ ३० | ७ ० | ७ ३० | ८ ० | ८ ३० | ९ ० | ९ ३० | १० ० | १० ३० | ११ ० | ११ ३० | १२ ० | १२ ३० | १३ ० | १३ ३० | १४ ० | १४ ३० | १५ ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृह | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| होरा | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्रेष्का. | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | सू ३ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |
| सप्तम | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | ४ १७ ८ सू ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | ८ ३४ १७ बु ६ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | १२ ५१ २५ शु ७ | म ८ | म ८ | म ८ | मं ८ |
| नवम | म १ | मं १ | म १ | म १ | म १ | म १ | ३ २० म १ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | ६ ४० शु २ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | १३ २० च ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्वादश | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० |
| त्रिंशा | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |

कन्याराशिमसगणितैचक्रम् ।

| अंश | ० ३० | १ ० | १ ३० | २ ० | २ ३० | ३ ० | ३ ३० | ४ ० | ४ ३० | ५ ० | ५ ३० | ६ ० | ६ ३० | ७ ० | ७ ३० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |
| होरा | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| द्रेष्का. | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |
| सप्तम | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | ४<br>१७<br>८<br>गु १२ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ |
| नवम | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | ३<br>२०<br>श १० | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | ६<br>४०<br>श ११ | गु १२ |
| द्वादश | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ |
| त्रिंश | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |

| अंश | ८ ० | ८ ३० | ९ ० | ९ ३० | १० ० | १० ३० | ११ ० | ११ ३० | १२ ० | १२ ३० | १३ ० | १३ ३० | १४ ० | १४ ३० | १५ ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |
| होरा | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| द्रेष्का. | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० |
| सप्तम | म १ | म १ | ८<br>३४<br>१७<br>म १ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | १२<br>५१<br>२५<br>शु २ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ |
| नवम | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | १३<br>२०<br>म १ | शु २ | शु २ | शु २ |
| द्वादश | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ |
| त्रिंश | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |

## कन्याराशिसप्तवर्गगतिचक्रम् ।

| अंश | १५ ३० | १६ ० | १६ ३० | १७ ० | १७ ३० | १८ ० | १८ ३० | १९ ० | १९ ३० | २० ० | २० ३० | २१ ० | २१ ३० | २२ ० | २२ ३० | २३ ० | २३ ३० | २४ ० | २४ ३० | २५ ० | २५ ३० | २६ ० | २६ ३० | २७ ० | २७ ३० | २८ ० | २८ ३० | २९ ० | २९ ३० | ३० ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |
| होरा | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्रेष्काण | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ |
| सप्तम | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | १७ ८ ३४ बु ३ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | २१ २५ ४३ चं ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | २५ ४२ ५१ सू ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |
| नवम | शु २ | शु २ | शु २ | १६ ४० शु २ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | २३ २० चं ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | २६ ४० सू ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ |
| द्वादश | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | मं १ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | चं ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| त्रिंशांश | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ | मं ८ |

## तुलराशिसप्तवर्गपतिचक्रम् ।

| अंश | ० ३० | १ ० | १ ३० | २ ० | २ ३० | ३ ० | ३ ३० | ४ ० | ४ ३० | ५ ० | ५ ३० | ६ ० | ६ ३० | ७ ० | ७ ३० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ |
| होरा | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्रेष्काण | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ |
| सप्तम | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | ४ १७ ८ २० | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ |
| नवम | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | ३ २ शु ७ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | ६ ४० म ८ | गु ९ |
| द्वादश | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |
| त्रिंश | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ |

| अंश | ८ ० | ८ ३० | ९ ० | ९ ३० | १० ० | १० ३० | ११ ० | ११ ३० | १२ ० | १२ ३० | १३ ० | १३ ३० | १४ ० | १४ ३० | १५ ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ग्रह | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ |
| होरा | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| द्रेष्काण | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ |
| सप्तम | म ८ | म ८ | ८ ३४ १७ म ८ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | १२ ५१ २४ गु ९ | श १० | श १० | श १० | श १० |
| नवम | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | १३ २० श १० | श ११ | श ११ | श ११ |
| द्वादश | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |
| त्रिंश | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ |

वृश्चिकंगाभिमनवर्गादिचक्रम्

| अंश | ० ३० | १ ० | १ ३० | २ ० | २ ३० | ३ ० | ३ ३० | ४ ० | ४ ३० | ५ ० | ५ ३० | ६ ० | ६ ३० | ७ ० | ७ ३० | ८ ० | ८ ३० | ९ ० | ९ ३० | १० ० | १० ३० | ११ ० | ११ ३० | १२ ० | १२ ३० | १३ ० | १३ ३० | १४ ० | १४ ३० | १५ ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृह | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ |
| होरा | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| द्रेष्का | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |
| सप्तम | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | ४ १७ ८ शु २ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | ८ ३४ १७ बु ३ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | १२ ५१ २५ च ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ |
| नवम | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | ३ २० च ४ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | सू ५ | ६ ४० सू ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | १३ २० शु ७ | म ८ | म ८ | म ८ |
| द्वादश | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | गु ९ | श १० | श १० | श १० | श १० | श १० | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | श ११ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ |
| त्रिंशा | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |

मीनराशिसप्तवर्गपति चक्रम् ।

| अंश | ० ३० | १ ० | १ ३० | २ ० | २ ३० | ३ ० | ३ ३० | ४ ० | ५ ३० | ५ ० | ५ ३० | ६ ० | ६ ३० | ७ ० | ७ ३० | ८ ० | ८ ३० | ९ ० | ९ ३० | १० ० | १० ३० | ११ ० | ११ ३० | १२ ० | १२ ३० | १३ ० | १३ ३० | १४ ० | १४ ३० | १५ ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृह | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |
| होरा | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| द्रेष्का | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ |
| सप्तम | बु ६ | बु ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | ४ १७ ८ बु ६ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | ८ ३४ १७ शु ७ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | म ८ | १२ ५१ २० म ८ | गु ८ | गु ८ | गु ८ | गु ८ |
| नवम | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | ३ २० च ४ | र ५ | र ५ | र ५ | र ५ | र ५ | र ५ | ६ ४० र ५ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | शु ७ | १३ ०० शु ७ | म ८ | म ८ | म ८ |
| द्वादश | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु [illegible] | म १ | म १ | म १ | म १ | म १ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | बु ३ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | च ४ | र ५ | र ५ | र ५ | र ५ | र ५ |
| त्रिंशा | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | शु २ | गु ० | गु ७ | शु २ | शु २ | शु २ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | बु ६ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ | गु १२ |

इन चक्रोंमें सप्तवर्गपति मेषादि १२ राशियोंको जुदे जुदे अंशोंके तीन तीन कलाके अंतरसे ६० कोष्ठक लिखके उसके नीचे सप्तवर्गके सामने उनके स्वामी लिखके उनके स्वगृहके स्पष्टताके वास्ते ग्रहके पास स्वगृहका राश्यंक लिखा है इसपरसे सुलभरीतिसे सप्तवर्गपति मालूम होते हैं ।

उदाहरण यहां सूर्य ००।१३।१०।४२ है इसवास्ते मेषराशिका १३ अंश १० कला कोष्ठकके नीचेके सप्तवर्गपति आये ।

| गृ प | हो प | द्रे प | स प | न प | द्वा प | त्रि प |
|---|---|---|---|---|---|---|
| म | सू | सू | च | च | बु | व |

इसी प्रमाण चंद्रादिकोंका राश्यादिकसे चक्रपरसे सप्तवर्गपति होते हैं. इसी रीतिसे भावसप्तवर्गपति जानना.

ग्रहसप्तवर्गपतिचक्रम् । आश्रयगुणार्थम् ।

| ग्र | सूर्य | | चंद्र | | भौम | | बुध | | गुरु | | शुक्र | | शनि | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्वगृह | म | स | श | श | सू | स | बृ | श | बु | श | श | स | बु | मि |
| होरा | सू | स्व | च | स्व | सू | स | सू | ऽमि | च | स | च | स | सू | स |
| द्रेष्का | सू | स्व | श | श | श | ऽमि | म | श | बु | ऽश | शु | स्व | शु | म |
| सप्त | च | ऽमि | सू | ऽमि | शु | श | श | मि | म | ऽमि | सू | म | बु | ऽमि |
| नवांश | च | ऽमि | श | श | च | स | श | मि | बृ | स्व | बु | ऽमि | र | स्व |
| द्वादश | बु | ऽमि | बृ | श | बु | ऽमि | म | श | बृ | स्व | बृ | श | म | स |
| त्रिंशा | व | सू | च | ऽमि | व | ऽमि | श | ऽमि | बु | ऽश | शु | स्व | म | स |

भावसप्तवर्गपतिचक्रम् ।

| भाव | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स्वगृ | शु | म | बृ | श | श | बृ | म | श | बु | च | सू | बु |
| होरा | सू | च | सू | च | सू | च | सू | च | सू | च | सू | च |
| द्रेष्का | श | बृ | म | श | बु | च | म | बु | श | म | व | श |
| सप्त | बृ | च | श | बु | म | म | बु | श | सू | बृ | श | शु |
| नव | बृ | शु | च | म | श | श | च | म | श | बृ | च | म |
| द्वाद | श | बु | म | बु | बु | च | [illegible] | बृ | श | व | [illegible] | श |
| त्रिंशा | श | बु | [illegible] | [illegible] | [illegible] | बृ | श | च | व | च | व | [illegible] |

## सप्तवर्गबलोदाहरण ।

सूर्यका गृहपति भौम समके क्षेत्रमें है इसवास्ते गृहबल अष्टमांश ०।७।३० होरापति सूर्य समके क्षेत्रमें है इसवास्ते होराबल ० अष्टमांश ०।७।३० द्रेष्काणपति सूर्य समके क्षेत्रमें है इसवास्ते द्रेष्काणबल अष्टमांश ०।७।३० सप्तमांशपति चन्द्र शत्रुक्षेत्रमें है इसवास्ते सप्तमांशबल षोडशांश ०।३।४५ नवमांशपति चन्द्र शत्रुक्षेत्रमें है इसवास्ते नवमांशबल

### अथ ग्रहसप्तवर्गबलचक्रम् ।

| सू. | च. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं ०।७।३० स | श ०।२२।३० ऽमि | सू ०।७।३० स | गु ०।१।५२॥ ऽश | बु ०।३।४५ श | श ०।२२।३० ऽमि | बु ०।३।४५ श | गृह |
| सू ०।७।३० स | चं ०।३।४५ श | सू ०।७।३० स | सू ०।७।३० स | च ०।३।४५ श | च ०।३।४५ श | सू ०।७।३० स | होरा |
| सू ०।७।३० स | श ०।२२।३० ऽम | गु ०।१।५२॥ ऽश | मं ०।७।३० स | गु ०।३।४५ श | शु ०।७।३० स | शु ०।७।३० स | द्रेष्काण |
| बु ०।३।४५ श | सू ०।७।३० स | शु. ०।७।३० स | श ०।२२।३० ऽमि | म ०।७।३० स | सू ०।७।३० स | बु ०।३।४५ श | सप्तमां. |
| च. ०।३।४५ श | श ०।२२।३० ऽमि | च ०।३।४५ श | श ०।२२।३० ऽमि | गु ०।१।५२॥ ऽश | बु ०।३।४५ श | श ०।२२।३० ऽमि | नवमांश. |
| बु ०।३।४५ श | गु ०।१।५२॥ ऽश | गु ०।१।५२॥ ऽश | म ०।७।३० स | गु ०।१।५२॥ ऽश | गु ०।१।५२॥ ऽश | म ०।७।३० स | द्वादशां. |
| गु ०।१।५२॥ ऽश | [illegible] ०।३।४५ श | गु ०।१।५२॥ ऽश | श ०।२२।३० ऽमि | [illegible] ०।३।४५ श | शु ०।७।३० स | म ०।७।३० स | त्रिंशांश |
| ०।३९।३७॥ | १।२४।२२॥ | ०।३१।५२॥ | १।३१।५२॥ | ०।२६।[illegible] | ०।५४।२२॥ | १।[illegible]।[illegible] | ऐक्य |

षोडशांश ०।३।४५, द्वादशांशपति बुध शत्रुक्षेत्रमें है इसवास्ते द्वादशांशबल षोडशांश०।३।४५ त्रिंशांशपति गुरु अधिशत्रु क्षेत्रमे है इसवास्ते त्रिंशांशबल ० । १ । ५२॥ सूर्यके सतवर्गके बलका योग ०।३५।३७॥ इसी प्रमाण चन्द्रादिकोंका सतवर्गबल होताहै ॥ ५ ॥

> शुक्रेंदू समभांशके हि विषमेऽन्ये दद्युरंघ्रिं बलं
> केन्द्राद्येषु च रूपकार्द्धचरणान्यच्छंति खेटाः क्रमात् ॥
> स्त्रीखेटौ चरमे नराः प्रथमके क्लीबौ च मध्ये तथा
> द्रेष्काणे वितरंति पादमुदितं स्थानाख्यवीर्यं त्विदम् ॥६॥

अन्वयः—समभांके स्थितौ शुक्रेन्दू हीति निश्चयेनाघ्रिं चतुर्थांशं बलं दद्याताम्। अन्ये रविभौमबुधगुरुशनयो विषमभांशे स्थितास्तदाघ्रिं बलं दद्युः । भं चांशश्च भांशम् । विषमा राशयः १।३।५।७।९।११ शेषाः इति केन्द्रद्येषु केन्द्रपणफरापोक्लिमेषु स्थिताः खेटा क्रमाद्रूपकार्द्धचरणान्बलानि यच्छंति ददन्ति एतदुक्तं भवति केन्द्रे ग्रहे सति रूप १ बलं, पणफरे अर्द्धं ० । ३० । बलं, आपोक्लिमे चतुर्थांशं ०।१५ बलं यच्छंति । स्त्रीखेटौ शशिशुक्रौ तृतीयद्रेष्काणे वर्त्तमानौ पादं बलं दत्तः । नराः सूर्यमंगलगुरवः प्रथमद्रेष्काणे पादं बलं वितरंति क्लीबौ बुधशनी मध्ये द्रेष्काणे स्थितौ पादं बलं दत्तः इदं पदत्रयथा बलमुदितं तत्स्थानाख्य वार्यं पंचानां योगे स्थानबलं स्यादित्यर्थः ।

अर्थः—शुक्र चंद्र यह समराशिमें किंवा समांशमें होय तो और सूर्य, मंगल, बुध, गुरु, शनि यह विषम राशिमें व विषमांशमें होयँ तो चरण ०।१५।० बल देते हैं । ग्रह केन्द्रमें कहिये लग्न चतुर्थ सप्तम दशम स्थानमें हों तो रूप १ बल देते हैं । ग्रह पणफरमें कहिये द्वितीय, पंचम, अष्टम, एकादश स्थानमें होंय तो अर्ध ० । ३० । ० बल देते हैं । ग्रह आपोक्लिममें कहिये तृतीय, षष्ठ, नवम, द्वादश स्थानमें होंय तो चरण ०।१५।० बल देते हैं । पुरुषग्रह प्रथम द्रेष्का

णमें होंय और नपुंसकग्रह द्वितीय द्रेष्काणमें होंय और स्त्रीग्रह तृतीय द्रेष्काणमें होंय तो चरणबल ०।१५।० देते हैं यह ५ स्थान बलोंके योगको भी स्थान बल ऐसा कहते हैं.

## युग्मायुग्मबलोदाहरण।

यहां सूर्य भौम और शनि यह विषम राशिमें हैं इसवास्ते इनका चरणबल, चन्द्र समराशिमें है इसवास्ते चन्द्रका चरण ०।१५।० बल, शुक्र समराशिमें किंवा समनवांशमें नहीं इसवास्ते इसका बल ०।०।० बुध, गुरु विषम राशिमें किंवा विषमांशमें नहीं इनका बल ०।०।०.

युग्मायुग्मबलम्।

| सू. | चं. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | ग्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| १५ | १५ | १५ | ० | ० | ० | ० | बल |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |

## अथ केन्द्रादिबलोदाहरणम्।

सूर्य चन्द्र केन्द्रमें हैं इसवास्ते इनका रूप बल, भौम शुक्र पणफरमें हैं इसवास्ते इनका अर्द्ध ०।३०।० बुध गुरु शनि यह आपोक्लिममें हैं इसवास्ते इनका चरणबल।

केन्द्रादिबलम्।

| सूर्यः | चन्द्रः | मंगलः | बुधः | बृहः | शुक्रः | शनिः | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ० | ० | ३० | १५ | १५ | ३० | १५ | बल |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |

## अथ केन्द्रादिबलोदाहरणम्।

यहां गुरु प्रथम द्रेष्काणमें है इसवास्ते चरणबल, शुक्र तृतीय द्रेष्काणमें है इसवास्ते चरणबल, शनि द्वितीय द्रेष्काणमें है इसवास्ते चरणबल सू. मं.

प्रथम द्रेष्काणमें नहीं और बुध द्वितीय द्रेष्काणमें नहीं और चंद्र तृतीय द्रेष्काणमें नहीं इसवास्ते इनका बल शून्य.०।०।० ॥ ६ ॥

द्रेष्काणबलचक्रम् ।

| सूर्य | चंद्र | भौम | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>१५<br>० | ०<br>१५<br>० | १५ | बल |

स्थानबलयोगचक्रम् ।

| सूर्य | चन्द्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०<br>४८<br>५६ | ०<br>०<br>४० | ०<br>४<br>२१ | ०<br>०<br>७ | ०<br>३८<br>५५ | ०<br>४२<br>५० | ०<br>१७<br>५७ | उच्चबल १ |
| ०<br>३८<br>३७॥ | १<br>२४<br>२२॥ | ०<br>३१<br>५२॥ | १<br>३१<br>५२॥ | २६<br>१२ | ०<br>५८<br>४२॥ | १<br>० | सप्तवर्गज २ |
| ०<br>१५ | ०<br>१५<br>० | ०<br>१५<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>० | ० | ०<br>१०<br>० | युग्मायुग्म ३ |
| १<br>०<br>० | १<br>०<br>० | ०<br>३०<br>० | ०<br>१५<br>० | ०<br>१५<br>० | ०<br>३० | ०<br>१५ | केन्द्रादि ४ |
| ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>० | १५<br>० | १५ | द्रेष्काण ५ |
| २<br>४१<br>३३॥ | ३<br>०<br>९॥ | १<br>२१<br>१३॥ | १<br>४८<br>५९॥ | १<br>३५<br>१० | ०<br>४२॥<br>९॥ | ०<br>०<br>५७॥ | योग |

मन्दाद्धश्रमिनारकुजाच्च हिबुक शोध्यं विधोर्भोर्गवात्माध्यं ज्ञाद्गुरु तोस्तमन रसभात्पुष्ट स्यजेच्चक्रतः ॥ दिग्वीर्यं रसहृत्त्वथो समयज रूपं सदा स्याद्दिवा त्रिशद्भक्तनतोन्नते शशिकुजार्कीणां परेषां बलम् ॥ ७ ॥

अन्वयः—शनेः सकाशाल्लग्नं, सूर्याद्भौमाच्च हिबुकं चतुर्थं, विधोः भार्गवाच्च माध्यं दशमं बुधाद्गुरोः सकाशादस्तं सप्तमं शोध्यमिति सर्वत्र ध्येयं शेषं षड्राश्यधिकं चेत्स्यात्तदा द्वादशराशिभ्यः शोध्यं ततः षड्हृत् षड्भक्तः सन् दिग्वीर्यं स्यात् । तुशब्दादुच्चबलभागभकारोऽत्रापि बोध्य इति अथेत्यनंतरं समयजं कालजं बलमुच्यते । विधोः बुधस्य सदा दिनरात्रौ रूपं १ बलं स्यात् निशाद्र्धनतोन्नते शशिकुजार्कीणां परेषां बलं भवतः नतं त्रिशता भक्तं यल्लब्धं तच्चन्द्रभौमशनीनां बलं भवेत् उन्नतं त्रिशद्भक्तं रविगुरुशुक्राणां बलं स्यात् ॥

अर्थः—शनिमेंसे लग्न, सूर्य भौममेंसे चतुर्थ भाव, चन्द्र शुक्रमेंसे दशम भाव बुध गुरुमेंसे सप्तम भाव यह क्रमसे कम करके शेष ६ राशिके अपेक्षा अधिक होय तो वह १२ राशिमें कम करके अनंतर जो शेष रहे उसको उच्चबलमें पूर्वोक्तरीतिप्रमाण ६ से भाग देना तो ग्रहोंका दिग्बल होता है ॥

## दिग्बलसारणी प्रवेश ।

ग्रहमेंसे लग्नादि कथित भाव कम करके जो शेष रहे उसको ६ से कम करना अर्थात् षड्भाल्प करना अब यहां सारणीमें ६ राशिकोष्ठक लिखके वह कोष्ठकके नीचे रूपादिफल उसमेंसे अभीष्ट ग्रहका जो ६ राशिमेंसे राश्यंक होय उसके नीचेका फल लेना राशिकोष्ठकके नीचे ३० अंशकोष्ठक और उसके नीचे ६० कलाकोष्ठक लिखा है उसमेंसे अभीष्टग्रहका जो अंश और कला आवे तत्परिमित कोष्ठकके नीचेका अंशका कलादि और कलाका विकलादि फल एकत्र करके पूर्वमें लिया जो राशिफल तिसमें युक्त करना तो ग्रहोंका दिग्बल होताहै ॥

दिग्बलराशिफलचक्रम् ।

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | रा. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | |
| ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० | फ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |

अंशफलचक्रम् ।

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० |
| ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |

कलाफलचक्रम् ।

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ | ५ | ५ | ६ | ६ | ६ |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० |
| ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| १३ | १४ | १४ | १४ | १५ | १५ | १५ | १६ | १६ | १६ | १७ | १७ | १७ | १८ | १८ | १८ | १९ | १९ | १९ | २० |
| ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |

उदाहरण—यहां सूर्य ०।१३।१०।४२ यह इसमेंसे चतुर्थ भाव ९।१२। ४०।३४ कम करके शेष ३।०।३०।८ आया अब इसका राश्यंक ३ है इसवास्ते ३ राशिफल ०।३०।० और अंश० है इसवास्ते अंशकोष्ठकका फल ०।०।० और कला ३० है इसवास्ते ३०. कलाकोष्ठकका फल १।०।० यह विकलामें, युक्त किया तो ०।३०।१० यह सूर्यका दिग्बल भया इसी प्रमाण चन्द्रादिकोंका सारणीपरसे दिग्बल करना.

*अब कालबल कहते हैं ।*

बुधका सर्वदा दिनमें किंवा रात्रिमें रूप १ बल, नतमें ३० से भाग देनेसे चन्द्र भौम और शनि इनका और उन्नतमें ३० से भाग दे तो सूर्य गुरु और शुक्र इनका नतोन्नत बल होता है अथवा नत द्विगुणित करे तो चंद्र भौम शनि इनका और उन्नत द्विगुण करे तो सूर्य गुरु शुक्र इनका सुगम रीतिसे कलादि बल होता है.

दिग्बलचक्रम् ।

| सू | च | म | गु | बु | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ३० | २७ | २० | ६ | ५२ | ५२ | ३८ |
| १० | ३२ | २२ | | ३० | १४ | ४७ |

उदाहरण—नत १५।४० इसको ३० से भाग देके ०।३१।२० यह चन्द्र भौम शनि इनका बल भया उन्नत १४ । २० इसको ३० से भाग देके ० । २८ । ४० यह सूर्य गुरु शुक्र इनका बल भया. और बुधका रूप १ बल ऐसा जानना ॥ ७ ॥

नतोन्नतबलचक्रम् ।

| सू | चं | मं | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | १ | ० | ० | ० |
| २८ | ३१ | ३१ | ० | २८ | २८ | ३१ |
| ४० | २० | २० | ० | ४० | ४० | २० |

पक्षबलं त्र्यंशबलं वर्षमासदिनहोराबलम् ।

शुक्लेऽन्ते तिथिहृद्गतैष्यतिथयो वीर्यं सतां भूच्युतं
पापानां द्विगुणं विधोरिदमथाह्नस्त्र्यंशकेषु क्रमात् ॥
सौम्यार्कार्किभुवां निशाः शशिसितारााणां च रूपं सदे-
ज्यस्याथांघ्रिचयाद्बली किल समामासद्युहोरेश्वराः ॥ ८ ॥

अन्वयः—शुक्ले अन्ते कृष्णे गतैष्यतिथयस्तिथिभिः पंचदश१५भिर्भाज्याः फलं सतां शुभग्रहाणां चन्द्रबुधगुरुशुक्राणां बलं स्यात् । तदेव बलं भूच्युतं रूपाच्च्युतं पापानां रविभौमशनीनां पापयुतबुधस्य च वीर्यं बलं स्यात् । इदं चन्द्रबलं द्विगुणं कार्यम् अथ पक्षबलकथनानंतरं त्र्यंशबलमुच्यते अह्नो दिवसस्य अंशकेषु क्रमात् बुधसूर्यशनीनां रूपं बलं स्यात् निशो रात्रेस्त्र्यंशकेषु क्रमेण चन्द्रशुक्रभौमानां रूपं १ बलं भवति तद्यथा यदि दिने जन्म तदा दिनमानस्य त्रिभागं कार्यं चेत्प्रथमेंशे जन्म तदा बुधस्य रूपबलम्, अन्येषां शून्यं स्यात् । यदि द्वितीयेंशे जन्म तदा सूर्यस्य रूपं बलम् अन्येषां शून्यं, तृतीयेंशे शनेः रूपबलम् अन्येषां शून्यं स्यात् । एवं रात्रावपि इज्यस्य गुरोः सदा दिवारात्रौ वा जन्म स्यात् । तदा रूपं बलं भवति । अथेत्यनंतरम् । अंघ्रिचयाचरणवृद्ध्या समामासद्युहोरेश्वरौ बली स्यात् । एतदुक्तं वर्षेशस्य बलं पाद ०।१५।० मासेशस्य ०।३०।० दिनेशस्य ०।४५।० होरेशस्य १।०।० बलम् ।

अर्थ—शुक्ल पक्षमें गततिथिको १५ से भाग देना और कृष्ण पक्षमें ऐष्य तिथिको १५ से भाग देना तो शुभग्रह ( चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र ) इनका और यहां १ में कम करके पापग्रह रे ( रवि भौम शनिका ) पक्षबल होता है ।

उसमेंसे आया जो चन्द्रबल सो दूना करना व तात्कालिक सूर्य और चन्द्र इनका अंतर ६ राशिकी अपेक्षा ज्यादा होय तो १२ में कम करना जो शेष रहै उसको उच्चबलमें पूर्वोक्त रीतिके प्रमाण ६ से भाग देना तो शुभ ग्रहोंका और वही ६० मेंसे कम करके पापग्रहोंका पक्षबल होता है । त्र्यंशबल दिनके प्रथम त्रिभागमें जन्म होय तो बुधका रूप १ बल, द्वितीय त्रिभागमें सूर्यका, तृतीय त्रिभागमें शनिका ऐसाही रात्रिमें प्रथम त्रिभागमें चन्द्रका, द्वितीय त्रिभागमें शुक्रका, तृतीय त्रिभागमें भौमका और सर्वकालमें गुरुका रूप १ । ० । ० जानना, वर्षपतिका चरणबल, मासपतिका अर्द्धबल, दिनपतिका चरणत्रय बल, होरापतिका रूपबल यह वर्षमास दिनहोरापतिका बल जानना इन चारों बलके योगको कालबल ऐसा कहते हैं ।

## वर्षपति बनानेकी रीति ।

" द्विघ्नोऽयं ग्रहलाघवद्युनिचयश्चक्राहतैः षट्शरैः
षड्दस्रेश्च युतः सबाणतपनः सेषुश्च खांगाग्निभिः ॥
खाप्तंर्शैर्विहृतं फले गुणयमघ्ने चक्रनिघ्नाक्षरखोपेते
सत्रियुगे नगोर्वरितकेऽस्तोऽर्कात्समामासपौ ॥"

अर्थः—अभीष्ट चक्रको ५६ से गुणके उसमें अहर्गण युक्त करना अनंतर उसीमें १२५ युक्त करना ३६० से भाग देना जो भागाकार आवे उसको ३ से गुणके गुणाकारको चक्रके ५ से गुणके उसमें ३ युक्त करके सब अंक एकत्र करके ७ से भाग देके जो शेषांक रहे सो क्रमसे सूर्यादि वर्तमान वर्षाधिप होता है ।

## मासपति बनानेकी रीति ।

अभीष्ट चक्रको २६ से गुणके उसमें अहर्गण युक्त करना अनंतर उसीमें ५ युक्त करना ३० से भाग देना जो भागाकार आवे उसको दूना करके उसमें ४ युक्त करके ७ से भाग देके जो शेषांक रहे सो क्रमसे सूर्यादि वर्त्तमान मासपति होता है ।

## दिनपति बनानेकी रीति ।

अपने देशसे दक्षिणोत्तर मध्य रेखाका जो योजन होय उसमें उसका चतुर्थांश कम करके तन्मित फल पूर्व मध्यरेषा होय तो १५ घडीमें कम करना अथवा पश्चिम रेखा होय तो १५ घडीमें युक्त करना अनंतर यह संस्कार युक्त घडी दिनार्धसे जितना पल कमती होय उतना पल सूर्योदयके अनंतर वार प्रवृत्ति होती है । अथवा संस्कृत घडी दिनार्धसे जितना पल अधिक होय उतना पलसे सूर्योदयके पूर्व वार प्रवृत्ति होती है इस प्रकारसे जन्मकालमें जो वार होय सो वारपति जानना ।

## होरापति बनानेकी रीति.

वारप्रवृत्तिसे लेकर इष्टकालतक जो घटी पल होय उसको दूना करना उसको २ स्थानमें रखना प्रथम स्थानमें ५ से भाग देना शेषको द्वितीय स्थानमें घटाय देना और १ युक्त करना तो वारपतिके क्रमसे अर्थात् १ बचे तो सूर्य २ में शुक्र ३ में बुध ४ में चन्द्र ५ में शनि ६ में गुरु ७ में भौम वह क्रमसे इष्टवार पतिसे गणना करके जो वार आवे उसकी वह गत होरा जानना, अनंतर वर्त्तमान होराका स्वामी होरापति जानना ।

## पक्षबलसारिणीप्रवेश.

तात्कालिक सूर्य और चन्द्र इनका अंतर षड्भाल्प करना अब सारणीमें ६ राशिकोष्ठक लिखके वह कोष्ठकके नीचे रूपादि फल लिखा है उसमेंसे अंतरका जो राश्यंक होय उसके नीचेका फल लेना राशिकोष्ठकके नीचे ३० अंश कोष्ठक और ६० कलाकोष्ठक लिखा है उसमेंसे अंतरका जो इष्ट अंश और कला आवे उसके नीचेका अंशका कलादि और कलाका विकलादि फल एकत्र करके पूर्वमें लिया जो राशिफल उसमें युक्त करना तो शुभग्रहोंका पक्षबल होता है और यह रूप १ में कम करे तो पापग्रहोंका पक्षबल होता है इसमेंसे चन्द्रका बल द्विगुणित करना ।

राशिफलचक्रम् ।

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ |
| ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

अंशफलचक्रम् ।

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० |
| ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० |
| २ | ४० | ० | २० | ४० | [illegible] | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | - |

कलाकोष्ठकम् ।

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० |
| ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ |
| १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १४ | १४ | १४ | १५ |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| [illegible] | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |

उदाहरण—सूर्य ०।१३।१०।४२ चन्द्र ९।५।२२।३५ इनका अंतर ८।२२।११।५३ यह ६ से ज्यादा है इसवास्ते १२ मेंसे कम करके ३।७।४८।७ यह भया अब राशिकोष्ठक ३ इसका फल ०।३०।० इसको अंशकोष्ठक ७ इसका फल २।२० और कलाकोष्ठक ४८ इसका फल १६ एकत्र करके २।३६ युक्त किया तो०।३२।३६ यह शुभग्रहोंका पक्षबल भया यहाँ

रूपमें कम करके ०।२७।२४ यह पापग्रहोंका पक्षबल और चंद्रका द्विगुणित १।५।१२ जानना.

पक्षबलचक्रम् ।

| सू. | चं. | मं. | बु. | गु. | शु. | श. | ग्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | बल |
| २७ | ०५ | २७ | ३२ | ३२ | ३२ | २७ | |
| २४ | १२ | २४ | ३६ | ३६ | ३६ | २४ | |

## दिनरात्रित्रिभागबलोदाहरणम् ।

यहां दिनमान ३२।०१ इसका त्रिभाग १०।४० इस वास्ते दिनके तृतीय त्रिभागमें जन्म इसवास्ते शनिका रूपबल और गुरुका रूपबल जानना और ग्रहोंका शून्यबल जानना.

दिनरात्रित्रिभागबल.

| सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. | ग्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | १ | ० | १ | बल |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |

## वर्षपतिबलोदाहरणम् ।

चक्र ३३ को ५६ से गुणके १८४८ यह भया इसमें अहर्गण ११७८ युक्त करके ३०२६ यह भया, इसमें १२५ युक्त करके ३१५१ इसको ३६० में भाग देके ८ भया ३ से गुणके २४ भया चक्र ३३ को ५ से गुणके १६५, इसमें ३ युक्त करके १६८ भया पूर्वोक्त अंक २४ युक्त करके १९२ इसको ७ से भाग देके शेषांक ३ इसवास्ते वर्षपति भौम इसका बल ०।१५।० जानना.

## मासपतिबलोदाहरणम् ।

चक्र ३३ को २६ से गुणके ८५८ भया इसमें अहर्गण ११७८ युक्त करके २०३६ यह इसमें ५ युक्त करके २०४१ भया इसको ३० से भाग

दके ६८भया इसको दूना करके १३६ यह इसमें ४ युक्त करके १४० इसको ७ से भाग देके शेषांक ० इसवास्ते मासपति शनि इसका बल ०।३०।०है।

## दिनपतिबलोदाहरणम् ।

देशांतर योजन ५ इसमें इसीका चतुर्थांश १ । १५ कम करके ३ । ४५ पल यह पश्चिम देशांतर है इसवास्ते १५ घडीमें युक्त करके १५ । ३ । ४५ यह दिनार्ध १६ । २१ इससे १ घडी १८ पल कमती है इसवास्ते सूर्योदयके अनंतर १ घडी १८ पलसे वारप्रवृत्ति भई जन्मकाल रविवारको ३२ घडी १ पलपर है इसवास्ते रवि यही दिनपति इसका बल ०। ४५ ।०,जानना.

## होरापतिबलोदाहरणम् ।

वारप्रवृत्तिसे लेकर इष्टकालतक ३० । ४२ इसको २ से गुणके ६१ घडी २४ पल इसको ५ से भाग देके १२ आये यहां इष्टवारपति रवि इससे गणनामें गत होरापति शनि और वर्त्तमान होरापति गुरु इसका बल रूप ( १ ) जानना ॥ ८ ॥

वर्षमासदिनहोरापतिचक्रम् ।

| सू दि | च | मं | बु | बृ | शु | श. | ग्र |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दिन<br>०<br>४५<br>० | ०<br>०<br>०<br>० | वर्ष<br>०<br>१५<br>० | ०<br>०<br>०<br>० | होरा<br>१<br>०<br>० | ०<br>०<br>०<br>० | मास<br>०<br>३०<br>० | बल |

कालबलयोगचक्रम् ।

| सू | च | मं | बु | बृ | शु | श | ग्र |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | १ | १ | १ | ३ | १ | ० | |
| ४१ | ३६ | १३ | २७ | १ | १ | [illegible] | [illegible] |
| ४ | ३२ | ४४ | ३६ | १६ | २६ | ४८ | |

इदानीं क्रमशश्चेष्टाबलं त्रिविधुरादायनबलमाह ।

सदा क्रांतिभागैर्युता ज्ञस्य सिद्धाः शनीन्द्वोर्युतोनाः क्रमाद्याम्यसौम्यैः ॥ विलोमं परेषां गजाम्भोधि ४८ भक्ता भवेदायनं वीर्यमर्कस्य द्विघ्नम् ॥ ९ ॥

अन्वयः—ज्ञस्य बुधस्य दक्षिणैर्वोत्तरैः क्रांतिभागैः सिद्धाश्चतुर्विंशत्यंशा युताः, शनींद्वोर्युतोनाः क्रमात्, याम्यसौम्यैर्याम्यैर्युताः सौम्यैरूनाः, परेषां रविभौमगुरुशुक्राणां विलोमं सौम्यैर्युताः याम्यैरूनाः सिद्धाः २४ कार्या गजाम्भोधि ४८ भक्ताः संतः आयनं वीर्यं भवेत् । इदमायनबलम् अर्कस्य द्विगुणितं सद्भवेत् ।

अर्थः—सर्वकाल २४ अंशमें बुधका दक्षिण किंवा उत्तर क्रांतिभाग युक्त करना २४ अंशमें शनि और चन्द्र इनके दक्षिणक्रांतिभाग युक्त करना और उत्तरक्रांतिभाग २४ अंशमेंसे कम करना २४ अंशमेंसे रवि, भौम, गुरु और शुक्र इनका दक्षिणक्रांतिभाग कम करना और उत्तर क्रांति भाग २४ अंशमें युक्त करना अनंतर सबमें ४८ से भाग देना तो ग्रहोंका अयन बल होता है. परंतु यह बल सूर्य मात्रका द्विगुणित करना अथवा क्रांतिभाग संस्कारित २४ अंशमें उसीका चतुर्थांश युक्त करना तो कलादि अयनबल होगा ।

## क्रांति बनानेका श्लोक.

"स्युः खंडानि खवार्द्धयोम्बरकृताः शैलाग्रयोऽभ्यग्रय-
स्त्रिंशत्तत्त्वधृती नवारिनिधयस्तैः सायनांशग्रहात् ॥
बाह्वंशाभ्रकु १० भागसंख्यकयुतिः शेषैष्यघातादशा-
प्ताढ्या दिग्विहृता लवादिरपमस्तद्दिक्स्वगोलो भवेत् ॥"

अन्वयः—अयनांशयुक्तात्खेटात् ग्रहात् बाह्वंशा भुजभागास्तेषां दिग्लवो दशमांशः तत्सितखण्डैक्यं कार्यम् । तच्छेषेण घाताद्गुणिताद्यत् एष्यं भोग्यं खंडं तस्य यो दिग्लवो दशमांशः तेन युतं खण्डैक्यं कार्यं ततो दिग्भिर्हृतो दशभक्तो लब्धाद्यः अंशाद्यः स्वदिक् सायनगोलदिक् अपमः क्रांतिः स्यात् ।

अर्थ—ग्रहमें अयनांश युक्त करके उसका पूर्वोक्त रीति करके भुज करना और उसके अंश करना १० से भाग देना जो भागाकार आवे तत्परिमित नीचे लिखे अंकमें मिलान करना और भागाकारमें एक युक्त

करके तत्परिमित अंक लेके उसके ऊपरके अंशादि शेषको गुणके उस गुणाकारको १० से भाग देके जो भागाकार आवे उसमें पीछेके अंकको मिलान युक्त करना और जो मिलान आवे तिसको १० से भाग देना जो भागाकार आवे सो अंशादि क्रांति जानना जो सायन ग्रह उत्तर गोलमें होय तो उत्तर क्रांति और दक्षिण गोलमें होय तो दक्षिण क्रांति जानना गोल ऐसा कि, मेषसे ६ राशितक सायनग्रह होय तो उत्तर गोल तुलसे ६ राशितक सायन ग्रह होय तो दक्षिण गोल जानना।

क्रांत्यंकचक्रम् ।

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ४० | ४० | ३७ | ३४ | ३० | २५ | १८ | १२ | ८ |

## क्रांतिसारिणीप्रवेश ।

प्रथम सायन ग्रह करके उसका भुज करके उसका भाग करना अनंतर सारिणीमें अंशकोष्टक ९० लिखके उसके नीचे अंशादिफल लिखा है और दश दश अंशके अंतरसे अलग अलग ६० कलाविकलाकोष्टक लिखा है. अब अभीष्ट भुजभागकोष्टकके नीचेका अंशादि फल लेके उसको भुजभागके नीचे जो कला विकला हो तत्तत्परिमित कलाविकलाकोष्टकके नीचेका कलाका कलादि और विकलाका विकलादि फल एकत्र करके युक्त करना तो ग्रहोंकी अंशादि क्रांति होती है ।

उदाहरण—सूर्य ००।१३।१०।४२ इसमें अयनांश २१।४४।०३ युक्त करके ०१।५।५४।४५ यह सायन सूर्य इसका भुज किया तो वही रहा ०१।५।५४।४५ इसके अंश ३५।५४।४५ यह हैं इसवास्ते भुजभागकोष्टक ३५ से नीचेका अंशादि फल १३।२४।०० कला ५४ का कलाविकलाकोष्टकका कलादि फल १८।२२ विकला ४५ का कलाविकलाकोष्टकका विकलादि फल १५।१९ यह कलाविकलाकोष्टकफल एकत्र करके १८।३७

यह पूर्वोक्त अंशफल १३।२४।०० में युक्त किया तो १३।४२।३७ यह सूर्यकी क्रांति भई इसी प्रमाण सब ग्रहोंकी क्रांति बनाके अब सायन सूर्य उत्तरगोलमें है इस वास्ते उत्तर क्रांति जानना ।

## क्रांतिचक्रम्

| सूर्यः | चंद्रः | मंगलः | बुधः | बृह. | शुक्रः | शनिः | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३<br>४२<br>३७ | २०<br>५६<br>२४ | १०<br>१७<br>३१ | ५<br>३७<br>५८ | ०<br>२२<br>४० | ४<br>७<br>५७ | २३<br>४५<br>२२ | बलम् |
| उत्तर | दक्षिण | उत्तर | उत्तर | दक्षिण | दक्षिण | उत्तर | उत्तर<br>दक्षिण |

## क्रांतिसारिणी ।

| भु. अ. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अं<br>फ. | ०<br>०<br>० | ०<br>२४<br>० | ०<br>४८<br>० | १<br>१२<br>० | १<br>३६<br>० | २<br>०<br>० | २<br>२४<br>० | २<br>४८<br>० | ३<br>१२<br>० | ३<br>३६<br>० | क. |

## कलाविकलाफल ।

| को. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क. ध. | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>२४ | ०<br>०<br>४८ | ०<br>१<br>१२ | ०<br>१<br>३६ | ०<br>२<br>० | ०<br>२<br>२४ | ०<br>२<br>४८ | ०<br>३<br>१२ | ०<br>३<br>३६ | ०<br>४<br>० | ०<br>४<br>२४ | ०<br>४<br>४८ | ०<br>५<br>१२ | ०<br>५<br>३६ |
| को. | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
| क. ध. | ०<br>६<br>० | ०<br>६<br>२४ | ०<br>६<br>४८ | ०<br>७<br>१२ | ०<br>७<br>३६ | ०<br>८<br>० | ०<br>८<br>२४ | ०<br>८<br>४८ | ०<br>९<br>१२ | ०<br>९<br>३६ | ०<br>१०<br>० | ०<br>१०<br>२४ | ०<br>१०<br>४८ | ०<br>११<br>१२ | ०<br>११<br>३६ |
| को. | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ |
| क. ध. | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] |
| को. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] | ०<br>[illegible] |

## क्रांतिसारिणी ।

| भु. अ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रां फ. | ४<br>०<br>० | ४<br>२४<br>० | ४<br>४८<br>० | ५<br>१२<br>० | ५<br>३६<br>० | ६<br>०<br>० | ६<br>२४<br>० | ६<br>४८<br>० | ७<br>१२<br>० | ७<br>३६<br>० | फ. |

## कलाविकलाफल ।

| को | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क. घ | ०<br>०<br>० | ०<br>०<br>२४ | ०<br>०<br>४८ | ०<br>१<br>१२ | ०<br>१<br>३६ | ०<br>२<br>० | ०<br>२<br>२४ | ०<br>२<br>४८ | ०<br>३<br>१२ | ०<br>३<br>३६ | ०<br>४<br>० | ०<br>४<br>२४ | ०<br>४<br>४८ | ०<br>५<br>१२ | ०<br>५<br>३६ |
| को | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
| क. घ | ०<br>६<br>० | ०<br>६<br>२४ | ०<br>६<br>४८ | ०<br>७<br>१२ | ०<br>७<br>३६ | ०<br>८<br>० | ०<br>८<br>२४ | ०<br>८<br>४८ | ०<br>९<br>१२ | ०<br>९<br>३६ | ०<br>१०<br>० | ०<br>१०<br>२४ | ०<br>१०<br>४८ | ०<br>११<br>१२ | ०<br>११<br>३६ |
| को | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | [illegible] | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ |
| क. घ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| को | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| क. घ. | [illegible]<br>० | [illegible]<br>२४ | [illegible]<br>४८ | [illegible]<br>१२ | [illegible]<br>३६ | [illegible]<br>० | [illegible]<br>२४ | [illegible]<br>४८ | [illegible]<br>१२ | [illegible]<br>३६ | [illegible]<br>० | [illegible]<br>२४ | [illegible]<br>४८ | [illegible]<br>१२ | [illegible]<br>३६ |

## क्रांतिसारिणी ।

| भु. अ. | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रां फ. | ८<br>०<br>० | ८<br>२३<br>१२ | ८<br>४६<br>२४ | ९<br>९<br>३६ | ९<br>२८<br>४८ | ९<br>५१<br>० | १०<br>१३<br>१२ | १०<br>३६<br>२४ | १०<br>५९<br>३६ | ११<br>२२<br>४८ | फल |

## कलाविकलाफल ।

| को. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क. घ. | ० ० | ० २२ | ० ४४ | १ ६ | १ २८ | १ ५१ | २ १३ | २ ३५ | २ ५७ | ३ १९ | ३ ४२ | ४ ४ | ४ २६ | ४ ४८ | ५ १० |
| को. | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
| क. घ. | ५ ३३ | ५ ५५ | ६ १७ | ६ ३९ | ७ १ | ७ २४ | ७ ४६ | ८ ८ | ८ ३१ | ८ ५२ | ९ १५ | ९ ३७ | ९ ५९ | १० २१ | १० ४३ |
| का. | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ |
| क. घ. | ११ ६ | ११ २८ | ११ ५० | १२ १२ | १२ ३४ | १२ ५७ | १३ १९ | १३ ४१ | १४ ३ | १४ २५ | १४ ४८ | १५ १० | १५ ३२ | १५ ५४ | १६ १६ |

## क्रांतिसारिणी ।

| भु. अ. | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ. फ | ११ ४० ० | १२ २ २४ | १२ २२ ४८ | १२ ४२ १२ | १३ ३ ३६ | १३ २४ ० | १३ ४४ २४ | १४ ४ ४८ | १४ २५ १२ | १४ ४५ ३६ | फ. |

## कलाविकलाफल ।

| का. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ० | ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ |
| क. घ. | २२ | ३२ | ५२ | १४ | ३४ | ५५ | १६ | ३६ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| को. | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ |
| क. घ. | १५ १९ | १५ ३२ | १५ ५१ | १६ २० | १६ ४० | १७ ५ | १७ ४१ | १७ ४१ | १८ २ | १८ २२ | १८ ४१ | १९ ३ | १९ २३ | १९ ४४ | २० ५ |

## क्रांतिसारिणी ।

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | फ. |
| दक्षा | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |

## कलाविकलाफल ।

| को | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क घ | ०<br>० | ०<br>१८ | ०<br>३६ | ०<br>५४ | १<br>१२ | १<br>३० | १<br>४८ | २<br>६ | २<br>२४ | २<br>४२ | ३<br>० | ३<br>१८ | ३<br>३६ | ३<br>५४ | ४<br>१२ |
| को | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
| क घ | ४<br>३० | ४<br>४८ | ५<br>६ | ५<br>२४ | ५<br>४२ | ६<br>० | ६<br>१८ | ६<br>३६ | ६<br>५४ | ७<br>१२ | ७<br>३० | ७<br>४८ | ८<br>६ | ८<br>२४ | ८<br>४२ |
| को | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ |
| क घ | ९<br>० | ९<br>१८ | ९<br>३६ | ९<br>५४ | १०<br>१२ | १०<br>३० | १<br>४८ | ११<br>६ | ११<br>२४ | ११<br>४२ | १२<br>० | १२<br>१८ | १२<br>३६ | १२<br>५४ | १३<br>१२ |
| को | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ |
| क घ | १३<br>३० | १३<br>४८ | १४<br>६ | १४<br>२४ | १४<br>४२ | १५ | १५<br>१८ | १५<br>३६ | १५<br>५४ | १६<br>१२ | १६<br>३० | १६<br>४८ | १७<br>६ | १७<br>२४ | १७<br>४२ |

## क्रांतिसारिणी ।

| भुअ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अफ | १८<br>६<br>० | १८<br>२१<br>० | १८<br>३६<br>० | १८<br>५१<br>० | १९<br>६<br>० | १९<br>२१<br>० | १९<br>३६<br>० | १९<br>५१<br>० | २०<br>६<br>० | २०<br>२१<br>० | फ |

## कलाविकलाफल ।

| का. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क. ध. | ०<br>० | ०<br>१५ | ०<br>३० | [illegible]<br>४५ | १<br>० | १<br>१५ | १<br>३० | १<br>४५ | २<br>० | २<br>१५ | २<br>३० | २<br>४५ | ३<br>० | ३<br>१५ | ३<br>३० |
| का. | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
| क. ध. | ३<br>४५ | ४<br>० | ४<br>१५ | ४<br>३० | ४<br>४५ | ५<br>० | ५<br>१५ | ५<br>३० | ५<br>४५ | ६<br>० | ६<br>१५ | ६<br>३० | ६<br>४५ | ७<br>० | ७<br>१५ |
| को. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| क. ध. | ३० | ४५ | ० | १५ | ३० | ४५ | ० | १५ | ३० | ४५ | ० | १५ | ३० | ४५ | ० |
| को. | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| क. ध. | १५ | ३० | ४५ | ० | १५ | ३० | ४५ | ० | १५ | ३० | ४५ | ० | १५ | ३० | ४५ |

## क्रांतिसारिणी ।

| न. अ. | ६० | ६१ | [illegible] | [illegible] | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अं. | २०<br>३६ | २०<br>३६ | [illegible] | २१<br>८ | २१<br>१९ | २१<br>३० | २१<br>४० | २१<br>५१ | २२<br>२ | २२<br>१३ | फल |
| फ. | ० | ४८ | ३६ | [illegible] | [illegible] | ० | ४८ | ३६ | २४ | १२ | |

## कलाविकलाफल ।

| को. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क. ध. | ०<br>० | ०<br>१० | ०<br>२१ | ०<br>३२ | ०<br>४३ | ०<br>५४ | १<br>[illegible] | १<br>१५ | १<br>२६ | १<br>३७ | १<br>४८ | १<br>५९ | २<br>१० | २<br>२१ | २<br>३२ |
| का. | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
| क. ध. | २<br>४२ | २<br>५३ | ३<br>४ | ३<br>१५ | ३<br>२६ | ३<br>३६ | ३<br>४७ | ३<br>५८ | ४<br>९ | ४<br>२० | ४<br>३० | ४<br>४१ | ४<br>५२ | ५<br>३ | ५<br>१४ |
| को. | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ |
| क. ध. | ५<br>२४ | ५<br>३५ | ५<br>४६ | ५<br>५७ | ६<br>८ | ६<br>१८ | ६<br>२९ | ६<br>४० | ६<br>५१ | ७<br>२ | ७<br>१३ | ७<br>२३ | ७<br>३४ | ७<br>४५ | ७<br>५६ |
| को. | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ |
| क. ध. | ८<br>६ | ८<br>१७ | ८<br>२८ | ८<br>३९ | ८<br>५० | ९<br>० | ९<br>११ | ९<br>२२ | ९<br>३३ | ९<br>४४ | ९<br>५५ | १०<br>५ | १०<br>१६ | १०<br>२२ | १०<br>[illegible] |

## क्रांतिसारिणी ।

| मु. अं | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ फ. | २३<br>२४<br>० | २३<br>३१<br>१२ | २३<br>३८<br>२४ | २३<br>४५<br>३६ | २३<br>५२<br>४८ | २३<br>०<br>० | २३<br>७<br>१२ | २३<br>१४<br>२४ | २३<br>२१<br>३६ | २३<br>२८<br>४८ | फ |

## कलाविकलाफल ।

| को | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क. ध | ०<br>० | ०<br>७ | ०<br>१४ | ०<br>२१ | ०<br>२८ | ०<br>३६ | ०<br>४३ | ०<br>५० | ०<br>५७ | १<br>४ | १<br>१२ | १<br>१९ | १<br>२६ | १<br>३३ | १<br>४० |
| को | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
| क ध | १<br>४८ | १<br>५५ | २<br>२ | २<br>९ | २<br>१६ | २<br>२४ | २<br>३१ | २<br>३८ | २<br>४५ | २<br>५२ | ३<br>० | ३<br>७ | ३<br>१४ | ३<br>२१ | ३<br>२८ |
| को | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ |
| क ध | ३<br>३६ | ३<br>४३ | ३<br>५० | ३<br>५७ | ४<br>४ | ४<br>१२ | ४<br>१९ | ४<br>२६ | ४<br>३३ | ४<br>४० | ४<br>४८ | ४<br>५५ | ५<br>२ | ५<br>९ | ५<br>१६ |
| को | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ |
| क ध | ५<br>२४ | ५<br>३१ | ५<br>३८ | ५<br>४५ | ५<br>५२ | ६<br>० | ६<br>७ | ६<br>१४ | ६<br>२१ | ६<br>२८ | ६<br>३६ | ६<br>४३ | ६<br>५० | ६<br>५७ | ७ |

कलाविकलाफल ।

| क्रां. | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फ. घ. | ० ० | ० २ | ० ४ | ० ७ | ० ९ | ० ११ | ० १४ | ० १६ | ० १८ | ० २१ | ० २३ | ० २५ | ० २७ | ० ३० | ० ३२ |
| क्रां. | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
| फ. घ. | ० ३६ | ० ३८ | ० ४० | ० ४३ | ० ४५ | ० ४७ | ० ५० | ० ५२ | ० ५४ | ० ५७ | ० ५९ | १ १ | १ ४ | १ ६ | १ ८ |
| क्रां. | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ |
| फ. घ. | १ १२ | १ १४ | १ १६ | १ १९ | १ २१ | १ २३ | १ २५ | १ २८ | १ ३० | १ ३३ | १ ३५ | १ ३७ | १ ४० | १ ४२ | १ ४४ |
| क्रां. | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ |
| फ. घ. | १ ४८ | १ ५० | १ ५२ | १ ५५ | १ ५७ | [illegible] २२ | २ २ | २ ४ | २ ६ | २ ९ | २ ११ | २ १३ | २ १६ | २ १८ | २ २० |

## अयनबलसारिणीप्रवेश.

ग्रहोंके दक्षिणोत्तरक्रांतिसंबंधसे अयनबलसारिणीमें शून्यसे २४ तक २५ क्रांतिभागकोष्ठक दो ठिकाने लिखा है. जब सूर्य, मंगल, गुरु, भृगु इनकी उत्तरक्रांति और शनि, चन्द्र इनकी दक्षिणक्रांति और बुधकी दक्षिण किंवा उत्तर क्रांति हो तब प्रथमक्रांतिभागकोष्ठकमेंसे अभीष्ट क्रांतिभागकोष्ठकके नीचेका रूपादि फलको ले उसको अंशकोष्ठकके आगे ६० कलाविकलाकोष्ठक लिखा है उसमेंसे क्रांतिभागके नीचे जो कला विकला होय तत्तत्परिमित कलाविकलाकोष्ठकके नीचेका ४७ कोष्ठकसे कलाका विकलादि और विकलाका प्रतिकलादि और ४८ कोष्ठकसे कलाका कलादि वैसाही विकलाका विकलादि फल एकत्र करके युक्त करना तो भिन्नभिन्न ग्रहोंका अयनबल होता है। जब सूर्य, भौम, गुरु, शुक्रकी दक्षिण क्रांति और शनि चन्द्रकी उत्तर क्रांति होय तब द्वितीय क्रांतिभागकोष्ठकमेंसे अभीष्टक्रांतिभागकोष्ठकके नीचेका रूपादि फल लेना अनंतर आगे ६० कलाविकलाकोष्ठक लिखा है उसमेंसे अभीष्टक्रांतिभागके नीचे जो कला विकला होय तत्तत्परिमित कला विकलाकोष्ठकके नीचेका कलाका कलादि और विकलाका विकलादि फल एकत्र करके लिया जो अंशफल उसमेंसे कम करना तो ग्रहोंका अयनबल तैयार होता है. यह अयनबल सूर्यका मात्र दूना करना ।

उदाहरण—सूर्यकी उत्तर क्रांति १३।४२।३७का अंश १३ है. इसवास्ते यहां प्रथम क्रांतिभागकोष्टक १३ का फल ० ।.४ घटी १५ इसकी क्रांतिभागके नीचेकी कला ४२ विकला ३७ इसका कलाका विकलादि और विकलाका प्रतिकलादि फल एकत्र करके ५।३।१६ यह विकलामें युक्त करके ०।४७।८ यह दूना करके १।३४।१६ यह सूर्यका अयनबल भया इसी प्रमाण सारणीसे चन्द्रादिकोंका अयनबल होता है ॥ ९ ॥

अयनबलचक्रम् ।

| सूर्यः | चन्द्रः | भौमः | बुधः | बृहस्पतिः | शुक्रः | शनिः | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| ३४ | ४५ | ६० | ३७ | ३२ | २४ | ० | बल |
| १६ | १० | ६० | ७ | ३१ | ५० | १८ | |

इदानीं भौमादीनां चेष्टाबलमाह ।

मध्यस्पष्टयुतेर्दलोनितचलं चेष्टाख्यकेंद्रं कुजात्
स्यात्तच्चेद्गणाद्युतं षडधिकं षड्घ्नच चेष्टाबलं ॥
स्यादेकोत्तररूपमाद्रिविहृतं नैसर्गिकं स्याद्बलं
मंदारज्ञगुरुज्यशुक्रशशभृत्तीक्ष्णद्युतीनां क्रमात् ॥ १० ॥

अन्वयः—मध्यस्पष्टयोर्ग्रहयोर्योगार्धेनोनितं चलं नाम शीघ्रोच्चं तदा भौमादीनां चेष्टासंज्ञकं केन्द्रं स्यात् तत्केन्द्रं चेत्षडधिकं तदा द्वादशराशिभ्यः शुद्धं ततः षड्हृचेष्टाबलं भवति चकाराद्दुच्चबलसाधनवद्भागविधिरत्रापि ज्ञेयः अत्रेदं ध्येयं यदि मध्यस्पष्टयुतौ द्वादशाधिके तदा द्वादशभिस्तष्टं न कार्यमिति नैसर्गिकं बलं स्यादित्यस्य पूर्वार्धेन संबंधः एकोत्तररूपमद्रिविहृतं तदा क्रमाच्छनिभौमबुधगुरुशुक्रचन्द्रसूर्याणां नैसर्गिकं बलं स्यात् तद्यथा एकस्मिन् सप्तभक्ते शनेर्नैसर्गिकबलं द्वयोः सप्तभक्ते भौमस्य एवं क्रमात्सर्वेषां ज्ञेयम् ॥ १० ॥

भाषा:—मध्यम और स्पष्टग्रहका योगार्द्ध उसी ग्रहके शीघ्रोच्चमें कम करना तो भौमादिग्रहोंका चेष्टाकेन्द्र होता है. यह केन्द्र ६ राशिसे ज्यादा होय तो १२

शीशिमें कम करना अनंतर उच्चबलमें पूर्वरीतिप्रमाण ६ से भाग देना तो चेष्टाबल होता है अथवा षड्भाल्प केन्द्रका अंशादिक करके इसको ३ से भाग देना तो सुगम रीतिसे चेष्टाबल होता है वह अयन और चेष्टाबल इनके योगको चेष्टाबल कहते हैं। अनुक्रमसे १ से ७ तक अंकको ७ से भाग देना तो क्रमसे शनि, भौम, बुध, गुरु, शुक्र, चन्द्र, सूर्य इनका नैसर्गिक बल होता है। अथवा ८। ३४। १७ इनको क्रमसे १ से ७ तक अंकसे गुणना तो शनि भौम इत्यादि ग्रहोंका कलादि नैसर्गिकबल होता है अथवा शनिके बलको दूना तिगुना चौगुना करते जावे तो वही क्रमसे बल हो जायगा।

## भौमादिग्रहोंका शीघ्रोच्च बनानेकी विधि।

बुध और शुक्र इनके शीघ्रकेन्द्रमें मध्यम सूर्य युक्त करनेसे बुध शुक्रका शीघ्रोच्च होता है और मंगल, बृहस्पति, शनि इनका शीघ्रोच्च मध्यम सूर्य है।

मध्यमग्रह।

| म | बु | बृ | शु | श | ग्र |
|---|---|---|---|---|---|
| ५ | ० | ५ | ० | २ | |
| २२ | ११ | १२ | ११ | १६ | म |
| ७ | ११ | १७ | ११ | ३१ | |
| ७५ | ५६ | ५१ | ५६ | ३७ | |

स्पष्टग्रह।

| म | बु | बृ | शु | श | ग्र. |
|---|---|---|---|---|---|
| ८ | ११ | ९ | १० | ७ | |
| ११ | २१ | ८ | २६ | १३ | स्प |
| ५ | २० | १२ | ५६ | २१ | |
| १६ | ५१ | ३७ | ५ | ५२ | |

मध्यस्पष्टभागः।

| म. | बु | बृ | शु | श | ग्र |
|---|---|---|---|---|---|
| १० | १२ | १० | ११ | ५ | |
| ३ | २ | २० | ८ | ० | |
| ११ | ३२ | ३० | ८ | १ | भ |
| ४० | ५१ | ४८ | ० | २२ | |

मध्यस्पष्टयोगदलचक्रम्।

| म | बु | बृ | शु | श. | ग्र |
|---|---|---|---|---|---|
| ५ | ६ | ५ | ५ | २ | |
| १ | १ | १० | १९ | १६ | यो |
| २२ | १६ | १५ | ५ | ० | |
| ५० | २५ | १५ | १ | ५१ | द |

शीघ्रोच्चचक्रम्।

| म. | बु. | बृ | शु | श | ग्र |
|---|---|---|---|---|---|
| ० | ७ | ० | ७ | ० | |
| ११ | १८ | ११ | २५ | ११ | शी. |
| ११ | १२ | ११ | ५४ | ११ | |
| ५६ | १५ | ५६ | ० | ५६ | च |

चेष्टाकेन्द्रचक्रम्।

| म | बु | बृ | शु | श | ग्र |
|---|---|---|---|---|---|
| ७ | १ | ७ | २ | ९ | |
| ९ | १६ | ० | ९ | २६ | चे |
| ३६ | ५८ | ०६ | ५० | ११ | |
| ६ | ५१ | ४० | ९ | १२ | |

## चेष्टाबलसारिणी प्रवेश ।

चेष्टाकेन्द्र षड्भाल्प करके सारिणीमें ६ राशिकोष्टक लिखके उसके नीचे कोष्टकमें रूपादि फल लिखा है उसमेंसे षड्भाल्प चेष्टाकेन्द्रका जो इष्ट राश्यंक होय उसके नीचेका फल लेना अनंतर राशिकोष्टकके नीचे अंश-कोष्टक और ६० कलाकोष्टक लिखा है, उसमेंसे षड्भाल्प केन्द्रके जो इष्टअंश और कला आवे तत्परिमिति कोष्टकके नीचेका अंशका कलादि और कलाका विकलादि फल एकत्र करके पूर्वमें लिया जो राशिफल उसमें युक्त करना तो ग्रहोंका चेष्टाबल होता है यह सारिणी प्रवेशसे इष्टकष्टाध्यायमेंका सूर्यचंद्रका चेष्टाबल करनेके वास्ते काम पडता है ।

चेष्टाबलसारिणीराशिफल ।

| ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ० | ० |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० |
| ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

अंशफल ।

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० |
| ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | ९ | ९ | १० |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |

शीघ्र:—आगपरेज्यसौरीणां शीघ्रोच्चं स्याद्दिवाकरः ॥

कलाविकलाफल ।

| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ४ | ५ |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | [illegible] | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० |
| ५ | ५ | ६ | ६ | ६ | ७ | ७ | ७ | ८ | ८ | ८ | ९ | [illegible] | ९ | १० |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |
| ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | [illegible] | ४५ |
| १० | १० | ११ | ११ | ११ | १२ | १२ | १२ | १३ | १३ | १३ | १४ | [illegible] | [illegible] | १५ |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | [illegible] | ४० | ० |
| ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० |
| १५ | १५ | १६ | १६ | १६ | १७ | १७ | १७ | १८ | १८ | १८ | १९ | १९ | १९ | २० |
| २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० | २० | ४० | ० |

उदाहरण–भौमका चेष्टाकेन्द्र ७।९।३६।६ यह ६ से अधिक है. इसवास्ते १२ मेंसे कम करके ४।२०।२३।५४ यह इसका राश्यंक ४ है.इसवास्ते ४ राशिकोष्ठकला फल ० । ४० । ० इसका अंश २० इसवास्ते २० कोष्ठकका फल ६।४० और कला २३ इसवास्ते २३ कलाकोष्ठकका फल ७।४० एकत्र करके ६ । ४८ यह राशिफलमें युक्त करके ०।४६।४८ यह भौमका चेष्टाबल भया, इसही प्रकार बुधादिकोंका करना

चेष्टाबलचक्र ।

| म | बु | गु | शु | श | ० |
|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | |
| ४६ | ४४ | ४२ | २१ | ३१ | ० |
| ४८ | २० | ४१ | ५६ | २६ | |

अयनचेष्टाबलचक्र ।

| सू. | च | म. | बु | गु. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | ० | १ | १ | १ | ० | ० |
| ३४ | ५६ | २९ | २१ | १५ | ४६ | २१ |
| १६ | १० | ४० | ३१ | १७ | २५ | ३४ |

## नैसर्गिकबलोदाहरण।

एकको ७ से भाग देके ०।८।३४ यह शनिका, दोको ७ से भाग देके ०।१७।८ यह भौमका, ३ को ७ से भाग देके ०।२५।४३ यह बुधका, चारको ७ से भाग देके ०।३४।१७ यह गुरुका, पांचको ७ से भाग देके

०।४२।५१ यह शुक्रका, छको ७ से भाग देके ०।५१।२५ यह चन्द्रका, ७ को ७ से भाग देके १।०।० यह सूर्यका इसी प्रमाण ग्रहोंका सब काल एकही नैसर्गिक बल होता है । यह बल सिद्ध है ॥ १० ॥

नैसर्गिकबल ।

| ग्रह. | सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ब | १<br>०<br>० | ०<br>५१<br>२६ | ०<br>१७<br>८ | ०<br>२५<br>४३ | ०<br>३४<br>१७ | ०<br>४२<br>५१ | ०<br>८<br>३४ |

युद्धे बाणवियोगहृत्खचरयोर्वीर्यैक्ययोरंतरं
स्वं सौम्यस्थबले क्षयं च यमदिक्संस्थस्य कुर्याद्बले ॥
सद्दृष्टचंघ्रियुगुग्रदृष्टिचरणोनं खेटवीर्यं भवेत्
भावानां बलमीशजं च नृचतुष्पादाख्यकीटांबुजाः ॥ ११ ॥
जायाम्बाद्यखभोनिताः खलु ततो दिग्वीर्यमत्रद्युतं
सद्दृष्टचंघ्रियुगुग्रदृष्टिचरणोनं ज्ञेज्यदृग्युक्पुनः ॥

अन्वयः—खचरयोस्ताराग्रहयोः भौमादिग्रहयोरित्यर्थः । युद्धे सति वीर्यैक्ययोर्बलैक्ययोरंतरं बाणवियोगहृत् शरांतरेण भक्तः सन् यल्लब्धं तत्सौम्यस्थस्योत्तरस्थस्य ग्रहस्य बले स्वं धनं कुर्यात् यमदिक्संस्थस्य बले क्षयमृणं कुर्यात् । ग्रहस्य दक्षिणोत्तरस्थज्ञानं तु शरवशेन भवति तद्यथा यस्य ग्रहस्योत्तरः शरः स उत्तरस्थः यस्य दक्षिणः स दक्षिणस्थः यदि द्वयोरुत्तरः शरस्तदा यस्याधिकशरः स उत्तरस्थोऽन्यो दक्षिणस्थः यदि द्वयोर्दक्षिणशरस्तदा यस्याधिकशरः सो दक्षिणस्थोऽन्य उत्तरस्थ इत्यर्थः । इदानीं दृग्बलम् ग्रहाणां भागानीतं बलं सतां शुभग्रहणां दृष्टिचतुर्थांशेन युतम् उग्राणां पापानां दृष्टिचतुर्थांशेन रहितं कार्यं तदा ग्रहाणां वीर्यं भवेत् । भावबलम् । भावानामेकं बलं स्वामिबलमेव च पुनर्द्वितीयं बलं नृचतुष्पादाख्यकीटाम्बुजा भावाः नरचतुष्पादकीटजलचरराशयो भावाः क्रमेण जायाम्बाद्यखभोनिताः, सप्तमचतुर्थप्रथमदशमभावैर्हीना

यदि पङ्काधिकास्तदा द्वादशराशितः शुद्धाः पङ्काल्पा यथास्थित एव ततः पङ्कभक्ताः फलं दिग्बलं भवेत् अनयोर्योगः कार्यः स तु शुभग्रहदृष्टिचतुर्थांशपापग्रहदृष्टिचतुर्थांशयोरंतरं धनर्णं पूर्वोक्तवत्कार्यं, बुधगुर्वोर्दृष्टयोरैक्यं तृतीयं त्रयाणां योगे स्पष्टं भावबलं स्यात् ।

अर्थः—जब जन्मकालमें २ ग्रहोंका युद्ध होता है कहिये वह ग्रह राशिभागकलासे सम होते हैं तब ३० ग्रहोंका कलात्मक शर करना अनंतर वही ग्रहोंका पूर्वोक्त बलका जो ऐक्य उसका अंतर करके उसको शरके अंतरसे भाग देना जो फल आवे सो उत्तर दिशामें रहनेवाला जो ग्रह उसके बलमें युक्त करना और दक्षिणदिशामें रहनेवाला जो ग्रह उसके बलमेंसे कम करना यह संस्कार चेष्टाबलका भेद है ।

टीः-सूर्यसे चंद्रादिकोंका जो समागम उसको अस्त कहना और भौमादि ५ ग्रहोंका परस्पर जो समागम उसको युद्ध कहना ।

शरका आनयन ग्रहलाघवमें कहा है सो ऐसा उसमें प्रथम पातांशादि कहते हैं ।

खाम्बुधयः खयमाः खभुजंगाः खांगमिताः खदश क्रमशः स्युः ॥
पातलवाः कुसुताद्बुधभृग्वोर्मध्यमचंचलकेन्द्रविहीनाः ॥
कुद्विरसाब्धियुगाश्विनोदलचयश्चेत्पङ्भयुक् चलं ॥
केन्द्रं चक्रविशुद्धमस्य भमितार्धैक्यं लवभागतात् ॥
निशल्कथयुतं कुजात्कुयमलाब्धीन्द्राद्रिभक्तं क्रमात्
तद्धीना धृतिरिष्विला गुणभुवो गोब्जा इला द्राक्श्रुतिः ॥ १०॥

| अंगाः | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शीघ्राङ्क | १ | २ | ३ | ४ | ४ | २ |

| मं. | बु | गु | शु | श. | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|
| ४० | २० | ८० | ३० | १०० | पातांशाः |
| १ | २ | ४ | १ | ७ | मन्दांशाः |
| १८ | १५ | १३ | ११ | १२ | शीघ्रशरकः |

## शरके लिये शीघ्रकर्णका प्रकार।

भौमादि जिस ग्रहका कर्ण साधना होय उसका अंतिम शीघ्रकेन्द्र लेके वह ६ राशिकी अपेक्षा अधिक होय तो १२ राशिमें कम करना और वह षड्भाल्प केन्द्रके राशिपरिमित कोष्ठकमें लिखा जो शीघ्रांक उसकी मिलान लेना. और एकाधिकराशिपरिमित शीघ्राकमें केन्द्रकी राशि त्याग करके अंशादिकको गुणना और उस गुणाकारको ३० से भाग देना तो फल अंशादि आवेगा उसमें शीघ्रांककी मिलान युक्त करना जो योग आवे उसको क्रमसे कोष्ठकमेंके भाज्यांकसे भाग देना जो फल आवे सो अंशादि जानना वह क्रमसे कोष्ठकमेंके शीघ्रकर्णांकमेंसे कम करना जो शेष रहे सो ग्रहोंका अंशादि शीघ्रकर्ण होता है और जो बुध शुक्रका पातांश कहे हैं उसमें अहर्गणो-त्पन्न जो बुध और शुक्रके जो शीघ्रकेन्द्र होय सो ऊपर कहा जो पातांश उसमेंसे कम करके जो शेष अंश रहे सो बुध और शुक्रके पातांश होते हैं।

## भौमादि शर बनानेका प्रकार।

मंदस्पष्टखगात्स्वपातरहितात्क्रान्त्यंशकाः केवला-
त्कर्णांशाग्नियमाहता अथ गुरोश्चेष्टोचनाप्ताः पुनः॥
स्वांघ्र्यूना असृजोऽङ्गुलादिकशरः पातोनदिक् स्या-
दसौ त्रिघ्नः स्यात्कलिकादिकः॥

भाषाः—जिस ग्रहका शर बनाना होय उस ग्रहका पातांश मंदस्पष्ट ग्रहमेंसे कम करके जो शेष रहे सो पातोन ग्रह भया अनंतर पातोनग्रहको अयनांश देने विना उससे क्रांति लाना और उस क्रांतिको २३ से गुण और उस गुणाकारको शीघ्रकर्णसे भाग दे तो अभीष्ट ग्रहका अंगुलादि शर होता है, सो पातोन ग्रह उत्तर गोलमें होय तो उत्तर शर, दक्षिणगोलमें होय तो दक्षिण

शर ऐसा जानना वैसाही गुरुका शर करना होय तो ऊपरकी रीतिसे ले आये जो शर उसको २ से भाग देना तो गुरुका अंगुलादि शर होता है. और भौमका शर करना होय तो ऊपरकी रीतिसे ले आये जो शर उसमेंसे उसीका चतुर्थांश कम करना तो भौमका अंगुलादि शर होता है अनंतर बनाया जो शर उसको ३ से गुण देना तो कलात्मक शर होताहै ।

## दृग्बल ।

ग्रहों पर जिन ग्रहकी दृष्टि होवे उनमें शुभग्रहकी दृष्टिका ऐक्य करके उसका चतुर्थांश लेना तो वह धन दृग्बल होता है. और पापग्रहके दृष्टिका ऐक्य करके उसका चतुर्थांश लेना तो वह ऋण दृग्बल होता है. अनंतर धन दृग्बल और ऋण दृग्बल इनका अंतर करना तो स्पष्ट दृग्बल होता है ।

टिप्पणः—चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र यह शुभग्रह और रवि, भौम, शनि यह पापग्रह हैं । बुध पाप ग्रहयुक्त होय तो पाप, शुभग्रह युक्त होय तो शुभ, मिश्रग्रहयुक्त होय तो मिश्र फल जानना ।

उदाहरणः—सूर्यके ऊपर शुभग्रहकी दृष्टिका ऐक्य १।३६।४२ इसका चतुर्थांश ०।२४।१० यह धन दृग्बल और सूर्यके ऊपर पापग्रहकी दृष्टिका ऐक्य ०।२९।२१ इसका चतुर्थांश ०।७।२० यह ऋण दृग्बल इनका अंतर ०।१६।५० यह धन दृग्बल सूर्यका भया इसी प्रमाण चंद्रादिकोंका करना।

टिप्पणः—शुभग्रहकी दृष्टिका चतुर्थांश पापग्रहकी दृष्टिके चतुर्थांशमें घट जाय तो ऋण दृग्बल अन्यथा धन दृग्बल जानना।

दृग्बलचक्रमिदम् ।

| सूर्यः | चन्द्रः | भौमः | बुधः | गुरुः | भृगुः | शनिः | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | |
| १६ | १ | १ | २ | १६ | १३ | २१ | दृग्बल |
| ५० | ४७ | २६ | २० | २ | ५० | ४२ | |
| धन | ऋण | ऋण | ऋण | धन | ऋण | धन | |

## षड्बलैक्यचक्रमिदम् ।

| सूर्यः | चन्द्रः | मंग. | बुधः | बृह. | शुक्रः | शनिः | ग्रहाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २<br>४१<br>३३॥ | ३<br>०<br>९॥ | १<br>२१<br>१३॥ | १<br>४८<br>५९॥ | १<br>३९<br>१० | २<br>२९<br>२०॥ | २<br>२<br>४७ | स्थानबल १ |
| ०<br>३०<br>१० | ०<br>५७<br>३४ | ०<br>५०<br>३२ | ०<br>६<br>७ | ०<br>४१<br>३० | ०<br>४५<br>१४ | ०<br>३८<br>४७ | दिग्बल २ |
| १<br>४१<br>४ | १<br>३६<br>३२ | १<br>१३<br>४४ | १<br>३२<br>३६ | ३<br>१<br>१६ | १<br>१<br>१६ | २<br>२८<br>४४ | कालबल ३ |
| १<br>३४<br>१६ | ०<br>५६<br>१० | १<br>२९<br>४० | १<br>२१<br>२१ | १<br>१९<br>१२ | ०<br>४६<br>४६ | ०<br>२९<br>३४ | चेष्टाबल ४ |
| १<br>०<br>० | ०<br>५१<br>२६ | ०<br>१७<br>८ | ०<br>२५<br>४३ | ०<br>३४<br>१७ | ०<br>४२<br>५१ | ०<br>८<br>३४ | निसर्गबल ५ |
| ७<br>३५<br>३॥ | ७<br>२१<br>५१॥ | ५<br>१२<br>१७॥ | ५<br>१४<br>४६॥ | ७<br>१९<br>२५ | ५<br>४५<br>२७॥ | ५<br>४०<br>२६ | पाचोंका योग |
| ०<br>१६ धन<br>५० | ०<br>१ ऋण<br>४७ | ०<br>१ ऋण<br>२६ | ०<br>२ ऋण<br>२० | ०<br>१६ध.<br>२ | ०<br>१३ ऋण<br>५० | ०<br>२१ धन<br>४९ | दृग्बल |
| ७<br>५१<br>५३॥ | ७<br>२०<br>४॥ | ५<br>१०<br>५१॥ | ५<br>१२<br>२६॥ | ७<br>३५<br>२७॥ | ५<br>३१<br>३७॥ | ६<br>२<br>११ | षड्बलयोग |

## भावबल ।

भाषाः—लग्नादि भावोंके स्वामीका जो बल सो लग्नादि भावबल होता है। मनुष्यराशिमें मिथुन, कन्या, तुला, धनका पूर्वार्द्ध और कुंभ इनमेंसे सप्तम भाव कम करना चतुष्पद राशि मेष, वृषभ, सिंह, धनका उत्तरार्द्ध और मकरका पूर्वार्द्ध इनमेंसे चतुर्थ भाव कम करना कीटराशि कर्क, वृश्चिकमेंसे तनु भाव

कम करना। जलचर राशि मीन और मकरका पश्चिमार्द्ध इनमेंसे दशम भाव कम करना अनंतर शेष ६ राशिकी अपेक्षा अधिक होय तो १२ राशिमेंसे कम करके षड्भाल्प शेषसे दिग्बलमें पूर्वोक्त रीतिप्रमाण बल साधन करना तो भाव दिग्बल होताहै। अनंतर यह दिग्बल भावबलमें युक्त करना। भावपर जिन २ ग्रहोंकी दृष्टि होय उसमेंसे शुभग्रहोंके दृष्टिका ऐक्य करना और चतुर्थांश लेना तो यह धनदृग्बल होता है और पापग्रहोंके दृष्टिका ऐक्य करना उसकाभी चतुर्थांश लेना तो वह ऋणदृग्बल होता है। अनंतर धन ऋण दृग्बलका अंतर करना तो स्पष्ट दृग्बल होता है। यह दिग्बल संस्कृत भावबलमें धन होय तो युक्त करना, ऋण होय तो कम करना फिर भावके ऊपरकी बुध गुरुकी दृष्टि युक्त करना तो स्पष्ट भावबल होताहै।

भावबलोदाहरणम्:—तनुभावस्वामी शुक्र इसका षड्बलैक्य५।३१।३७।३० यह तनुभावबल इसी रीतिसे धनादिभावोंका बल जानना। तनुभाव ६।९।४२।२६ यह लग्नराशिमें मनुष्यराशि है। इसवास्ते इसमेंसे सप्तमभाव ०।९।४२।२६ कम करके ६।०।०।० यह ६ से ज्यादा नहीं इसवास्ते ६ इसका फल पूर्वोक्त दिक्बलसारणीपरसे १।०।० यह तनुभावदिग्बल और यह तनुभाव बल ५।११।३७।३० इसमें युक्त करके ६।३१।३७।३० यह दिग्बलसंस्कृत तनुभावबल भया। तनुभावपर शुभग्रहदृष्टियोग १।४३।२ का चतुर्थांश ०।२५।४५ धनदृग्बल और पापग्रहदृष्टि १।३९।१२ योगका चतुर्थांश ०।२४।४८ ऋणदृग्बल इन दोनोंका अंतर ०।०।५७ यह धन स्पष्ट-दृग्बल भया यह दिग्बलसंस्कृत तनुभावबलमें युक्त करके ६।३२।३४।३०यह भया। अब तनुभावपर बुधदृष्टि ०।५०।५० गुरुदृष्टि ०।०।४४ युक्त करके ७।२४।८।३० यह स्पष्टतनुभावषड्बल भया इसी रीतिसे धनादिभावोंका स्पष्टबल करना।

## भावबलचक्रम् ।

| त. | ध. | स. | सु. | पु | रि | जा. | मृ. | ध. | क. | आ. | व्य. | भावाः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५ ३१ ३७ ३० | ५ २० २१ ३० | ७ ३५ ३७ ० | ६ २ ११ ० | ६ २ ११ ० | ७ ३८ २० ० | ५ १० ५१ ३० | ५ ३१ ३७ ३० | ५ १२ २५ ३० | ७ २० ४ ३० | ७ ५१ ५३ ३० | ५ १२ २३ ३० | भावस्वामिबलम् |
| १ ० ० ० | ० १० २० ० | ० ३९ २० ० | ० ० ० ० | ० ११ २५ ० | ० ४० ३९ ० | ० २९ १ ० | ० ३९ २० ० | ० २० ३९ ० | ० २९ १ ० | ० ५० ११ ० | ० ५० ११ ० | भावदिग्बलचक्रम् |
| ६ ३१ ३७ ३० | ५ २१ ११ ३० | ८ १४ ४७ ० | ६ २ ११ ० | ६ २१ ३६ ० | ८ १६ ६ ० | ५ ३९ ५२ ३० | ६ १० ५७ ३० | ५ ३२ ५ ३० | ७ ४९ ५ ३० | ८ ४२ १२ ३० | ६ ८ ४२ ३० | योगः |
| ० ० ५७ ध. | ० ८ ११ ऋ. | ० १० ३८ ऋ. | ० २ १ ऋ. | ० २० २३ ऋ | ० ९ ३४ ऋ. | ० १४ ६ ध. | ० २६ २ ध | ० २१ १० ध. | ० १५ ७ ध | ० १ २१ ऋ | ० १९ २७ ध. | भावदृग्बल |
| ६ ३२ ३४ ३० | ५ १३ ० ३० | ८ ४ ९ ० | ६ ० १० ० | ६ १ १३ ० | ८ ६ ३२ ० | ५ ५३ ५८ ३० | ६ ३६ ५९ ३० | ५ ५४ १५ ३० | ८ ४ १२ ३० | ८ ४० ५१ ३० | ६ २६ ९ ३० | योगः |
| ० ५० ५० | ० ३४ ५० | ० १९ ५० | ० ४ २० | ० ० ० | ० ० ० | ० ० ० | ० ९ ४० | ० ३५ २० | ० ३४ २० | ० ९ ४० | ० ३८ ४१ | बुधदृष्टिः |
| ० ० | ० १९ | ० ४६ | ० ५१ | ० ६ | ० ५८ | ० ४५ [illegible] | ० ५६ [illegible] | ० १३ [illegible] | ० ० ० | ० ० ० | ० ० ० | गुरुदृष्टि |
| ८ ३० | ११ ३० | ४३ ० | ३० ० | १० ० | १७ ० | ४३ ३० | ५५ ३० | ५५ ३० | ८ ३८ ३५ ३० | ८ ५० ३२ ३० | ७ ४ ५० ३० | स्पष्टभावबलचक्रम् |

जगदीशेन रचिते केशवीग्रंथटिप्पणे ॥
बलाधिकारः पूर्णोऽयं तद्भावार्थप्रकाशकः ॥ ४ ॥
इति बलाध्यायश्चतुर्थः ॥ ४ ॥

## अथेष्टकष्टाऽध्यायः ॥ ५ ॥

### इष्टकष्टसाधनार्थरविचंद्रचेष्टावलकेन्द्रसाधनम् ।

व्यर्केन्दुस्त्रिभयुक्तसायनरविश्चेष्टाख्यकेन्द्रं तयो-
र्गोकष्टेष्टविधौ बले कुरु ततः प्राग्वन्न वीर्याय ते ॥ १२ ॥

अन्वयः—विगतोऽर्को यस्मादिन्दोः स चासौ व्यर्केन्दुः त्रिभयुक्तसायनरविश्च क्रमेण तयोश्चेष्टाख्यकेन्द्रे भवतः तद्यथा अर्कोनश्चन्द्रश्चन्द्रस्य चेष्टाकेन्द्रं राशित्रयेणायनांशैश्च युतो रविः सूर्यस्य चेष्टाकेन्द्रं स्यात् ततस्ताभ्यां केन्द्राभ्यां भाग्वद्भौमादिचेष्टाबलसाधनवत् षडधिकं चक्राच्युतं षड्हृदित्यादिना रवीन्द्वो-र्बलं कुरु भो गणकेत्यध्याहारः । कस्मिन् विधौ गोकष्टेष्टविधौ गावो रश्मयः कष्टं चेष्टं च कष्टेष्टे कष्टेष्टयोर्विधिः कष्टेष्टविधिस्तस्मिन् कष्टेष्टविधौ अयनयो-श्चेष्टाबलयोः कष्टेष्टसाधने उपयोगोऽस्तीत्यर्थः । न वीर्यायेति भावः यतः— "द्विसंगुणे चायनपक्षवीर्ये चेष्टाबले तिग्मकराब्जयोरतः" इति ॥

भाषाः—चन्द्रमेंसे सूर्य कम करना तो चन्द्रका चेष्टाकेन्द्र होता है. और सायनसूर्यमें ३ राशि युक्त करना तो सूर्यका चेष्टाकेन्द्र होता है अनंतर इस केन्द्रसे रश्मि कष्टेष्टसाधनार्थ उच्चबलमें पूर्वोक्त रीतिप्रमाण चेष्टाबल बनाना यह चेष्टाबल पूर्वके ऐसा षड्बलार्थ नहीं समझना कारण सूर्यका जो अयनबल वही चेष्टाबल है इसवास्ते दूना करना और चन्द्रका जो पक्षबल वही चेष्टाबल है इसवास्ते दूना करना ।

उदाहरण—चन्द्र ९ । ५।२२।३५ यह इसमेंसे सूर्य ०।१३।१०।४२ यह कम करके ८ । २२ । ११ । ५३ यह चन्द्रका चेष्टाकेन्द्र भया और ० । १३ । १० । ४२ यह इसको अयनांशा २२ । ४४ । ३ युक्त करके १ । ५ । ५४ । ४५ यह सायनसूर्य इसको ३ राशि युक्त करके ४।५ । ५४ । ४५ यह सूर्यका चेष्टाकेन्द्र अनंतर यह चेष्टाकेन्द्रसे पूर्वोक्तरी-तिसे पूर्वमें लिखी जो चेष्टाबलसारणी ऊपरसे बनाया सो यह चंद्रचेष्टाबल ० ।३२ । ३६ सूर्यका चेष्टाबल ० । ४१ । ५८ ।

## रश्मीष्टकष्टसाधनम्।

ये चेष्टोच्चबले खैर्विनिहते सैके निजा रश्मय-
श्चेष्टातुंगबलाहतेः पदमिदं इष्टं स्याद्बलोनैकयोः ॥
घातान्मूलमिदं हि कष्टमथ तद्रूपं दशायाः फलं
वीर्यं दृक् पृथगिष्टकष्टगुणिते द्वे चेष्टकष्टाह्वये ॥ १२ ॥

अन्वयः—सूर्यादीनां भागानीते ये चेष्टोच्चबले ते षड्भिर्गुणिते सैके कृते सति निजा रश्मयः चेष्टाबलाच्चेष्टरश्मयः, उच्चबलादुच्चरश्मयो भवंति इत्यर्थः। चेष्टाबलेनोच्चबलं गुणनीयं गोमूत्रिकागुणनरीत्या, तस्य मूलमिष्टसंज्ञं स्यात् चेष्टबलतुंगबलोनैकयोर्घातान्मूलं कष्टसंज्ञं स्यात् दशाफलं तद्रूपं स्यात् अर्था-दिष्टकष्टतुल्यफलमिति इष्टेऽधिके सति शुभमधिकं, कष्टेऽधिकेऽशुभमधिकं, साम्ये मिश्रफलं दशायाः स्यात् ग्रहस्य बलं अर्थात्षड्बलैक्यं स्थानद्वये स्थाप्यं तथा ग्रहोपरि या दृष्टयस्ता अपि स्थानद्वये ग्रहस्येष्टकष्टेन गुण्यास्तदा क्रमेणेष्ट-बलं कष्टबलं, इष्टदृष्टयः कष्टदृष्टयश्च भवंतीति ॥ १२ ॥

भाषाः—ग्रहोंका चेष्टाबल और उच्चबलको ६ से गुणके गुणाकारमें १ एक युक्त करना तो ग्रहोंकी उच्चरश्मि और चेष्टारश्मि होती है ग्रहोंका चेष्टाबल और उच्चबल इनके गुणाकारका वर्गमूल निकालना तो ग्रहोंका इष्ट होता है. एकमेंसे ग्रहोंका उच्चबल और चेष्टाबल पृथक् पृथक् कम करके शेषका जो गुणाकार हो उसका वर्गमूल निकालना तो ग्रहोंका कष्ट होता है. इन इष्टकष्टके प्रमाण ग्रहोंका शुभाशुभ दशा फल जानना ग्रहोंका षड्बलैक्य और ग्रहोपरिदृष्टिको पृथक् पृथक् इष्टसे और कष्टसे गुण देना तो ग्रहोंका इष्टबल और कष्टबल और ग्रहोंकी इष्ट दृष्टि और कष्ट दृष्टि होती है ॥ १२ ॥

### वर्गमूल निकालनेका प्रकार।

" अंत्यं यावदिहाद्यांकादूर्ध्वतिर्यक्स्थरेखया।
संज्ञा स्थानांककानां च विषमाख्यसमक्रमात् ॥

त्यक्त्वान्त्याद्विषमात्कृतिं द्विगुणयेन्मूलं समे तद्धृते
त्यक्त्वा लब्धकृतिं तदाद्यविषमाल्लब्धं द्विनिघ्नं न्यसेत् ॥
पंक्त्यां पंक्तिहृते समेऽन्त्यविषमात्त्यक्त्वाप्तवर्गं फलं
पंक्त्यां तद्द्विगुणं न्यसेदिति मुहुः पंक्तेर्दलं स्यात्पदम् ॥"

अन्वयः–हे गणक ! अंत्याद्विषमात् कृतिं त्यक्त्वा मूलं द्विगुणयेत् समे तद्धृते सति तदाद्यविषमाल्लब्धकृतिं त्यक्त्वा लब्धं द्विनिघ्नं पंक्त्यां न्यसेत् समे पंक्तिहृते सति अंत्यविषमादाप्तवर्गं त्यक्त्वा तत्फलं द्विगुणं पंक्त्यां न्यसेत् इति मुहुः कुर्यात् तदा पंक्तेः दलं पदं स्यात् ।

भाषाः–जिस संख्याका मूल निकालना होय उसके दहने तरफसे विषम समका चिह्न करना जबतक अंककी समाप्ति न होय तबतक करना अंतरका सबसे बांई तरफ जो अंत्य विषम होय उसमें जिस संख्याका वर्ग घटे सो घटाय देना और जिसका वर्ग घटे उस संख्याको मूल कहते हैं उसको दूना करना उसका नाम पंक्ति है, उस करके भाग देना जो विषमके पास सम होय उसमें लब्धि ऐसी लेना कि जिसका वर्ग आगेके विषममें घट जाय तो उस लब्धिका वर्ग आगेके विषममें घटाय देना उसको दूना करके प्रथम जो पंक्ति संज्ञा है उसमें आगे एक स्थानमें बढायके रखना कदाचित् औरभी अंक होय तो उसी पंक्तिसे पुनः पूर्वरीतिसे भाग देना लब्धिका वर्ग आगेके विषममें घटाना लब्धि दूनी पंक्तिमें रखना ऐसा अंक समाप्तितक करते जाना फिर उस पंक्तिका आधा करना तो मूल होता है ।

## सावयव अंकका मूल निकालनेकी रीति ।

"मूलावशेषकं सैकं षष्टिघ्नं विकलान्वितम् ॥
द्वियुक्तेन द्विनिघ्नेन मूलेनाप्तं स्फुटं भवेत् ॥"

अर्थः–जब मूल निःशेष न होय तो शेषमें १ युक्त करके ६० से गुणं देना विकला मिला देना तब जो हो उसको आया जो मूल उसमें २ युक्त करके दूना करके भाग देना तो मूलका अवयव होता है यह स्थूल रीति है ।

सूक्ष्म रीति यह है ।

"सैकेन द्विघ्नमूलेन भक्तं मूलावशेषकम् ॥
लब्धं तु तदधः स्थाप्यं मूलं सूक्ष्मतरं भवेत् ॥"

अर्थः—जो मूल आया है उसको दूना करके १ युक्त करके मूलशेषमें भाग देना लब्धिको उस मूलके नीचे रखना तो सूक्ष्म मूलके आसन्न होगा।

और यह सबसे अच्छी रीति है ।

जिसका मूल लेना होय उसको ६० से गुण देना कला युक्त करना फिर ६० से गुणना उसका मूल लेना उसको ६० से भाग देना तो ठीक मूल होगा. यदि ऊपरका अंश शून्य होय तो नीचेके अंकको ६० से गुणके विकला युक्त करके मूल लेना उसको ६० से भाग देना तो मूल होता है।

रश्म्युदाहरण ।

सूर्यका चेष्टाबल ०।४१।५८ इसको ६ से गुणके ४।११।४८ यह भया, इसमें एक युक्त करके ५।११।४८ सूर्यकी चेष्टारश्मि भयी सूर्यका उच्चबल ०।५८।५६ है इसको ६ से गुणके ५।५३।३६ एक १ युक्त करके ६।५३।३६ यह सूर्यकी उच्चरश्मि भयी इसी रीतिसे चंद्रादिकोंकी चेष्टा रश्मि और उच्चरश्मि बनाना ।

चेष्टाबल ।

| सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४१ | ३२ | ४६ | ४८ | ४२ | २१ | २१ |
| ५८ | ३६ | ४८ | २० | ४१ | ५६ | १६ |

उच्चबल ।

| सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ५८ | २० | ४ | २ | ३८ | ४२ | १५ |
| ५६ | ४७ | २१ | ७ | ५५ | २८ | ४७ |

चेष्टारश्मि ।

| सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ५ | ४ | ५ | ५ | ५ | ३ | ३ |
| ११ | १५ | ४० | २६ | २८ | ११ | ७ |
| ४८ | ३६ | ४८ | ० | ६ | ३६ | ३६ |

उच्चरश्मि ।

| सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | ३ | १ | १ | ४ | ५ | २ |
| ५३ | ४ | २६ | १२ | ५३ | ११ | ४६ |
| ३६ | ४२ | ६ | ४२ | ३० | ४८ | ४२ |

## इष्टोदाहरणम् ।

सूर्यका चेष्टाबल ०।४१।५८ यह है इसको सूर्यका उच्चबल ०।५८।५६ से गुणके ०।४१।१३ इसका वर्गमूल ०।४९।४३ यह सूर्यका इष्ट भया इसी प्रकारसे चन्द्रादिकोंका इष्ट बनाना ।

चेष्टोच्चबलगुणनफलम् । इष्टचक्रम् ।

| सू | च | म | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४१ | ११ | ३ | १ | ३२ | १८ | ६ |
| १३ | १८ | २४ | ३४ | १४ | २६ | १८ |

| सू | च | म | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४९ | २६ | १४ | ९ | ४३ | ३३ | १९ |
| ४३ | ३ | १७ | ४२ | ५८ | ७ | २६ |

## कष्टोदाहरण ।

सूर्यका चेष्टाबल ०।४१।५८ यह एकमें कम करके ०।१८।२ इसको सूर्यका उच्चबल ०।५८।५६ को एकमें कम करके ०।१।४ इससे गुणके ०।०।१९ भया इसका वर्गमूल ०।४।२० यह सूर्यका कष्ट भया इसी प्रमाण चन्द्रादिकोंका कष्ट साधना ।

एकोनचेष्टोच्चबलगुणनम् । कष्टचक्रम् ।

| सू | च | म | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० |  | ० | ० | ० |
| ० | १७ | १२ | १५ | ३ | ६ | २९ |
| १९ | ५४ | १५ | ७ | २८ | २२ | १५ |

| सू | च | म | बु | बृ | शु | श | ग्र |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |  |
| ४ | -२ | २७ | ३० | १४ | १९ | ४० | ० |
| २० | ४३ | ७ | ७ | ४० | ३- | २५ |  |

## इष्टकष्टबलोदाहरण ।

सूर्यका षड्बलैक्य ७।५१।५३।३० को सूर्यका इष्ट ०।४९।४३ से गुणके ६।३१।००।५३ यह सूर्यका इष्टबल, अथवा सूर्यका कष्ट ०।४।२० से सूर्यका षड्बलैक्यको [illegible] ।०४।५२ [illegible] कष्टबल भया इसी [illegible] चंद्रादिकोंके [illegible] कर

इष्टबलचक्रम् । कष्टबलचक्रम् ।

| सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. | सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. | ग्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | ३ | १ | ० | ५ | ३ | १ | ० | ४ | २ | २ | १ | १ | ४ | ० |
| ३१ | ११ | १५ | ४८ | ३३ | ३ | २७ | ३४ | ० | २० | ३६ | ५१ | ४८ | ३ | |
| ० | ३ | ० | ३० | ४५ | २ | १८ | ४ | २७ | २१ | ४८ | ५८ | ३ | ५८ | |
| ५३ | ५७ | ६ | ५१ | ० | १० | ० | ५० | ८ | २६ | ४२ | ० | १६ | ० | |

उदाहरण—चंद्रके ऊपर सूर्यकी दृष्टि ०।१८।५४ इसको चन्द्रके इष्ट ०।२६।३ यह इसको गुणके ०।८।१२ यह चन्द्रके ऊपर सूर्यकी इष्टदृष्टि, और चन्द्रका कष्ट ०।३२।४७ यह इससे सूर्यदृष्टि ०।१८।५४ गुणके ०।१०।११ यह कष्ट दृष्टिभई इसी रीतिसे सर्वग्रहोंपरकी इष्ट दृष्टि और कष्टदृष्टि करना॥ १३॥

इष्टदृष्टिचक्रम् । कष्टदृष्टिचक्रम् ।

| सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. | ग्र. | सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ०<br>०<br>० | ०<br>८<br>१२ | ०<br>७<br>२४ | ०<br>०<br>० | ०<br>३<br>३८ | ०<br>०<br>० | ०<br>४<br>५५ | सू. | ०<br>०<br>० | ०<br>१०<br>११ | ०<br>१४<br>२ | ०<br>०<br>० | ०<br>१<br>१३ | ०<br>०<br>० | ०<br>१०<br>१५ |
| ०<br>३४<br>३ | ०<br>०<br>० | ०<br>१०<br>२ | ०<br>५<br>० | ०<br>२०<br>५७ | ०<br>५<br>२७ | ०<br>५<br>१० | चं. | ०<br>२<br>५८ | ०<br>०<br>० | ०<br>११<br>३ | ०<br>१५<br>३२ | ०<br>७<br>१ | ०<br>३<br>३१ | ०<br>१०<br>४५ |
| ०<br>२३<br>५१ | ०<br>२<br>२८ | ०<br>०<br>० | ०<br>८<br>२ | ०<br>०<br>० | ३३<br>७<br>० | ०<br>०<br>० | मं. | ०<br>३<br>१५ | ०<br>३<br>७ | ०<br>०<br>० | ०<br>२४<br>२७ | ०<br>०<br>० | ०<br>११<br>३३ | ०<br>०<br>० |
| ०<br>०<br>० | ०<br>३<br>२८ | ०<br>२<br>२७ | ०<br>०<br>० | ०<br>२४<br>४२ | ०<br>०<br>० | ०<br>११<br>५१ | बु. | ०<br>०<br>० | ०<br>४<br>२२ | ०<br>४<br>३१ | ०<br>०<br>० | ०<br>८<br>१७ | ०<br>०<br>० | ०<br>२४<br>५६ |
| ०<br>३९<br>२१ | ०<br>५९<br>२६ | ०<br>०<br>० | ०<br>८<br>३८ | ०<br>०<br>० | ०<br>२०<br>४० | ०<br>४<br>१ | बृ. | ०<br>३<br>२६ | ०<br>३२<br>० | ०<br>०<br>० | ०<br>२६<br>३१ | ०<br>०<br>० | ०<br>१२<br>१२ | ०<br>८<br>२२ |
| ०<br>६<br>४३ | ०<br>०<br>० | ०<br>६<br>४२ | ०<br>०<br>० | ०<br>३९<br>५० | ०<br>०<br>० | ०<br>११<br>५५ | शु. | ०<br>०<br>३५ | ०<br>०<br>० | ०<br>४२<br>४६ | ०<br>०<br>० | ०<br>१३<br>२२ | ०<br>०<br>० | ०<br>३४<br>४७ |
| ०<br>०<br>२ | ०<br>२१<br>१६ | ०<br>१३<br>१२ | ०<br>७<br>७ | ०<br>३४<br>५१ | ०<br>२४<br>३ | ०<br>०<br>० | श. | ०<br>०<br>० | ०<br>२६<br>४६ | ०<br>२६<br>३ | ०<br>२२<br>६ | ०<br>११<br>४१ | ०<br>१४<br>१९ | ०<br>०<br>० |

## सप्तवर्गेशुभाशुभसाधनम् ।

स्वोच्चे रूपं त्रिकोणे चरणविरहिते स्वर्क्षगेऽर्द्धं त्रयोंशां-
शाश्चाधिपर्क्षे इष्टर्क्षयुजि च चरणः स्यात्समर्क्षेऽष्टमांशः ॥
भूपांशा वैरिगेहेऽप्यरिभयुजि रदांशश्च नीचे खमीशा-
दिष्टं गेहे तदूनैकमसदथ दलं षट्सु कार्यं तदैक्ये ॥ १४ ॥
पंक्त्योः सप्तसु कोष्ठयोः प्रथमयोरिष्टासदैक्ये कृताऽन्ते
स्थाप्ये भदलादिषट्सु च तदर्धं वर्गपानां पृथक् ॥
कृत्वोक्त्या सदसद्युती निजनिजे तान्निभ इष्टाशुभे
वर्गेट्तत्स्थखगौजयोः सदसतोर्घातात्पदघ्ने स्फुटे ॥ १५ ॥

अन्वयः--स्वोच्चे मूलत्रिकोणे स्वर्क्षादिगते ग्रहे रूपं पादोनं रूपार्द्धमित्यादि । गेहे गृहस्थाने ईशात्स्वामिन इष्टं स्यात् । तद्यथा । ग्रहो यस्मिन् गृहे वर्तते तत्स्वामी यदि स्वयं तदा रूपार्द्धं बलं, यद्यधिमित्रगृहे तदा त्रयोदशांशाः, मित्रगृहे चतुर्थांशः समगृहेऽष्टमांशः, शत्रुगृहे भूपांशः, अधिशत्रुगृहे दंतांशः, नीचे खं शून्यम्, एतदूनं रूपात्कष्टं गेहे गृहस्थानस्थयोरिष्टकष्टयोरर्द्धं होरादिषट्सु स्थाप्ये । एतदुक्तम् । सप्तस्थानस्थितानां शुभानामैक्यं शुभम् अशुभानामैक्यमशुभं स्यात् ॥ १४ ॥
पंक्त्योरिति । इष्टासदैक्ये चतुर्भक्ते पंक्त्योः स्थाप्ये एतदुक्तं भवति । प्रागानीतमिष्टैक्यं चतुर्भक्तं शुभपंक्त्योः स्थाप्यं कष्टैक्यं चतुर्थांशमशुभं पंक्तौ स्थाप्यं प्रथमयोर्गृहकोष्ठयोरित्यर्थः । भदलादिषट्सु होरादिषट्सु तदर्द्धं गृहस्थापितफलस्यार्द्धं स्थाप्यं, वर्गपानां गृहादिसप्तवर्गेशानां पृथक् प्रत्येकं निजनिजे स्वस्वे सदसद्युती शुभाशुभयोरैक्ये उक्त्येनेत्यनेन स्वोच्चेरूपमित्यादिना स्थापितयोरेवं

शुभाशुभयोरैक्ये कार्ये न चांतरं स्थापितयोरिति कृत्वा तन्निघ्न इष्टशुभे ताभ्यां निघ्ने कार्ये इष्टशुभे पंक्त्योः समसु कोष्ठयोः स्थापितफले अनया रीत्या आनीते ये इष्टाशुभे वर्गेट्तत्स्थखगौजसोः सदसतोर्घातात् पदघ्ने स्फुटे स्याताम् । वर्गेट् वर्गस्वामी, तत्स्थखगो वर्गस्थग्रहः, ओजसोः बलयोः तयोर्घातपदेन पूर्वफले गुणिते सति स्फुटे स्तः ॥ १५ ॥

भाषाः-गृहेश परमोच्चमें होय तो रूपबल १, त्रिकोणमें होय तो तीन चतुर्थांश ०।४५।०, स्वगृहमें हो तो अर्द्ध ० । ३० । ०, अधिमित्रके गृहमें होय तो तीन अष्टमांश ०।२२।३०, मित्रगृहमें चतुर्थांश ०।१५।०, समके गृहमें अष्टमांश ०।७।३०,शत्रुगृहमें षोडशांश०।३।४५, अधिशत्रुगृहमें द्वत्रांश ०।१।५२।३०, परमनीचमें होय तो शून्य० यह गृहस्थानमें शुभ जानना यह शुभ एक १ में हीन करनेसे अशुभ होता है. गृहस्थानमें यह शुभाशुभ होरादि षड्वर्गस्वामीपरसे गृहस्थानके फल प्रमाणसे जो फल आवे उसका अर्द्ध जानना अनंतर समवर्गोत्पन्न शुभका और अशुभकी ऐक्यता करना.

## उच्च मूलत्रिकोण व स्वगृहमेंसे तीनका वा दोका एक स्थानमें संभव होनेमे निर्णय ।

सिंह २० अंशतक सूर्यका त्रिकोण, अनंतर स्वगृह, वृषभ ३ अंशतक चन्द्रका उच्च, अनंतर मूलत्रिकोण, मेष १२ अंशतक भौमका त्रिकोण, अनंतर स्वगृह, कन्या १५ अंशतक बुधका उच्च, आगे ५ अंशतक मूल त्रिकोण, आगे स्वगृह, धनु १० अंशतक गुरुका त्रिकोण अनंतर स्वगृह, तुला १५ अंशतक शुक्रका त्रिकोण अनंतर स्वगृह, कुंभ २० अंशतक शनिका त्रिकोण अनंतर स्वगृह जानना । जब ग्रह उच्च किंवा नीच राशिका उच्चांशमें रहता है ग्रहका परमोच्च किंवा परमनीच जानना ।

भाषाः--दो सात सात कोष्ठककी शुभाशुभ पंक्ति लिखना अनंतर शुभ पंक्तिका प्रथम कहिये गृहकोष्ठकमें ग्रहोंके सप्तवर्गोत्पन्न शुभैक्यका चतुर्थांश लिखना और होरादि ६ कोष्ठकमें इस चतुर्थांशका अर्ध लिखना. और अशुभ पंक्तिके प्रथम कोष्ठकमें ग्रहका सप्तवर्गोत्पन्न अशुभैक्यका चतुर्थांश लिखना और होरादि षट् ६ कोष्ठकमें यह चतुर्थांश अर्ध लिखना अनंतर गृह होरादि सप्तवर्गस्वामीका जुदा जुदा किया जो सप्तवर्गोत्पन्न शुभैक्य उसको क्रमसे इस शुभपंक्तिमें लिखा जो गृहहोरादि सप्तवर्गफल है तिससे अलग अलग गुण देना तो मध्यम शुभ होता है. और गृहहोरादि सप्तवर्गस्वामीका पृथक् पृथक् किया जो सप्तवर्गोत्पन्न अशुभैक्य उसको क्रमसे अशुभपंक्तिमें लिखा जो गृह होरादिसप्तवर्गफल उससे पृथक् गुण देना तो मध्यम अशुभ होता है।

अनंतर जिस ग्रहका स्पष्ट शुभ साधन करना हो उस ग्रहके इष्टबलको उसी ग्रहके गृहहोरादि सप्तवर्गस्वामीके इष्टबलसे पृथक् पृथक् गुणके उनके वर्गमूलसे स्वस्ववर्गस्थ मध्यम शुभको गुणदेना तो ग्रहोंका स्पष्ट शुभ होता है और जिस ग्रहका स्पष्ट अशुभ साधन करना हो उस ग्रहके कष्टबलको उसी ग्रहके गृहहोरादि सप्तवर्गस्वामीके कष्टबलसे पृथक् पृथक् गुणके उनके वर्गमूलसे स्वस्ववर्गस्थ मध्यम अशुभको गुण देना तो ग्रहोंका स्पष्ट अशुभ होता है ॥ १५ ॥

उदाहरणः--सूर्य मंगलके गृहमें है इसवास्ते गृहस्वामी भौम सो समके गृहमें है इसवास्ते सूर्यके गृहस्थानमें ०।७।३० शुभ, यह एकमें कम करके ०।५२। ३० यह अशुभ, होरास्वामी सूर्य यह समके गृहमें है इसवास्ते सूर्यके होरास्थानमें ०।७।३० शुभ, यह एकमें कम करके ०।५२।३० अशुभ, इनके अर्द्ध होरास्थानमें ०।३।४५ शुभ और ०।२६।१५ यह अशुभ, द्रेष्काणस्वामी - सूर्य यह समके गृहमें है इसवास्ते सूर्यके द्रेष्काणस्थानमें ०।७।३० शुभ यह एकमें कम करके ०।५२।३० अशुभ, इनके अर्ध

द्रेष्काणस्थानमें ०।३।४५ शुभ और ०।२६।१५ अशुभ, सप्तमांशस्वामी चन्द्र यह शत्रुगृहमें है इसवास्ते सूर्यके सप्तमांशस्थानमें ०।३।४५ शुभ यह एकमें कम करके ०।५६।१५ अशुभ इनके अर्ध सप्तमांशस्थानमें ०।१।५२ शुभ, और ०।२८।७ अशुभ नवमांशस्वामी चन्द्र यह शत्रुगृहमें है इसवास्ते सूर्यके नवमांशस्थानमें ०।३।४५ शुभ, यह एकमें कम करके ०।५६।१५ अशुभ इनका अर्ध नवमांशस्थानमें ०।१।५२ शुभ और ०।२८।७ अशुभ द्वादशांशस्वामी बुध शत्रुगृहमें है इसवास्ते सूर्यके द्वादशांशस्थानमें ०।३।४५ शुभ यह एकमें कम करके ०।५६।१५ अशुभ इनका अर्ध द्वादशांशस्थानमें ०।१।५२ शुभ और ०।२८।७ अशुभ त्रिंशांशस्वामी गुरु अधिशत्रुके गृहमें है इसवास्ते सूर्यके त्रिंशांशस्थानमें ०।१।५२ शुभ, यह एकमें कम करके ०।५८।७ अशुभ, इनका अर्ध त्रिंशांशस्थानमें ०।०।५६ शुभ और ०।२९।३ अशुभ सूर्यके सप्तवर्ग शुभका ऐक्य ०।२१।३३॥ और सूर्यके सप्तवर्ग अशुभका ऐक्य ३।३८।२६ यह भया इसी प्रमाणसे चन्द्रादिक ग्रहोंका शुभाशुभ करके उनका ऐक्य करना ।

टिप्पणः—विंशतिरंशाः सिंहे त्रिकोणमपरे स्वभवनमर्कस्य । उच्चं भागत्रितयं वृष इन्दोः स्यात्त्रिकोणमपरेंशाः ॥ द्वादश भागा मेषे त्रिकोणमपरे स्वभं तु भौमस्य । उच्चमथो कन्यायां बुधस्य तुंगांशकैः सदा चिंत्यम् ॥ परतस्त्रिकोणजातं पंचभिरंशैस्स्वराशिजं परतः । दशभिर्भागैर्जीवस्य त्रिकोणं धनुषि तत्परं स्वगृहम् ॥ शुक्रस्य च तिथयोंशास्त्रिकोणमपरं स्वभं तुलायां तु । कुंभे त्रिकोणस्वगृहे रविजस्य रवेर्यथा सिंहे ॥

टिप्पणः—ग्रह परम उच्चमें किंवा परम नीचेमें वा मूलत्रिकोणमें प्राप्त होय तो मित्रादिज फल न लेना, वह उच्च किंवा नीच वा मूलत्रिकोण इसीका फल लेना ।

सप्तवर्गअशुभचक्रमिदम् ।

| ग्रहाः | सू | च | म | बु | बृ | शु | श | ग्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृह | ०<br>३२<br>३० | ०<br>३७<br>३० | ०<br>५२<br>३० | ०<br>५८<br>७॥ | ०<br>५६<br>१५ | ०<br>३७<br>३० | ०<br>५६<br>१५ | गृह |
| होरा | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>२८<br>७॥ | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>२८<br>७॥ | ०<br>२८<br>७॥ | ०<br>२६<br>१५ | होरा |
| द्रेष्काण | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>१८<br>४५ | ०<br>२१<br>३॥। | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>२८<br>७॥ | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>२६<br>१५ | द्रेष्का. |
| सप्तमांश | ०<br>२८<br>७॥ | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>१८<br>४५ | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>२८<br>७॥ | सप्त. |
| नवमांश | ०<br>२८<br>७॥ | ०<br>१८<br>४५ | ०<br>२८<br>७॥ | ०<br>१८<br>४५ | ०<br>२१<br>३॥। | ०<br>२८<br>७॥ | ०<br>१८<br>४५ | नवमां |
| द्वादशांश | ०<br>२८<br>७॥ | ०<br>२१<br>३॥। | ०<br>२१<br>३॥। | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>२१<br>३॥। | ०<br>२१<br>३॥। | ०<br>२६<br>१५ | द्वाद. |
| त्रिंशांश | ०<br>२१<br>३॥। | ०<br>२८<br>७॥ | ०<br>२१<br>३॥। | ०<br>१८<br>४५ | ०<br>२८<br>७॥ | ०<br>२६<br>१५ | ०<br>२६<br>१५ | त्रिंशा. |
| ऐक्य | ३<br>३८<br>२६। | ३<br>६<br>३३॥ | ३<br>४०<br>१८॥। | ३<br>१३<br>७॥ | ३<br>४५ | ३<br>२१<br>३३॥। | ३<br>२८<br>७॥ | ऐक्य |

उदाहरण—सूर्यका शुभैक्य ०।२१।३३ इसको ४ से भाग देके ०।५।२३ यह सूर्यके शुभपंक्तिके गृहकोष्ठकमें लिखना और इसका अर्ध ०।२।४१ यह शुभपंक्तिके होरादि ६ कोष्ठकमें लिखना।

सूर्यका अशुभैक्य ३।३८।२६ इसको ४ से भाग देके ०।५४।३६ यह सूर्यके अशुभपंक्तिके गृहकोष्ठकमें लिखना और इसका अर्ध ०।२७।१८ यह अशुभपंक्तिके होरादि ६ कोष्ठकमें लिखना इसी प्रमाण चन्द्रादिकोंकाभी जानना।

शुभपंक्तिचक्रम् । अशुभपंक्तिचक्रम् ।

| ग्र | सू | च | म | बु | बृ | शु | श | ग्र | सू | च | म | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृ | ०।५।२३ | ०।१३।२१ | ०।४।५५ | ०।११।४३ | ०।३।४२ | ०।९।३६ | ०।७।५८ | गृ | ०।५४।३६ | ०।४६।३८ | ०।५२।४ | ०।४८।१७ | ०।५६।१५ | ०।५०।२४ | ०।५६।२ |
| हो | ०।२।४१ | ०।६।४० | ०।२।२७ | ०।५।५१ | ०।१।५२ | ०।४।४८ | ०।३।५१ | हो | ०।२७।१८ | ०।२३।१९ | ०।२७।३२ | ०।२४।८ | ०।२८।७ | ०।२५।१२ | ०।२६।१ |
| द्रे | ०।२।४१ | ०।६।४० | ०।२।२७ | ०।५।५१ | ०।१।५२ | ०।४।४८ | ०।३।५१ | द्रे | ०।२७।१८ | ०।२३।१९ | ०।२७।३२ | ०।२४।८ | ०।२८।७ | ०।२५।१२ | ०।२६।१ |
| स | ०।२।४१ | ०।६।४० | ०।२।२७ | ०।५।५१ | ०।१।५२ | ०।४।४८ | ०।३।५१ | स | ०।२७।१८ | ०।२३।१९ | ०।२७।३२ | ०।२४।८ | ०।२८।७ | ०।२५।१२ | ०।२६।१ |
| न | ०।२।४१ | ०।६।४० | ०।२।२७ | ०।५।५१ | ०।१।५२ | ०।४।४८ | ०।३।५१ | न | ०।२७।१८ | ०।२३।१९ | ०।२७।३२ | ०।२४।८ | ०।२८।७ | ०।२५।१२ | ०।२६।१ |
| द्वा | ०।२।४१ | ०।६।४० | ०।२।२७ | ०।५।५१ | ०।१।५२ | ०।४।४८ | ०।३।५१ | द्वा | ०।२७।१८ | ०।२३।१९ | ०।२७।३२ | ०।२४।८ | ०।२८।७ | ०।२५।१२ | ०।२६।१ |
| त्रिं | ०।२।४१ | ०।६।४० | ०।२।२७ | ०।५।५१ | ०।१।५२ | ०।४।४८ | ०।३।५१ | त्रिं | ०।२७।१८ | ०।२३।१९ | ०।२७।३२ | ०।२४।८ | ०।२८।७ | ०।२५।१५ | ०।२६।१ |

उदाहरणः–सूर्य मेषका है इसवास्ते गृहेश मंगल है इसका शुभैक्य ०। १९।४१ इसको सूर्यके शुभपंक्तिमेंका गृहफल०।५।२३ इससे गुणके ०।१। ४६ यह सूर्यका गृहमध्यमशुभ, गृहेश मंगल इसका अशुभैक्य ३।४०।१८ इसको सूर्यके अशुभपंक्तिमेंका गृहफल ०।५४।३६ से गुणके ३।२०।२८ यह सूर्यका गृहमध्यम अशुभ, इसी रीतिसे होरादिकोंका मध्यम शुभाशुभ करना और चन्द्रादिकोंका भी गृहादि मध्यम शुभाशुभ करना ।

मध्यमशुभचक्रम् ।　　　　मध्यमाऽशुभचक्रम् ।

| ग्र. | सू. | चं. | म | बु | बृ. | शु | श | ग्र. | सू | चं | म | बु | बृ. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृ. | ०।१।५६ | ०।७।९ | ०।१।४६ | ०।२।५६ | ०।२।५६ | ०।५।६ | १।६।१३ | गृ | ३।२०।२८ | ३।९।२३ | ३।२०।२८ | ३।१।४ | ३।१।४ | ३।५४।५८ | २।४७।२८ |
| हो. | ०।०।५८ | ०।५।५६ | ०।०।५३ | ०।२।६ | ०।१।४० | ०।४।१६ | ०।१।२६ | हो | १।३०।२३ | १।१०।३० | १।४०।१४ | १।२७।५२ | १।२७।२६ | १।१८।७३ | १।३४।४३ |
| द्रे | ०।०।५८ | ०।३।३२ | ०।०।३७ | ०।१।५५ | ०।१।२७ | ०।३।४ | ०।२।३३ | द्रे | १।३२।२३ | १।३४।४१ | १।४३।१० | १।२८।३५ | १।३०।३० | १।२४।३० | १।२७।१३ |
| स. | ०।२।२३ | ०।२।२४ | ०।१।३४ | ०।३।६ | ०।०।३७ | ०।१।४४ | ०।३।७ | स | १।२४।५३ | १।२४।५३ | १।३०।२१ | १।१३।४२ | १।४३।१६ | १।३१।४४ | १।२३।४४ |
| न | ०।२।२३ | ०।३।२२ | ०।२।११ | ०।३।६ | ०।०।२८ | ०।३।४५ | ०।२।७ | न | १।२४।५३ | १।२०।५२ | १।२५।३६ | १।२२।४२ | १।४२।२६ | १।२१।६ | १।३०।१४ |
| द्वा. | ०।२।६ | ०।१।४० | ०।०।३७ | ०।१।५५ | ०।०।२८ | ०।१।१२ | ०।१।१८ | द्वा | १।२७।५२ | १।७।२६ | १।४३।१५ | १।१८।३७ | १।४२।२६ | १।३४।३० | १।३४।३१ |
| त्रिं | ०।०।४० | ०।५।१२ | ०।०।३७ | ०।३।७ | ०।१।२७ | ०।३।४ | ०।१।१८ | त्रिं. | १।४२।५५ | १।१५।३ | १।४३।१५ | १।०३।४० | १।३०।३ | १।०४।१० | १।३५।३१ |

सूर्यका स्पष्ट शुभ साधन करना इसवास्ते सूर्यका इष्टबल ६।३१।०।५३ इसको सूर्य मेषका है इसवास्ते गृहेश भौमका इष्टबल १।१४।० इससे गुणके ८।२।१६ इसका वर्गमूल २।५०।६ इसको सूर्यका मध्यम गृहशुभ ०।१।४६ से गुणके ०।५।० यह सूर्यका स्पष्ट गृहशुभ भया इसी रीतिसे सूर्यके होरादिकोंका स्पष्ट शुभ और सूर्यका गृहादि स्पष्ट अशुभ और चंद्रादिकोंका स्पष्ट शुभ और अशुभ करना ॥ १४ ॥ १५ ॥

वर्गेशग्रहेशेष्टबलगुणनचक्रम्। वर्गेशग्रहेशकष्टबलगुणनचक्रम्।

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] | [illegible] |
| | १४ | ३२ | ३७ | १८ | ० | २१ | ५० | | २२ | ४२ | १ | १२ | ४० | ३५ | २० |
| स | २०<br>५५<br>१० | २०<br>४५<br>१० | ३<br>४५<br>४४ | १<br>३८<br>४५ | ६<br>५१<br>३७ | ११<br>५२<br>४१ | १<br>३८<br>४१ | ग | २<br>१६<br>३५ | २<br>१६<br>३५ | ४<br>१२<br>५० | १०<br>३७<br>४२ | ४<br>३२<br>९ | १<br>१<br>३५ | १०<br>३७<br>४२ |
| म | २०<br>४५<br>१० | ६<br>१३<br>३० | ३<br>२५<br>३१ | १<br>३८<br>४५ | ३०<br>५६<br>२२ | २<br>३४<br>६ | ३<br>४१<br>११ | म | २<br>१६<br>३५ | १६<br>१७<br>४२ | १<br>२२<br>५१ | १०<br>३७<br>४० | ३<br>२८<br>५६ | ४<br>४२<br>२६ | १६<br>३२<br>० |
| द्वा. | ५<br>२९<br>१३ | १७<br>४२<br>४८ | ६<br>५१<br>३७ | १<br>२<br>१८ | ३०<br>५६<br>२९ | १६<br>५८<br>७ | २<br>२४<br>४० | द्वा। | १<br>१९<br>७ | ७<br>२८<br>४२ | ४<br>२२<br>९ | ६<br>७<br>१२ | ३<br>२८<br>५६ | ३<br>२१<br>३८ | ९<br>३१<br>१३ |
| त्रि. | ३६<br>१५<br>२ | २<br>४०<br>४२ | ६<br>२१<br>३७ | १<br>३८<br>४५ | ४<br>४१<br>० | १<br>१८<br>२१ | २<br>२४<br>४० | त्रि | १<br>३<br>३६ | १७<br>२८<br>३० | ४<br>२०<br>९ | १०<br>३७<br>४२ | ४<br>५०<br>४० | २<br>१५<br>३५ | १<br>३१<br>१३ |

वर्गेशग्रहेशेष्टबलगुणनपदचक्रम् ।

| ग्र | सू | च | म | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृ | २<br>५०<br>६ | २<br>२९<br>४२ | २<br>५०<br>६ | २<br>९<br>५० | २<br>९<br>५० | २<br>२६<br>३१ | १<br>१६<br>५८ |
| हो | ६<br>३१<br>१ | ३<br>११<br>५ | २<br>५०<br>६ | २<br>२०<br>३१ | ४<br>१२<br>२८ | ३<br>७<br>१ | ३<br>३४<br>९ |
| द्रे. | ६<br>३१<br>१ | २<br>२९<br>४२ | २<br>३७<br>९ | १<br>१<br>९ | २<br>९<br>५० | ३<br>३<br>३ | ०<br>२६<br>३१ |
| ७ स | ४<br>३३<br>११ | ४<br>३३<br>११ | १<br>५६<br>२२ | १<br>१६<br>५८ | २<br>३७<br>९ | ४<br>२७<br>३० | १<br>१६<br>५८ |
| न | ४<br>३३<br>११ | ०<br>२९<br>४२ | १<br>५८<br>५४ | १<br>१६<br>५८ | ५<br>३३<br>४५ | १<br>३६<br>९ | १<br>५७<br>१८ |
| द्वा | २<br>२०<br>३१ | ४<br>१०<br>२८ | २<br>३७<br>९ | १<br>१<br>९ | ५<br>३३<br>४५ | ४<br>७<br>९ | १<br>३३<br>१० |
| त्रिं | ६<br>१<br>१६ | १<br>३८<br>१७ | २<br>३७<br>९ | १<br>१६<br>५८ | २<br>९<br>५० | ३<br>३<br>३ | १<br>३३<br>१० |

वर्गेशग्रहेशपष्टबलगुणनपदचक्रम् ।

| ग्र | सू | च | म | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृ | १<br>९<br>११ | ४<br>२<br>१२ | १<br>९<br>११ | २<br>१२<br>३१ | २<br>१२<br>३१ | २<br>४०<br>२१ | ३<br>१५<br>४० |
| हो | ०<br>३४<br>५ | ४<br>०<br>२७ | १<br>९<br>११ | १<br>१३<br>८ | २<br>४४<br>५ | २<br>४१<br>११ | १<br>३१<br>११ |
| द्रे | ०<br>३४<br>५ | ४<br>२<br>१२ | २<br>५<br>२५ | ०<br>२८<br>२७ | २<br>१२<br>३१ | २<br>४०<br>२१ | २<br>४३<br>२१ |
| ७ स | १<br>३०<br>३७ | १<br>३०<br>३७ | २<br>३<br>१२ | ३<br>१५<br>४० | २<br>५<br>२० | १<br>०<br>४१ | ३<br>१५<br>४० |
| न | १<br>३०<br>३७ | ४<br>२<br>१० | ३<br>३<br>४८ | ३<br>१५<br>४० | १<br>५१<br>५७ | ०<br>१०<br>११ | ०<br>३<br>५१ |
| द्वा | १<br>१३<br>८ | २<br>४४<br>५ | २<br>५<br>२५ | २<br>२८<br>२७ | १<br>५१<br>५७ | १<br>४३<br>५८ | ३<br>५<br>८ |
| त्रिं | १<br>१३<br>२ | ३<br>१४<br>११ | २<br>५<br>२० | ३<br>१५<br>४० | २<br>१२<br>३१ | २<br>४०<br>२१ | ३<br>५<br>८ |

स्पष्टशुभचक्रम् ।

| ग्र. | सू | च | म | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृ. | ० ५ ० | ० १७ ४० | ० ५ ० | ० ६ २१ | ० ६ २१ | ० १२ २७ | ० ७ ५८ |
| हो. | ० ६ १८ | ० १८ ५४ | ० २ ३१ | ० ४ ५५ | ० ७ १ | ० १३ १८ | ० ५ ७ |
| द्रे. | ० ६ १८ | ० ६ ४२ | ० ३१ ३७ | ० १ ५७ | ० ३ ८ | ० १ २१ | ० ६ १३ |
| स. | ० १० ५१ | ० १० २६ | ० ३ २ | ० ३ ५८ | ० १ ३७ | ० ७ ४४ | ० ४ ० |
| न. | ० १० ५१ | ० ८ ५२ | ० ४ ११ | ० ३ ५८ | ० २ ३६ | ० ६ १ | ० ४ ८ |
| द्वा. | ० ४ ५८ | ० ७ १ | ० १ ३७ | ० १ ३७ | ० २ ३६ | ० ४ ५६ | ० २ १ |
| त्रि. | ० ४ १ | ० ८ ३१ | ० १ ३७ | ० ३ ५८ | ० ३ ८ | ० १ २१ | ० २ १ |
| ऐ | ० ४८ ११ | १ १८ ५४ | ० १९ ४३ | ० २७ ५ | ० ३६ १५ | १ ३ ८ | ० ३१ २४ |

स्पष्टाशुभचक्रम् ।

| ग्र | सू | च | म | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृ | ३ २१ १ | १२ ४४ ४८ | ३ ५१ १ | ६ ३९ २४ | ६ ३१ २४ | ७ ५३ १६ | १ ६ ७ |
| हो | ० ५६ २७ | ४ ५० ३३ | १ ५५ ३४ | १ ४७ ६ | ३ ५९ ६ | ३ ३० ३४ | २ २३ ५७ |
| द्रे | ० ५६ २७ | ६ २२ १२ | ३ ३५ ४९ | ३ ३९ १५ | ३ १६ ५३ | ३ ४६ १३ | ३ ५६ २७ |
| सं | २ ८ ३६ | २ ८ १७ | ३ ९ ५४ | ४ ३२ ५७ | ३ ३५ ४१ | १ ३२ ४७ | ४ ३१ ४ |
| न | २ ८ १२ | ५ १६ २६ | ४ २२ १३ | ४ ३२ ५७ | ३ १६ ४३ | २ ५५ ५८ | ० ५ २१ |
| द्वा | १ ४७ ६ | ३ ५१ ६ | ३ ३५ ४१ | ३ ३९ १५ | ३ १६ ४३ | २ ५३ १२ | ४ २४ ४३ |
| पं | ३ १३ ३ | ४ २ ५३ | ३ ३५ ४१ | ४ ३२ ५७ | ३ १६ ५३ | ३ ४६ १३ | ४ ३१ ४३ |
| ऐ | १५ ० ३६ | ३१ १३ ५० | २४ ६ १७ | २९ ७ २१ | १७ २३ २ | २६ १८ २३ | २२ ५६ ० |

आगदीशेन रचिते केशवीग्रंथटिप्पणे ॥
इष्टकष्टाधिकारोऽयं पूर्णो ग्रंथप्रकाशकः ॥ ५ ॥

इतीष्टकष्टाध्यायः पञ्चमः ॥ ५ ॥

## अथायुर्दायाध्यायः ॥ ६ ॥

ग्रहोंका सर्व शुभाशुभ फल दशामें ही होता है और दशाविभाग आयुर्दा- विना मालूम होता नहीं, इसवास्ते आयुर्दायाध्याय आरंभ करते हैं आयुर्दाय दो प्रकारका है ग्रहयोगज और गणितागत, उसमें ग्रहयोगज- ायुर्दाय, परमायुर्दाय और अमितायुर्दाय ऐसा तीन प्रकारका है। गणि- त अंशोद्भव, पिण्डज, नैसर्गिक और जीवशर्मोदित ऐसा चार प्रकारका है। प्रथम योगजायुर्दायमेंसे अमितायुर्दायका उदाहरण कहते हैं।

कर्कोद्गीज्ययुतोदये बुधसितौ केन्द्रे त्र्यरीशेतरै-
रायुर्विद्ध्यमितं हि योगजमिवान्यत्रोच्यतेथोन्मितम् ।

अन्वयः—चन्द्रेज्ययुक्ते कर्किलग्ने यदि बुधशुक्रौ केन्द्रे एकत्र वा पृथक् ाम् इतरैः सूर्यभौममन्दैस्त्र्यरीशस्थानेषु तृतीयषडेकादशस्थानेष्विहास्मिन् ऽमितमायुर्विद्धि जानीहि अन्यत्र ग्रंथे योगजमायुर्विद्धि । अथास्मिन् ग्रंथे ागतोन्मितमायुरुच्यते ॥

भाषाः—कर्क लग्नमें जन्म होय उसमें चन्द्र और गुरु युक्त होयँ, बुध और केन्द्रमें होय और इतर ग्रह ( रवि, मंगल, शनि ) ३।६।११ स्थानमें इस प्रमाण सातों ग्रहोंका योग होय तो अमित आयुष्य जानना इस रसे योगजायुर्दायके भेद जातकशास्त्रमें कहे हैं यहाँ जातकपद्धतिमें तायुर्दाय मात्र कहा है।

अंशायुःसाधनार्थंचेष्टागुणक्रोच्चगुणकस्फुटगुणकसाधनम् ।

त्र्यपलपाश्चेत्किरणाः सरूपाकिरणाग्निश्चेत्त्रयोर्द्धा
विभू गोर्द्धं चेष्टिकतुंगसंभवगुणो तद्घातमूलं स्फुटः ॥१६॥

अन्वयः—यदि पूर्वोक्ताः चेष्टारश्मयः त्र्यपलपाश्चेत्तदा सैकचतुर्थांशः पः, चेत्त्रयोर्द्धास्तदा विभूः एकरहितार्द्धं कार्यं तदा चेष्टातुंगसंज्ञकौ गुणकौ ातस्य मूलं स्फुटो गुणः स्यात् ॥ १६ ॥

आश्रयगुणकचक्रम् ।

| सू | च | म. | बु. | बृ. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३ | ० | १ | ० | १ | २ | २ |
| ५६ | ४० | ११ | ४१ | ५४ | २७ | १३ |
| ५० | ३३ | ४० | १७ | १८ | ० | ३४ |

## कर्मयोग्यगुणकोदाहरण ।

सूर्यका आश्रय गुणक २।५६।४ और स्फुटगुणक २।२९।१ गुणाकार ७।१९।१९ इसका वर्गमूल २।४२।२१ यह सूर्यका कर्मयोग भया इसी रीतिसे चन्द्रादिकोंका कर्मयोग्य गुणक करना ।

कर्मयोग्यगुणकचक्रम् ।

| सू | च | म | बु | बृ | शु | श | ग्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २ | ० | १ | ० | २ | २ | १ | |
| ४७ | ५६ | ११ | ५० | २ | २ | ४९ | ० |
| २१ | १६ | ३५ | ३१ | २८ | ३ | ५३ | |

## आयुर्भागोदाहरण ।

सूर्य ०।१३।१०।४२ इसके अंश १३।१०।४२ इसको ४० व देके शेष१ ३।१०।४२ यह सूर्यका आयुर्भाग भया इसी रीतिसे चंद्रा आयुर्भाग करना तथा लग्नकाभी ॥ १८ ॥

आयुर्भागचक्रम् । हानिसंस्कृतायुर्भागचक्रम् ।

| सू | चं | म | बु | बृ | शु | श | सू | च | म | बु | बृ | शु | श | ल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १० | ३५ | ५ | ३१ | २० | ६ | २४ | १३ | २० | ११ | ३१ | ३८ | ६ | ३३ | २९ |
| ५६ | २७ | २४ | २० | १ | ५६ | ५४ | १० | २७ | ४ | २० | १० | ५६ | २१ | ४२ |
| ३० | ३५ | ३४ | २३ | ५ | ४ | ४८ | २२ | ३४ | १६ | २३ | १७ | ४ | ४९ | २६ |

## चक्रपातार्द्धहानिः ।

पञ्चाल्पे सति खेचरेन उदयेऽस्यांशोद्धृतैः खाग्निभि-
स्त्र्यकाल्पे सति खाग्निभाजितलवैः सौम्योनिते त्वर्धितैः

ऊना भूर्गुणएकभे द्विबहुषु त्वेकस्य वह्वोजसः
कार्यास्तद्गुणिताः स्वदायजलवाश्चक्रार्द्धहानिस्त्वियम् ॥ १९ ॥

अन्वयः–ग्रहोनोदये षड्भाल्पे सति, अस्यांशोद्धृतैः खाग्निभिः खेचरोन
एकाल्पे सति अस्यांशाः खाग्निभिर्भाजितलवैरूना भूरेको गुणः स्यात्
गुणकेन गुणिता स्वदायजलवा आयुर्भागा इयं चक्रार्द्धहानिर्भवेत् यद्येकभे
हुषु तदा वह्वोजस एकस्य ग्रहस्येयं चक्रार्द्धहानिः कार्या बलसाम्ये
कबलमपि ध्येयं सौम्योनितैस्त्वधिकैरित्यपि ध्येयम् ॥ १९ ॥

भाषा:–लग्नमेंसे ग्रह कम करके बाकी ६ राशिसे कमती रहतेही चक्रार्द्ध-
होती है. अनंतर षड्भाल्प ग्रहोनित लग्नकी पलसे ३० अंशकी पलको
देना जो भागाकार आवे सो एकमें कम करना तो गुण होता है परंतु
नित लग्न एकसे कमती होय तो ग्रहोनित लग्नके अंशको ३० अंशसे भाग
जो भागाकार आवे सो एकमें कम करना तो गुण होता है परंतु लग्नमेंसे
ग्रह कम करके पूर्वोक्त रीतिसे भाग देके जो भागाकार आवे उसका अर्ध
मेंसे कम करना तो गुणक होता है एक राशिमें दो किंवा दोसे अधिक
होय उसमें जो ग्रह बलिष्ट होय उसका मात्र गुण करना अनंतर इस गुणकसे
ीय आयुर्भागको गुणना कहिये रविके गुणकसे रविके आयुर्भागको
ना इसी प्रमाण यहां गुणकरके चक्रार्द्धहानि कथित किया है ॥ १९ ॥

उदाहरणम्:–यहां रवि, भौम, गुरु, शनि इन्होंका चक्रार्धहानि संभव
इसवास्ते लग्न ६।९।४२।२६ यह इसमें सूर्य ०।१३।१०।४२ कम
के ५।२६।३१।४४ इसकी पल ६३५५०४ इसमें ३० अंशकी १०।
०० इसमें भाग दिया तो ०।१०।११ यह एकमें कम करके ०।४९।४९
सूर्यका गुणक, इससे सूर्यका आयुर्भाग १३।१०।४२ यह गुणके १०।
।३० यह सूर्यका हानि संस्कृत आयुर्भाग भया इसी प्रमाणसे भौमका
क ०।२९।१९ गुरुका ०।३२।२६, शनिका ०।४४।३२ इन गुणकोंसे
ंके आयुर्भागको गुणा तो भौमका ५।२४।३४, गुरुका २०।११५,

शनिका २४।४५।४४, यह हानिसंस्कृत इनोंका आयुर्भाग भया इसी णसे जिसका संभव होय उसका आयुर्भाग करना यहां जो ३० अंशकी १०८००० का भाग दिया है यह पल सिद्ध है ॥ १९ ॥

वर्षाद्यंशायुर्दायानयनमाह ।

दायांशोत्थकलाः स्वयोग्यगुणकघ्नाः खाभ्रनेत्रोद्धृता
अंशायुर्द्युसदां समादि तु तनोर्दायांशकाद्ध्याहताः ॥
दिग्भक्ता हि समादि चेत्तु बलवल्लग्नं तदा लग्नभे-
स्तुल्याब्दैः सहितं द्विनिघ्नशरहृद्भागादितो मासयुक् ॥ २०

अन्वयः—चक्रार्धहानिकृतानां दायांशानां कलाः कार्याः स्वयोग्यगुण गुण्या द्विशत्या भक्ता फलं वर्षाद्यमंशायुर्भवति । एतदुक्तं भवति दायांशक शतद्वयेन भक्ते फलं वर्ष, शेषमंशाद्यं द्वादशभिः संगुण्य तेनैव हरेण भक्ते मासः एवं त्रिंशता गुणिते भक्ते दिनानि षष्ट्या गुणिते भक्ते घट्यः पुनष्प गुणिते हरेण भक्ते फलं पलानि । लग्नस्य दायांशास्त्रिभि ३ र्गुण्या ... दशभिर्भक्ते वर्षादि लग्नायुर्भवेत् यदि बलवल्लग्नं षडधिकबलं तदा लग्नराशि तुल्यैर्वर्षैर्युक्तं कार्यम् अपि तु लग्नस्य भागाद्यं द्विगुणं तत्पंचभक्ते सति मा भवति तद्युक्तं तदा लग्नायुः स्पष्टं स्यात् अधिकबलत्वाभावे तु अल्पे हीनबल इत्य दिना ॥ २० ॥

भाषाः- पूर्वानीत केवल और हानिसंस्कृत आयुर्भागकी कला क उसको स्वकर्मयोग्यगुणकसे गुणके जो गुणाकार आवे उसको २०० से करके जो भागाकार आवे सो ग्रहोंकी वर्षादि अंशायु होता है लग्नके अ भागको ३ से गुणके गुणाकारको १० से भाग देके जो भागाकार आवे लग्नका वर्षादि अंशायु होता है और जो लग्नबलवत् कहिये ६ रूपकी अ अधिकबल होय तो लग्नराशितुल्य वर्ष पूर्वानीत लग्नायुमें युक्त करके उ लग्नके भागादिकोंको २ से गुणके ५ से भागके मासादि फल युक्त क तो लग्नायु होता है ॥ २० ॥

**स्पष्टग्रहाः ।**

| सू | च | मं | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ९ | [illegible] | ११ | ० | १० | ७ |
| १३ | ६ | १९ | २९ | [illegible] | २६ | १३ |
| १० | ३३ | ४ | २८ | २० | ५६ | २७ |
| ४० | ३६ | १६ | ५३ | ३० | ४ | ५० |

**उच्चचक्रम् ।**

| ग्र | सू | च | मं | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ० | १ | २ | ९ | ३ | ११ | ६ |
| | १० | ३ | २८ | १९ | ५ | १७ | २० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

**उच्च कम करके ।**

| सू | च | मं | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ८ | ६ | ६ | २ | १० | ७ |
| ३ | ३ | १३ | ९ | ३ | [illegible] | ३ |
| १० | [illegible] | ४ | १० | १० | ६ | ११ |
| ४० | ३६ | १६ | ०३ | ०० | [illegible] | ५० |

**षड्भाल्प १२ राशिमें कम करके ।**

| ग्र | सू | च | मं | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ११ | ८ | ६ | ६ | ९ | १० | ७ |
| | १६ | २ | १३ | ६ | १६ | २९ | ०३ |
| | ४९ | ०२ | ४ | १० | ४० | ५६ | २१ |
| | १० | १५ | १६ | ०३ | २३ | ७ | ५० |

**पिंडायुर्भागचक्रम् ।**

| ग्र | सू | च | म | बु. | बृ | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पि. | ३५६ | २४२ | १९३ | १८६ | २२६ | ३२१ | २३३ |
| अ. | ४१ | ०० | ४ | २० | ४० | ५६ | २१ |
| भा. | १८ | ३२ | १६ | ५३ | ३३ | ४ | ४१ |

**चक्रार्धहानिसंस्कृतपिंडायुर्भागचक्रम् ।**

| ग्र. | सू | च | म. | बु. | बृ. | शु. | श. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पि. | २१६ | २४२ | १४ | १८६ | १५५ | ३२१ | १७३ |
| अ. | १९ | २२ | २० | २० | २१ | ५६ | १२ |
| भा. | ४० | ३२ | १२ | ५३ | ९ | ४ | २४ |

यहां कोई ग्रह अस्तादि नहीं है और शत्रुराशिकाभी नहीं इस वास्ते संस्कार नहीं भया केवल चक्रार्द्धहानिका संस्कार है उसका उदाहरण कहते हैं।

सूर्यका चक्रार्द्धहानि ऋणक ०।४१।४१ इससे सूर्यके आयुरंश ३५६ ।४१।१८ इसको ऋणके २१६।१५।४० यह सूर्यका स्पष्ट आयुर्भाग भया।

भौमका चक्रार्द्धहानि गुणक ०।२९।१९ इससे भौमके आयुरंश ११३।४।१६ इसको गुणके ९४।२०।१२ यह भौमका आयुरंश भया।

गुरुका चक्रार्द्धहानि गुणक ०।३१।२६ इससे गुरुके आयुरंश २९६।४७।२३ इसको गुणके १५५।२९।५ यह गुरुका स्पष्ट आयुर्भाग भया।

शनिका चक्रार्द्धहानि गुणक ०।४४।३२ इससे शनिके आयुरंश २३३।२९।४५ इसको गुणके १७३।१२।२४ यह शनिका स्पष्ट आयुर्भाग भया बाकी ग्रहोंका पूर्वोक्त ही आयुर्भाग लेना ॥ २१ ॥

लग्ने पापग्रहे सति विशेषसंस्कारः।

दायांशा द्युसदां पृथक्तनुलवादिघ्नाः खषट्कद्युद्धृता
आप्योनास्तनुगे खले च यदि सद्दृष्टेऽर्धयाथोपरे ॥
निघ्नोग्रोदयभावजेन तनुगोग्रो चेद्बलिष्ठस्य तत्
साम्ये पुष्टफलेन नेति तनुपेऽस्मीन्नांशजेऽसौ क्रिया ॥ २२ ॥

अन्वयः—लग्ने पापे सति चक्रार्धहानिर्गुणिता ग्रहाणां दायांशाः पृथक् स्थाप्याः, लग्नस्य राशिं विहाय अंशादिभिर्गुण्या षट्चधिकशतत्रयेण भाज्याः आप्या लब्धफलेनांशादिना पृथक्स्था हीनाः कार्याः। पापग्रहास्तु रवितौपरा-नयः सौम्येक्षिते त्वर्धया, शुभग्रहदृष्टे लग्नस्थक्रूरखगे तदा लब्धफलस्यार्धं पात-येदायुपिंडादीत्यर्थः। अथापरेषां मतम् निघ्नोग्रोदयभावजेनेति केचिदेवं ब्रुवंति लग्नगे क्रूरे तदा पृथक्स्थाः आयुर्भागाः उग्रोदयभावजेन गुण्याः पूर्वहरेणाप्या ऊनाः कार्याः शुभदृष्टेऽर्धया उग्रोदयभावजं तु उग्रग्रहस्य पापग्रहस्य यो भाव-स्तस्यावरोहारोहफलेनेत्यर्थः। यदि लग्ने द्वित्राः क्रूरास्तदा बलिष्ठस्य भावजेन गुण्याः तत्साम्ये बलसाम्ये पुष्टफलेन अधिकावरोहारोहफलेन फलसाम्ये द्वया-दिगुणनं कार्यमिति भावः तदसत् एकदेशत्वात् अस्मिन् लग्ने क्रूरे लग्नाधीशे लग्नगे सति असौ हानिर्न कार्या अंशजे क्रूरलग्नगेऽसौ न कार्या ॥ २२ ॥

भाषाः—जो लग्नमें पापग्रह होय तो ग्रहका पिंडायुर्भाग पृथक् रखना उसको लग्नका राश्यंक छोडके भागादिकसे गुणके गुणाकारको ३६०

से भाग देके जो लब्धि आवे सो पृथक् रखना जो भाग उसमेंसे कम करना परंतु जो पापग्रह शुभग्रहकरके दृष्ट हो तो लब्धिका अर्ध पूर्वोक्त भागमें कम करना तो पिंडायुर्भाग होता है ।

दूसरे आचार्योंका मत यह है कि पृथक् रखना जो आयुर्भाग उसको लग्नस्थ पापग्रहका जो भाव उसका जो फल उससे गुण देना और ३६० से भाग देना लब्धि पूर्वस्थापित भागादिमें हीन करना तो पिण्डाद्यायुर्भाग होता है शुभग्रह देखता होय तो लब्धिका आधा घटाना और लग्नमें दो या तीन पापग्रह होंय तो जो बली होय उसीका भावफल लेना पापग्रह लग्नपति होकर लग्नमें होय तो यह क्रिया न करना ॥ २२ ॥

उदाहरण–यहां लग्नमें पापग्रह कोई नहीं इसवास्ते विशेष संस्कार नहीं भया ॥ २२ ॥

पूर्वोक्तहानिसंस्कृतपिण्डाद्यायुर्भागचक्रम् ।

| सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. | ल. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| २१६ | २४२ | ९४ | १८६ | १५५ | ३२१ | १७३ | |
| १९ | २२ | २० | २० | २९ | ५६ | १२ | |
| ५४० | ३५ | १२ | ५३ | ५ | ४ | २४ | |

इदानीं पिण्डनिसर्गजीवशर्मायुर्दायानयनमाह ।

गोऽब्जास्तत्त्वतिथिप्रभाकरतिथिस्वर्गा नखाः पैण्डजे
नैसर्गे नखभूद्विगोधृतिनखाः पञ्चाशदर्कोद्गुणाः ॥
दायांशाः स्वगुणैर्हता हि भगणांशाप्ताः समाद्यायुषी
स्वर्गाप्ताश्च समादि जैवमिभहृत्स्वांशे घटीपूर्वितम् ॥ २३ ॥

अन्वयः–गोऽब्जेति अर्कादिति अर्कमारभ्य पिण्डाद्यायुर्दाये गोऽब्जा इत्यारभ्य नखा इत्यन्तांका गुणकाः, नैसर्गे नखभूरित्यादयो गुणकाः ३, दायांशाः स्वगुणगुणा भगणांशे ३६० भाज्याः फलानि वर्षाद्यायुर्दाया भवन्ति । गोऽब्जा इत्यादिभिरंकैर्गुणिते पिंडायुः नखभूरित्यादिभिर्गुणिते निसर्गायुः स्यात् । दायांशाः स्वर्गाप्ता एकविंशत्या भाज्याः फलानि वर्षादि जीवशर्मायुः स्यात् पुनर्दायांशा घट्यादिभ्योऽष्टभक्त्यो यल्लब्धं घट्यादिकं तद्युक्तं घटी ॥ २३ ॥

भाषाः-१९।२५।१५।१२।१५।२१।२० यह क्रमसे सूर्यादि सात ग्रहोंके पिंडायुर्दायके गुणक और २०।१।२।९।१८।२०।५० यह क्रमसे रव्यादि सातग्रहोंके निसर्गायुर्दायके गुणक जानना ग्रहोंका आयुर्भाग स्व (अपना) गुणकसे गुणके गुणाकारको ३६० से भाग देना तो क्रमसे वर्षादि पिंडायु और निसर्गायु होता है पूर्वोक्त आयुर्भागको २१ से भाग देना जो वर्षादि फल आवेगा उसमें पूर्वोक्त आयुर्भागको ८ से भाग देके जो फल आवे सो वर्षोंमें युक्त करे तो जीवशर्मोक्त आयु होताहै यहां मासादिफल अंशायुर्दायमें कथितप्रमाण लेना ॥ २३ ॥

| पिण्डायुके गुणक । | | | | | | | निसर्गायुके गुणक । | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू. | चं. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. | सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. |
| १९ | २५ | १५ | १२ | १५ | २१ | २० | २० | १ | २ | ९ | १८ | २० | ५० |

## पिंडायुरुदाहरण ।

सूर्यका आयुर्भाग २९६।१५।४० इसको सूर्यका गुणक १९ इससे गुणके ५६२८।५७।४० इसको ३६०से भागके लब्धि १५ वर्ष शेष २२८।५७।४० इसको १२ से गुणके २७४७।३२ इसको ३६० से भाग देके लब्धि मास ७ शेष २२७।३२ इसको ३० से गुणके ६८२६ इसको ३६० से भागके लब्धि दिन १८ शेष ३४६ इसको ६० से गुणके २०७६० इसको ३६० से भागके लब्धि घटी ५७ शेष २४० इसको ६० से गुणके १४४०० इसको ३६० से भागके लब्धि पल ४० इसी प्रकारसे सूर्यके वर्षादि पिंडायु भये १५।७।१८।५७।४० इस प्रमाण चन्द्रादिकोंका करना ।

## निसर्गायुरुदाहरण ।

सूर्यका आयुर्भाग २९६।१५।४० इसको सूर्यका गुणक २० इससे गुणके ५९२५।१३।२० इसको ३६० से भागके लब्धि वर्ष १६ शेष १६५।१३।२० इसको १२ से गुणके १९८२।४० इसको ३६० से भागके लब्धि मास ५ शेष १८२।४० इसको ३० से गुणके ५४८० इसको

३६० से भागके लब्धि दिन १५ शेष ८० इसको ६० से गुणके ४८०० इसको ३६० से भागके लब्धि घटी १३ शेष १२० इसको ६० से गुणके ७२०० इसको ३६० से भागके लब्धि पल २० इसी रीतिसे सूर्यका वर्षादि निसर्गायु भया १६।५।१५।१३।२० इसी रीतिसे चंद्रादिकोंका करना ।

जीवायुरुदाहरणः—सूर्यका आयुर्भाग २९६।१५।४० इसको २१ से भागके लब्धि वर्ष १४ शेष २।१५।४० इसको १२ से गुणके २७।८ इसको २१ से भागके लब्धि मास १ शेष ६।८ इसको ३० से गुणके १८४ इसको २१ से भागके लब्धि दिन ८ शेष १६ इसको ६० से गुणके ९६० इसको २१ से भागके लब्धि घटी ४५ शेष १५ इसको ६० से गुणके ९०० इसको २१ से भागके लब्धि पल ४२ इसी रीतिसे सूर्यका वर्षादि जीवायु भया १४।१।८।४५।४२ इसके घटीमें सूर्यके आयुर्भाग २९६।१५।४० को ८ से भागके लब्धि ३७ शेष ०।१५।४० इसको ६० से गुणके १५।४० इसको ८ से भागके लब्धि २ यह युक्त करके सूर्यका वर्षादि स्पष्ट जीवायु भया १४।१।९।२२।४४ इसी रीतिसे चंद्रादिकोंका करना ॥ २३ ॥

पिण्डायुचक्रम् । | निसर्गायुचक्रम् ।

| सू | च | म | बु | बृ | शु | श | ल | सू | च | म | बु | बृ | शु | श |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १५ | १६ | ३ | ६ | ६ | ११ | ९ | २ | १६ | ० | ० | ४ | ७ | १८ | २४ |
| ७ | ९ | ११ | ० | ५ | ७ | ७ | १० | ५ | ८ | ६ | ७ | ९ | ३ | ० |
| १८ | २९ | ५ | १६ | २२ | २८ | १४ | १८ | १५ | २ | ८ | २७ | ८ | २८ | २० |
| ५७ | २४ | ३ | १० | १६ | ३६ | ८ | २२ | १३ | २२ | [illegible] | ७ | ३३ | ४१ | २० |
| ४० | ३५ | ० | ३६ | १८ | ४५ | ० | ४८ | २० | ३५ | ४५ | ४७ | ३० | २० | ० |

जीवायुचक्रम् ।

| सू. | चं. | मं. | बु | बृ. | शु. | श. | ल. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १४ | २१ | ४ | ८ | ७ | १५ | ८ | २ |
| १ | ६ | ५ | १० | ४ | ८ | २ | १० |
| ९ | १५ | २७ | १४ | २५ | १६ | २२ | २८ |
| २२ | ३१ | २३ | ५५ | २६ | ४० | ३७ | २२ |
| ४४ | ६२ | ५० | ३५ | ३० | [illegible] | ५ | ५८ |

पिण्डायुर्दायत्रये लग्नायुर्दायसाधनक्रम् ।

स्याल्लिप्ताः खनखोद्धृता विभतनोर्वर्षादिपैंडात्रिके
लग्नायुर्निखिलैस्तदंशकसमं कैश्चिद्भतुल्यं स्मृतम् ॥
यस्येशोऽधिबलस्तदेव हि परैस्तेनाढ्यमन्येर्यदं-
शायुर्वत्त्वथ चांशतुल्यमखिलोक्तं ग्राह्यमेवादिमम् ॥ २४ ॥

अन्वयः—विभतनोर्लिप्ता राशिं विहाय लग्नस्य, कलाः कार्याः द्विशत्या भाज्याः फलं वर्षादिपैंडनिसर्गजीवशर्मायुर्दायेषु स्यात् सर्वैराचार्यैस्तदंशक-सम नवमांशसमम् उक्तं लग्नभतुल्यं कैश्चिदायुरुक्तं लग्नेशनवमांशयोर्मध्ये यो बली तदेव ग्राह्यमित्यन्यो तेनाढ्यमिति स्याल्लिप्ता खनखोद्धृता इत्यादिनानीतं तत्र तेनाढ्यराशीशो बली तदा राशितुल्यवर्षनवमांशे बलवति तदा नवमांशतुल्यं वर्षम् आढ्यं कुत्र अंशायुर्वदानीते लग्नायुषि इत्यपरमतम् अथ निखिलोक्तम् अंशसममादिममेव ग्राह्यमिति यावत् ॥ २४ ॥

भाषाः—राशिको छोडके भागादि लग्नकी कला करके उसको २०० से भाग देना तो पिण्ड निसर्ग और जीवशर्मायुर्दायमें लग्नायु होती है यह अंशतुल्य अर्थात् लग्नभुक्तनवमांशतुल्य आयु सर्वाचार्य संमत है कोई आचार्य लग्नके राशितुल्य कहते हैं। लग्नपति अंशपतिमें जो बली होय तत्तुल्य (अर्थात्) लग्नपति बली होय तो लग्नके राशितुल्य आयु अंशपति बली होय तो अंश-तुल्य आयु यह कोई आचार्यका मत है । आयुर्दायमें कथितरीतिसे जो आयु आवे उसमें अंशपति बली होय तो अंशतुल्य, लग्नपति बली होय तो लग्नतुल्य वर्ष युक्त करना, यह परमत है। ऐसा पृथक् पृथक् सब आचार्योंने कहाहै तथापि प्रथम प्रकार जो है सोई सबका मत है। इसलिये उसीको मानना इति ॥ २४ ॥

उदाहरणः—राशिरहित भागादि लग्न१।४६।२६ इसकी कला ५८२।२६ इसको २०० से भागके २। १० । २८ । २२ । ४८ यह पिण्ड, निसर्ग, जीवायुर्दायके विषे लग्नायु जानना ॥ २४ ॥

चतुर्णामायुषां व्यवस्थामाह ।

अंशायुश्च तनाविनेऽधिककले पैण्डं निसर्गं विधौ
स्याच्चेत्तुल्यबलं द्वयोर्युतिदलं तज्जायुषोश्चेत्रयः ॥
आयूंषि त्रिबलैर्निहत्य च युतिर्वीर्यैक्यहृद्वा त्रिजा-
युर्युत्यास्त्रिलवोऽथ जैवमुदितं चेद्धीनवीर्यास्त्रयः ॥ २५ ॥

अन्वय.–अधिकबलायां तनावंशायुः, इने सूर्येऽधिकबले पिंडायुः, विधावधिकबले निसर्गायुः साध्यम् । यदा द्वौ सबलौ तदा तत्तदायुषो योगदलं मिश्रायुः स्यादिति गौणः, मुख्यस्तु तत्तदायुस्तत्तद्बलेन संगुण्य तयोर्योगं तयोर्बलैक्येन भजेत्तदा मिश्रायुः स्यादित्यर्थः । यदि लग्नार्कचन्द्रास्त्रयोऽपि तुल्यबलास्तदा लग्नबलेन दिनादिकमंशायुः संगुण्यः सूर्यबलेन पिंडायुः संगुण्य चन्द्रबलेन निसर्गायुः संगुण्य सर्वेषां योगं लग्नार्कचन्द्रबलयोगेन भजेत्फलं मिश्रायुः स्फुटं स्यात् । अथवा त्रयाणामायुषां योगस्य तृतीयांशो मिश्रायुः स्यात् । चेल्लग्नार्कचन्द्रास्त्रयोऽपि हीनबलास्तदा जीवशर्मायुः स्यादिति ॥ २५ ॥

भाषाः–लग्न बली होय तो अंशायु, सूर्य बली होय तो पिंडायु, चन्द्र बली होय तो निसर्गायु लेना, जो दो समबल कहिये पहूलाधिक बल होय तो उसीसे उत्पन्न आयुष्यका योगार्ध आयु होताहै. लग्न और सूर्य समबल होय तो अंशायु और पिंडायुका योगार्ध करना, लग्न और चंद्र समबल हो तो अंशायु और निसर्गायुका योगार्ध करना सूर्य और चन्द्र समबल होय तो पिंडायु और निसर्गायुका योगार्ध करना तो लग्न सूर्य और चन्द्र यह समबल होयँ तो तीनों आयुष्यको तीनोंके बलसे गुणके ऐक्य करके उसको तीनोंके बलैक्यसे भागके जो भागाकार आवे सो । अथवा तीनोंके आयुष्यके योगका तृतीयांश आयुष्य लेना वह मिश्रायु होता है, जो लग्न, सूर्य और चन्द्र यह तीनोंही हीनबल होयके रूपत्रयाल्प बल होय तो जीवशर्मोक्त आयु लेना ॥ २५ ॥

उदाहरणः—सूर्यका अंशायु ८।१०।१७।२९।२४ यह दिनादि करके ३१९७।२९।२४ इसको लग्नबल ७।२४।८।३० से गुणके २३६६८। ५८।३२ इसी प्रमाण चन्द्रादिकोंका अंशायु गुणना ।

रविका पिंडायु १५।७।१८।५७।४० यह दिनादि करके ५६२८।५७ ४० इसको रविबल ७।५१।५३।३० से गुणके ४४२७०।५९।५० यह भया, इसी प्रकार चन्द्रादिकोंका व सूर्यका निसर्गायु १६।५।१५।१३।२० यह दिनादिकरके ५९२५।१३।२० इसको चन्द्रबल ७।२०।४।३० से गुणके ४३४५९।२।१० इसी प्रकार चन्द्रादिकोंका निसर्गायु करना ।

रविका यह गुणित तीनों आयुर्दायका योग दिनादि १११२९९।०।३२ इसके पल ४०१०३६४३२ इसको लग्नबल ७।२४।८।३० रविबल ७।५१। ५३।३० चन्द्रबल ७।२०।४।३० इनका योग २२।३६।६ इसकी विकला ८१३६६ इससे भागके लब्धि दिनादि ४९२८।४७।४६ यह वर्षादि करके १३।८।८।४७।४६ यह सूर्यका मिश्रायु भया इसी रीतिसे चन्द्रादिकोंका मिश्रायु साधन करना । अथवा रविका अंशायु८।१०।१७।२९।२४,पिण्डायु १५।७।१८।५७।४० निसर्गायु १६।५।१५।१३।२० यह तीनों आयुर्दायका योग ४०।११।२१।४०।२४ इसका तृतीयांश १३।७।२७।१३। २८ यह रविका वर्षादि मिश्रायु भया, इसी रीतिसे चन्द्रादिकोंका करना॥ २५॥

अंशायुश्चक्रम् ।

| सू. | चं. | मं. | बु. | बृ. | शु. | श. | ल. | यो. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ८ | ९ | १ | ८ | ११ | ४ | १३ | १५ | ७२ | वर्ष |
| १० | ११ | ११ | २ | २ | २ | ४ | २ | ११ | मास |
| १७ | १२ | ७ | १३ | १ | २३ | ८ | २४ | १९ | दिन |
| २९ | ५५ | १९ | ५५ | १२ | २५ | ३४ | ५२ | ४४ | घटी |
| २४ | ४८ | १२ | १२ | ० | ४८ | ४८ | ० | १२ | पल |

## पिण्डायुश्चक्रम् ।

| सू | च | म | बु | बृ | शु | श. | ल. | यो. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १२ | १६ | ३ | ६ | ६ | ११ | ९ | २ | ८० | वर्ष |
| ७ | ९ | ११ | २ | ५ | २ | ७ | १० | १० | मास |
| १८ | २२ | ५ | १६ | २२ | २८ | १४ | २८ | १३ | दिन |
| ५७ | २४ | ३ | १० | १६ | ३७ | ८ | २२ | ० | घटी |
| ४० | ३५ | ० | २६ | १८ | २४ | ० | ४८ | २१ | पल |

## निसर्गायुश्चक्रम् ।

| सू | चं | मं | बु | बृ | शु | श. | ल | यो | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १६ | ० | ० | ४ | ७ | १८ | २५ | २ | ७५ | वर्ष |
| ५ | ८ | ६ | ७ | ९ | ३ | ० | १० | ४ | मास |
| १५ | २ | ८ | २७ | ८ | २८ | २० | २८ | १९ | दिन |
| १३ | २२ | ४० | ७ | ४३ | ४१ | २० | २२ | ३१ | घटी |
| २० | ३८ | २४ | ५७ | ३० | २० | ० | ४८ | ५४ | पल |

## अंशपिंडानिसर्गायुर्योगचक्रम् ।

| सू | चं. | म | बु | बृ | शु | श. | ल. | यो | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५० | २७ | ६ | १९ | २५ | ४१ | ४७ | २१ | २२१ | वर्ष |
| ११ | ५ | ४ | ० | ५ | १ | ० | ० | २ | मास |
| २१ | १४ | २१ | २७ | २ | २० | १३ | २१ | २२ | दिन |
| ५० | ५२ | २ | १३ | ११ | ४४ | २ | ३७ | १६ | घटी |
| २४ | ५८ | ३६ | ४५ | ४८ | ३२ | ४८ | ३६ | २७ | पल |

## योगतृतीयांशमिश्रायुश्चक्रम् ।

| सू | च | मं. | बु | बृ | शु | श | ल. | यो | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३ | ९ | २ | ६ | ८ | १३ | १५ | ७ | ७६ | वर्ष |
| [illegible] | [illegible] | १ | ४ | ५ | ११ | ८ | ० | ४ | मास |
| २५ | २४ | १७ | ९ | २० | ६ | ४ | ७ | २७ | दिन |
| १३ | ५८ | २ | ४ | ४३ | ५४ | २० | १२ | २५ | घटी |
| ५८ | १९ | ५२ | ३२ | ५६ | ५१ | ५६ | ३२ | २६ | पल |

इदानीं बलाबलज्ञानं तथेदमायुः केषां घटत इति वदति ।

त्र्यल्पे हीनबले बली षडधिके वीर्ये ग्रहश्चोदयो
भिन्नं स्वस्वमते स्मृतायुरिति तत्प्राज्ञैर्व्यवस्थापितम् ॥
अंशायुर्बहुसंमतं भवति तत्सत्यं च सत्योदितं
स्याद्धर्मिष्ठसुशीलपथ्यसुभुजां न स्यादिदं पापिनाम् ॥२६॥

अन्वयः—ग्रह उदयो लग्नं वा त्र्यल्पे सति हीनबलः, त्र्यधिके षड्भाल्पे मध्यबलः, षडधिके बली स्यादिति प्राज्ञैः श्रीपत्यादिभिर्व्यवस्थापितं व्यवस्था कृता निर्णीतमिति यावत् । अंशायुश्च तनादिनेत्यादिना भिन्नमिति स्वस्वमते चतुर्विधमायुः स्मृतमुक्तम् अंशायुर्बहुसंमतं बहूनामाचार्याणां संमतं भवति, सत्यं च, तदेव सत्योदितं स्यात् बहुसाम्यं समुपैति सत्यवाक्यम् । इदमायुर्धर्मिष्ठानां सुशीलवतां पथ्यसुभुजां पथ्यहितं यद्भोजनं तत्सेवनं येषां भवति तेषां स्यात् गणितागतमायुः न पापिनां स्यात् ॥ २६ ॥

भाषाः—ग्रह या लग्नका षड्बलैक्य ३ से कम होय तो हीनबल होते हैं । ३ से अधिक होय तो मध्यबल और ६ से अधिक होय तो बली होता है । सब आचार्योंने पृथक् ६ आयु कहा है । लग्न बली होय तो अंशायु, सूर्य बली होय तो पिण्डायु इत्यादि कहा है । ऐसा है तथापि सत्याचार्यका मत अंशायुपर है । बहुत आचार्योंकाभी मत है और जो धर्मिष्ठ, सुशील, पथ्यभोजी हैं उन्हींकी आयु मिलती है, पापियोंकी नहीं और पथ्यापथ्यसे रहित जो हैं वह अकालमें भी मरते हैं ॥ २६ ॥

शिष्यसंदेहनिवारणमाह ।

हानिर्यास्तमितेऽरिभेऽप्यनुमताशीत्येऽल्पबुद्ध्या न तद्य-
स्माच्चेष्टिक आश्रयेऽस्ति निखिलैः पैण्डादिपूक्ता ततः ॥
आयुः सौरमिदं यतोऽब्दगणना सौराततः सूरिभिः
प्रोक्तं सत्यमसत्यदल्पकमिति नाक्षनके साधनम् ॥ २७ ॥

अन्वयः—या अस्तमितेऽर्द्धहानिः शत्रुभे त्र्यंशहानिः सा तु पैण्डादित्रिष्वायुर्दाये उक्ता, केनचिदाचार्येणांशायुर्दाये कृता सात्वल्पबुद्ध्या हेतुभूतया अल्पा चासौ बुद्धिश्चाल्पबुद्धिस्तयाल्पबुद्ध्याऽसत् यस्मात्कारणादस्तम् इते हानिश्चेष्टिके चेष्टागुणके यतोऽस्तं गतस्य चेष्टागुणके रूपार्द्धमेव हानिः, अरिगृहे त्र्यंशहानिरुक्तास्तीति भावः । आयुः सौरमितमेव ग्राह्यं यतोऽब्दगणनां सौरात् उक्तं च 'वर्षायनर्तुयुगपूर्वकमत्र सौरान्मासास्तथा च तिथयस्तुहिनांशुमानात्॥ यत्कृच्छ्रसूतकचिकित्सितवासराद्यं तत्सावनाच्च घटिकादिकमार्क्षमानात् ॥' ततः सूरिभिः सत्यं प्रोक्तम् अल्पकथितं नाक्षत्रकं सावनमिति केचिदल्पज्ञेन नाक्षत्रसावनेनायुः कथितं तदसदिति शम् ॥ २७ ॥

भाषाः—पिण्डादि आयुर्दायमें अस्तंगत ग्रह होय तो अर्ध हानि और शत्रु गृहमें होय तो त्र्यंश हानि जो सब आचार्योंने कहा है उसको अनुमानसे कोई अल्पबुद्धिसे अंशायुर्दायमें करेंगे तो वह करना नहीं, कारण अर्ध हानि चेष्टा गुणकमें और त्र्यंश हानि आश्रय गुणकमें है, वर्षगणना सौरसे है इसवास्ते विद्वान्से यह आयुर्दाय सौर मानसे कथित है और वही सत्य है, नाक्षत्र किंवा सावन मान लेना ऐसा जो कोई कहते हैं सो असत्य जानना क्योंकि बहुमतसे विरोध है सो ठीक नहीं है ॥ २७ ॥

## इदानीं मनुष्यपरमायुरन्यप्राणिनां परमायुः-
## कथनपूर्वकमायुर्दायानयनमाह ।

पंचाहं नखभूसमा नृकरिणां व्याघ्राद्यजादेर्नृपाः
गोकाल्योश्च जिनास्तयोष्ट्रखरयोस्तत्त्वानि सूर्या शुनाम् ॥
अश्वायुः परमं रदा नृवदिहानीयायुरेषां परा-
युर्निघ्नं नृपरायुषा च विहृतं तेषां स्फुटायुर्भवेत् ॥ २८ ॥

अन्वयः—पंचदिनाधिकनखभूवर्षाणि १२०।०।५ नृकरिणां परमायुः स्यात् । व्याघ्राद्यजादेर्नृपाः १६, गोकाल्योर्गोमहिष्योर्जिनाश्चतुर्विंशति २४

मितापरमायुः, हीति निश्चयार्थबोधकः । तथोष्ट्रखरयोस्तत्त्वानि पंचविंशति २५ वर्षाणि परमायुः, शुनां कुक्कुराणां द्वादशवर्षाणि परमायुः स्यात् अश्वानां सदा द्वात्रिंशत् ३२, एषां नृवत् मनुष्यवदायुरानीय स्वस्वपरमायुर्दायवर्षैः संगुण्य नृपरायुषा भजेत्तदा तेषां स्फुटायुर्भवेत् इति आयुर्दायाध्यायः पंचमः॥ २८ ॥

भाषाः—मनुष्य और हाथी इनका परमायु १२० वर्ष ५ दिन, व्याघ्रादि और अजादि इनका १६ वर्ष,गौ भैंस इनका २४ वर्ष,ऊँट और गर्दभ इनका २५ वर्ष, कुत्तेका १२ वर्ष, घोडेका ३२ वर्ष यह प्राणीका मनुष्यके प्रमाण आयुर्दाय बनायके उसको स्वस्वपरमायुसे गुणके गुणाकारको मनुष्यके परमायु १२० वर्ष ५ दिनसे भाग देना तो इस २ प्राणीका स्पष्टायु होता है इति ॥२८॥

जगदीशेन रचिते केशवीग्रंथटिप्पणे ॥
पूर्णोऽयमायुरध्यायो भाषार्थस्य प्रकाशकः ॥ ६ ॥
इत्यायुर्दायाध्यायः षष्ठः ॥ ६ ॥

---

## अथ दशाऽध्यायः ॥ ७ ॥

यस्यायुर्यदसौ दशास्य च शुभेष्टोच्चस्वभांशे तथा-
रोहा नीचपरिच्युतस्य यदि सा कष्टारिनीचांशभे ॥
त्यक्तोच्चे त्ववरोहिणी भवति सा मध्योच्चमित्रस्वभांशे
सद्दृष्युतः स्फुरत्करवलिष्ठेऽष्टाधिके स्याच्छुभा ॥ २९ ॥

अन्वयः—यस्य ग्रहस्य लग्नस्य वा यदायुस्तावत्स्य ग्रहस्य दशा स्यात्, इष्टोच्चस्वभांशे वर्त्तमानस्य शुभा, इष्टस्य मित्रस्य भेंऽशे वा उच्चगृहे उच्चांशे वा स्वभे स्वांशे वा स्थितस्य ग्रहस्य दशा शुभा स्यात् । तथा नीचपरिच्युतस्य ग्रहस्य दशाऽऽरोहा शुभा स्यात् यदि नीचपरिच्युतग्रहोऽरिभांशे अरेः शत्रोर्नीचस्य वा भांशे तदा तस्य दशा कष्टदा नेष्टफलदा । त्यक्तोच्चे ग्रहे तदशाऽवरोहिणी अशुभा अशुभफलदा, यदि त्यक्तोच्चग्रह उच्चमित्रस्वभांशे स्थितस्तदा तस्य दशाऽशुभाऽपि मध्या स्यात् । सद्दृष्युतस्फुरत्करबलिष्ठेष्टाधिके ग्रहे सति तस्य

दशा शुभा स्यात् । शुभग्रहैर्दृष्टो युतश्च स्फुरत्करा रश्मियो यस्य स स्फुरत्करः बलिष्ठेऽधिकबले इष्टाधिके इष्टम् इष्टबलमाधिकं यस्य स इष्टबलः ॥ २९ ॥

भाषाः—ग्रहका जो आयुर्दाय वही उसकी दशा होती है. ग्रह मित्रगृहमें उच्चमें वा स्वगृहमें अथवा मित्रांशमें उच्चांशमें वा स्वांशमें होय तो उस ग्रहकी दशा शुभ होती है ऐसाही यदि ग्रह परमनीचको छोडकर आगे जाय तो दशा आरोहा शुभ होती है परंतु जो वह ग्रह शत्रुगृहमें वा नीचमें किंवा शत्रुके अंशमें वा नीचांशमें होय तो आरोहा दशा यह अशुभ होती है और ग्रह परम उच्च छोडके आगे जाय तो दशा अवरोहिणी अशुभ होती है परंतु ग्रह उच्चमें मित्रगृहमें वा स्वगृहमें अथवा उच्चांशमें मित्रांशमें वा स्वांशमें होय तो अवरोहिणी दशा यह मध्यम होती है ग्रह शुभदृष्ट शुभयुक्त, उदित, बलिष्ठ और इष्टाधिक कहिये पूर्वमें ले आये जो इष्ट सो अधिक होय तो दशा शुभ होती है॥२९॥

इदानीं दशाक्रममाह।

स्यादाद्या हि दशाऽधिकोजस इहार्केन्दूदयानां तत-
स्तत्केन्द्रादियुजामथ द्विबहवो वीर्यक्रमेणैव हि ॥
चेदोजस्समतायुषोऽधिकतयायुस्तुल्यता चेद्दशा-
मौढ्यात्स्यादुदितक्रमात्क्रमविधौ वीर्यं हि तन्नोच्यते ॥ ३० ॥

अन्वयः—अर्केन्दूदयानां सूर्यचन्द्रलग्नानां मध्ये योऽधिकबलस्तस्याद्या दशा कल्प्या, ततस्तत्केन्द्रादियुजा तद्यथा अर्के बलाधिके प्रथमदशाऽर्कस्य ततस्तस्य केन्द्रस्थितानाम् अर्थात् द्वितीया दशा रविस्थाने स्थितस्य तृतीया चतुर्थस्थितस्य, चतुर्थी सप्तमस्थस्य, पंचमी दशमस्थितस्य एवं चन्द्रे वा लग्ने बलवति सति । ततः पणफरस्थस्य २।५।८।११ तत आपोक्लिमस्था ३।६। ९।१२ नाम यद्येकस्था द्विबहवः संति तदा वक्ष्यमाणबलाधिकस्याद्या दशा, ततो न्यूनस्य द्वितीया, एवं तृतीयाद्या, बलसाम्ये यस्याधिकायुः तत्रापि न्यूनाधिक्यं योज्यं, तस्यापि साम्ये यो ग्रहोऽस्तात्प्रथमोदितस्तस्याद्या दशा ज्ञेयेति ॥ ३० ॥

भाषाः–सूर्य, चन्द्र और लग्न इसमें जो बली होय उसकी दशा प्रथम जानना और उसके बाद केन्द्र १।४।७।१० स्थकी दशा, अनंतर पणफर २।५।८।११ स्थकी दशा, अनंतर आपोक्लिमस्थ ग्रहकी दशा ऐसा क्रम जानना केन्द्रमें पणफरमें और आपोक्लिमस्थानमें एकसे ज्यादा ग्रह होय तो प्रथम दशा किसकी है तब उसमें जो अधिकबल होय उसकी प्रथम दशा अनंतर न्यूनबल होय उसकी दशा कदाचित् बलकी भी समता होय तो जिसकी आयु अधिक होय उसकी प्रथम दशा, आयुकीभी समता होय तो जो अस्तसे प्रथम उदय हुआ होय उसकी प्रथम दशा होती है ॥ ३० ॥

## इदानीं लग्नाद्यदशाप्राप्तबलमाह ।

चेल्लग्नाद्यदशा स्वभावजफलघ्नौजांसि पाकक्रमे-
ऽर्केन्द्वोश्चेत्प्रथमा खगोदयबलांशघ्नेऽन्यवर्गेऽर्द्धितः ॥
स्वैर्वर्गेशबलैर्हतो बलमिहैक्यं मूलितैक्यं परे
ऽप्येवं रिष्टदभंकुजेऽधिकबले भंक्ता तदा रिष्टहृत् ॥ ३१ ॥

अन्वयः–चेदाद्या लग्नदशा तदा भावफलघ्नौजांसि कार्याणि ओजांसि स्वस्वषड्बलैक्यानि ग्रहाणां भावजफलैर्गुण्यानि दशाक्रमे तानि दशा बलानि स्फुटानि भवंति चेदर्केन्द्वोः प्रथमा दशा, अर्कस्य चंद्रस्य वा प्रथमा दशा तदा ग्रहाणां लग्नस्य च यत्षड्बलैक्यं तस्यांशिश्चतुर्थांशो ऽग्रे गृहस्थाने स्थाप्योऽन्यवर्गे होरादिषु चतुर्थांशस्यार्द्धः स्थाप्यः, ते सप्तवर्गस्थितांकाः स्वैर्वर्गेशबलैर्निहत्य गुणयित्वा तेषामैक्यं बलं स्यात् अपरमतं तु अपरे एवं ब्रुवंति । तेषां गुणनफलं प्रथमं मूलानि गृहीत्वा तेषामैक्यं बलं स्यात्तदसदेकदेशत्वात् खगोदयबलांशघ्नेत्यादिप्रकारेणानीतबले रिष्टदभकुजग्रहयोर्यदि रिष्टभंक्ता रिष्टदग्रहापेक्षयाऽधिकबलस्तदा रिष्टहृत्स्यात् ॥ ३१ ॥

भाषाः–यदि लग्नकी प्रथम दशा होय तो भावफलसे ग्रहके षड्बलैक्यको गुण देना तो दशाक्रमसे बल होता है यदि सूर्य या चन्द्रमाकी प्रथम दशा

होय तो ग्रह और लग्न इनके बलका चतुर्थांश सप्तवर्ग बलके गृहस्थानमें रखना और उसका आधा होरादि ६ स्थानमें रखना और उनको अपने अपने वर्गस्वामीके बलसे गुण देना और सबका योग करना तो बल होता है और कोई आचार्योंका यह मत है कि गुणनफलका मूल लेकर योग करना तो बल होता है यह ठीक नहीं है पूर्वरीतिसे आया जो बल वह यदि रिष्टकर्ता ग्रहके अपेक्षा रिष्टभंगकर्त्ता ग्रहका बल अधिक होय तो रिष्टको नाश करेगा ॥ ३१ ॥

## दशाक्रमोदाहरण ।

यहां सूर्य चन्द्र और लग्न इसमें सूर्य अधिकबल है इसवास्ते पिंडायुमें सूर्यदशा प्रथम लेके उदाहरणक्रम लिखना तथापि ग्रंथक्रमानुरोधसे लग्नबलाधिक कल्पना करके अंशायुमें प्रथम लग्नदशा लेके दशाक्रम लिखते हैं प्रथमलग्नदशा अनंतर लग्नसे केन्द्रस्थानमें सूर्य, चंद्र है और पणफरमें शुक्र, मंगल है और आपोक्लिममें गुरु, बुध शनि हैं इनमेंसे प्रथम दशा किसकी है यह समझनेके वास्ते दशाक्रमबल करते हैं ।

दशाक्रमबलचक्रम् ।

| सू | चं | मं | बु | बृ | शु | श | ल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ६ | २ | ४ | १ | ६ | ० | ५ | |
| ३ | ५० | ६ | २८ | [illegible] | ५६ | ५३ | ३७ |
| ३६ | [illegible] | २८ | [illegible] | ६ | [illegible] | [illegible] | [illegible] |

जन्मलग्नम् ।



रविका षड्बलैक्य ७।५१।५३ इसको रविभावफल ०।४६।३३ इससे गुणके ६।३।३६ यह रविका दशाक्रमबल भया इसी रीतिसे चंद्रादिकोंका बल करना यहां केन्द्रमें जो सूर्य चन्द्र हैं इसमें सूर्य अधिकबल है इसकी द्वितीय दशाचन्द्रकी तृतीय दशा, अनंतर पणफरमें शुक्र, मंगल हैं इसमें मंगल अधिकबल है इसकी चतुर्थ दशा, अनंतर शुक्रकी आपोक्लिममें गुरु,

बुध, शनि है, इसमें गुरु अधिक बल है इसकी दशा अनंतर शनिकी दशा अनंतर बुधकी दशा इस प्रकार अंशायु करना । उदाहरणार्थ सूर्य अधिक बल कल्पना करके पिंडायुमें दशाक्रम लिखते हैं प्रथम सूर्य दशा अनंतर सूर्यसे केन्द्रस्थानमें लग्न चंद्र है इसमें प्रथम दशा किसकी है यह समझनेके वास्ते दशाक्रम बल करते हैं ।

अंशायुचक्रम् ।

| लग्न | सूर्य | चन्द्र | मंगल | शुक्र | गुरु | शनि | बुधः | योगः |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १५ | ८ | ९ | १ | ४ | ११ | ३ | ८ | ७२ |
| २ | १० | ११ | ११ | २ | २ | ४ | २ | ११ |
| २४ | १७ | १२ | ७ | २३ | १ | ८ | १३ | १९ |
| ५२ | २९ | ५५ | १९ | २५ | १० | ३५ | ५५ | ४४ |
| ० | २७ | ५८ | १२ | ४८ | ० | ४८ | १२ | १२ |

चन्द्रका षड्बलैक्य ७।२०।४ इसका चतुर्थांश १।५०।१ यह गृहस्थानमें बल इसका अर्ध ०।५५।० यह होरादि ६ स्थानमें बल अथ चन्द्रका गृहेश शनि इसका षड्बलैक्य ६।२।११ इससे चंद्रका गृह बल १।५०।१ इसको गुणके ११ । ४ । ६ यह चन्द्रका होरेश चन्द्र इसका षड्बलैक्य ७।२०।४ इससे चन्द्रका होराबल ०।५५।० इसको गुणके ६।४३।२४ इस रीतिसे द्रेष्काणादिकोंका गुणाकार करके सप्तवर्गोंके गुणाकारका ऐक्य करना तो दशाक्रम बल होता है ।

## ग्रह और लग्न इनका बलचतुर्थांश गृह और तदर्ध होरादि ६ स्थानमें ।

| ग्र. | सू | च. | म | बु | बृ | शु | श | ल. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृह | १<br>५७<br>५८ | १<br>५०<br>१ | १<br>१७<br>४२ | १<br>१८<br>६ | १<br>५३<br>५२ | १<br>२२<br>५४ | १<br>३०<br>३३ | १<br>५१<br>२ |
| होरा | ०<br>५८<br>५१ | ०<br>५५<br>० | ०<br>३८<br>५१ | ०<br>३९<br>३ | ०<br>५६<br>५६ | ०<br>४१<br>२७ | ०<br>४५<br>१६ | ०<br>५५<br>३१ |
| द्रेष्काण | ०<br>५८<br>५१ | ०<br>५५<br>० | ०<br>३८<br>५१ | ०<br>३९<br>३ | ०<br>५६<br>५६ | ०<br>४१<br>२७ | ०<br>४५<br>१६ | ०<br>५५<br>३१ |
| सप्तमांश | ०<br>५८<br>५१ | ०<br>५५<br>० | ०<br>३८<br>५१ | ०<br>३९<br>३ | ०<br>५६<br>५६ | ०<br>४१<br>२७ | ०<br>४५<br>१६ | ०<br>५५<br>३१ |
| नवमांश | ०<br>५८<br>५१ | ०<br>५५<br>० | ०<br>३८<br>५१ | ०<br>३९<br>३ | ०<br>५६<br>५६ | ०<br>४१<br>२७ | ०<br>४५<br>१६ | ०<br>५५<br>३१ |
| द्वादशांश | ०<br>५८<br>५१ | ०<br>५५<br>० | ०<br>३८<br>५१ | ०<br>३९<br>० | ०<br>५६<br>५६ | ०<br>४१<br>४१ | ०<br>४५<br>१६ | ०<br>५५<br>३१ |
| त्रिंशांश | ०<br>५८<br>५१ | ०<br>५५<br>० | ०<br>३८<br>५१ | ०<br>३९<br>३ | ०<br>५६<br>५६ | ०<br>४१<br>२७ | ०<br>४५<br>१६ | ०<br>५५<br>३१ |

वर्गांशबलसे गुणके ।

| ग्र. | सू. | च. | म. | बु | बृ. | शु. | श. | लग्न |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गृह | १० ११ १० | ११ ४ ६ | १० ११ ५ | ९ ५२ ५१ | ९ ५२ ५६ | ८ २० २६ | ७ ५१ ३१ | १० १३ ४१ |
| होरा | ७ ४३ ५३ | ६ ४३ २४ | ५ ५ ३२ | ५ ७ ७ | ६ ५७ ३४ | ५ ४ १ | ५ ५६ ० | ७ १६ ३७ |
| द्रेष्का. | ७ ४३ ५३ | ५ ३२ ० | ४ ५४ ५४ | ३ २२ ११ | ४ ५६ २८ | ३ ४१ ५ | ४ १० ११ | ५ ६ ५० |
| सप्त. | ७ १२ ३७ | ७ १२ ३४ | ३ ३४ ४३ | ३ ५५ ४३ | ४ ५४ ५८ | ५ २५ ५१ | ३ ५५ ४३ | ७ १ २५ |
| नवमां | ७ १२ ३७ | ५ ३२ ० | ४ ४४ ५६ | ३ ५५ ४३ | ७ १२ १० | ३ ३५ ५० | ४ ३३ १५ | ७ १ २५ |
| द्वाद | ५ ७ ८ | ६ ५७ ३० | ४ ५४ ५४ | ३ २२ ११ | ७ १२ १० | ५ १४ ३८ | ३ ५४ ३१ | ५ ३५ ७ |
| त्रिंशा. | ७ २७ ४४ | ४ ४६ २४ | ४ ५४ ५४ | ३ ५५ ४३ | ४ ५६ २८ | ३ ४१ ५ | ३ ५४ ३१ | ५ ३५ ७ |

गुणाकारका ऐक्यदशाक्रमबलचक्र ।

| सूर्यः | चन्द्रः | मंगलः | बुधः | गुरुः | [illegible] | [illegible] | लग्न | योग |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ५२ | ४७ | ३८ | ३३ | ४६ | ३५ | ३४ | ४७ | ३३६ |
| ३१ | ४७ | २० | २१ | २६ | १२ | १८ | ५० | ५० |
| २ | ५८ | ५८ | ५५ | १४ | [illegible] | [illegible] | [illegible] | २५ |

यहां सूर्यसे केन्द्रस्थानमें लग्न चन्द्र है इसमें लग्न अधिक बल है उसकी द्वितीय दशा, अनंतर चन्द्रकी पणफरमें मंगल शुक्र इसमें मंगल अधिक बल है उसकी दशा अनंतर शुक्रकी दशा आपोक्लिममें बुध, गुरु, शनि हैं, इनमें गुरु अधिक बल है उसकी दशा अनंतर शनिदशा अनंतर बुधकी दशा

यहां मिश्रायुमें सूर्य अधिक बल है इसवास्ते यही दशाक्रम जानना यह बल पिंडायुमें और निसर्गायुमें लेना अंशायुमें पहले जो बल किया है उसका प्रमाणसे दशा रखना ।

पिण्डायुर्दशाचक्रम् ।

| सू. | ल | च. | मं | शु | बृ. | श. | बु. | यो. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १५ | २ | १६ | ३ | ११ | ६ | ९ | ६ | ८० | वर्ष |
| ७ | १० | ९ | ११ | २ | ५ | ७ | २ | १० | मास |
| १८ | २८ | २१ | ५ | २८ | २२ | १५ | १६ | १३ | दिन |
| ५७ | ३२ | २४ | ३ | ३७ | १६ | ८ | १० | ० | घटी |
| ५० | ४८ | ३५ | ० | २५ | १८ | ० | ३६ | २१ | पल |

उदाहरणार्थ चन्द्रका अधिक बल कल्पना करके निसर्गायुमें दशाक्रम लिखते हैं प्रथम चन्द्रदशा अनंतर चन्द्रसे केन्द्रस्थानमें लग्न और सूर्य हैं इसमें सूर्य अधिकबल है इसकी द्वितीय दशा अनंतर लग्नकी दशा चन्द्रमे पणफरमें शुक्र मंगल है इसमें मंगल अधिकबल है उसकी दशा अनंतर शुक्रकी दशा, चन्द्रसे आपोक्लिमस्थानमें बुध गुरु शनि हैं इनमें गुरु अधिक बल है इसकी दशा, अनंतर शनिकी दशा अनंतर बुधकी दशा पिंडायुमें जो बल किया है उसी बलके प्रमाणसे निसर्गायुमेंभी लेना, और जीवायुमेंभी लेना ।

निसर्गायुचक्रम् ।

| चं. | सू. | ल. | मं. | शु. | बृ. | श. | बु. | यो. | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | १६ | २ | ० | १८ | ७ | २४ | ४ | ७५ | वर्ष |
| ८ | ५ | १० | ६ | ३ | ९ | ० | ७ | ४ | मास |
| २ | १५ | २८ | ८ | २८ | ८ | २५ | २७ | ११ | दिन |
| २२ | १३ | २२ | ४० | ४१ | ४३ | २० | ७ | ३१ | घटी |
| ३५ | २० | ४८ | २४ | २० | ३० | ० | ५७ | ५४ | पल |

जीवायुर्दायमें सूर्य, चन्द्र लग्नमें हीन बल होय तथापि जो उसमें अधिक बल होय उसकी प्रथम दशा कल्पना करके अनंतर उससे जो केन्द्रादि स्थानमें होय उनकी दशा इत्यादि क्रम जानना ॥ ३१ ॥

रिष्टभंगविचारांतरं दशाक्रमबलदार्ढ्यं
मतांतरनिराकरणं च ।

भंक्तू रिष्टकृतो हिताहितशुभासत्त्वं च नीचोच्चभा-
स्ताद्यस्याश्रयतां विचार्य मतिमान् रिष्टस्य भंगं वदेत् ॥
श्रेष्ठं रिष्टहृतो दशाक्रम इहौजः श्रीधराद्योदितम्
कष्टेष्टप्रबलांतरात्क्वच कृतं तद्युक्तिशून्यं त्वसत् ॥ ३२ ॥

अन्वयः-भंक्तुरिति । रिष्टभंक्तुः रिष्टकृतो रिष्टकारकस्य ग्रहस्य हिताहितं शुभाशुभं विचार्य रिष्टभंगं वदेत् हितं इष्टं, अहितं कष्टं शुभासत्त्वं शुभग्रहं पापग्रहं च उच्चस्थितो नीचस्थितो वा अस्तोदितो वा मित्रगृहे शत्रुगृहे वा स्यादित्यादि सर्वं विचार्य रिष्टस्य भंगं वदेत् मतिमान् । इहास्मिन्स्थले दशाक्रमे श्रीधरद्योदितम् ओजो बलश्रेष्ठं इष्टबलेन गुण्यो दशाविधौ बलं स्यात् । अथ परमतम् । कष्टेष्टेति । क्वच केचनाचार्याः कष्टेष्टाभ्यां गुणिते बले तयोरंतरात्साधितं वीर्यं दृक् पृथगिष्टकष्टगुणितमित्यादिना इष्टकष्टगुणितं षड्बलं तयोरंतरं कार्यं तस्य चतुर्थांशो गृहे, होरादावर्धितः ततः स्वस्ववर्गेशबलैर्हतस्तेषामैक्यं स्पष्टबलं स्यात्तदसत् युक्तिशून्यत्वात् ॥ ३२ ॥

भाषा-अरिष्टकर्ता ग्रह और अरिष्टभंगकर्ता ग्रह इनके इष्ट कष्ट वह शुभ हैं किंवा पाप हैं यह और वह नीचमें उच्चमें मित्रगृहमें शत्रुगृहमें और अस्तंगत उदित है इत्यादि इनका आश्रयत्वका विचार करके बुद्धिमान् गणकने अरिष्ट-भंग कहना यह ग्रंथमें रिष्टभंगके विषे और दशाक्रमके विषे श्रीधरादिक आचार्योंने कहे प्रमाण बल लानेकी रीति कही है वही श्रेष्ठ है श्रीपति इत्यादि ग्रंथकारने इष्टसे वा कष्टसे षड्बल गुणके उसके अंतरसे जो बल साधन कथित किया वह अयुक्त है इसवास्ते असत् है ॥ ३२ ॥

अंतर्दशाकरणम् ।

अर्धस्येकभगस्त्रिकोणगृहगश्चैशस्य चास्ते नगां-
शस्याब्धिश्चतुरस्रगो निजगुणैः पंक्तिकभे स्याद्बली ॥

अंशादौ कुरु रूपमत्र समतां कृत्वा च नाशं छिदा-
मंशघ्नाः स्वदशाः पृथक् खलु लवैक्याप्ताः स्युरंतर्दशाः ॥२३॥

अन्वयः—मूलदशेशगृहस्थो ग्रहो निजगुणैरर्धपका पाचको भवति निज-गुणैरित्यस्यार्थस्त्वारोहावरोह उच्चनीचवक्रादिभिरित्यर्थः । त्रिकोणगो नवमपंचमस्थानगस्त्र्यंशस्य अस्ते सप्तमस्थे नगांशस्य सप्तमांशस्य चतुरस्त्रश्चतुर्थाष्टमस्थानगोंघ्रेऽश्चतुर्थांशस्य पक्ता पाचको भवति लग्नस्याप्येवम् । एकभे द्विबहुषु सत्सु बली एक एव ग्रहः पाचयति न सर्वे, अत्रापि दशाक्रमवलं ज्ञेयम् । अंशादौ रूपं कृत्वा ततः प्रथममेकगृहस्थितस्य, ततस्त्रिकोणस्थग्रहस्य, ततो अस्तगतस्य, ततश्चतुरस्त्रगतस्य ग्रहस्य भागाः स्थाप्याः ततः समच्छिदीकृत्य छेदगमं च कृत्वा पृथक् तेषामंशानां योगः कार्यः ग्रहदशा पृथग्लवैर्गुण्या अंशयोगेन भाज्याः अंतर्दशाः स्युः ॥ २३ ॥

भाषाः—मूलदशापति अर्थात् महादशापति जिस राशिमें होय उसी राशिमें जो ग्रह होय वह दशापतिके संबंधसे दशापतिके अर्धफलका पाचक होता है । दशापतिसे ५।९ स्थानमें रहनेवाला ग्रह दशापतिके तृतीयांश कालका पाचक होता है और दशापतिसे सप्तम ७ स्थानमेंका ग्रह दशापतिके सप्तमांशका पाचक होता है और दशापतिसे ४।८ स्थानमेंका ग्रह दशापतिके चतुर्थांश कालका पाचक होताहै, सर्वत्र ग्रह आरोहावरोह उच्चनीचादि पूर्वोक्त स्वगुणसे शुभाशुभफलका पाचक होताहै कहिये अन्य दशामें भी अपने पाककालमें शुभाशुभ फल देता है एकराशिमें एकसे ज्यादा ग्रह होंय तो उनमें जो बलिष्ठ ग्रह होय उसीको लेना यहां अंशस्थानमें १ लेके उसके नीचे छेद लिखना अनंतर समच्छेद करके छेदांक त्याग करना अंशांकसे स्वकीय स्वकीय वर्षादि दशा अलग अलग गुणके गुणाकारको अंशांकके मिलानेसे जुदा जुदा भाग देना तो अंतर्दशा होती है ।

## अंतर्दशाक्रमः ।

प्रथम दशापतिकी अंतर्दशा, अनंतर दशापतिके राशिमें रहनेवाले ग्रहका अंतर, फिर दशापतिसे ९।५ स्थानमें रहनेवालोंका अंतर, फिर सप्तमस्थानके

ग्रहका अंतर, अनंतर ४।८ स्थानके ग्रहका अंतर, कदाचित् पूर्वोक्त स्थानोंमें दो तीन ग्रह होय तो बलके वशसे क्रम जानना जो दशाक्रमके विषे बल है वही अंतर्दशामें भी बल जानना ।

## समच्छेद करनेकी रीति ।

जिन संख्याओंका समच्छेद करना होय उनको बराबरसे रखकर एकके हरसे दूसरेके हर अंशको गुण देना और दूसरेके हरसे और सबके हर अंशको गुणना ऐसा परस्पर गुणनेसे समानच्छेद होता है ।

उदाहरणः—जैसे लग्नदशामें अंतर करना है. ल. $\frac{१}{१}$ शु. $\frac{१}{३}$ श. $\frac{१}{३}$ सू. $\frac{१}{७}$ चं. $\frac{१}{४}$ इनको समच्छेद करके २५२। ८४ । ८४ । ३६ । ६३ अं.
२५२।२५२।२५२।२५२।२५२ ह.

इन अंशोंकी मिलान ५१९ इसको ३ से भागके १७३ अंशोंमें ३ से भाग देनेसे ८४।२८।२८।१२।२१ इसी प्रकार जहां अधिक अंक होय उसको अपवर्तन देके सूक्ष्म अंक करलेना जो काम उस अंकसे होता था वह काम इस अंकसे हो जायगा ॥ ३३ ॥

उदाहरणः—यहां सूर्यबल अधिक है इसवास्ते मिश्रायुमें प्रथम सूर्यदशा १३।७।२७।१३।२८ अब सूर्यदशामें अंतर्दशा विचार, यहां कुंडलीमें सूर्यके साथ कोई ग्रह नहीं सूर्यसे त्रिकोणमें मंगळ है सो $\frac{१}{३}$ पाचक है और सूर्यसे सप्तममें लग्न है सो $\frac{१}{७}$ पाचक, तब सूर्यदशामें मंगल और लग्न पाचक है सूर्य $\frac{१}{१}$ मं $\frac{१}{३}$ ल. $\frac{१}{७}$ समच्छेद करके सू. $\frac{२१}{२१}$ मं. $\frac{७}{२१}$ ल. $\frac{३}{२१}$ इसके छेद त्याग करके सू. २१ मं. ७ ल. ३ यह अंशांक भया यहां सूर्यकी मूलदशा १३।७।२७।१३।२८ इसको सूर्यके अंश २१ से गुणके २८६।१०।१।४२।४८ इसको अंशांककी मिलान ३१ से भागके ९।३।१।३।२२ यह सूर्यमें सूर्यकी दशा, सूर्यकी मूलदशा १३।७।२७।१३।२८ इसको मंगलके अंश ७ से गुणके ९५।७।१०।३४।१६ इसको अंशांककी मिलान ३१ से

और विदशापतिको दशा पति कल्पना करके विदशामें उपदशा ल्यावना यही रीतिसे दशामें अंतर्दशापति अपने गुण प्रमाण फल देते हैं और अंतर्दशामें विदशापति अपने गुणप्रमाण फल देते हैं और विदशामें उपदशापति अपने गुण प्रमाण फल देते हैं ऐसे उपदशासूक्ष्मकालिक फल जानना।

यहां १ कलाका अंशायुर्दाय लानेकी रीति प्रमाण आयुर्दाय किया तो १ दिन ४८ घटी आया ऐसा दीखता है ब्रह्म सौर आर्यभट्टादि पक्षसे ग्रहका मासादि अंतर आता है इसवास्ते आयुर्दायमें मासादि अंतर आवेगा।

जब जन्मकालमें पलमात्र अंतर आता है तब लग्नमें ६ कलाका अंतर आता है और ६ कलासे आयुर्दायमें १० दिनका अंतर आवेगा ऐसा अंतर देखकर भी जो यह दशा प्रवेशादि लग्नफल कथित किया है उस दूरदर्शीको दण्डवत् है॥ ३४॥

| सूर्यमहादशांतर्गतसूर्यांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम् | | | | सूर्यमहादशांतर्गतमंगलांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम् | | | | | सूर्यमहादशांतर्गतलग्नांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम् | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू | म | छ | धो | म | सू | शु | बु | गो | ल | शु | श | सु | च | पा |
| ६ | २ | ० | ९ | १ | ० | ० | ० | ३ | ० | ० | ० | ० | ० | १ |
| ३ | १ | १० | ० | २ | ७ | ३ | ९ | १ | ७ | २ | २ | १ | १ | ३ |
| ६ | २ | २२ | १ | १३ | ४ | १ | १० | ० | २१ | १७ | १७ | ३ | २७ | २८ |
| २९ | २ | २१ | १ | १३ | २४ | १३ | ४८ | २० | ३ | १ | १ | ० | ४९ | ५० |
| १७ | १९ | २६ | २० | १५ | ३८ | २९ | १२ | २८ | १० | ५ | ५ | २८ | ५८ | ३० |

| लग्नमहादशांतर्गतसूर्यांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम् | | | | लग्नमहादशांतर्गतचंद्रांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | चन्द्रमहादशांतर्गतचन्द्रांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू. | मं. | रा. | यो. | चं. | बृ. | सू. | म. | यो. | चं. | बृ. | सू. | मं. | यो. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २ | ० | ० | ० | ५ |
| ३ | १ | ० | ५ | ५ | १ | १ | १ | १० | ८ | १० | ८ | ८ | १५ |
| २८ | ९ | १६ | २५ | १७ | २५ | ११ | ११ | ६ | २० | २६ | ५ | ५ | २७ |
| ५४ | ३५ | ५७ | १७ | १९ | ४६ | ४९ | ४९ | ४६ | १८ | ४६ | ५ | ४ | १३ |
| ५९ | ० | २५ | ५१ | ५६ | ३५ | ५६ | ५६ | १५ | ९ | ३ | ३२ | ३१ | १६ |

| चन्द्रमहादशांतर्गतजीवांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | चन्द्रमहादशांतर्गतसूर्यान्तर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | चन्द्रमहादशांतर्गतमंगलांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. | चं. | बु | सू | यो | सू | मं | रा. | यो | मं. | सू. | शु. | बु. | यो. |
| ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | ० | १ | ० | ० | ० | ० | १ |
| ११ | ३ | १ | २ | ७ | १० | ३ | १ | २ | ८ | २ | १ | २ | २ |
| १७ | २५ | १९ | २६ | २९ | ४ | ११ | १३ | २१ | २० | २६ | ७ | ५ | २९ |
| २ | ४० | ३४ | ४५ | ४ | २२ | १७ | २८ | १८ | १७ | ४५ | ११ | ४ | १८ |
| ५९ | ५९ | ४३ | ४८ | २५ | ५ | २२ | ५२ | १९ | १४ | ४८ | ३ | १८ | १९ |

| भौममहादशांतर्गतमंगलांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | भौममहादशांतर्गतसूर्यान्तर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | भौममहादशांतर्गतशुक्रांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | | | | |
| ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ८ | २ | १ | २ | २ | ३ | १ | ० | ४ | १ | ० | ० | ० | ० | २ |
| २७ | २५ | ६ | ४ | २४ | १० | ३ | १४ | २८ | ० | १० | १० | ५ | १० | ३ |

| भौममहादशांतर्गत-बुधांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम् | | | | | शुक्रमहादशांतर्गत-शुक्रांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम् | | | | | | शुक्रमहादशांतर्गत-लग्नांतर्दशामध्य विदशाचक्रम् | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु. | वृ | ल | श | यो | शु | ऊ | श | म | वृ | यो | ल | शु | श | मृ | च | यो |
| ० | ० | ० | ० | ० | ३ | १ | १ | ० | ० | ६ | १ | ० | ० | ० | ० | २ |
| २ | ० | ० | ० | ३ | ३ | १ | १ | ५ | ९ | ९ | १ | ४ | ४ | १ | ३ | ३ |
| ७ | ९ | १६ | १६ | २१ | १२ | ४ | ४ | १८ | २५ | ५ | ४ | ११ | ११ | २६ | ८ | १ |
| ३७ | ३९ | ५४ | ३४ | ५ | ४६ | १५ | १५ | २८ | ४१ | ५७ | १५ | २५ | २५ | १९ | ३३ | ५९ |
| १ | ३४ | १५ | १५ | ५ | ३९ | ३३ | ३३ | ६ | ३९ | ३० | ३३ | ११ | ११ | २२ | ५३ | १० |

| शुक्रमहादशांतर्गत-शनेरंतर्दशामध्ये विदशाचक्रम् | | | | | | शुक्रमहादशांतर्ग-तमंगलांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम् | | | | | शुक्रमहादशांतर्गत-गुर्वंतर्दशामध्ये विदशाचक्रम् | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श | ल | श | च | मू | यो | म | मू | शु. | बु | यो | वृ | चं | बु | मू | यो |
| १ | ० | ० | ० | ० | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ |
| ० | ४ | ४ | १ | ३ | ३ | ६ | २ | ० | १ | ११ | १२ | ३ | १ | २ | ८ |
| १४ | ४ | ४ | ३ | ३ | १ | २१ | ७ | २८ | २० | १७ | २२ | २७ | २० | २८ | ८ |

| गुरुमहादशांतर्गत-गुर्वंतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | गुरुमहादशांतर्गत-चन्द्रांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम् | | | | | गुरुमहादशांतर्गत-बुधांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वृ | च | बु | मू | यो | च. | वृ | मृ | म | यो | बु | वृ | ल. | श | यो | |
| २ | ० | ० | ० | ४ | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | व |
| १० | ११ | ४ | ८ | १० | १० | ३ | २ | २ | ७ | ५ | ० | १ | १ | ८ | मा |
| ३ | ११ | २६ | १५ | २७ | २१ | १७ | २० | २० | १९ | ३ | २० | ८ | ८ | १२ | दि. |
| ४९ | १६ | १५ | ५७ | १९ | १९ | ६ | १९ | १९ | ६ | ४० | ५७ | २५ | २५ | २८ | घ |
| ३८ | ३३ | ३९ | २२ | १४ | ५२ | ३७ | ५८ | ५८ | २५ | ४९ | १५ | १२ | १२ | २८ | प |

| गुरुमहादशान्तर्गतसू. म. विदशाचक्रम्. | | | |
|---|---|---|---|
| सू. | मं. | ल | या. |
| ० | ० | ० | १ |
| ९ | ३ | १ | २ |
| २९ | ९ | १२ | २१ |
| १८ | ४६ | ४५ | ४१ |
| १६ | ५ | २८ | ४९ |

| शनिमहादशान्तर्गतशनेरंतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| श. | ल. | शु. | चं. | बु. | यो. |
| ३ | १ | १ | ० | ० | ७ |
| ६ | २ | २ | १० | १० | ७ |
| ४ | १ | १ | १६ | १६ | १० |
| ५३ | ३७ | ३७ | १३ | १३ | ३६ |
| ४६ | ५५ | ५५ | २७ | २५ | ३२ |

| शनिमहादशान्तर्गतलग्नांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ल. | शु. | श. | सू. | चं. | यो. |
| १ | ० | ० | ० | ० | २ |
| २ | ४ | ४ | २ | ३ | ६ |
| २३ | २७ | २७ | ३ | २० | १३ |
| ३४ | ५० | ५० | २२ | ५३ | ३२ |
| ० | २० | ० | ० | ३० | १० |

| शनिमहादशान्तर्गतशुक्रांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| शु. | ल. | श. | मं. | बृ. | यो. |
| १ | ० | ० | ० | ० | २ |
| २ | ४ | ४ | २ | ३ | ६ |
| २३ | २७ | २७ | ३ | २० | १३ |
| ३४ | ५० | ५० | २२ | ५३ | ३२ |
| ० | २० | २० | ० | ३० | १० |

| शनिमहादशान्तर्गतचंद्रांतर्दशाविदशाचक्रम्. | | | | |
|---|---|---|---|---|
| चं | बृ | सू | मं | यो. |
| ० | ० | ० | ० | १ |
| ७ | २ | १ | १ | १ |
| ३ | ११ | २३ | २३ | १ |
| ३३ | १९ | २३ | २३ | ३० |
| १४ | ४ | १९ | १२ | ५६ |

| शनिम. द. गुर्वंतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | |
|---|---|---|---|---|
| बृ | चं. | बु. | सू. | यो. |
| १ | ० | ० | ० | ० |
| १ | ४ | १ | ३ | १० |
| ६ | १२ | २६ | ९ | २५ |
| ५४ | १८ | ४२ | १३ | ९ |
| २७ | १९ | [illegible] | ४५ | ८ |

| बुधमहादशान्तर्गतबुधांतर्दशाविदशाचक्रम्. | | | | |
|---|---|---|---|---|
| बु. | बृ. | ल. | श. | या. |
| २ | ० | ० | ० | ३ |
| ४ | ४ | ७ | ७ | १० |
| ८ | १ | २ | २ | १३ |
| ७ | ९ | १ | १ | २१ |
| ३९ | ३२ | २४ | २४ | २ |

| बुधमहादशागुर्वंतर्दशामध्येविदशाचक्रम्. | | | | |
|---|---|---|---|---|
| बृ. | चं. | बु. | सू. | यो. |
| ० | ० | ० | ० | ० |
| ३ | १ | ० | ० | ६ |
| २५ | ८ | १६ | २८ | १२ |
| २८ | २६ | २८ | ४२ | ३ |
| ४३ | १४ | २३ | ४० | ० |

| बुधमहादशान्तर्गतलग्नांतर्दशामध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ल. | शु. | श. | सू. | चं. | यो. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ५ | १ | १ | ० | १ | ११ |
| १९ | २६ | २६ | २५ | १२ | १८ |
| ८ | २२ | २२ | १ | १७ | २० |
| ६ | ३२ | २२ | ४५ | १ | १९ |

बुधमहादशांतर्गतशन्यंतर्दशामध्ये विदशा ।

| श. | ल. | शु | चं. | वृ | यो. |
|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ५ | १ | १ | १ | १ | ११ |
| १० | २३ | २३ | १० | १० | १८ |
| ४६ | ३५ | ३५ | ११ | ११ | २० |
| १७ | २६ | २६ | ३३ | ३३ | १५ |

इति विदशा संपूर्ण ।

जिस प्रकारसे विदशा करी है उसी प्रकार उपदशा करना किंचित् उपदशा आगे कहते हैं ।

उपदशा चक्रम् ।

| सू. म. द. सू. गतसू विदशामें उपदशा चक्रम् | | | | सू. म. द. सूर्यंत मंगल विद उपदशा चक्रम् | | | | | सू. म. दशा० लग्न त० मध्ये विदशामें उपदशा चक्रम् | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू | म | ए | या | म | सू | श | शु | ये | ल | श | श | सू | च | यो |
| ४ | १ | ० | ६ | १ | ० | ० | ० | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | ४ | ७ | ३ | २ | ४ | २ | ३ | १ | ५ | १ | १ | ० | १ | १० |
| २८ | २१ | ८ | ६ | १५ | २५ | २ | १८ | २ | ६ | २२ | २२ | २२ | १ | २२ |

इसी प्रकारसे उपदशा सब करना यहां ग्रंथके
बढनेके भयसे तीनही लिखा ।

जगदीशेन रचिते केशवीग्रंथटिप्पणे ॥
दशाधिकारः पूर्णोऽयं तद्भापार्थप्रकाशकः ॥ ७ ॥

इति दशाध्यायः सप्तमः ॥ ७ ॥

## अथ दशाकालाध्यायः ॥ ८ ॥

### दशाप्रवेशकालसावनाहर्गणसाधनम् ।

शाकोऽब्दा जनि मध्यमार्कमयुतं मासादि तद्युग्दशा-
ऽब्दाद्यं तत्र शके सभादितरणिर्मध्यो दशादौ भवेत् ॥
घस्त्रीभूतदशा पृथक् निकुहता खांकाष्टहृत्तद्युता
सा स्यात्सावनिकाऽब्दपल्युकद्युग् जनिद्युव्रजः ॥ ३५ ॥

अन्वयः—शाकोऽब्दा जनि शाक एवाब्दा वत्सरा कल्प्याः, जनि मध्यमार्कमयुतं मासादि जन्मकालिकमध्यमार्कस्य राश्यादिकं मासादिः कल्प्यः, जन्मशके एवं प्रथमदशाप्रवेशो ज्ञेयः, द्वितीयस्तु तेन वर्षादिना युक्तं दशाब्दाद्यं कार्यम्, दशाब्दा शाकेषु योज्या अथ मासाद्ये दशामासाद्यं योज्यम् एवं तत्र शके अधस्थमासाद्यं, सभादि तरणिर्मध्यमो दशादौ भवेत् एवं तृतीयादि दशादौ मध्यमो रविर्ज्ञेयः । तात्कालिकमासाद्यानयनं घस्त्रीभूतदशेति दिनीकृतदशा पृथक्स्थाप्या एकत्र त्रयोदश १३ गुणिता खांकाष्ट ८९० मिर्भक्ता लब्धेन दिनाद्येन पृथक्स्थया युक्ता कार्या तदा सावना दशा स्यात् यदा दशाब्दपल्युक्ता तदा तद्युग् जनिद्युव्रज इति तया दशया युक् जनिद्युव्रजो जन्मकालिकाहर्गणः सावयवः सूर्योदयकालिकोऽहर्गणः सूर्योदयादिष्टेन घटीपलेन युक्तस्तदा सावयवः स्यादिति भावः । स एव दशाऽहर्गणः पूर्वोक्तप्रकारेण युतो वर्षादौ द्वितीयादिदशाप्रवेशकालिकोऽहर्गणो भवति । एवं तृतीयादि ज्ञेया ॥ ३५ ॥

भाषाः—जन्मकालीन शकको प्रथम दशावर्ष युक्त करना और जन्मकालिक मध्यमराश्यादि सूर्यको प्रथमदशाका मासादि राश्यादि मानके युक्त करना तो वह दशावर्षयुक्त किया गया शकमें द्वितीयदशारंभमें मध्यम सूर्य होता है । प्रथमदशादिवसादि करके पृथक् रखके एक ठिकाने उसको १३ से गुणके ८९० से भागके जो दिवसादिफल आवेगा सो और दशावर्षतुल्य फल पृथक् रखे अंकमें युक्त करना तो वह प्रथम सावन दशा होती है. अनंतर वह जन्मकालीन सावयव अहर्गणमें युक्त करना. तो द्वितीय दशारंभका अहर्गण होता है ।

शकको दशावर्ष युक्त करनेके कालमें सर्वदशा वर्षादि रखना प्रथमदशाके नीचे शक रखना और शकके नीचे जन्मकालीन मध्यम सूर्य रखना अनंतर सूर्यमें प्रथम दशामासादि युक्त करके वर्षशकमें युक्त करना ॥ ३५ ॥

उदाहरण–प्रथम सूर्यदशा वर्षादि १३।७।२७।१३।२८ इसके नीचे जन्मकालीन शक १८०८ यह वर्षमें मध्यम सूर्य ०।११।११।५६ इसके प्रथमदशामासादि युक्त करके ८।८।२५।२४ और शकमें वर्ष युक्त करके १८२१ यह शकमें ८।८।२५।२४ मध्यम सूर्य रहते सूर्यदशा पूर्ण होयके लग्न दशा प्रवेश भयी इसी रीतिसे सर्वदशा प्रवेश करना और इसी प्रकारसे विदशा और उपदशा प्रवेश करना, अथवा स्पष्ट सूर्य और संवत युक्त करना ।

दशाप्रवेशचक्रम् ।

| सू. | ल. | च. | म. | शु. | बृ. | श. | बु. | यो. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १३ | ७ | ९ | २ | १३ | ८ | १९ | ४ | ७६ |
| ७ | ० | १ | १ | ११ | ५ | ८ | ६ | ४ |
| २७ | ७ | २४ | १७ | ६ | २० | ४ | १ | २७ |
| १३ | १२ | ५४ | ० | ५४ | ४३ | २० | ४ | २५ |
| २८ | ३२ | १९ | ५२ | ५४ | ५६ | ५६ | ३२ | २६ |
| १८०८ | १८२१ | १८२८ | १८३७ | १८३९ | १८५३ | १८६२ | १८७८ | १८८४ |
| ० | ८ | ८ | १० | ११ | ११ | ४ | ० | ५ |
| ११ | ८ | १५ | १० | २७ | ४ | २५ | २९ | ८ |
| ११ | २५ | ३७ | ३२ | ३३ | २७ | ११ | ३२ | ३७ |
| ५६ | २४ | ५६ | १५ | ०७ | ५८ | ५४ | ५० | २२ |

## अहर्गण करनेकी रीति.

प्रथम सूर्यदशा १३।७।२७।१३।२८ यह दिवसादि करके ४९१७।१३।२८ यह पृथक् १२ से गुणके ६३९२३।५५।४ इसके ८९० से भाग के लब्धि दिवस ७१, शेष ७३३।५५।४ इसके ६० से गुणके ४४०३५।५ इसको ८९० से भागके लब्ध घटिका ४९ शेष ४२५।४ इसको

६० से गुणके २५५०४ इसको ८९० से भाग देके लब्धि पल २८ और दशावर्षतुल्य पल १३ युक्त करके लब्ध दिवसादि ७१ । ४९ । ४१ यह पृथक् रक्खा जो दिवसादि दशा ४९१७ । १३ । २८ इसमें युक्त करके ४९८९ । ३ । ९ यह प्रथम सावन दशा भई जन्मकालिक अहर्गण जन्म कालीन इष्ट घटीसहित ११७८ । ३२ । १ यह सावयव अहर्गण इसके सावनदशा ४९८९ । ३ । ९ युक्त करके ६१६७ । ३५ । १० यह बुधदशा-रंतसमयमें सावयव अहर्गण भया । परंतु जब यह अहर्गण ४०१६ से ज्यादा आवे तब ४०१६ से भागके शेष रहे सो अहर्गण जानना और लब्धि आवे सो पूर्वमें आया जो चक्र उसमें युक्त करना अब यहां अहर्गण ६१६७ । ३५ । १० यह ४०१६ से अधिक है इसको ४०१६ से भागके लब्ध १ शेष २१५१ । ३५ । १० यह अहर्गण भया पूर्वोक्तचक्र ३३ लब्ध १ युक्त करके ३४ चक्र भया ॥ ३५ ॥

अहर्गणप्रयोजनमाह ।

तस्मात्सावयवाद्गणात्स्वकरणात्साध्या दशादौ खगाः
क्षेपाज्जन्मखगान्प्रकल्प्य यदि वा साध्या दशा सावनात् ॥
ते स्पष्टाश्च तिथिश्च संक्रमवशान्मासो दशादौ तनुः
पूर्वोक्तं जडकर्म चात्र तु मया तल्लाघवं दर्शितम् ॥ ३६ ॥

अन्वयः—तस्मात्सावयवादहर्गणाद्दशादौ स्वकरणाज्जन्मकाले यस्मात्कर-णाद्ग्रहाः साधितास्तेन करणेन दशाप्रवेशाऽहर्गणाद्ग्रहाः साध्याः । यदि जन्मख-गान्क्षेपान्प्रकल्प्य दशादौ सावयवात्सावनाऽहर्गणात्साधिता ग्रहा जन्मकालज-नितग्रहे क्षेप्यास्तदा ते दशादौ खगा भवंति एवं कृते सावनादशा भवंति अस्मा-दहर्गणादानीतोऽर्कः प्रजातेन दशाप्रवेशमध्यसूर्येण समस्तदाहर्गणः शुद्धो ज्ञेयो नान्यथा । ततो दशादौ साधिता चन्द्रार्काभ्यां भक्ता व्यर्कविधोर्लवा इत्यादिना तिथिः साध्या संक्रमवशान्मासो ज्ञेयः शुक्लादिमासेषु यस्मिन्मासे मेषसंक्रांति

भवति स चैत्रो मासो ज्ञेय इत्यादि वृषभादयो ज्ञेयाः । दशाप्रवेशे लग्नमपि साध्यं, स्वेष्टे पूर्वैः पूर्वाचार्यैः श्रीधराद्यैः सावनीदशानयने जडकर्म महतायासेन कृतमित्यर्थः । अतो मया लाघवं दर्शितम् ॥ ३६ ॥

भाषाः-पूर्वकथित सावयव अहर्गणसे जन्मकालमें जिस पक्षका ग्रह किया होय उसी पक्षसे दशारंभमें ग्रह करना अथवा सावनदशातुल्य अहर्गणसे ग्रह करके उसमें जन्मकालीन ग्रह क्षेपक कल्पना करके युक्त करना तो वह दशारंभमें ग्रह होते हैं अनंतर वह स्पष्ट करना और सूर्य चन्द्रसे तिथि लाना यह केवल पांडित्य सावनीकरण पूर्वाचार्यने महान् प्रयाससे किया इसवास्ते वह जड कर्म है हमने तो उसकी यहां लाघवता कथन की है ॥ ३६ ॥

उदाहरण-लग्नदशारंभमें १८२१ शकमें सावयव अहर्गण २१५१।३५। १० इससे जो मध्यम सूर्य आवे सो पूर्व सिद्ध दशाप्रवेश कालिक मध्यमसूर्य ८।८।२५।२४ के बराबर होय तो यह अहर्गण शुद्ध है, अन्यथा अशुद्ध ग्रह समझनेके वास्ते पूर्वोक्त रीतिप्रमाण सारणीपरसे मध्यम सूर्य करते हैं:- अहर्गण २१५१ इसको ६० से भागके लब्धि ३५ और शेष ५१ यह शेष कोष्ठकके नीचेका सारणीमेंका अंक १।२०।१५।५७ इसको लब्ध्यंक ३५ इसके नीचेका राशि छोडके भागादि अंक ४।२९।४६।० इसमेंसे प्रथमांकको ६ से भागके बाकी ४ इसका दूना ८ यह राश्यंक इसवास्ते ८।२९।४६।० यह लब्धि कोष्ठकफल और चक्र ३४ के नीचेका सारणीमेंका अंक ९।१७।४८। ४६ और घटीकोष्ठक ३५ और पलकोष्ठक १० इसके नीचेका अंक ०।०। ३४।३० और ०।०।०।१० यह युक्त करके ८।८।२५।२३ यह मध्यम सूर्य पूर्वमध्यमसूर्यके बराबर है । अथवा दशासावनाऽहर्गण ४९८९।३।९ इससे चक्रांकफल मिलाये विना मध्यम सूर्य ७।२७।१३।२७ इसको जन्मकालीन मध्यम सूर्य ०।११।११।५६ युक्त करके ८।८।२५।२३ यह वही मध्यम सूर्य आया इसी रीतिसे चन्द्रादि मध्यम करना ।

दशासाधनाहर्गणसे मध्यम ग्रह करते वक्त उसको सारणीमेंके चक्रके नीचेके अंक युक्त नहीं करना कारण उसको चक्रसंस्कृत जन्मकालीन ग्रह युक्त करना होता है। सूर्य मीनराशिके होयके जो सूर्यचन्द्रसे चैत्रमासांतकी तिथि आवे तो शकमें एक युक्त करना तो अहर्गण बराबर आवेगा।

## दशारंभसमये स्पष्टसूर्यादि।

यहां पूर्वकथितप्रमाण सारणीपरसे दशारंभदिवसमें प्रातःकालीन स्पष्ट सूर्य ८।७।२७।२८ गति ६१।१७ चन्द्र ४।४।१०।२ गति ७३१।४३ इससे आई गततिथि ०४ इसवास्ते धनका सूर्य रहते पौषकृष्णपक्ष भया।

## अब दशारंभसमय लिखते हैं।

संवत् १८५६ शके १८२१ पौष कृष्ण पंचमी शुक्रवार १५ यहां अहर्गण २१५१ इस दिन सूर्योदयके अनंतर घटी ३५ पल १० इस समयमें स्पष्ट सूर्य ८।८।०२।०८ चन्द्र ४।११।५३।२२ लग्न ३।२६।२२।१२ कहिये कर्कलग्नमें रविदशा निवृत्ति ( समाप्ति ) और लग्नदशा प्रवृत्ति ( प्रारंभ ) भई इसी रीतिसे सर्वग्रहोंकी दशा, अंतर्दशा, विदशा, उपदशा प्रवृत्ति समयमें स्पष्ट सब ग्रह और लग्न करके दशापतिसे फलका विचार करना।

## सूर्यचन्द्रसे तिथि करण नक्षत्र और योग लानेका प्रकार।

स्पष्टचन्द्रमेंसे स्पष्ट रवि कम करके जो बाकी रहै उसका अंश करके उसको १२ से भागके जो भागाकार आवे वह गततिथि जानना और जो अंशादिक बाकी रहेगा वह भुक्त तिथि होगी वह १२ अंशमेंसे कम करके जो बाकी रहै सो भोग्य तिथि जानना, अनंतर भुक्त तिथि और भोग्य तिथि इनकी विकला करके उसको क्रमसे ६० से गुणके जो गुणाकार आवै उसको क्रमसे रविचन्द्रस्पष्टगतिके अंतरके विकलासे भागके जो भागाकार घटिकादि आवेगा वही क्रमसे भुक्ततिथि और भोग्यतिथिकी घटी जानना।

गततिथि जो होय उसको २ से गुणके ७ से भाग देना और बाकी मात्र लेना वह बवकरणसे तिथिके पूर्वार्धमें करण होते हैं इसमें १ युक्त करे तो तिथिके उत्तरार्धमें करण होते हैं अनंतर तिथिकी भुक्तभोग्यकी घटीका योग करके उसका अर्ध करना और उसमेंसे भुक्तघटी कम करना तो करणकी घटिका होती है जो तिथिकी भुक्तघटी सुमार ३० से घटिका ऊपर होय तो तिथिकी भुक्तभोग्यघटीमेंसे भुक्तघटी कम करना तो करणकी घटिका होती है, कृष्ण-पक्षकी चतुर्दशीके उत्तरार्धमें शकुनी करण और कृष्ण पक्षकी अमावस्याको पूर्वार्द्धमें चतुष्पद करण उत्तरार्धमें नाग करण और शुद्धप्रतिपदाको पूर्वार्धमें किंस्तुघ्न करण यह स्थित करण हैं. करणोंके नामः—बव १ बालव २ कौलव ३ तैतल ४ गर ५ वणिज ६ भद्रा ७ अथवा विष्टि अथवा कल्याणी नाम है।

स्पष्ट चन्द्रकी कला करके उसको ८०० से भागके जो भागाकार आवे सो गत नक्षत्र जनना और जो बाकी कलादि रहेगा वह गत नक्षत्रके आगेका भुक्त नक्षत्र होता है. वह ८०० कलामेंसे कम करके जो बाकी रहेगा वह भोग्य नक्षत्र जानना. अनंतर भुक्त नक्षत्र और भोग्य नक्षत्र इनकी विकला करके उसको ६० से क्रमसे गुणना उसको क्रमसे चन्द्रस्पष्टगतिके विकलासे भाग देना जो क्रमसे भागाकर आवे सो घटिकादि आवे वह क्रमसे भुक्त नक्षत्र और भोग्य नक्षत्र इनकी घटिका जनना ।

४ स्पष्ट सूर्य चन्द्रके योगकी कला करके उसको ८०० से भागके जो भागाकार आवे सो गत योग जानना और जो बाकी कलादि रहैगा सो भुक्त योग भया सो ८०० कलामेंसे कम करके जो बाकी रहैगा सो गत योगके आगेका भोग्य योग जानना ।·अनंतर भुक्त योग और भोग्य योग इनकी विकला करके उसको क्रमसे ६० से गुणना और जो अनुक्रमसे गुणाकार आवे उसको सूर्यचन्द्रके स्पष्टगतिके अंक विकलासे भाग देना जो अनुक्रमसे भागाकार आवे वह घटिकादि आवेगे वह क्रमसे भुक्त योग और भोग्य इनकी घटिका जानना ।

उदाहरणः—जन्मकालीन स्पष्ट चन्द्र ९।५।२२।३५ इसमेंसे स्पष्टरवि ०।१३।१०।४२ कम करके ९।२२।११।५३ इसके अंश २६२।११।५३ इसमें अंशको १२ से भागके २१ गत तिथि शेष १०।११।५३ यह भुक्त तिथि ७ शेषको १२ मेंसे कम करके १ । ४८ । ७ यह भोग्य तिथि सप्तमी अब भुक्त तिथिकी विकला ३६७१३ इसको ६० से गुणके २२०२७८० इसको चन्द्रगति ७३१। ४३ रविगति ५८ । १४ का अंतर ६७३।२९ की विकला ४०४०९ से भागके ५४ घटी ३० पल यह सप्तमीकी भुक्त घटिका भई । अनंतर भोग्य तिथिकी विकला ६४८७ को ६० से गुणके ३८९२२० स्पष्ट रविचंद्र गतिके अंतरकी विकला ४०४०९ से भागके ९ घटी ३८ पल यह सप्तमीकी भोग्य घटिका भई ।

गत तिथि ६ को २ से गुणके १२ इसको ७ से भागके शेष ५ इसवास्ते सप्तमीके पूर्वार्द्धमें गरकरण और उत्तरार्धमें वणिजकरण अब तिथिकी भुक्त घटी ५४।३० और भोग्य घटी ९।३८ युक्त करके ६४।८ इसमें भुक्त घटी ५४।३० कम करके ९।३८ यह गर करणकी घटिका भई ।

चन्द्र ९।५।२२।३५ इसकी कला १६५२२विकला३५ इसको ८०० से भागके २० गत नक्षत्र बाकी ५२२ । ३५ यह भुक्त नक्षत्र उत्तराषाढा बाकीके अंकको ८०० आठ सौ कलामेंसे कम करके शेष २७७ । २५ यह भोग्य नक्षत्र उत्तराषाढ भया ।

अब भुक्त नक्षत्रकी विकला ३१३५५ इसको ६० से गुणके १८८१। ३०० इसको चन्द्रगति विकला ४३९०३ इससे भागके ४२ घटी ५१ पल यह उत्तराराषाढ नक्षत्रकी भुक्त घटिका भई अनंतर भोग्य नक्षत्रकी विकला १६६४५ इसको ६० से गुणके ९९८७०० इसको चन्द्रगतिकी विकला ६३९०३ से भागके २२ घटी ४५ पल यह उत्तराषाढकी भोग्य घटिका भई ।

स्पष्ट सूर्य०।१३।१०।४२ चन्द्र ९।५।२२।३५ इनका योग ९।१८। ३३।१७ इसकी कला १७३१३।१७ इसको ८०० से भागके २१ गतयोग बाकी ५१३।१७ साध्य भुक्त योग शेष ८०० आठसौमेंसे कम करके २८६। ४३ यह साध्य योग भोग्य अब भुक्त योगकी विकला ३०७९७ इसको ६० से गुणके १८४७८२० इसको रविगति ५८।१४ चन्द्रगति ७३१।४३ इनका योग ७८९।५७ इसकी विकला ४७३९७ इससे भागके ३८ घटी ५९ पल यह साध्ययोगकी भुक्त घटिका भई।

अनंतर भोग्य योगकी विकला १७२०३ इसको ६० से गुणके १०३२१८० इसको रविचन्द्रकी स्पष्टगतिकी विकला ४७३९७ इससे भागके २१ घटी ४७ पल यह साध्य योगकी भोगकी भोग्य घटिका भई इस प्रकारसे तिथि नक्षत्र योग करणकी भुक्त योग्य घटी करना।

यहां जन्मदिनमें भोग्य तिथि, नक्षत्र योग इनकी घटिका और जन्मकालिक भुक्त नक्षत्रयोग इनकी घटिका युक्त करके जन्म समय ३२ घटिका बराबर मिलते हैं ॥ ३६ ॥

### ग्रहदशायां प्रतिदिनचन्द्रफलम् ।

चन्द्रः प्राप्तदशेश्वरस्य सुहृदुच्चस्वर्क्षसंस्थो दशा-
नाथाद्धीनवसप्तमोपचयगो दद्याच्छुभानीति च ॥
यस्मिन् भेऽत्र विधुः स जन्मनि तनुस्वायादिभावो यदा
तत्तद्वृद्धिकरोऽथ तत्क्षयकरः प्रोक्तेतरस्थानगः ॥ ३७ ॥

अन्वयः-प्राप्तदशेश्वरस्य सुहृद्भे तदुच्चे तत्स्वांशे भवति चन्द्रस्तदा च पुनर्दशेशात्लंचमनवमसप्तमतृतीयषष्ठदशैकादशस्थानस्थचन्द्रो भवति । तदा चन्द्रः शुभानि दद्यात् एवं शुभफलप्रदश्चन्द्रो दशायां यस्मिन् भावे वर्तते स राशिर्जन्मकाले यस्मिन् भावे वर्तते तद्भावं शुभं करोति यदि चन्द्रराशिस्तनुभावे स्यात् तदा तनुसौख्यकरः स्यादेवं धनादिभावेऽपि । यदि कथितेतरस्थानगस्तदा

क्षयकरो हानिकरः स्यात्। प्राक्तेतरस्थानस्यायमर्थः—चन्द्रः प्राग्दशेश्वरस्य सुहृदादिस्थानादितरस्थानगः वैरिनीचादिस्थित इति ॥ ३७ ॥

भाषाः—जिस ग्रहकी दशा होय उस ग्रहके मित्रगृहमें उच्चगृहमें वा स्वगृहमें होकर दशापतिसे ५।९।७।३।६।१०।११ इन स्थानमें चन्द्र होय तो शुभफल देता है सो ऐसी दशामें जिस राशिका चन्द्र होय वह राशि जन्मकालमें तनुभाव होय तो शरीरवृद्धिकारक, वह राशि धनभाव होय तो धनवृद्धिकारक, आयभाव होय तो लाभकारक और आदि शब्दसे सहज भाव होय तो भ्रातृसुख, सुहृद्भाव होय तो मित्रसुख सुतभाव होय तो पुत्रसुख, रिपुभाव होय तो वैरिनाशकारक, जायाभाव होय तो स्त्रीसुख, मृत्युभाव होय तो मृत्युनाशकारक, धर्मभाव होय तो धर्मभाग्यकारक, दशम भाव होय तो कर्मफलकारक, व्ययभाव होय तो व्यय नाशकारक सहजादिभावोंका भ्रातृसुखादि फल कथन किया है तैसाहि पराक्रमादि सुखभी जानना यहां शुभसूचन कथित है, इसवास्ते और मृत्यु व्यय इन भावोंके फल विपरीत जानना पूर्वकथित स्थानसे इतर स्थानमें कहिये दशेश्वरके शत्रुगृहमें किंवा नीचमें चन्द्र होयके दशापतिसे १।२।४।८।१२ इन स्थानमें होय तो भावक्षय, फलकारक होताहै कहिये दशामें जिस राशिको ऐसा चन्द्र है। वह राशि जन्मकालमें तनुभाव होय तो शरीरक्लेशकारक, धनभाव होय तो धनहानिकारक, इसी प्रमाण सहजादि भावफल योजना करना यहां विपरीत शत्रु, मित्र, व्ययभाव होय तो वह भाव शत्रु मृत्यु व्ययकारक ही होता है ॥ ३७ ॥

## दशाफलदशारिष्टदशारिष्टभंगः।

यद्द्रव्यं खचरस्य भावगृहदृग्योगादि सर्वं फलं
योज्यं वृत्तिकृतिर्बलादिह दशायां चाथ यो वैरियुक् ॥
पापः पापदशां विशेत्स च विपत्कर्ताथ तद्भंगद-
स्तत्काले बलवान् खगः शुभसुहृद्दृष्टेष्टसद्वर्गगः ॥ ३८ ॥

अन्वयः—यस्य ग्रहस्य यद्द्रव्यं ताम्रं स्यादित्यादि भावफलं राशिफलं दृष्टिफलं योगफलम् आदिशब्दादुच्चनीचमूलत्रिकोणं, वृत्तिकृतिर्जीविका इति सर्वं तस्य ग्रहस्य दशायां वाच्यं बलादिति सबले यथोक्तं पूर्णफलं भवति, मध्ये मध्यं, हीनबले हीनं फलम् । अथो यो ग्रहो वैरियुक् शत्रुयुगित्यर्थः, पापग्रहः पापदशायां विशति अर्थात्पापदशायां पापस्यांतरे प्राप्ते स पापो विपत्कर्ता हानिकर्ता स्यात् । यदि कश्चिद्ग्रहो बलवान् शुभमित्रेण दृष्टेऽथवा मित्रषड्वर्गगो वा दृष्टाधिकः स तद्भंगदः स्यात् ॥ ३८ ॥

भाषाः—जिस ग्रहका जो ताम्रादि द्रव्य और भावफल राशिफल, शत्रु, नीच मूलत्रिकोणादि, जीविकाकर्म इत्यादि सब फल दशामें वह ग्रह देता है बलसदृश अधिक बली होय तो पूर्णफल, मध्यममें मध्य फल, हीनबलमें न्यून फल होता है। पापग्रहोंके दशामें शत्रुयुक्त पापग्रहका अंतर आवे तो विपत्कर्ता मरण जानना परंतु यदि उस समय कोई शुभग्रह बली होयके देखता होय या मित्रग्रह देखता होय वा शुभ मित्रोंके गृहादि वर्गोंमें रहनेवाला ग्रह देखता होय तो भंगकर्ता होता है ॥ ३८ ॥

अथाष्टकवर्गफलमाह ।

खेटस्तस्य यदष्टवर्गजफलं पूर्णं शुभं जन्मत-
स्त्विन्द्वोर्वृद्धिषु च स्वभोच्चभसुहृद्भे स्वत्रिकोणेऽस्ति यः ॥
दुष्टं मध्यफलं विपर्ययगतस्थानिष्टमप्युत्कटं
शस्तं स्वल्पतरं खगस्य च वदेज्ज्ञात्वा बलं तत्त्वतः ॥ ३९ ॥

अन्वयः—जन्मनि तन्विन्द्वोर्लग्नचन्द्राभ्यामित्यर्थः । वृद्धिषु उपचयस्थानेषु ३।६।१०।११ स्वभे स्वोच्चे सुहृद्भे स्वमूलत्रिकोणेऽस्ति यो ग्रहस्तस्य यदष्टकवर्गजफलं शुभं तत्संपूर्णं दुष्टं फलं मध्यमम् । एवमनुपचयस्थानगो ग्रहः शत्रुनीचादिगतस्तस्याशुभं अप्युत्कटमशुभं स्यात्तथा शुभं फलं स्वल्पतरं स्यादित्यादि सर्वग्रहस्य षड्वर्गबलं ज्ञात्वा तत्त्वतः फलं वदेत् यथा पूर्णबले ग्रहे पूर्णं शुभाशुभफलं मध्ये मध्यं हीने हीनमित्यर्थः ॥ ३९ ॥

भाषाः–जो ग्रह जन्मलग्न और जन्मके चन्द्रसे ३।६।१०।११ इन स्थानोंमें होकर स्वगृहमें स्वोच्चमें वा स्वमूल त्रिकोणमें होता है उसका अष्टवर्गजफल शुभ जानना, अशुभफल स्वल्प जानना और पूर्वस्थानसे भिन्न स्थानोंमें अर्थात् १।२।४।५।७।८।११।१२ इन स्थानोंमें होकर शत्रुगृहमें वा नीच राशिमें रहता है, उसको अष्टवर्गजफल अशुभफल पूर्ण जानना और शुभफल स्वल्प जानना जन्मलग्नसे और जन्मराशिसे उपचयस्थानमें और शत्रुगृहमें वा नीचमें जो ग्रह रहताहै उसका अष्टवर्गज शुभफल मध्यम और अशुभ फल किंचित् न्यून जानना । अथवा इतर स्थानमें होके स्वगृहोच्चादिस्थित रहते अशुभ फल मध्यम और शुभफल किंचित् न्यून जानना वह अष्टवर्गजफल ग्रहोंके षड्बल प्रमाण जानना ग्रह पूर्ण बल होय तो यथोक्त फल न्यून बल होय तो न्यून फल और अस्तंगत होय तो फल नहीं ऐसा जानना ॥ ३९ ॥

अथ क्वचिज्जातकफलव्यभिचारे कर्तव्यतामाह ।

जीवेत्क्वापि विभंगरिष्टजाशिशू रिष्टं विना म्रियतेऽ-
थाद्योब्दः शिशुदुस्तरोऽपि च परो कार्येषु नो पत्रिका ॥
कार्या प्रश्ननिमित्तपूर्वशकुने रक्षन्स्वमानं धिया
होराज्ञेन सुबुद्धिना हि बहुधोदर्कश्च कालो बली ॥ ४० ॥

अन्वयः–क्वापि क्वचित्स्थले विभंगजो रिष्टभंगरहित इत्यर्थः जीवेत् क्वापि रिष्टं विना म्रीयते ( म्रियते इति व्यभिचारः । चाद्योऽब्दः प्रथमोऽब्दः शिशोर्दुस्तरः प्रसवज्वरादिभयादित्यर्थः । तथाऽपरौ द्वितीयतृतीयाब्दौ दुस्तरौ दन्तजननं यावत् अत एव त्रिषु वर्षेषु पत्रिका नो कार्या भंगादिकं विचारयित्वा वर्षत्रयमध्येऽपि पत्रिका कार्या कैः प्रश्ननिमित्तपूर्वशकुनैः प्रश्ने निमित्तपूर्वकैर्मैर्मलोपश्रुताद्यैस्तथा शकुनैः शुभशकुनैः शुभवस्तु यदि श्रुतिदर्शनगम इत्यादिभिः शुभं ज्ञात्वा पत्रिका कार्या । किं कुर्वन्स्वमानं रक्षन् गणकेनेत्यध्याहारः । किं विशिष्टेन होराविज्ञेन पुनः सुबुद्धिना हि यस्मात् उदर्को भावी कालो बली स्यात् ॥ ४० ॥

भाषाः–कभी कभी अरिष्ट भंग रहते विना बालक जीता है और कभी कभी अरिष्टयोग न रहते भी मरण पाता है ऐसा जातकफलमें व्यभिचार देखने

अन्वयः—यस्य ग्रहस्य यद्द्रव्यं ताम्रं स्यादित्यादि भावफलं राशिफलं दृष्टिफलं योगफलम् आदिशब्दादुच्चनीचमूलत्रिकोणं, वृत्तिस्तिर्जीविका इति सर्वं तस्य ग्रहस्य दशायां वाच्यं बलादिति सबले यथोक्तं पूर्णफलं भवति, मध्ये मध्यं, हीनबले हीनं फलम् । अथो यो ग्रहो वैरियुक् शत्रुयुगित्यर्थः, पापग्रहः पापदशायां विशति अर्थात्पापदशायां पापस्यांतरे प्राप्ते स पापो विपत्कर्ता हानिकर्ता स्यात् । यदि कश्चिद्ग्रहो बलवान् शुभमित्रेण दृष्टोऽथवा मित्रषड्वर्गगो वा इष्टाधिकः स तद्भंगदः स्यात् ॥ ३८ ॥

भाषाः—जिस ग्रहका जो ताम्रादि द्रव्य और भावफल राशिफल, शत्रु, नीच मूलत्रिकोणादि, जीविकाकर्म इत्यादि सब फल दशामें वह ग्रह देता है बलसदृश अधिक बली होय तो पूर्णफल, मध्यममें मध्य फल, हीनबलमें न्यून फल होता है। पापग्रहोंके दशामें शत्रुयुक्त पापग्रहका अंतर आवे तो विपत्कर्ता मरण जानना परंतु यदि उस समय कोई शुभग्रह बली होयके देखता होय या मित्रग्रह देखता होय वा शुभ मित्रोंके गृहादि वर्गोंमें रहनेवाला ग्रह देखता होय तो भंगकर्ता होता है ॥ ३८ ॥

अथाष्टकवर्गफलमाह ।

खेटस्तस्य यदष्टवर्गजफलं पूर्णं शुभं जन्मत-
स्त्विन्द्वोर्वृद्धिषु च स्वभोच्चभसुहृद्भे स्वत्रिकोणेऽस्ति यः ॥
दुष्टं मध्यफलं विपर्ययगतस्थानिष्टमप्युत्कटं
शस्तं स्वल्पतरं खगस्य च वदेज्ज्ञात्वा बलं तत्त्वतः ॥ ३९ ॥

अन्वयः—जन्मनि तन्विन्द्वोर्लग्नचन्द्राभ्यामित्यर्थः । वृद्धिषु उपचयस्थानेषु ३।६।१०।११ स्वभे स्वोच्चे सुहृद्भे स्वमूलत्रिकोणेऽस्ति यो ग्रहस्तस्य यदष्टकवर्गजफलं शुभं तत्संपूर्णं दुष्टं फलं मध्यमम् । एवमनुपचयस्थानगो ग्रहः शत्रुनीचादिगस्तस्याशुभं अप्युत्कटमशुभं स्यात्तथा शुभं फलं स्वल्पतरं स्यादित्यादि सर्वग्रहस्य षड्वर्गबलं ज्ञात्वा तत्त्वतः फलं वदेत् यथा पूर्णबले ग्रहे पूर्णं शुभाशुभफलं मध्ये मध्यं हीने हीनमित्यर्थः ॥ ३९ ॥

भाषाः—जो ग्रह जन्मलग्न और जन्मके चन्द्रसे ३।६।१०।११ इन स्थानोंमें होकर स्वगृहमें स्वोच्चमें वा स्वमूल त्रिकोणमें होता है उसका अष्टवर्गजफल शुभ जानना, अशुभफल स्वल्प जानना और पूर्वस्थानसे भिन्न स्थानोंमें अर्थात् १।२।४।५।७।८।९।१२ इन स्थानोंमें होकर शत्रुगृहमें वा नीच राशिमें रहता है, उसको अष्टवर्गजफल अशुभफल पूर्ण जानना और शुभफल स्वल्प जानना जन्मलग्नसे और जन्मराशिसे उपचयस्थानमें और शत्रुगृहमें वा नीचमें जो ग्रह रहताहै उसका अष्टवर्गज शुभफल मध्यम और अशुभ फल किंचित् न्यून जानना । अथवा इतर स्थानमें होके स्वगृहोच्चादिस्थित रहते अशुभ फल मध्यम और शुभफल किंचित् न्यून जानना वह अष्टवर्गजफल ग्रहोंके षड्बल प्रमाण जानना ग्रह पूर्ण बल होय तो यथोक्त फल न्यून बल होय तो न्यून फल और अस्तंगत होय तो फल नहीं ऐसा जानना ॥ ३९ ॥

अथ कचिज्जातकफलव्यभिचारे कर्तव्यतामाह ।

जीवेत्क्वापि विभंगरिष्टजाशिशू रिष्टं विना म्रीयतेऽ-
थाद्योब्दः शिशुदुस्तरोऽपि च परौ कार्येषु नो पत्रिका ॥
कार्या प्रश्ननिमित्तपूर्वशकुनै रक्षन्स्वमानं धिया
होराज्ञेन सुबुद्धिना हि बहुधोदर्कश्च कालो बली ॥ ४० ॥

अन्वयः—क्वापि कचित्स्थले विभंगजो रिष्टभंगरहित इत्यर्थः जीवेत् क्वापि रिष्टं विना म्रीयते ( म्रियते इति व्यभिचारः । चाद्योऽब्दः प्रथमोऽब्दः शिशोर्दुस्तरः प्रसवज्वरादिभयादित्यर्थः । तथाऽपरौ द्वितीयतृतीयाब्दौ दुस्तरौ दन्तजननं यावत् अत एषु त्रिषु वर्षेषु पत्रिका नो कार्या भंगादिकं विचारयित्वा वर्षत्रयमध्येऽपि पत्रिका कार्या कैः प्रश्ननिमित्तपूर्वशकुनैः प्रश्ने निमित्तपूर्वैर्ग्रैबलोपश्रुतावैस्तथा शकुनैः शुभशकुनैः शुभवस्तु यदि श्रुतिदर्शनगम इत्यादिभिः शुभं ज्ञात्वा पत्रिका कार्या । किं कुर्वन्स्वमानं रक्षन् गणकेनेत्यध्याहारः । किं विशिष्टेन होराविज्ञेन पुनः सुबुद्धिना हि यस्मात् उदर्को भावी कालो बली स्यात् ॥ ४० ॥

भाषाः—कभी कभी अरिष्ट भंग रहते विना बालक जीता है और कभी कभी अरिष्टयोग न रहते भी मरण पाता है ऐसा जातकफलमें व्यभिचार देखते

हैं तैसाही प्रथमवर्ष बालकको दुस्तर है और आगेको दो वर्ष इस बालकके दुस्तर हैं इसवास्ते ३ वर्षतक पत्रिका नहीं करना कारण भावी फल बहुत प्रकारका है और कालभी दुर्विज्ञेय है, बुद्धिमान् गणकने तात्कालिक लग्न-प्रश्नलग्नप्रश्नत्यादि शकुनमे शुभफल जानके बुद्धिके योगसे अपनी प्रतिष्ठा रखके सर्वदा यह तीन वर्षमें और आगे भी जन्मपत्रिका करना ॥ ४० ॥

ग्रंथोपसंहारः ।

नंदिग्रामे केशवो विप्रवर्यो योऽभूद्धोराशास्त्रसंघं विलोक्य ॥
तेनोक्तेयं पद्धतिर्जातकीया चत्वारिंशद्वृत्तबद्धा सुबोधा ॥ ४१ ॥

अन्वयः–यः केशवो विप्रवर्यो नंदिग्रामे आसीत् तेन होराशास्त्रसंघं विलोक्य होरा एव शास्त्रं होराशास्त्रं होराशास्त्रसमूहं विलोक्य जातकीया पद्धतिरुक्ता किं विशिष्टा चत्वारिंशद्वृत्तबद्धा पुनः कथंभूता सुबोधा ॥ ४१ ॥

भाषा:–दक्षिणदेशप्रसिद्ध नंदिग्राममें केशव यह नाम करके ब्राह्मणश्रेष्ठ रहता रहा उसने जातकशास्त्रसमूह देखकर उसमें सदुक्त असदुक्त भांत्युक्त बहुमत अल्पमत क्या है इसका विचार करके चालीस श्लोककी सुगम ऐसी यह जातकपद्धति रचना किया ॥ ४१ ॥

ग्रंथप्रशंसामाह ।

ये सुबोधां पठंतीमामभ्यां जातकपद्धतिम् ॥
होरावित्पदवीं यांति लोके मानं यशश्च ते ॥ ४२ ॥

अन्वयः–ये गणका इमां सुबोधां जातकपद्धतिं पठंति किंभूतामभ्यां ते लोके होरावित्पदवीं यांति मानं यशश्च लभंते ॥ ४२ ॥

भाषा:–जो ज्योतिषी इस जातकपद्धतिको अध्ययन करेंगे वह लोकमें दैवज्ञपदवी और गौरव कीर्ति यशको प्राप्त होवेंगे ॥ ४२ ॥

जगदीशेन विदुषा नारनौलनिवासिना ।
नृगिरा केशवीं कृत्वा केशवायार्पिता मुदा ॥ ८ ॥

इति दशाफलाध्यायोऽष्टमः ॥ ८ ॥

इति केशवीजातकं समाप्तम् ।

चरसारिणीप्रवेशपलभा ।

मंदस्पष्ट सूर्यको अयनांश युक्त करके उसका भुज करके भुजंका भाग करना यहां सारणीमें ३० अंशके अंतरसे ३ ठिकाने ९० अंशकोष्ठक लिखके वह कोष्ठकके नीचे प्रत्येक अंशका फल विकलादि लिखा है उसमेंसे जो अभीष्ट अंश होय उसके नीचेका फल लेके इष्टांशके नीचे जो कला विकला होय उसको अंशकोष्ठकके सामने दहने तरफ जो गुण लिखा है उसमें गुणके जो गुणाकार आवे उसको गुणके नीचे जो हर लिखा है उससे भागके जो फल प्रतिकलात्मक आवे वह लेके पूर्वफलमें युक्त करना तो चर होता है वह चरसायनसूर्य मेषादि ६ राशिको होय तो ऋण और तुलादि ६ राशिको होय तो धन जानना ।

उदाहरण:—जन्मकालिक मन्दस्पष्ट रवि ०।१३।१२।३ इसमें अयनांश २२।४४।३ यह युक्त करके १।५।५६।६ यह सायन रवि, इसका भुज १।५।५६।६ इसके अंश ३५।५६।६ यहां ३५ अंश हैं इसवास्ते ३५ अंशकोष्ठकका नीचेका विकलादिफल ७९।२० इसको अंशके नीचे कला ५६ और विकला ६ हैं इसको अंशकोष्ठकके सामने गुण २८ है इससे गुणक १५७०।४८ इसको गुणके नीचे हर १५ इससे भागके १०४ प्रति कला युक्त करके ८१।४ यह सायन सूर्य १।१।राशिका है इसवास्ते ऋण जानना ।

## बहुविधदेशोंकी अक्षता ।

| नगरनाम | घ. | प. | नगरनाम | घ. | प. | नगरनाम | घ. | प. | नगरनाम | घ. | प. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अलवर | ६ | १६ | केदार | ७ | ८ | जिलेई | ५ | ३६ | नाशिक | ४ | २५ |
| अमदाबाद | ५ | २ | कोल्हापुर | ३ | ३० | जबलपुर | ५ | ४७ | नागपूर | ४ | ३१ |
| अहमदनगर | ५ | ० | कोरग्राम | ४ | २५ | जंबूसर | ४ | ४८ | नागो | ४ | ५१ |
| अजमेर | ५ | ४५ | कोकण | ३ | १५ | जलालाबाद | ५ | १० | नारनवळ | ६ | १४ |
| अयोध्या | ६ | ७ | कृष्णगड | ६ | ० | जालंधर | ६ | ५१ | नेपाळ | ५ | २५ |
| अमरकोट | ५ | २२ | खंभाइत | ४ | ५१ | जुनागड | ५ | ३१ | नैमिष्यारण्य | ५ | ५५ |
| अपरटेरा | ६ | ४५ | खांधार | ० | ० | जुन्नर | ५ | ० | पटियाला | ७ | १ |
| औरंगाबाद | ४ | ३० | खमात | ४ | ५१ | जोधपुर | ५ | ४८ | पंढरपुर | ४ | ० |
| अग्रपाटण | ५ | ४० | गंगासागर | ४ | ५६ | झांसी | ५ | ४३ | प्रयाग | ५ | ४२ |
| अजमेर | २ | ६ | गढा | ६ | ६ | ठकारा | ५ | ३५ | प्रकासा | ४ | ४० |
| अतिवंग | ५ | ९ | गर्गराट | ५ | ६ | टोंक | ५ | १७ | प्रकाण | ४ | ५ |
| अमृतसर | ७ | २४ | गहीरा | ५ | ४५ | ठठा | ५ | ३६ | पाणिपत | ६ | १० |
| आग्रा | ६ | ७ | गया | ५ | १० | ठगनपुर | ५ | ३ | पाथर्डी | ४ | ३० |
| आजमगड | ५ | २२ | गणशुक्र | ६ | ४ | तंजावर | २ | ७ | पाडव | ५ | १ |
| इंदोर | ५ | ३० | गाजीपुर | ५ | २१ | तोला | ६ | ३५ | पुणे | ४ | ० |
| इटावा | ६ | ० | ग्वाल्हेर | ५ | २४ | ताजपुर | ५ | ४२ | पुरुषोत्तमक्षेत्र | ५ | ४५ |
| उज्जनी | ५ | ६ | गुलपुर | ५ | १० | तैलंग | ४ | ४ | पुष्कर | ५ | ५२ |
| उच्चवनगढ | ५ | १० | गुजरात | ४ | ४८ | दरभंगा | ५ | ५३ | पैठण | ४ | ३० |
| उदेपुर | ५ | ३० | गोमांतक | ३ | २० | दायमल | ५ | ० | बडोदा | ४ | ५४ |
| उरकळ | ५ | ४३ | गोपाळ | ३ | ३० | दामनपुर | ५ | ४५ | बलसाड | ४ | ४० |
| उमरावती | ४ | ३४ | गोवकुडा | ३ | ४५ | द्वारका | ६ | ५ | बरहान | ५ | ९ |
| औतकमंदु | २ | २५ | गोंडग्राम | ४ | ० | दिल्ली | ६ | ३४ | बऱ्हाणपुर | ४ | ३० |
| ओंछडा | ५ | ४५ | गोरखपुर | ६ | ८ | देवगड | ६ | ४ | ब्रह्मपुरी | ५ | २० |
| ओट | ४ | ६ | गोकुळ | ५ | ५५ | देवग्राम | ४ | ४० | बजवाडा | ६ | ५७ |
| कलकत्ता | ४ | ५७ | घनदरी | ४ | ४० | दौलताबाद | ३ | ३० | बाणपुर | ४ | ३० |
| कपिशा | ६ | १६ | घदेळी | ५ | ० | धवलपुर | ५ | १२ | बागंगा | ४ | ३० |
| कटक | ४ | २८ | चाटसुपुर | ५ | ४५ | धाळक | ५ | २ | बितिया | ६ | २ |
| काशिक्षेत्र | ५ | ४५ | चित्तोड | ५ | ३० | धामोनिगड | ५ | १० | विजापुर | ३ | ३० |

| कानपूर | ५ | ५१ | चित्रकूट | ५ | ३० | नवसरी | ४ | ४२ | बिकानेर | ६ | २१ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| काश्मिर | ७ | ५५ | छपरा | ५ | ४७ | नगरकोट | ७ | २० | बूदीकोटा | ६ | २ |
| काबिल | ८ | ३० | जयपूर | ६ | ४ | नडीबाद | ५ | २ | भाविपुर | ४ | ५२ |
| काची | २ | ३० | जमू | ७ | ४० | नरवर | ५ | ४५ | भरतपुर | ६ | १९ |
| कान्यकुब्ज | ६ | ० | जबलपुर | ५ | ८ | नयनीताल | ६ | ४५ | भृगुक्षेत्र | ४ | ८ |
| कुरुक्षेत्र | ६ | ४६ | जगन्नाथ | ५ | ३० | नर्मदा | ४ | ४७ | भोजपुर | ५ | ४५ |
| भागलपुर | ५ | ४० | म्हैसूर | २ | ३६ | बघनगर | ० | २७ | सिरुज | ५ | ० |
| मकसूदाबाद | ५ | २४ | भूपाळ | ५ | १० | वलय | ८ | ७ | सिंघपुर | ४ | ४० |
| मंडी | ७ | २४ | रत्नागिरी | ३ | ४१ | पटीपुर | ४ | ३ | सिंहगड | ७ | ३० |
| मद्रास | २ | ४७ | रनथम | ५ | ३० | बटेश्वर | ५ | ५८ | सुरत | ४ | ३९ |
| मराठा देश | ६ | ९ | रनद | ६ | ६ | बढल | ७ | ३ | सोलापूर | ३ | ४२ |
| मथुरा | ६ | ० | रामेश्वर | १ | ५० | विजयनगर | ४ | १२ | सामनाथ | ५ | ३९ |
| महुड | ६ | ३६ | रामनगर | ५ | ० | बेळगांव | ३ | २५ | सोमपथ | ६ | ४० |
| माडा | ४ | २० | राजो | ५ | ३६ | बिरठ | ६ | ०७ | सगमनेर | ४ | २० |
| मंडमाचल | ४ | ४७ | राजाथिल | ४ | ४४ | शारंगपुर | ४ | ४६ | समळ | ६ | ३ |
| मालपुर | ५ | ४५ | राजपुर | ५ | ३० | श्वामगढ | ४ | २८ | सगरपुर | ५ | १७ |
| मांडवा | ५ | १ | रायपुर | ४ | ३६ | शिराज | ४ | ०८ | हस्तिनापुर | ६ | ३० |
| मालवा | ५ | ३० | राजमहाल | ५ | ०५ | शातपुर | ४ | २० | हरिद्वार | ६ | ५६ |
| मांडगढ | ४ | ५७ | रीवा | ५ | ३० | श्रीनगर | ६ | ४६ | हरदा | ४ | ४२ |
| मिथिल | ६ | ८ | रवा | ४ | ४४ | सुमा | १० | ३ | हैद्राबाद दसिध | ५ | ४१ |
| मिरज | ३ | ३७ | रोहितक | ६ | २९ | सपा | ७ | १५ | हैद्राबाद निजा | ३ | ४६ |
| मिरजापुर | ५ | ३५ | राहिद श | ५ | २८ | समसाबाद | ६ | ५० | विलायत लंडन | १५ | ६ |
| मुंबई | ४ | ७ | लखनऊ | ५ | ४८ | सहस्राम | ५ | १७ | श्रीरंगपट्टण | २ | ३९ |
| मुलतान | ६ | ४५ | लखगपुर | ५ | ३० | सातारा | ३ | ५१ | मनुचधरामश्वर | २ | ६ |
| मुगेर | ५ | ५६ | लक्ष्मवती | ५ | ०८ | सागर | ५ | १८ | हाती | ६ | २५ |
| मुरर | ० | ३० | लक्ष्मनवास | ३ | २० | सवनवाडा | ३ | ३६ | पटण | ५ | ५५ |
| मेरता | ५ | ०५ | लहोर | ७ | २३ | सिरी | ५ | १८ | वजेरो | ६ | १८ |

लग्नसारणीचक्र ।

| अं. | मेष | वृ. | मि. | क. | सिं. | कं. | तु. | वृ. | ध. | म. | कुं. | मी. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | २ ३९ | ६ ४२ | ११ ३० | १७ ३ | २२ ४९ | २८ २० | ३४ ७ | ३९ ५२ | ४५ ३६ | ५० ५१ | ५५ १४ | [illegible] |
| १ | २ ४७ | ६ ५० | ११ ४२ | १७ १४ | २३ १ | २८ ४१ | ३४ १८ | ४० ४ | ४५ ४७ | ५१ ० | ५५ २३ | [illegible] |
| २ | २ ५४ | ६ ५८ | ११ ५१ | १७ २६ | २३ १३ | २८ ५३ | ३४ ३० | ४० १५ | ४५ ५९ | ५१ १० | ५५ ३२ | ५९ १६ |
| ३ | ३ ० | ७ ९ | १२ १ | १७ ३७ | २३ २४ | २९ ४ | ३४ ४१ | ४० २६ | ४६ १० | ५१ २० | ५५ ४० | ५९ २३ |
| ४ | ३ ८ | ७ १५ | १२ १२ | १७ ४९ | २३ ३६ | २९ १५ | ३४ ५२ | ४० ३८ | ४६ २३ | ५१ ३० | ५५ ४३ | ५९ ३१ |
| ५ | ३ १६ | ७ २३ | १२ २१ | १८ ० | २३ ४७ | २९ २६ | ३५ ४ | ४० ५० | ४६ ३५ | ५१ ४० | ५५ ४६ | ५९ ३८ |
| ६ | ३ २३ | ७ ३२ | १२ ३१ | १८ १२ | २३ ५८ | २९ ३७ | ३५ १५ | ४१ १ | ४६ ४५ | ५१ ५० | ५६ ५ | ५९ ४५ |
| ७ | ३ ३० | ७ ४० | १२ ४२ | १८ २३ | २४ १० | २९ ४८ | ३५ २६ | ४१ १३ | ४६ ५६ | ५२ ० | ५६ १३ | ५९ ५२ |
| ८ | ३ ३८ | ७ ४९ | १२ ५२ | १८ ३५ | २४ २२ | ३० ० | ३५ ३८ | ४१ २५ | ४७ ८ | ५२ ११ | ५६ २२ | ० ० |
| ९ | ३ ४६ | ७ ५७ | १३ ३ | १८ ४६ | २४ ३३ | ३० ११ | ३५ ४९ | ४१ ३६ | ४७ १८ | ५२ २२ | ५६ २९ | ० ७ |
| १० | ३ ५४ | ८ ६ | १३ १४ | १८ ५८ | २४ ४४ | ३० २२ | ३६ १ | ४१ ४७ | ४७ २८ | ५२ २७ | ५६ ३६ | ० १५ |
| ११ | ४ ३ | ८ १४ | १३ २६ | १९ ९ | २४ ५५ | ३० ३३ | ३६ १२ | ४१ ५९ | ४७ ३४ | ५२ ३६ | ५६ ४३ | ० २१ |
| १२ | ४ ११ | ८ २२ | १३ ३७ | १९ २१ | २५ ७ | ३० ४५ | ३६ २४ | ४२ १० | ४७ ३८ | ५२ ४४ | ५६ ५३ | ० २९ |
| १३ | ४ १९ | ८ ३१ | १३ ४९ | १९ ३२ | २५ १८ | ३० ५६ | ३६ ३५ | ४२ २२ | ४७ ५२ | ५२ ५२ | ५६ ५८ | ० ३६ |
| १४ | ४ २८ | ८ ४१ | १४ ० | १९ ४४ | २५ २९ | ३१ ७ | ३६ ४७ | ४२ ३३ | ४८ ८ | ५३ १ | ५७ ५ | ० ४३ |
| १५ | ४ ३६ | ८ ५१ | १४ १२ | १९ ५५ | २५ ४० | ३१ १८ | ३६ ५८ | ४२ ४५ | ४८ १८ | ५३ ९ | ५७ १३ | ० ५० |
| १६ | ४ ४४ | ९ ११ | १४ २३ | २० ७ | २५ ५१ | ३१ ३० | ३७ १० | ४२ ५६ | ४८ २८ | ५३ १९ | ५७ २४ | ० ५८ |
| १७ | ४ ५३ | ९ १९ | १४ ३४ | २० १८ | २६ ३ | ३१ ४१ | ३७ २२ | ४३ ७ | ४८ ३८ | ५३ २६ | ५७ ३० | १ ५ |
| १८ | ५ १ | ९ ३० | १४ ४३ | २० ३० | २६ १४ | ३१ ५२ | ३७ ३३ | ४३ १९ | ४८ ४० | ५३ ३४ | ५७ ३२ | १ १२ |
| १९ | ५ १० | ९ ४० | १४ ५७ | २० ४२ | २६ २५ | ३२ ३ | ३७ ४६ | ४३ ३० | ४८ ५१ | ५३ ४३ | ५७ ३९ | १ १९ |
| २० | ५ १८ | ९ ५० | १५ ९ | २० ५३ | २६ ३७ | ३२ १५ | ३७ ५८ | ४३ ४२ | ४९ २ | ५३ ५१ | ५७ ४८ | १ २७ |
| २१ | ५ २६ | १० ० | १५ २० | २१ ६ | २६ ४८ | ३२ २६ | ३८ ८ | ४३ ५३ | ४९ ११ | ५३ ५९ | ५७ ५६ | १ ३४ |
| २२ | ५ ३५ | १० १० | १५ ३१ | २१ १६ | २६ ५९ | ३२ ३७ | ३८ १९ | ४४ ५ | ४९ २१ | ५४ ८ | ५८ ३ | १ ४१ |
| २३ | ५ ४३ | १० २० | १५ ४३ | २१ २८ | २७ १३ | ३२ ४९ | ३८ ३१ | ४४ १६ | ४९ ३२ | ५४ १६ | ५८ ११ | १ ४९ |
| २४ | ५ ५३ | १० ३० | १५ ५४ | २१ ४० | २७ २० | ३३ ० | ३८ ४३ | ४४ २७ | ४९ ४१ | ५४ २८ | ५८ १८ | १ ५६ |
| २५ | ६ ० | १० ४० | १६ ६ | २१ ५१ | २७ ३३ | ३३ ११ | ३८ ५४ | ४४ ३९ | ४९ ५१ | ५४ ३३ | ५८ २५ | २ १ |
| २६ | ६ ८ | १० ५० | १६ १७ | २२ ३ | २७ ४४ | ३३ २२ | ३९ ६ | ४४ ५० | ५० ९ | ५४ ४१ | ५८ ३२ | २ १० |
| २७ | ६ १६ | ११ ० | १६ २८ | २२ १४ | २७ ५६ | ३३ ३४ | ३९ १७ | ४५ १ | ५० १५ | ५४ ४९ | ५८ ४० | २ १८ |
| २८ | ६ २५ | ११ १२ | १६ ४० | २२ २६ | २८ ७ | ३३ ४५ | ३९ २९ | ४५ १३ | ५० ३० | ५४ ५८ | ५८ ४७ | २ २६ |
| २९ | ६ ३३ | ११ २१ | १६ ५२ | २२ ३७ | २८ १८ | ३३ ५६ | ३९ ४० | ४५ २४ | ५० ४० | ५५ ६ | ५८ ५४ | २ ३२ |

## दशमभावसारिणीचक्र ।

| भा | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मे | ३ २४ | ३ ३३ | ३ ४२ | ३ ५२ | ४ १ | ४ १० | ४ १९ | ४ २९ | ४ ३८ | ४ ४८ |
| वृ | ८ १७ | ८ २७ | ८ ३७ | ८ ४७ | ८ ५७ | ९ ७ | ९ १७ | ९ २७ | ९ ३७ | ९ ४७ |
| मि | १३ ३४ | १३ ४५ | १३ ५५ | १४ ६ | १४ १७ | १४ २८ | १४ ३८ | १४ ४९ | १५ ० | १५ ११ |
| क | १८ ५७ | १९ ८ | १९ १८ | १९ २० | १९ ४० | १९ ५० | २० १ | २० १२ | २० २३ | २० ३३ |
| सिं | २४ २ | २४ १२ | २४ २२ | २४ ३२ | २४ ४२ | २४ ५२ | २५ २ | २५ १२ | २५ २२ | २५ ३१ |
| क | २८ ४६ | २८ ५५ | २९ ४ | २९ १४ | २९ २३ | २९ ३२ | २९ ४१ | २९ ५१ | ३० ० | ३० ९ |
| तु | ३३ २४ | ३३ ३३ | ३३ ४२ | ३३ ५२ | ३४ १ | ३४ १० | ३४ १९ | ३४ २९ | ३४ ३८ | ३४ ४८ |
| वृ | ३८ १७ | ३८ २७ | ३८ ३७ | ३८ ४७ | ३८ ५७ | ३९ ७ | ३९ १७ | ३९ २७ | ३९ ३७ | ३९ ४८ |
| ध | ४३ ३४ | ४३ ४५ | ४३ ५५ | ४४ ६ | ४४ १७ | ४४ २८ | ४४ ३८ | ४४ ४९ | ४५ ० | ४५ ११ |
| म | ४८ ५७ | ४९ ८ | ४९ १८ | ४९ २९ | ४९ ४० | ४९ ५१ | ५० २ | ५० १२ | ५० २३ | ५० ३३ |
| कुं | ५४ २ | ५४ १२ | ५४ २२ | ५४ ३२ | ५४ ४२ | ५४ ५२ | ५५ २ | ५५ १२ | ५५ २२ | ५५ ३१ |
| मी | ५८ ४६ | ५८ ५५ | ५९ ४ | ५९ १४ | ५९ २३ | ५९ ३२ | ५९ ४१ | ५९ ५१ | ० ० | ० ९ |

| भा | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मे | ४ ५८ | ५ ८ | ५ १८ | ५ २८ | ५ ३८ | ५ ४८ | ५ ५८ | ६ ८ | ६ १८ | ६ २८ |
| वृ | ९ ५७ | १० ९ | १० २० | १० ३१ | १० ४२ | १० ५३ | ११ ३ | ११ १४ | ११ २५ | ११ ३५ |
| मि | १५ २२ | १५ ३२ | १५ ४३ | १५ ५४ | १६ ५ | १६ १५ | १६ २६ | १६ ३७ | १६ ४८ | १६ ५८ |
| क | २० ४३ | २० ५३ | २१ ३ | २१ १३ | २१ २३ | २१ ३३ | २१ ४३ | २१ ५३ | २२ ३ | २२ १३ |
| सिं | २५ ४१ | २५ ५० | २५ ५९ | २६ ८ | २६ १८ | २६ २७ | २६ ३६ | २६ ४५ | २६ ५५ | २७ ४ |
| क | ३० १९ | ३० २८ | ३० ३७ | ३० ४६ | ३० ५६ | ३१ ५ | ३१ १४ | ३१ २३ | ३१ ३३ | ३१ ४२ |
| तु | ३४ ५८ | ३५ ८ | ३५ १८ | ३५ २८ | ३५ ३८ | ३५ ४८ | ३५ ५८ | ३६ ८ | ३६ १८ | ३६ २८ |
| वृ | ३९ ५९ | ४० ९ | ४० २० | ४० ३१ | ४० ४२ | ४० ५३ | ४१ ३ | ४१ १४ | ४१ २५ | ४१ ३६ |
| ध | ४५ २२ | ४५ ३३ | ४५ ४३ | ४५ ५४ | ४६ ५ | ४६ १५ | ४६ २६ | ४६ ३७ | ४६ ४८ | ४६ ५८ |
| म | ५० ४३ | ५० ५३ | ५१ ३ | ५१ १३ | ५१ ३३ | ५१ ४२ | ५१ ४३ | ५१ ५३ | ५२ ३ | ५२ १३ |
| कुं | ५५ ४१ | ५५ ५० | ५५ ५९ | ५६ ८ | ५६ १८ | ५६ २७ | ५६ ३६ | ५६ ४५ | ५६ ५५ | ५७ ३ |
| मी | ० १९ | ० २८ | ० ३७ | ० ४६ | ० ५६ | १ ५ | १ १४ | १ २३ | १ ३३ | १ ४२ |

| भा | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मे | ६ ३८ | ६ ४८ | ६ ५८ | ७ ८ | ७ १८ | | | | ७ ५७ | ८ ७ |
| वृ | ११ ४६ | ११ ५७ | १२ ८ | १२ १९ | १२ ३० | | | | १३ १२ | १३ २३ |
| मि | १७ ० | १७ २० | १७ ३१ | १७ ४२ | १७ ५२ | | | | १८ ३८ | १८ ४६ |
| क | २२ २३ | २२ ३३ | २२ ४३ | २२ ५३ | २३ २ | | | | २३ ४० | २३ ५२ |
| सिं | २७ १३ | २७ २२ | २७ ३३ | २७ ४१ | २७ ५० | | | | २८ २७ | २८ ३७ |
| क | ३१ ५१ | ३२ ० | ३२ १० | ३२ १९ | ३२ २८ | | | | ३३ ५ | ३३ १५ |
| तु | ३६ ३८ | ३६ ४८ | ३६ ५८ | ३७ ८ | ३७ १७ | | | | ३७ ५७ | ३८ ७ |
| वृ | ४१ ४६ | ४१ ५७ | ४२ ८ | ४२ १९ | ४२ २९ | | | | ४३ १२ | ४३ २३ |
| ध | ४७ ९ | ४७ २० | ४७ ३१ | ४७ ४२ | ४७ ५२ | | | | ४८ ३८ | ४८ ४६ |
| म | ५२ २३ | ५२ ३३ | ५२ ४३ | ५२ ५३ | ५३ २ | ५३ १२ | ५३ २२ | ५३ ३२ | ५३ ४२ | ५३ ५२ |
| कुं | ५७ १३ | ५७ २२ | ५७ ३२ | ५७ ४१ | ५७ ५० | ५८ ० | ५८ ९ | ५८ १८ | ५८ २७ | ५८ ३७ |
| मी | १ ५१ | २ ० | २ १० | २ २९ | २ २६ | २ ३८ | २ ४७ | ३ ५६ | ३ ५ | ३ १५ |

## लग्नसारणीप्रवेश अयनांशाः २२.

सारणीमें दहने तरफ मेषादि मीनतक १२ राशि लिखी हैं और ऊपरके तरफ ३० अंशकोष्ठक लिखा है उसमेंसे तत्कालस्पष्टसूर्य जिस राशिका होय उस राशिके सामने सूर्यके इष्टांशकोष्ठकके नीचे अंककलादि फल लेके उसको इष्ट घटी पल युक्त करना वह युक्त करनेके अनंतर घटी ६० से ज्यादा होय तो ६० में कम करना । अनंतर जो घटी पल बाकी रहे वह कला विकला भया अनंतर तन्मित कला विकला सारणीमें जिस अंशकोष्ठकके नीचे होंगे वह अंश और वह कला विकलाके दहने तरफ जो राशि होय सो लग्नकी राशि जानना यह स्थूल मान है परंतु स्वस्वदेशीय देशांतर रेखा धन ऋणादि देखके सारणीसे लग्न करना

उदाहरणः—तात्कालिक सूर्य ०।११।११।५६ यहां सूर्य मेषराशिका है इसवास्ते मेषराशिके ११ अंश कोष्ठकका फल ४।३ इसको इष्टघटी ३२ प. १ युक्त करके ३६।४ यहां ३६।१ कला विकला यह तुलराशिके १० अंश-कोष्ठकके नीचे लिखा है इसवास्ते लग्न ६।१०।३६।१ यह स्थूल मानका लग्न जानना ।

## दशमभावसारणीप्रवेश ।

केशवीमें कथित प्रमाण नतसाधनकरके सारणीमें बायें तरफ मेषादि राशिसे मीनतक १२ राशि लिखी हैं और ऊपरके तरफ ३० अंशकोष्ठक लिखे हैं उसमेंसे स्पष्ट सूर्य जिस राशिका होय उस राशिके सामने सूर्यके इष्टांशकोष्ठकके नीचेका कलादि फल लेके उसको नतघटी और पल पश्चिम होय तो युक्त करना और वह घटी ६० से अधिक होय तो उसमेंसे ६० कम करना और नतघटी और पल पूर्व होय तो लिया जो अंश फल उसमेंसे कमती करना और वह अंशफलसे अधिक होय तो अंशफलके कलामें ६० युक्त करके उसमें पूर्वनतघटी पल कमती करना अनंतर जो घटी पल बाकी रहे वह कला और विकला भई अनंतर तन्मित कला विकला सारणीमें जिस

अंशकोष्ठकके नीचे होय वह अंश और कला विकलाके बांये तरफ जो राशि होय वह दशम भावकी राशि जानना यह सर्वदेशोंका मध्यम मान है।

उदाहरणः—जन्मकालिक स्पष्ट रवि ०।१३।१०।४२ यह सूर्य मेषराशिका है इसवास्ते मेषराशिके १३ अंशकोष्ठकका फल ५।२८ इसमें जन्मकालिक पश्चिम नतघटी १५ पल ४० युक्त करके २१।८ यहां कलाविकला २१।३ यह कर्क राशिके १२ अंशके नीचे लिखा है इसवास्ते दशम यह ३।१२।२१।८ भया इसमें ६ राशि युक्त करी तो ९।१२।२१।८ यह चतुर्थ भाव भया।

## अष्टोत्तरीमहादशा।

आर्द्रासे प्रारंभ करके मृगशिरतक २८ नक्षत्र और सूर्य चन्द्र भौम बुध शनि गुरु राहु शुक्र यह ८ ग्रहोंका कोष्ठक पृथक् पृथक् किया है उसमें महादशाकी वर्षसंख्या पापग्रहनक्षत्र ४ और शुभग्रहनक्षत्र ३ जानना दशाकी वर्षसंख्या नक्षत्रोंके विभागसे सो यह सूर्य ४ नक्षत्रोंका ६ वर्ष, इसवास्ते १ नक्षत्रका १ वर्ष ६ महीने इस प्रकारका जानना और जन्मकालिक जो दशा सो प्रथम मानके जन्मनक्षत्रकी जन्मकालतक भुक्त घटिका जो होय उसको नक्षत्रके वर्षसे गुणके गुणाकारको जन्मनक्षत्रका भुक्त भोग्य युक्त करके सर्वघटीसे भागके जो भागाकार आवे सो वर्ष और शेष रहै सो १२ से गुणके पूर्ववत् भागके भागाकार आवे सो मास और शेष रहै सो ३० से गुणके पूर्वप्रमाण भागके भागाकार आवे सो दिवस और शेष रहै सो ६० से गुणके पूर्ववत् भागके भागाकार आवे सो घटी जानना अनंतर आया जो वर्षादि भुक्तकाल और जन्मनक्षत्रके पूर्वके दशापतिके गतनक्षत्र होय तो उसकाभी भुक्तकालदशापतिके दशावर्षमेंसे कम करके शेष रहै सो वर्षादि भोग्यदशा है ऐसा जानना।

## अंतर्दशा बनानेका क्रम।

जिस ग्रहके दशामें अन्य ग्रहकी अंतर्दशा करना है उन दोनोंके परस्पर दशावर्षोंके गुणाकारको ९ से भागके जो भागाकार आवे सो मास जानना

और शेष रहै उसको पूर्व लिखे प्रमाण उत्तरोत्तर गुणके ९ से भाग देना दिन घटिका आती है इसी रीतिसे महादशामेंकी अंतर्दशा जानना और १० का भाग विंशोत्तरीका लेना ।

## अष्टोत्तरीमहादशाचक्र ।

| सूर्यकी महादशा वर्ष ६ अंतर्दशा आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेष. | | | | | | | | | चंद्रकी महादशा वर्ष १५ अंतर्दशा मघा, पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू | चं. | मं | बु. | श. | बृ. | रा. | शु. | यो. | चं. | मं. | बु. | श | बृ. | रा. | शु. | सू. | यो. |
| ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | १ | ६ | २ | १ | २ | १ | २ | १ | २ | ० | १५ |
| ० | १० | ९ | ११ | ६ | ० | ८ | २ | ० | १ | १ | ४ | ४ | ७ | ८ | ११ | १० | ० |
| ० | ० | १० | १० | २० | २० | ० | ० | ० | ० | १० | १० | २० | २० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| भौमकी महादशा वर्ष ८ अंतर्दशा हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा. | | | | | | | | | बुधकी महादशा वर्ष १७ अंतर्दशा अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं. | बु. | श. | बृ | रा. | शु | सू. | चं. | यो | बु. | शॅ. | बृ. | रा. | शु. | सू. | चं. | मं. | यो. |
| ० | १ | ० | १ | १ | १ | ० | १ | ८ | २ | १ | २ | १ | ३ | ० | २ | १ | १७ |
| ७ | ३ | ८ | ४ | १० | ६ | ९ | १ | ० | ८ | ६ | ११ | १० | ३ | ११ | ४ | ३ | ० |
| ३ | ३ | २६ | २६ | २० | २० | १० | १० | ० | ३ | २६ | २६ | २० | २० | १० | १० | ३ | ० |
| २० | २० | ४० | ४० | ० | ० | ० | ० | ० | २० | ४० | ४० | ० | ० | ० | ० | २० | ० |

| शनिकी महादशा वर्ष १० अंतर्दशा पूर्वाषाढा, उत्तराषाढा, अभिजित्, श्रवण. | | | | | | | | | गुरुकी महादशा वर्ष १८ अंतर्दशा धनिष्ठा, शततारका, पूर्वाभाद्रपदा. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. | बृ. | रा. | शु. | सू | चं. | मं | बु | यो. | बृ. | रा. | शु. | सू. | चं. | मं. | बु. | श. | यो. |
| ० | १ | १ | १ | ० | १ | ० | १ | १० | ३ | २ | ३ | १ | २ | १ | २ | १ | १९ |
| ११ | ९ | १ | ११ | ३ | ४ | ८ | ६ | ० | ४ | १ | ८ | ० | ७ | ४ | ११ | ९ | ० |
| ३ | ३ | १० | २० | २० | २० | २६ | २६ | ० | ३ | १० | १० | २० | २० | २६ | २६ | ३ | ० |
| २० | २० | ० | ० | ० | ० | ० | ४० | ० | ४० | ० | ० | ० | ० | ४० | ४० | २० | ० |

| राहुकी महादशा वर्ष १२ अंतर्देशा उत्तराभाद्रपदा, रेवती, अश्विनी, भरणी. | | | | | | | | | शुक्रकी महादशा वर्ष २१ अंतर्देशा कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिर. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा | गु | सू | चं | म | बु | श | बृ | यो | शु. | सू | च | म | बु. | श | बृ | रा. | यो. |
| १ | २ | ० | १ | ० | १ | १ | २ | १२ | ४ | १ | २ | १ | ३ | १ | ३ | २ | २१ |
| ४ | ४ | ८ | ८ | १० | १० | १ | १ | ० | १ | २ | ११ | ६ | ३ | ११ | ८ | ४ | ० |
| ० | ० | ० | ० | २० | २० | १० | १० | ० | ० | ० | ० | २० | २० | १० | १० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

इत्यष्टोत्तरीदशांऽतर्दशाचक्रम् ।

## विंशोत्तरीमहादशाकरणम् ।

जन्मनक्षत्र जो होय उसकी संख्यामें २ कम करके ९ से भाग लेना शेष १।२।३।४।५।६।७।८।० तक रहेगा तब क्रमसे सूर्य, चंद्र, भौम, राहु, गुरु, शनि, बुध, केतु, शुक्र यह दशापति जानना और उनकी क्रमसे ६-१०-७-१८-१६-१९-१७-७-२० यह दशाकी वर्षसंख्या जानना जन्मनक्षत्रकी जन्मकालतक जो भुक्त घटी होय उसको अष्टोत्तरीमें कथित रीतिसे दशापतिके वर्षसंख्यासे गुणके और नक्षत्रका भुक्तभोग्य युक्त करके सर्वघटीसे भागके भागाकार वर्ष मास दिन घटी पल आवेगा सो दशापतिके वर्षसंख्यामेंसे कम करके शेष रहै सो वर्षादिसंख्या भोग्य है ऐसा जानना इसमें अंतर्दशा बनानेका प्रकार अष्टोत्तरीमें कहाहै सो जानना । कृत्तिकासे भरणीतक २७ नक्षत्र और दशा अंतर्दशा और प्रत्यंतर्दशाके अधिपतिके नाम और इनकी वर्षादि संख्या इनके जुदे जुदे कोष्ठक आगे लिखे हैं ।

उदाहरणः—जन्मनक्षत्र यहां उत्तराषाढ है इसकी संख्या २१ इसमें २ कम करके शेष १९ इसमें ९ से भागके शेष १ इसवास्ते सूर्यकी दशा भई अब नक्षत्रकी घटी ४७।३६ इसको ६० में कम करके १२।२४ यह इष्टघटी ३२ पल १ युक्त करके ४४।२५ यह भुक्त घटी भई और नक्षत्र उत्तराषाढ नक्षत्रकी घटीपल ५३।३३ इसमें १२।२४ यह

युक्त करके ६५।५७ यह भोग्य भया अब भुक्त और भोग्यकी पल क्रमसे २६६५।३९५७ भुक्त पलको सूर्यका वर्ष ६ इससे गुणके १५९९० इसमें भोग्यकी पलसे भागके लब्धि ४ वर्ष, शेष १६२ इसको १२ से गुणके १९४४ यह इसमें भोग्यकी पलसे भागके लब्धि ० मास, शेष १९४४ इसको ३० से गुणके ५८३२० यह इसमें भाग्यकी पलसे भागके लब्धि दिन १४, शेष २८२२ इसको ६० से गुणके १७५३२० इसमें भोग्यपलसे भागके लब्धि घटी ४४, शेष १२१२ इसको ६०से गुणके ७२७२० इसमें भोग्यपलसे भागके लब्धिपल १८, एवं वर्षादि रविदशा ४।०।१४।४४।१८ भुक्त भई अब इसको सूर्यका वर्ष ६ में कम किया तो १।११।१५।१५।४२ यह भोग्यदशा भई इसी प्रकारसे विंशोत्तरी दशा करना ।

टिप्पण—जिस दिन जन्म होय उस दिन अथवा वर्षप्रवेश होय उस दिन जो नक्षत्रकी घटी पल अभीष्ट घटी पलसे कमती होय तो उसी नक्षत्रकी घटीपलको ६० में कम करके दो जगह रखना एक स्थानमें इष्ट घटीपल युक्त करना तो भुक्त घटी हो जाय, दूसरी जगह अगले नक्षत्रकी घटीपल युक्त करे तो भोग्य होता है ।

## दशाका उदाहरण ।

प्रथम रविदशा वर्षादि भोग्य १।११।१५।१५।४२ इसके नीचे जन्मकालीन संवत् १९४३ यह वर्षमें स्पष्ट सूर्य ०।१३।१०।४२ इसको प्रथमदशा मासादि युक्त करके ११।२८।२६।२४ और संवत्में वर्ष युक्त करके १९४४ यह संवत्में ११।२८।२६।२४ यह स्पष्ट सूर्य रहते रविदशा पूर्ण होयके चन्द्रदशा प्रवेश भई इसी रीतिसे सब दशा प्रवेश करना तथा अंतर्दशा प्रत्यंतर्दशा करना ।

## विंशोत्तरीदशाचक्रम् ।

| ० | सू. | च. | म. | रा. | गु. | श. | बु. | क. | शु. | ग्र. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | १<br>११<br>१५<br>१५<br>४२ | १०<br>०<br>०<br>०<br>० | ७<br>०<br>०<br>०<br>० | १८<br>०<br>०<br>०<br>० | १६<br>०<br>०<br>०<br>० | १९<br>०<br>०<br>०<br>० | १७<br>०<br>०<br>०<br>० | ७<br>०<br>०<br>०<br>० | २०<br>०<br>०<br>०<br>० | व.<br>मा.<br>दि.<br>घ.<br>प. |
| ११<br>४३ | ११<br>४४ | ११<br>५४ | ११<br>६१ | ११<br>७४ | ११<br>९५ | २०<br>१४ | २०<br>३१ | २०<br>३८ | २०<br>५८ | सं. |
| सू. | सू. | सू. | सू. | सू. | सू. | सू. | सू. | सू. | सू. | सू. |
| ०<br>१३<br>१०<br>४२ | ११<br>२८<br>२६<br>३४ | ११<br>२८<br>२६<br>२४ | ११<br>२८<br>२६<br>२४ | ११<br>२८<br>२६<br>२४ | ११<br>२८<br>२६<br>२४ | ११<br>२८<br>२६<br>२४ | ११<br>२८<br>२६<br>२४ | ११<br>२८<br>२६<br>२४ | ११<br>२८<br>२६<br>२४ | शा.<br>खं.<br>क.<br>वि. |

| सूर्यमध्येऽन्तर्दशाचक्रम्. | | | | | | | | | सूर्यमध्ये सूर्यस्तन्मध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू | च | म | रा | गु | श | बु | के | शु | सू | चं | मं | रा | गु | श | बु. | के | शु |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ३ | ६ | ४ | १० | ९ | ११ | १० | ४ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १८ | ० | ६ | १४ | १८ | १२ | ६ | ६ | ० | ५ | ९ | ६ | १६ | १४ | १७ | १५ | ६ | १८ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २४ | ० | १८ | १२ | २४ | ६ | १८ | १८ | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| रविमध्ये चंद्रस्तन्मध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | | | | | रविमध्ये भौमस्तन्मध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| च. | म | रा | गु | श. | बु. | के | शु | सू | म | रा. | गु | श | बु | के | शु | सू | च |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १५ | १० | २७ | २४ | २८ | २५ | १० | ० | ९ | ७ | १८ | १६ | १९ | १७ | ७ | २१ | ६ | १० |
| ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० | ३० | ० | ० | २१ | ५४ | ४८ | ५७ | ५१ | ० | १८ | ० | ३० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| रविमध्ये राहुस्तन्मध्ये विदशा-चक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | बृ. | श. | बु | के. | शु. | सू. | च. | मं. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | १ | ० | १ | ० | ० | ० |
| १८ | १३ | २१ | १९ | १८ | २४ | १६ | २७ | १८ |
| ३६ | १२ | १८ | ५४ | ५४ | ० | १२ | ० | ५४ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| रविमध्ये गुरुस्तन्मध्ये विदशा-चक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | चं. | मं. | रा. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | ० | १ | ० | ० | ० | १ |
| ८ | १५ | १० | १६ | १८ | १४ | २४ | १६ | १३ |
| २४ | ३६ | ४८ | ४८ | ० | २४ | ० | ४८ | १२ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| रविमध्ये शनिस्तन्मध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. | बु. | के. | शु. | सू. | चं | मं. | रा. | बृ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | ० | १ | ० | ० | ० | १ | १ |
| २४ | १८ | १९ | २७ | १७ | २८ | १९ | २१ | १५ |
| ९ | २७ | ५७ | ० | ६ | ३० | ५७ | १८ | ३६ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| रविमध्ये बुधस्तन्मध्ये विदशा-चक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु. | के. | शु. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. | श. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | ० | १ | ० | ० | ० | १ | १ | १ |
| १३ | १७ | २१ | १५ | २५ | १७ | १५ | १० | १८ |
| २१ | ५१ | ० | १८ | ३० | ५१ | ५४ | ४८ | २७ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| रविमध्ये केतुस्तन्मध्ये विदशा चक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| के. | शु. | सू. | च. | म. | रा. | बृ. | श. | बु. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ७ | २१ | ६ | १० | ७ | १८ | १६ | १९ | १७ |
| २१ | ० | १८ | ३० | २१ | ५४ | ४८ | ५९ | ५१ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| रविमध्ये भृगुस्तन्मध्ये विद-शाचक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. | सू. | च. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | ० | १ | ० | १ | १ | १ | १ | ० |
| ० | १८ | ० | २१ | २४ | १८ | २७ | २१ | २१ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| चन्द्रमध्येऽन्तर्दशाचक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| च. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू |
| ० | ० | १ | १ | १ | १ | ० | ० | ० |
| १० | ९ | ६ | ४ | ७ | ४ | ० | ८ | ६ |
| ० | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| चन्द्रमध्ये चन्द्रस्तन्मध्ये वि० चक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | १ | १ | १ | १ | १ | १ | ० |
| २५ | १७ | १० | १० | १७ | १२ | १७ | २० | १० |
| ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० | ३० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| चन्द्रमध्ये भौमस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | | चन्द्रमध्ये राहुस्तन्मध्ये विदशाचक्रम् | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं | रा. | बृ | श | | के. | शु | सू | च | रा | बृ | श. | बु. | के | शु | सू | च | म |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | ० | १ | ० | ० | १ | ० | ० | २ | २ | २५ | २ | १ | ० | ० | १ | १ |
| १२ | १ | २८ | ३ | २१ | १२ | ५ | १० | १७ | २१ | १२ | ३० | १६ | १ | ० | २७ | १० | १ |
| ० | ३० | ० | १५ | ४५ | १५ | ० | ३० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ३० | ० | ० | ० | ३० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| चन्द्रमध्ये गुरुस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | | चन्द्रमध्ये शनिस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ | श | बु | के. | शु | सू | च. | म. | रा | श | बु | के. | शु | सू | च | म | रा | सू |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | २ | २ | ० | २ | ० | १ | ० | २ | ३ | २ | १ | ३ | ० | १ | १ | २ | २ |
| ४ | १६ | ८ | २८ | २- | २४ | १० | २८ | १८ | ० | २० | ३ | ५ | २८ | १७ | ३ | २५ | १६ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १५ | ४५ | १५ | ० | ३० | ३० | १५ | ३० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| चन्द्रमध्ये बुधस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | | चन्द्रमध्ये केतुस्तन्मध्य विदशाच० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु | के | शु | सू | च | म | रा | बृ | श | के | शु | सू | च | म | रा | बृ | श | बु |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | ० | २ | ० | १ | ० | २ | २ | २ | ० | १ | ० | ० | ० | १ | ० | १ | ० |
| १२ | २१ | २५ | २५ | ११ | २१ | १६ | ८ | २० | १० | ५० | १० | १७ | १० | १० | २८ | ३ | २१ |
| १५ | ४५ | ३० | ३० | ३० | ४५ | ३० | ० | १५ | १५ | ० | ३० | ३० | १५ | ३० | ० | १५ | ४५ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| चन्द्रमध्ये भृगुस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | | चन्द्रमध्ये सूर्यस्तनमध्ये वि० च० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु | सू | च | म | रा | बृ | श | बु | के | सू | च | म | रा | बृ | श | बु | के | शु |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ३ | १ | १ | १ | ३ | २ | ३ | २ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ |
| १८ | ० | २० | ५ | ० | ७० | ५ | २५ | ५ | १ | १५ | १८ | २५ | २४ | २८ | २५ | १० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० | ३० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| भौममध्येऽन्तर्दशाचक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | चं. |
| ० | ० | ० | १ | ० | ० | १ | ० | ० |
| ५ | ० | ११ | १ | ११ | ४ | २ | ५ | ७ |
| २४ | १० | ६ | १ | २७ | २६ | ० | ६ | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| भौममध्ये भौमस्तन्मध्ये विदशाचक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | चं. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ८ | २२ | १९ | २३ | २० | ८ | २४ | ७ | १२ |
| ३८ | ३ | ३६ | १६ | ४९ | ३४ | ३० | २१ | १९ |
| ३० | ० | ० | ३० | ३० | ३० | ० | ० | ० |

| [illegible] | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | १ | ० | २ | ० | १ | ० |
| २६ | २० | २९ | २३ | २२ | ३ | १८ | १ | २२ |
| ४२ | २४ | ५१ | ३३ | ३ | ० | ५४ | ३० | ३ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| [illegible] | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | ० | १ | ० | ० | ० | १ |
| १४ | २३ | १७ | ११ | २६ | १६ | २८ | ११ | २० |
| ४८ | १२ | ३६ | ३६ | ० | ४८ | ० | ३६ | २४ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| भौममध्ये शनिस्तन्मध्ये विदशाच० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. | बु. | के. | शु. | सू. | चं. | मं. | र. | बृ. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | ० | २ | ० | १ | ० | १ | १ |
| ३ | २६ | २१ | ४ | ११ | ३ | २३ | २१ | २३ |
| ० | ३१ | १६ | ३० | ५७ | १५ | १६ | ५१ | १२ |
| ४ | ३० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० |

| भौममध्ये बुधस्तन्मध्ये वि० चक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु. | के. | शु. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. | श. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | ० | १ | ० | ० | ० | १ | १ | १ |
| २० | २० | २१ | १७ | २१ | २० | २३ | १७ | २६ |
| ३४ | ५२ | ३० | ५१ | ४५ | ४९ | ३३ | ३६ | ३२ |
| ३० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० |

| भौममध्ये केतुस्तन्मध्य वि० च० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| के. | शु. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ८ | २४ | ७ | १२ | ८ | २२ | १९ | २३ | २० |
| ३० | ३० | २१ | १५ | ३५ | ३ | ३६ | १६ | ४९ |
| ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० |

| भौममध्ये भृगुस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | ० | १ | ० | २ | १ | २ | १ | ० |
| १० | २१ | ९ | २४ | ३ | २६ | ६ | २१ | २४ |
| ० | ० | ० | ३० | ० | ३० | ० | ३० | ३० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| भौममध्य रविस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | | भौममध्ये चन्द्रस्तन्मध्ये वि०च० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू | च | म | रा | बृ. | श | बु. | के. | शु | च. | म | रा. | बृ | श. | बु | के | शु | सू |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १ | ० | १ | ० | ० | १ | ० |
| ६ | १० | ७ | ८ | १६ | १९ | १७ | ७ | २१ | १७ | १२ | १ | २८ | ३ | २९ | १२ | ५ | १८ |
| १८ | ३० | ५१ | २४ | ४८ | ५७ | ५१ | २१ | ० | ३० | १५ | ३० | ० | १५ | ४५ | १५ | ० | ३० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| राहुमध्येऽन्तर्दशाचक्रम्. | | | | | | | | | राहुमध्ये राहुस्तन्मध्ये विदशाच. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा | बृ | श | बु | के. | शु. | सू | चं. | मं. | रा. | बृ | श | बु | के. | शु | सू. | चं. | म. |
| २ | २ | २ | २ | १ | ३ | ० | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ८ | ४ | १० | ६ | ० | ० | १० | ६ | ० | ४ | ४ | ५ | ४ | १ | ५ | १ | २ | १ |
| १२ | २४ | ६ | १८ | १८ | ० | २४ | ० | १८ | २५ | ९ | ३ | १७ | २६ | १२ | १८ | २१ | २६ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४८ | ३६ | ५४ | ४२ | ४२ | ० | ३६ | ० | ४२ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| राहुमध्ये गुरुस्तन्मध्ये विदशा च. | | | | | | | | | राहुमध्ये शनिस्तन्मध्ये विदशाच. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. | श | बु | के. | शु | सू | च | म | रा. | श. | बु. | के. | शु. | सू | च | म. | रा. | बृ. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ३ | ५ | ४ | १ | ४ | १ | २ | १ | ४ | ५ | ४ | १ | ५ | १ | २ | १ | ५ | ४ |
| २५ | १६ | २ | २० | २४ | १३ | १२ | २० | ९ | १९ | २५ | २९ | २१ | २१ | २५ | २९ | ३ | १६ |
| १२ | ४८ | २४ | २४ | ० | १२ | ० | २४ | ३६ | २७ | २१ | ५१ | ० | १८ | ३० | ५१ | ५४ | ४८ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| राहुमध्ये बुधस्तन्मध्ये विदशाच. | | | | | | | | | राहुमध्ये केतुस्तन्मध्ये विदशाच. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु | के. | शु | सू | च. | म. | रा | गु. | श. | के | शु. | सू | च | म. | रा. | बृ | श | बु. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | १ | ५ | १ | २ | १ | ४ | ४ | ४ | ० | २ | ० | १ | ० | १ | १ | १ | १ |
| १० | २३ | ३ | १५ | १६ | २३ | १७ | २ | २४ | २२ | ३ | १८ | १ | २२ | २६ | २० | २९ | २३ |
| ३० | ३३ | ० | ५१ | ३० | ३३ | ४२ | २४ | ५४ | ३ | ० | ५४ | ३० | ३ | ४२ | २४ | ५१ | ३३ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| राहुमध्ये भृगुस्तन्मध्ये वि. चक्र. | | | | | | | | | राहुमध्ये रविस्तन्मध्ये विदशाचक्र. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु | के | शु. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ६ | १ | ३ | २ | ५ | ४ | ५ | ५ | २ | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | ० | ० |
| ० | २४ | ० | ३ | १२ | २४ | २१ | ३ | ३ | १६ | २७ | १८ | १८ | १३ | २१ | १५ | १८ | २४ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १२ | ० | ५४ | ३६ | १२ | १८ | ५४ | ५४ | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| राहुमध्ये चन्द्रस्तन्मध्ये विदशाचक्र. | | | | | | | | | राहुमध्ये भौमस्तन्मध्ये विदशाचक्र. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | चं. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | २ | २ | २ | २ | १ | ३ | ० | ० | १ | १ | १ | १ | ० | ० | ० | १ |
| १५ | १ | २१ | १२ | २५ | १६ | १ | ० | २७ | २२ | २६ | २० | २९ | २३ | २२ | ३ | १८ | १ |
| ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० | ३० | ० | ० | ३ | ४२ | २४ | ५१ | ३३ | ३ | ० | ५४ | २० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| गुरुमध्येऽन्तर्दशा चक्रम्. | | | | | | | | | गुरुमध्ये गुरुस्तन्मध्ये वि० चक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. | श. | बु | के. | शु. | सू. | च. | मं. | रा. | बृ | श | बु. | के. | शु. | सू. | चं. | म | रा. |
| २ | २ | २ | ० | २ | ० | १ | ० | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | ६ | ३ | ११ | ८ | ९ | ४ | ११ | ४ | ३ | ४ | ३ | १ | ४ | १ | २ | १ | ३ |
| १८ | १२ | ६ | ६ | ० | १८ | ० | ६ | २४ | १२ | १ | १८ | १४ | ८ | ८ | ४ | १४ | २५ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २४ | ३६ | ४८ | ४८ | ० | २४ | ० | ५० | १२ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| गुरुमध्ये शनिस्तन्मध्ये विद. च. | | | | | | | | | ग. मध्ये बुधस्तन्मध्ये विदशाच. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. | बु. | के. | शु. | सू | चं. | म. | रा. | बृ | बु. | के. | शु. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. | श. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ५ | ० | १ | ५ | १ | २ | १ | ४ | ४ | ३ | १ | ४ | १ | २ | १ | ४ | ३ | ४ |
| २४ | ९ | २३ | २ | १५ | १३ | २३ | १६ | १ | २५ | १७ | २६ | ५० | ८ | ११ | २ | १८ | ९ |
| ४ | १२ | ३० | ४ | ३६ | ० | १२ | ४८ | ३६ | ३६ | ३६ | ० | ४८ | ० | ३६ | २४ | ४८ | १२ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| गुरुमध्ये केतुस्तन्मध्ये वि० चक्र | | | | | | | | | गुरुमध्ये शुक्रस्तन्मध्ये वि० चक्र. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| के | शु | सू | च | म | रा | बृ | श | बु | शु | सू | च | म | रा | बृ | श | बु | के |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | ५ | १ | २ | १ | ४ | ४ | ५ | ४ | १ |
| १९ | २६ | १६ | २० | १९ | २० | १४ | २३ | १७ | १० | १८ | २० | २६ | २४ | ८ | २ | २६ | २६ |
| ३६ | ० | ० | ० | २६ | २४ | ८ | १९ | ३६ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| गुरुमध्ये रविस्तन्मध्ये वि० चक्रम् | | | | | | | | | गुरुमध्ये चन्द्रस्त० विदशाचक्रम् | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू | च | म | रा | बृ | श | बु | के | शु | च | म | रा | बृ | श | बु | [illegible] | [illegible] | सू |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | ० | १ | १ | ० | २ | २ | २ | २ | ० | २ | ० |
| १४ | २४ | १६ | १३ | ८ | १५ | १० | १६ | १८ | २० | १८ | १२ | ४ | १६ | ८ | २८ | २० | २४ |
| १४ | ० | ४८ | १२ | २० | ३१ | ४८ | ४८ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| गुरुमध्य भौमस्तन्मध्ये वि० चक्रम | | | | | | | | | गुरुमध्य राहुस्तन्मध्ये वि० चक्रम् | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | रा | बृ | श | बु | के | शु | सू | च | रा | बृ | श | बु | के | शु | सू | च | म |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | १ | १ | ० | १ | ० | ० | ४ | ३ | ४ | ४ | १ | ४ | १ | २ | १ |
| १० | ४० | २४ | २३ | १७ | ११ | १६ | १६ | १८ | ९ | २५ | १० | २० | २० | १४ | १० | १० | २० |
| ३६ | २४ | ४८ | ४२ | ३६ | ३६ | ० | ४० | | ३६ | १२ | ४८ | २४ | २४ | ० | १२ | ० | २४ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| शनिमध्येऽन्तर्दशाचक्रम् | | | | | | | | | शनिमध्य शनिस्तन्मध्ये विदशाच | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श | बु | के | शु | र | च | म | रा | बृ | [illegible] | बु | [illegible] | शु | र | च | म | रा | बृ |
| ३ | २ | १ | ३ | ० | १ | १ | २ | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ८ | १ | २ | ११ | ७ | १ | १० | ६ | ० | ५ | ७ | ६ | १ | ३ | २ | ५ | ४ |
| ३ | ९ | ९ | ० | १२ | ० | ९ | ६ | १२ | ११ | ३ | ३ | ० | २४ | ० | ३ | १२ | २४ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ८ | २५ | १० | ३० | ९ | १५ | १० | २७ | ४१ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३० | ३० | ३० | ० | ० | ० | ३ | ० | ० |

| शनिमध्ये बुधस्तन्मध्ये विदशा घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु. | के. | शु. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. | श. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | १ | ५ | १ | २ | १ | ४ | ४ | ५ |
| १७ | २६ | ११ | १८ | २० | २६ | २५ | ९ | ३ |
| १६ | ३१ | ३० | २७ | ४५ | ३१ | २१ | १२ | २५ |
| ३० | ३९ | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० |

| शनिमध्ये केतुस्तन्मध्ये विदशा घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| के. | शु. | सू. | चं. | मं | रा. | बृ. | श | बु. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | २ | ० | १ | ० | १ | १ | २ | १ |
| २३ | ६ | ९ | १ | २३ | २९ | २३ | ३ | २६ |
| १६ | ३० | ५७ | १५ | १६ | ५१ | १२ | १० | ३१ |
| ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० |

| शनिमध्ये भृगुस्तन्मध्ये विदशा घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. | सू. | चं. | मं | रा. | बृ. | श. | बु | के. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ६ | १ | ३ | २ | ५ | ५ | ६ | ५ | २ |
| १० | २७ | ५ | ६ | २१ | २ | ० | ११ | ६ |
| ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० | ३० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| शनिमध्ये रविस्त० विदशा घक्रम. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू. | चं | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | ० | १ |
| १७ | २८ | ११ | २१ | १५ | २४ | १८ | ११ | १७ |
| ६ | ३० | ५७ | १८ | ३६ | ९ | २७ | ५७ | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| शनिमध्ये चन्द्रस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | २ | २ | ३ | २ | १ | ३ | ० |
| १७ | ३ | २७ | १६ | ० | २० | ३ | ५ | २८ |
| ३० | १५ | ३० | ० | १५ | ४५ | १५ | ० | ३० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| शनिमध्ये भौमस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | क. | शु. | र. | चं. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | १ | २ | १ | ० | २ | ० | १ |
| २३ | २९ | २३ | ३ | २६ | २३ | ६ | १९ | ३ |
| १६ | ५१ | १२ | १० | ३१ | १६ | ३० | ५७ | १५ |
| ३० | ० | ० | ३० | ३० | ३० | ० | ० | ० |

| शनिमध्ये राहुस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | च. | मं. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ५ | ४ | ५ | ४ | १ | ५ | १ | २ | १ |
| ३ | १६ | १० | २५ | २९ | २१ | २१ | २५ | २१ |
| ५४ | ४८ | २७ | ५१ | ४० | ० | २० | ३० | ५१ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| शनिमध्ये गुरुस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. | श. | बु. | क. | शु. | सू. | चं. | मं. | रा. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | ४ | ४ | १ | ५ | १ | २ | १ | ४ |
| १ | २४ | ९ | २३ | २ | १४ | १६ | २३ | १६ |
| ३६ | २४ | १२ | १२ | ० | ३६ | ० | १५ | ४८ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| बुधमध्येऽन्तर्दशाचक्रम्. | | | | | | | | | बुधमध्ये बुधस्तन्मध्ये विदशाच. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु | क | शु | सू | च | म | रा | बृ. | श | बु | के | शु | सू. | च. | म. | रा | बृ. | श. |
| २ | [illegible] | २ | ० | १ | ० | २ | २ | २ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | ११ | १० | १० | ५ | ११ | ६ | ३ | ८ | ४ | १ | ४ | १ | २ | १ | ४ | ३ | ४ |
| २७ | २७ | ० | ६ | ० | २७ | १८ | ६ | ९ | २ | २० | २८ | १३ | १२ | २० | १० | २५ | १७ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ४९ | ३४ | ३० | २१ | १५ | ३४ | ३ | ३६ | १६ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० |

| बुधमध्ये केतुस्तन्मध्ये विदशाच | | | | | | | | | बुधमध्ये भृगुस्त० विदशाचक्रम्. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| के | शु | र | च | म | सू | बृ | श | बु | शु | सू | च | म | रा | बृ | श | बु | के. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | ० | ० | ० | १ | १ | १ | १ | ५ | १ | २ | १ | ५ | ४ | ५ | ४ | १ |
| २० | २१ | १७ | २९ | २० | २३ | १७ | २६ | २० | २० | २१ | २५ | २१ | ३ | १६ | ११ | २४ | २१ |
| ४९ | ३० | ५१ | ४५ | ४९ | ३३ | ३६ | ३१ | ३४ | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० | ३० |
| ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| बुधमध्ये रविस्तन्मध्ये विदशाच. | | | | | | | | | बुधमध्ये चन्द्रस्तन्मध्ये विदशाच. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| र | च | म | रा | बृ | श | बु | के | शु | च. | म. | रा | बृ | श. | बु | क. | शु. | र. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | १ | ० | १ | १ | ० | १ | १ | ० | २ | २ | २ | २ | ० | २ | ० |
| १५ | २५ | १७ | १५ | १० | १८ | १३ | १७ | २१ | १२ | २९ | १६ | ८ | २० | १२ | २९ | २५ | २६ |
| १८ | ३० | ५१ | ५४ | ४८ | २४ | २१ | ५१ | ० | ३० | ४९ | ३० | ० | २७ | १५ | ४९ | २ | ३० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| बुधमध्ये भौमस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | | बुधमध्ये राहुस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | रा | बृ | श | बु | क | शु | र. | च | रा | बृ | श | बु | के | शु | र. | च | म |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | १ | १ | १ | १ | ० | १ | ० | ० | ४ | ४ | ४ | ४ | १ | ५ | १ | २ | २ |
| २० | २३ | १७ | २६ | २० | २० | २९ | १७ | २९ | १७ | २ | २५ | १० | २३ | ३ | १५ | १६ | २३ |
| ४२ | २३ | ३६ | ३१ | ३४ | ४९ | ३० | ५१ | ४५ | ४२ | २४ | २१ | ३ | २३ | ० | ५४ | ३० | ३३ |
| ३० | - | ० | ३० | ३- | ३० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| बुधमध्ये गुरुस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | | बुधमध्ये शनिस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | च. | मं. | रा. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ३ | ४ | ३ | १ | ४ | १ | २ | १ | ४ | ५ | ४ | १ | ५ | १ | २ | १ | ४ | ४ |
| १८ | ९ | २५ | १७ | १६ | १० | ८ | १७ | २ | ३ | १७ | २६ | ११ | १८ | २० | २६ | २५ | ९ |
| ४८ | १२ | ३६ | ३६ | ० | ४८ | ० | ३६ | २४ | २५ | १६ | ३१ | ३० | २७ | ४५ | ३१ | २१ | १२ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३० | ३० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० |

| केतुमध्येऽन्तर्दशाचक्रम्. | | | | | | | | | केतुमध्ये केतुस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| के. | शु. | ।. | चं | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. |
| ० | १ | ० | ० | ० | १ | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | २ | ४ | ७ | ४ | ० | ११ | १ | ११ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २७ | ० | ६ | ० | २७ | १८ | ६ | ९ | २७ | ८ | २४ | ७ | १२ | ८ | २२ | १९ | २३ | २० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३४ | ३० | २१ | १५ | ३४ | ३ | ३६ | १६ | ४९ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० |

| केतुमध्ये भृगुस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | | केतुमध्ये रविस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु. | सू. | च. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु | के. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | ० | १ | ० | २ | १ | २ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १० | २१ | ५ | २४ | ३ | १६ | ६ | २९ | २४ | ६ | १० | ७ | १८ | १६ | १९ | १७ | ७ | २१ |
| ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० | ३० | २८ | ३० | २१ | ५४ | ४८ | ५७ | ५१ | २१ | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| केतुमध्ये चन्द्रस्तन्मध्ये वि० च० | | | | | | | | | केतुमध्ये भौमस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| चं. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | र. | चं. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | १ | ० | १ | ० | ० | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १७ | १२ | १ | २८ | ३ | २९ | १२ | ५ | १० | ८ | २८ | ११ | २३ | २० | ८ | २४ | ७ | १२ |
| ३० | १५ | ३० | ० | १५ | ४५ | १५ | ० | ३० | ३४ | ३ | ३६ | १६ | ४९ | ३४ | ३० | २१ | १५ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ३० | ० | ० | ० |

| केतुमध्ये राहुस्तन्मध्ये वि० प० | | | | | | | | | केतुमध्ये गुरुस्तन्मध्ये वि० प० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा | बृ | श | बु | के | शु. | सू | च | म | बृ | श | बु | के. | शु | सू | च | म | र |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १ | १ | १ | १ | ० | २ | ० | १ | ० | १ | १ | १ | ० | १ | ० | ० | ० | १ |
| २६ | २० | २१ | २३ | २२ | ३ | १८ | १ | २२ | १४ | २३ | १७ | ११ | २६ | १६ | २८ | ११ | २० |
| ४२ | ५४ | ५१ | ३३ | ३ | ० | ५४ | ३० | ३ | ४८ | १२ | ३६ | ३६ | ० | ४८ | ० | ३६ | २४ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| केतुमध्ये शनिस्तन्मध्ये वि० प० | | | | | | | | | केतुमध्ये बुधस्तन्मध्ये वि० प० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श | बु | के | शु | र | च | म | रा | बृ | बु | के | शु | सू | चं | म | रा | बृ | श |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| २ | १ | ० | ० | ० | १ | ० | १ | १ | १ | ० | १ | ० | ० | ० | १ | १ | १ |
| ३ | २६ | २३ | ६ | ११ | ३ | २३ | २१ | २३ | २० | २० | २१ | १७ | ११ | २० | २३ | १७ | २६ |
| १० | ३१ | १६ | ३० | ५७ | १५ | १६ | २१ | १२ | ३४ | ४१ | ३० | ५१ | ४९ | ४१ | ३३ | ३६ | ३१ |
| ३० | ३० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० |

| भृगुमध्येऽन्तर्दशा चक्रम् | | | | | | | | | भृगुमध्ये भृगुस्तन्मध्ये विदशाच. | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शु | सू | च | म | रा | बृ | श | बु | के | शु | सू | च | म | रा | बृ | श | बु | के |
| ३ | १ | १ | १ | १ | २ | ३ | २ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | ० | ८ | २ | ० | ८ | २ | १० | २ | ६ | २ | ३ | २ | ६ | ५ | ६ | ५ | २ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | २० | ० | १० | १० | ० | १० | १० | २० | १० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| शुक्रमध्ये रविस्तन्मध्ये वि० प० | | | | | | | | | शुक्रमध्ये चन्द्रस्तन्मध्ये वि० प० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| र. | च | म | रा | बृ | श | बु | के | शु | च | म | रा | बृ | श | बु | के | शु | सू |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| १८ | १ | ० | १ | १ | १ | १ | ० | २ | १ | १ | ३ | २ | ३ | २ | १ | ३ | १ |
| ० | ० | २१ | २४ | १८ | २७ | २१ | २१ | ० | २० | ५ | ० | २० | ५ | २५ | ५ | १० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ० |

| शुक्रमध्ये भौमस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | | शुक्रमध्ये राहुस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | चं. | रा. | बृ. | श. | बु. | के. | शु. | सू. | चं. | मं. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | २ | १ | २ | १ | ० | २ | ० | १ | ५ | ४ | ५ | ५ | २ | ६ | १ | ३ | २ |
| २४ | ३ | २६ | ६ | २९ | २४ | १० | २१ | ५ | १२ | २४ | २१ | ३ | ३ | ० | २४ | ० | ३ |
| ३० | ० | ० | ३० | ३० | ३० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| शुक्रमध्ये गुरुस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | | शुक्रमध्ये शनिस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. | श | बु. | के. | शु. | सू. | चं. | मं. | रा. | श. | बु. | के. | शु | सू | चं. | मं. | रा. | बृ. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | ५ | ४ | १ | ५ | १ | २ | १ | ४ | ६ | ५ | २ | ६ | १ | ३ | २ | ५ | ५ |
| ८ | २ | १६ | २६ | १० | १८ | २० | २६ | २४ | ० | ११ | ६ | १० | २७ | ५ | ६ | २१ | २ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ३० | ३० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| शुक्रमध्ये बुधस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | | शुक्रमध्ये केतुस्तन्मध्ये वि० घ० | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बु. | के. | शु. | सू. | चं. | मं. | रा. | बृ. | श. | के. | शु. | सू. | च. | मं. | रा. | बृ. | श. | बु. |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ४ | १ | ५ | १ | २ | १ | ५ | ४ | ५ | ० | २ | ० | १ | ० | २ | १ | २ | १ |
| २४ | २९ | २० | २१ | २५ | २९ | ३ | १६ | ११ | २४ | १० | २१ | ९ | २४ | ३ | २६ | ६ | २९ |
| ३० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० | ० | ० | ० | ३० | ० | ० | ३० | ३० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

## योगिनीदशाक्रम ।

जन्मनक्षत्र जो होय उसमें ३ अंक युक्त करके ८ से भाग देना शेष अंक १।२।३।४।५।६।७।० तक रहेगा तब क्रमसे मंगला पिंगला धान्या भ्रामरी भद्रिका उल्का सिद्धा संकटा यह योगिनीके नाम जानना और उनकी क्रमसे १।२।३।४।५।६।७।८ यह वर्षसंख्या जानना और जन्मनक्षत्रके भुक्तभोग्यघटीप्रमाण जन्मकालिक दशावर्षसंख्यामेंसे अष्टोत्तरीमें लिखे प्रमाण भुक्त और भोग्य दशा बनाना ।

## अंतर्दशाक्रम ।

दशावर्षसंख्याके दिन करके उसको ३६ से भागके जो भागाकार आवे सो दिवस सर्वदशामें मंगला योगिनीकी अंतर्दशा होती है. अनंतर वही भागाकार क्रमसे २।३।४।५।६।७।८ इससे गुणे तो पिंगलादि योगिनीके अंतर्दशा दिवस होते हैं यहां दशाधिपति और दशा अंतर्दशाके नाम उनके वर्षादिसंख्या जुदे जुदे कोष्ठकमें आगे लिखे हैं यह योगिनीदशाक्रम ३६ वर्षकी होती है, सो भोगनेके अनंतर पुनः यही लेना ।

| मगलामध्ये सतरम् । | | | | | | | | पिंगलामध्येऽतर्दशाचक्रम् । | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | पि | धा. | भ्रा | भ | उ. | सि | सं | पि | धा | भ्रा | भ | उ. | सि | स | म |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | १ | १ | १ | २ | २ | २ | १ | २ | २ | ३ | ४ | ४ | ५ | ० |
| ३० | २० | ० | १० | २० | ० | १० | २० | १० | ० | २० | १० | ० | २० | १० | २० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| धान्यामध्येंऽतर्दशाचक्रम् । | | | | | | | | भ्रामरीदशामध्येंऽतर्दशाचक्रम् । | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| धा | भ्रा. | भ | उ | सि | स | म | पिं | भ्रा | भ | उ | सि. | स | म | पिं | धा |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | १ | २ | ५ | ६ | ८ | ९ | १० | १ | २ | ४ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १० | २० | ० | १० | २० | १० | २० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| भद्रिकामध्येंऽतर्दशाचक्रम् । | | | | | | | | उल्कामध्येंऽतर्दशाचक्रम् । | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भ | उ | सि | स | म. | पि. | धा. | भ्रा | उ | सि | स | म | पि | धा. | भ्रा | भ |
| ० | ० | ० | १ | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० |
| ८ | १० | ११ | १ | १ | ३ | ५ | ६ | ० | २ | ४ | २ | ४ | ६ | ८ | १० |
| १० | ० | २० | १० | २० | १० | ० | २० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| सिद्धादशामध्येंऽतर्दशाचक्रम् । | | | | | | | | संकटामध्येऽतर्दशाचक्रम्. | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सि. | सं. | मं. | पि. | धा. | भ्रा. | भ. | उ. | सं. | मं. | पि. | धा. | भ्रा. | भ. | उ. | सि. |
| १ | १ | ० | ० | ० | ० | ० | १ | १ | ० | ० | ० | ० | १ | १ | १ |
| ४ | ६ | २ | ४ | ७ | ९ | ११ | २ | ९ | २ | ५ | ८ | १० | १ | ४ | ६ |
| १० | २० | १० | २० | ० | १० | २० | ० | १० | २० | १० | ० | २० | १० | ० | ७ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

## जन्मपत्रिका लिखनेका क्रम ।

प्रथम मंगलश्लोक, आशीर्वादश्लोक, रक्षार्थ श्रीरामचन्द्रजन्मकुंडली तथा कृष्णचन्द्रजन्मकुंडली, अनंतर संवत्, शक, अयन, ऋतु, मास, पक्ष, तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण, दिनमान, रात्रिमान, इष्टकाल घटीपल इस प्रकारसे जन्मसमय लिखना अनंतर मध्यमादि स्पष्टग्रह और लग्न लिखना अनंतर जन्मकुंडली ग्रहन्यासपूर्वक लिखके संवत्सरादिफल लिखना अनंतर चन्द्रराशिकुंडली लिखके फल लिखना तन्वादि द्वादशभाव संधिसहित लिखके ग्रहोंका क्षय चय फल लिखना भावकुंडली लिखके भावगत ग्रहफल और भावस्वामिगत फल और भावलग्नफल और लग्नस्वामिफल लिखना सप्तवर्गचक्र फलसहित लिखना ग्रहोंकी परस्परदृष्टि और भावोंपर ग्रहदृष्टि लिखना अनंतर षड्वर्गकुंडली ग्रहसहित लिखना नैसर्गिक तात्कालिक पंचधामैत्री लिखना और ग्रहभाव सप्तवर्गचक्र और ग्रहोंके स्थान, दिक्, काल, निसर्गचेष्टा, दृग्बल और भावबलभी लिखना तन्वादिद्वादशभाव विचारफल और ग्रहदृष्टि फल और रिष्टारिष्टभंग, राजयोग, राजयोगभंगादि, सुनफा, अनफा, दुरधरा, केमद्रुम, नाभस योगादिसंभव योगफल और सर्वतोभद्र चक्र, सूर्यकालानल, चन्द्रकालानल, अष्टवर्गादिचक्र और यमदंष्ट्राचक्र और फल और रश्मिफल और दीप्तादि और बालादि जाग्रतादि ग्रहोंकी अवस्थाफलसहित और इष्टकष्टादि और इष्टकष्टदृष्टि और इष्टकष्टबल और बृहदिष्टकष्ट और आयुर्दाय दशाविभाग फलसहित और दशामें अंतर्दशा और विदशा और उपदशा फलसहित लिखना अनंतर विंशो-

रीदशा फलसहित लिखके अंतर प्रत्यंतर फलसहित लिखना और योगिनी-दशा अंतर्दशा लिखके फल लिखना अष्टोत्तरी दशा लिखना ।

कविवंशप्रशंसा स्रग्धराछन्दसा ।

आदौ ब्रह्मा ततो दिग्द्विजनिकरभवा ब्राह्मणा गौडवर्या-
स्तद्भारद्वाजगोत्रे प्रथितगुणगणः सुन्दरो लालयुक्तः ॥
आसीत्तस्यापि पुत्रो प्रकटसमुदयावासतुलब्धकीर्तौ
यच्छोशीलयादियुक्तं शुभगुणनिचयं भूरि लोका गृणन्ति ॥१॥

भाषाः-( अब कविके वंशकी प्रशंसा कही जाती है स्रग्धराछंदसे ) पहिले ब्रह्माजी भये तिनसे दश प्रकारके ब्राह्मण भये तिनमें गौड द्विजश्रेष्ठ भये तिनके शुभ भारद्वाजगोत्रमें विख्यात गुणगणवान् सुंदरलालजी भये और तिनके पुत्र जो प्रकटित भाग्योदयवाले और लब्धकीर्तिवान् जिनके सुशीलपन आदिसे युक्त शुभगुणोंका बहुतसे लोग गान कर रहे हैं ॥ १ ॥

शिवो दयालुयुक् शिवः सहायवान् सुतावुभौ
तदीयपुत्रतां गतौ सुयुग्मकौ तु पंडितौ ॥
महद्गरीयगौरवौ त्रिकालवाचकावुभौ
समापतुर्नरेन्द्रसिंहराज्यतोऽधिकं यशः ॥ २ ॥

भाषाः-ऐसे शिवदयालुजी शिवसहायजी दोनों पुत्र तिनके पुत्र युग्मक जोडीवाले पंडित प्रसिद्ध भये. जो महाभारी गौरववान् और त्रिकालवक्ता ज्योतिर्वित् जिन्होंने पट्टालयाधीश श्रीमन्नरेन्द्रसिंह महाराजके राज्यसे बहुत यश कीर्ति यथा महान् आजीवनोदय पाया ॥ २ ॥

दुर्गाप्रसादश्च तथा भवानीसहाय एतौ महदाप्तकामौ ॥
जनाभिरामौ नृपतिप्रधानौ ज्योतिर्विदावाप्ततुरातमानौ ॥ ३ ॥

भाषाः-सो दुर्गाप्रसाद और भवानीसहाय ये दोनों परिपूर्णकामें भये जो जनोंको अभिराम आनंद देनेवाला जो राज्यमें प्रधान मुख्य जोतिषी भातमान सन्मान अर्थात् भारी प्रतिष्ठित भये ॥ ३ ॥

अथो शिवसहायस्य सुतावेतौ महामती ॥
लक्ष्मीनारायणश्चाथ ज्योतिर्विज्जगदीशकः ॥ ४ ॥

भाषाः—फिर तिन शिवसहायजीके महान् बुद्धिवान् लक्ष्मीनारायण और ज्योतिर्वित् जगदीशशर्मा पुत्र हैं ॥ ४ ॥

ज्योतिर्विज्जगदीशोऽसौ जगदीशप्रतोषदम् ॥
केशवायार्पयत्कृत्वा केशवीजातकं स्फुटम् ॥ ५ ॥

भाषाः—ज्योतिर्वित् जगदीशप्रसाद शर्माने जगदीश ( नारायण ) को तुष्टि ( प्रसन्नता ) देनेवाले इस केशवीजातकको स्फुट अर्थात् प्रकट मनुष्य भाषासे विभूषित करके केशवभगवान्के अर्थ समर्पण किया अथवा केशव-दैवज्ञवर्यकी पूजामें अर्पण किया यह भी श्लेष है ॥ ५ ॥

त्रिपंचांकेन्दुवर्षे सद्विक्रमीये नभस्सिते ॥
नृगिरोदाहृतिः पूर्णा पूर्णिमायां रवेर्दिने ॥ ६ ॥

भाषाः—संवत् १९५३ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा रविवारको शुभ भारतभू-मिमण्डलांतर्गत प्रसिद्ध इन्द्रप्रस्थ नगरसे पश्चिमकोणस्थ आर्चिक शैलतलवर्ति-नन्दग्रामनिवासी भारद्वाज गोत्र उपाध्यायकुलोद्भव ज्योतिर्वित् जगदीशप्रसादका बनाया यह नव्य उदाहरण मनुष्य भाषासे विभूषित समाप्त भया सो सबको सदा सुखादि देवो ॥ ६ ॥

मंगलं लेखकानां च पाठकानां च मंगलम् ॥
मंगलं सर्वलोकानां भूयोभूयोस्तु मंगलम् ॥ ७ ॥
मंगलं भगवान् विष्णुर्मंगलं गरुडध्वजः ॥
मंगलं पुण्डरीकाक्षो मंगलायतनो हरिः ॥ ८ ॥

चरदिशा फलसहित लिखके अंतर प्रत्यंतर फलसहित लिखना और योगिनी-
दशा अंतर्दशा लिखके फल लिखना अष्टोत्तरी दशा लिखना ।

कविवंशप्रशंसा स्रग्धराछन्दसा ।

आदौ ब्रह्मा ततो दिग्द्विजनिकरभवा ब्राह्मणा गौडवर्या-
स्तद्भारद्वाजगोत्रे प्रथितगुणगणः सुन्दरो लालयुक्तः ॥
आसीत्तस्यापि पुत्रो प्रकटसमुदयाशासतुलब्धकीर्ती
यच्छौशील्यादियुक्तं शुभगुणनिचयं भूरि लोका गृणन्ति ॥ १ ॥

भाषाः—( अब कविके वंशकी प्रशंसा कही जाती है स्रग्धराछंदसे )
पहिले ब्रह्माजी भये तिनसे दश प्रकारके ब्राह्मण भये तिनमें गौड द्विजश्रेष्ठ भये
तिनके शुभ भारद्वाजगोत्रमें विख्यात गुणगणवान् सुंदरलालजी भये और
तिनके पुत्र जो प्रकटित भाग्योदयवाले और लब्धकीर्तिवान् जिनके सुशीलपन
आदिसे युक्त शुभगुणोंका बहुतसे लोग गान कर रहे हैं ॥ १ ॥

शिवो दयालुयुक् शिवः सहायवान् सुतावुभौ
तदीयपुत्रतां गतौ सुयुग्मकौ तु पंडितौ ॥
महद्गरीयगौरवौ त्रिकालवाचकावुभौ
समापतुर्नरेन्द्रसिंहराज्यतोऽधिकं यशः ॥ २ ॥

भाषाः—ऐसे शिवदयालजी शिवसहायजी दोनों पुत्र तिनके पुत्र युग्मक
जोडीवाले पंडित प्रसिद्ध भये. जो महाभारी गौरववान् और त्रिकालवक्ता
ज्योतिर्वित् जिन्होंने पट्टालयाधीश श्रीमन्नरेन्द्रसिंह महाराजके राज्यसे बहुत
यश कीर्ति यथा महान् आजीवनोदय पाया ॥ २ ॥

दुर्गाप्रसादश्च तथा भवानीसहाय एतौ महदाप्तकामौ ॥
जनाभिरामौ नृपतिप्रधानौ ज्योतिर्विदावाप्तगुरुप्रमानौ ॥ ३ ॥

भाषाः—सो दुर्गाप्रसाद और भवानीसहाय ये दोनों परिपूर्णकाम भये जो
जनोंको अभिराम आनंद देनेवाला जो राज्यमें प्रधान मुख्य जोतिषी मानमान
सन्मान अर्थात् भारी प्रतिष्ठित भये ॥ ३ ॥

अथो शिवसहायस्य सुतावेतौ महामती ॥
लक्ष्मीनारायणश्चाथ ज्योतिर्विज्जगदीशकः ॥ ४ ॥

भाषाः—फिर तिन शिवसहायजीके महान् बुद्धिवान् लक्ष्मीनारायण और ज्योतिर्विद् जगदीशशर्मा पुत्र हैं ॥ ४ ॥

ज्योतिर्विज्जगदीशोऽसौ जगदीशप्रतोषदम् ॥
केशवायार्पयत्कृत्वा केशवीजातकं स्फुटम् ॥ ५ ॥

भाषाः—ज्योतिर्विद् जगदीशप्रसाद शर्माने जगदीश (नारायण) को तुष्टि (प्रसन्नता) देनेवाले इस केशवीजातकको स्फुट अर्थात् प्रकट मनुष्य भाषासे विभूषित करके केशवभगवान्‌के अर्थ समर्पण किया अथवा केशव-दैवज्ञवर्यको पूजामें अर्पण किया यह भी श्लेष है ॥ ५ ॥

त्रिपंचांकेन्दुवर्षे सद्विक्रमीये नभस्सिते ॥
नृगिरोदाहृतिः पूर्णा पूर्णिमायां रवेर्दिने ॥ ६ ॥

भाषाः—संवत् १९५३ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा रविवारको शुभ भारतभू-मिमण्डलांतर्गत प्रसिद्ध इन्द्रप्रस्थ नगरसे पश्चिमकोणस्थ आर्चिक शैलतलवर्ति-नन्दग्रामनिवासी भारद्वाज गोत्र उपाध्यायकुलोद्भव ज्योतिर्विद् जगदीशप्रसादका बनाया यह नव्य उदाहरण मनुष्य भाषासे विभूषित समाप्त भया सो सबको सदा सुखादि देवो ॥ ६ ॥

मंगलं लेखकानां च पाठकानां च मंगलम् ॥
मंगलं सर्वलोकानां भूयोभूयोस्तु मंगलम् ॥ ७ ॥
मंगलं भगवान् विष्णुर्मंगलं गरुडध्वजः ॥
मंगलं पुण्डरीकाक्षो मंगलायतनो हरिः ॥ ८ ॥

## अब सूर्यसे लग्नसे इष्टकाल करनेकी रीति ।

अर्कभोग्यस्तनोर्भुक्तकालान्वितो ।
युक्तमध्योदयोऽभीष्टकालो भवेत् ॥ १ ॥

भाषाः–स्पष्ट सूर्यमें अयनांशा युक्त करके उसको राशिविना ३० अंशमें कम करके जो राशि ऊपर होय उसके प्रमाण स्वदेशीय लग्नमानसे गुणके भोग्य पल करना और लग्नमें अयनांश युक्त करके उसके ऊपर जो राशि होय उसके प्रमाणसे भुक्त पल करके फिर लग्नकी राशिसे सायनसूर्यकी राशितक स्वदेशीय लग्नमानका ऐक्य करके उसमें भुक्त और भोग्य पल युक्त करके ६० से भाग देना तो इष्टकालघटीपल स्पष्ट होता है ।

टिप्पणः–जो सायन सूर्यकी राशिसे सायनलग्नकी राशितक स्वदेशीय लग्नका ऐक्य करे तो सुधा लग्न लेना और सायन लग्नकी राशिसे और सायन सूर्यकर राशितक लग्नका ऐक्य करे तो उलट लग्न लेना ।

उदाहरणः–स्पष्ट सूर्य ०।१३।१०।४२ इसमें अयनांशा २२।४४।३ युक्त करके १।५।५४।४५ इसको ३० अंशमें कम करके १।२४।५।१५ इससे ऊपरके कहे प्रमाण भोग्य साधन किया तो१९५ अब लग्न ६।९।४२। २६ इसमें अयनांशा २२।४४।३ युक्त करके ७।२।२६।२९ इससे भुक्त पल साधन किया तो २८ अब सायन सूर्य वृष राशिका है इसवास्ते मिथुन लग्नका ३०० कर्कका ३४६ सिंहका ३५५ कन्याका ३४८ तुलका ३४८ इनका ऐक्य १६९७ इसमें भुक्त भोग्य पल युक्त करी और इसको ६० का भाग दिया तो लब्ध ३२ शेष ० यह पल पूर्वतुल्य इष्ट भया इसी प्रमाणसे सूर्य लग्नसे इष्टकाल करना ।

जो सायन सूर्य और सायन लग्न एक राशिमें होय तो इनका अंतर करके उसको सायन सूर्यके उदयसे गुणके ३० से भाग देना जो भागाकार आवे सो पलात्मक अभीष्टकाल होता है जो सायनसूर्यके अपेक्षा सायन लग्न कमती होय तो पूर्वप्रमाण साधन किया जो कला सो ६० मेंसे कम करना तो इष्टकाल होता है ।

| अथ रवेरष्टवर्गांकाः ४८. | | | | | | | | चन्द्रस्याष्टवर्गांकाः ४९. | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सू. | च. | मं. | बु. | बृ. | शु | श. | ल. | चं | म. | बु | बृ | शु | श | ल. | सू |
| १ | ३ | १ | ३ | ५ | ६ | १ | ३ | १ | २ | १ | १ | ३ | ३ | ३ | ३ |
| २ | ६ | २ | ५ | ६ | ७ | २ | ४ | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ६ | ६ |
| ४ | १० | ४ | ६ | ९ | १२ | ४ | ६ | ६ | ५ | ४ | ७ | ५ | ६ | १० | ७ |
| ७ | ११ | ७ | ९ | ११ | ० | ७ | १० | ७ | ६ | ५ | ८ | ७ | ११ | ११ | ८ |
| ८ | ० | ८ | १० | ० | ० | ८ | ११ | १० | ९ | ७ | १० | ९ | ० | ० | १० |
| ९ | ० | ९ | ११ | ० | ० | ९ | १२ | ११ | १० | ८ | ११ | १० | ० | ० | ११ |
| १० | ० | १० | १२ | ० | ० | १० | ० | ० | ११ | १० | १२ | ११ | ० | ० | ० |
| ११ | ० | ११ | ० | ० | ० | ११ | ० | ० | ० | ११ | ० | ० | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| भौमस्याष्टवर्गांकाः ३९. | | | | | | | | बुधस्याष्टवर्गांकाः ५४. | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मं. | बु. | बृ. | शु | श | ल. | सू. | च. | बु. | बृ | शु | श. | ल | सू. | च. | मं |
| १ | ३ | ६ | ६ | १ | १ | ३ | ३ | १ | ६ | १ | १ | १ | ५ | ४ | १ |
| २ | ५ | १० | ८ | ४ | ३ | ५ | ६ | ३ | ८ | २ | २ | २ | ६ | ५ | २ |
| ४ | ६ | ११ | ११ | ७ | ६ | ६ | ११ | ५ | ११ | ३ | ४ | ४ | ९ | ६ | ४ |
| ७ | १२ | १२ | १२ | ८ | १० | १० | ० | ६ | १२ | ४ | ७ | ६ | ११ | ८ | ७ |
| ८ | ० | ० | ० | ९ | ११ | ११ | ० | ९ | ० | ५ | ८ | ९ | १२ | १० | ८ |
| १० | ० | ० | ० | १० | ० | ० | ० | १० | ० | ८ | ९ | ११ | ० | ० | ९ |
| ११ | ० | ० | ० | ११ | ० | ० | ० | ११ | ० | ९ | १० | १२ | ० | ० | १० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १२ | ० | ११ | ११ | ० | ० | ० | ११ |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |

| गुरोरष्टवर्गांकाः ५६ | | | | | | | | शुक्रस्याष्टवर्गांकाः ३९. | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बृ. | शु. | श | ल | सू | च. | मं | बु | शु. | श | ल. | सू. | च. | म. | बु. | बृ. |
| १ | २ | ३ | १ | १ | २ | १ | १ | १ | ३ | २ | ८ | १ | ३ | ३ | ५ |
| २ | ५ | ५ | २ | २ | ५ | २ | २ | २ | ४ | ३ | ११ | २ | ५ | ५ | ८ |
| ३ | ६ | ६ | ४ | ३ | ७ | ४ | ४ | ३ | ५ | ४ | १२ | ३ | ६ | ६ | ९ |
| ४ | ९ | १२ | ५ | ४ | ९ | ७ | ५ | ४ | ८ | ५ | ० | ४ | ९ | ९ | १० |
| ७ | १० | ० | ६ | ७ | ११ | ८ | ६ | ५ | ९ | ८ | ० | ५ | ११ | ११ | ११ |
| ८ | ११ | ० | ७ | ८ | ० | १० | ९ | ८ | १० | ९ | ० | ८ | १२ | ० | ० |
| १० | ० | ० | ९ | ९ | ० | ११ | १० | ९ | ११ | ११ | ० | ९ | ० | ० | ० |
| ११ | ० | ० | १० | १० | ० | ० | ११ | १० | ० | ० | ० | ११ | ० | ० | ० |
| ० | ० | ० | ११ | ११ | ० | ० | ० | ११ | ० | ० | ० | १२ | ० | ० | ० |

| शनेरष्टवर्गाकाः ३९. | | | | | | | | लग्नस्याष्टवर्गाकाः ४८. | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श. | ल. | सू. | च. | म. | बु. | बृ. | शु. | ल. | सू. | च. | म. | बु. | बृ. | शु. | श. |
| ३ | ३ | १ | ३ | ३ | ६ | ५ | ६ | ३ | १ | ३ | १ | ३ | ५ | ६ | १ |
| ५ | ४ | ३ | ६ | ५ | ८ | ६ | ११ | ४ | २ | ६ | २ | ५ | ६ | ७ | २ |
| ६ | ६ | ४ | ११ | ६ | ९ | ११ | १२ | ८ | ४ | १० | ४ | ६ | ९ | १२ | ४ |
| ११ | ९ | ७ | ० | १० | १० | १२ | ० | १० | ७ | ११ | ७ | ९ | ११ | ० | ७ |
| ० | १० | ८ | ० | ११ | १२ | ० | ० | ११ | ८ | ० | ८ | १० | ० | ० | ८ |
| ० | ११ | १० | ० | १२ | ० | ० | ० | १२ | ९ | ० | ९ | ११ | ० | ० | ९ |
| ० | ० | ११ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १० | ० | १० | १२ | ० | ० | १० |
| ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० | १२ | ० | ११ | ० | ० | ० | ११ |

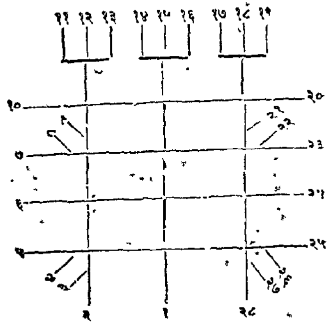
## अथ सर्वतोभद्रचक्रम् ।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भ. | कृ. | रो. | मृ. | आ. | पु. | पु. | आ. | अ. |
| म. | व. | अ. | प | क. | ह. | ड. | ऊ. | म. |
| अ. | ल. | लृ. | २ | ३ | ४ | लृ. | म. | पू. |
| रे. | च. | १ | ओ. | न. | औ. | ५ | ट. | उ. |
| उ. | द. | १२ | रि. | पू. | म. | ६ | प. | ह. |
| पू | स. | ११ | अः | ज. | अं. | ७ | र. | चि. |
| श. | ग. | ऐ. | १० | ९ | ८ | ए. | त. | स्वा. |
| ध | क्ष. | ख. | ज. | भ. | य. | न. | . | वि. |
| इ. | श्र. | अ. | उ. | पू. | मू. | ज्ये. | अ. | ई. |

अथातः संप्रवक्ष्यामि चक्रं त्रैलोक्यदीपकम् ॥ विख्यातं सर्वतोभद्रं सद्यः प्रत्ययकारकम् ॥ १ ॥ याम्योत्तराः प्राक्परावच कोष्ठा नवात्र चक्रे सुधिया विधेयाः ॥ स्वरर्क्षवर्णादिकमत्र लेख्यं प्रसिद्धभावाच्च मया निरुक्तम् ॥ २ ॥ भ्रमो भवेद्धेऽक्षरजे च हानिर्व्याधिः स्वरे भीश्च तिथौ निरुक्ता ॥ राशौ च वेधे सति विघ्नमेव जंतुः कथं जीवति पंचविद्धे ॥ ३ ॥ भरण्यकारो वृषभं च नंदां भद्रां तकारं श्रवणं विशाखाम् । तुलां च विद्धेदनलर्क्षसंस्थो ग्रहोऽत्र चक्रे गदितं स्वरज्ञैः ॥ ४ ॥ वकारमौकारमुकारदास्रे स्वातीरकारं मिथुनं च कन्याम् ॥ तथाभिजिरसंज्ञकां च विद्धे ग्रहर्क्षसंस्थो हि नभश्चरेन्द्रः ॥ ५ ॥ कर्क ककारं

च हरिं पकारं चित्रां च पौष्णं च तथा लकारम् । अकारकं वैश्वभमत्र विद्धेदलं नभोमंडलगो मृगस्थः ॥ ६ ॥ एवं वेधः सर्वतोभद्रचक्रे सर्वर्क्षेष्वश्चिन्तनीयः सुधीभिः ॥ दद्याद्वेधः सत्फलं सौम्यजातोऽत्यंतं-कष्टं दुष्टवेधः करोति ॥ ७ ॥ यस्मिन्वृक्षे संस्थितो वेधकर्ता पापः खेटः सोऽत्यभं याति यस्मिन् ॥ काले तस्मिन् मंगलं पीडितानां प्रोक्तं सद्भिर्नान्यथा स्यात्कदाचित् ॥ ८ ॥

## ॥ सूर्यकालानलचक्रम् ॥

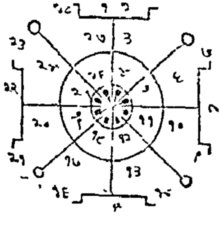



सूर्यकालानलंचक्रं स्वरशास्त्रोदितं हि यत् ॥ तदहं विशदं वक्ष्ये चमत्कृतिकरं परम् ॥ १ ॥ त्रिशूलकाग्राः सरलाश्च तिस्रः किलोर्ध्वरेखाः परिकल्पनीयाः ॥ रेखात्रयं मध्यगतं च तत्र द्वे द्वे च कोणोपरिगे विधेये ॥ २ ॥ त्रिशूलकोणांतरगान्यरेखा तदग्रयोः शृंगयुता विधेयम् ॥ मध्ये त्रिशूलस्य च दंडमूलात्तनव्येन भान्यर्कभतोऽभिजिच्च ॥ ३ ॥ स्वनामभं यत्र गतं च तत्र प्रकल्पनीयं सदसत्फलं हि । तत्रस्थनक्षत्रितये क्रमेण चिन्त्या यथा प्रनिबंधनानि ॥ ४ ॥

श्रीमद्रूपे रुक् च भवेद्धि भं शूलेषु मृत्युं परिकल्पनीयम् शेषेषु धिष्ण्येषु जयश्च लाभोऽभीष्टार्थसिद्धिर्बहुधा नराणाम् ॥ ५ ॥ श्रीसूर्यकालानलचक्रमेतद्रणे च वादे चरणे प्रयाणे ॥ प्रयत्नपूर्वं ननु चिन्तनीयं पुरातनानां वचनं प्रमाणम् ॥ ६ ॥

## इति सूर्यकालानलचक्रम् ।

## अथ चन्द्रकालानलचक्रम् ।



स्वकोष्ठके प्रविधाय वृत्तं तस्मिंश्च पूर्वापरयाम्यसौम्यैः ॥ वृत्ताद्बहिःसंचालिते विधेये रेखात्रिशूलाश्च तदग्रकेषु ॥ १ ॥ कोणश्च रेखाद्वितियेन साध्या पूर्वत्रिशूले किल मध्यसंस्थम् ॥ चान्द्रं लिखेद्भं तदनुक्रमेण सव्येन धिष्ण्यानि बहिस्तदन्ते ॥ २ ॥ कालानलं चक्रमिदं हि चान्द्रं रणप्रयाणादिषु जन्मभं चेत् । त्रिशूलसंस्थं निधनाय नूनमन्तर्बहिःस्थं त्वशुभप्रदं हि ॥ ३ ॥

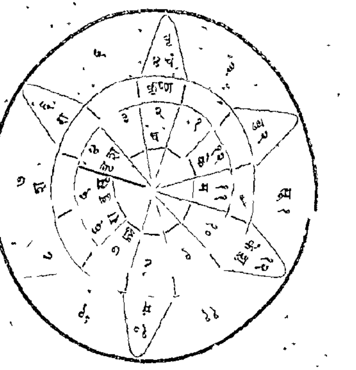
## श्रीरामचन्द्रस्य जन्मकुण्डली ।

हिमांशोर्भेऽङ्केऽब्जेसुरगुरुरिपौ राहुरनुजे-
ऽभिगो मन्दः पुण्ये शिखिगुरुशनास्तेऽवनिसुतः ॥
रवौ स्वस्थे सौम्ये शिवभवनगे मासि मधुके
सिते मध्याह्नेऽभूद्रघुवरजनिर्विश्वसुखदः ॥ १ ॥

श्रीकृष्णचन्द्रस्य जन्मकुण्डली ।

भाद्रे मासि सितेतरे वसुतिथौ ब्राह्मे वृषेऽब्धौ विधौ
लग्नस्थे सशनौ गुरौ सहजगेऽम्बुस्थे रवौ सेन्दुजे ॥
राहौ पंचमगे भृगौ रिपुगते भौमे नृपस्थे ध्वजे
लाभे रात्रिदले बभूव कमलाधीशावतारो बुधे ॥ २ ॥

उभयोर्जन्मलग्ने ।



इति भाषोदाहरणसहितं केशवीजातकं समाप्तम् ।

---